रामपुर रज़ा लाइब्रेरी
RAMPUR RAZA LIBRARY

संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार
Ministry of Culture, Government of India

44 वीं वार्षिक रिपोर्ट
44th Annual Report
2018-19

YEARS OF CELEBRATING THE MAHATMA

रामपुर रज़ा लाइब्रेरी अवार्ड समारोह में सम्मानित विद्वानों एवं अतिथिगण को संबोधित करते माननीय राज्यपाल उत्तर प्रदेश एवं अध्यक्ष, रामपुर रज़ा लाइब्रेरी बोर्ड श्री राम नाईक।

दिनांक : 4 अक्तूबर 2018 स्थान : राजभवन, लखनऊ।

रामपुर रज़ा लाइब्रेरी की 48वीं बोर्ड मीटिंग के अवसर पर श्री राम नाईक, माननीय राज्यपाल उत्तर प्रदेश/अध्यक्ष रामपुर रज़ा लाइब्रेरी बोर्ड एवं सभी बोर्ड सदस्य रामपुर रज़ा लाइब्रेरी न्यूजलेटर (वार्षिक संयुक्तांक) का विमोचन करते हुए।

दिनांक : 17 जुलाई 2018 स्थान : राजभवन, लखनऊ।

रामपुर रज़ा लाइब्रेरी

(संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार)

44वीं वार्षिक रिपोर्ट

2018–2019

रामपुर रज़ा लाइब्रेरी
हामिद मंज़िल, क़िला
रामपुर–244901 (उ०प्र०) भारत

© रामपुर रज़ा लाइब्रेरी, रामपुर

सर्वाधिकार सुरक्षित

प्रकाशक की पूर्व अनुमति बिना इस प्रकाशन के किसी भाग को छापना तथा इलेक्ट्रानिकी, मशीनी, फोटो प्रतिलिपि, रिकार्डिंग अथवा किसी अन्य विधि से पुनः प्रयोग पद्धति द्वारा इसका संग्रहण अथवा प्रसारण वर्जित है।

पुस्तक का नाम	:	44वीं वार्षिक रिपोर्ट : 2018–19 रामपुर रज़ा लाइब्रेरी, रामपुर
प्रकाशक	:	प्रो० सैयद हसन अब्बास निदेशक, रामपुर रज़ा लाइब्रेरी

रामपुर रज़ा लाइब्रेरी
(संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार)
रामपुर 244901 (उ०प्र०) भारत

वेबसाइट : **www.razalibrary.gov.in**
ई–मेल : raza-library@nic.in
फोन : 0091–595–2325045, 2327244
फैक्स : **0091–595–2340548**

विषय-सामग्री

1.	सामान्य समीक्षा	1
2.	लाइब्रेरी का संक्षिप्त इतिहास	7
3.	लाइब्रेरी भवन एवं भूमि	10
4.	रज़ा लाइब्रेरी संग्रहालय	12
5.	लाइब्रेरी संग्रह (Collection)	13
6.	अधिनियम और विनिमय	26
7.	उद्देश्य	26
8.	रामपुर रज़ा लाइब्रेरी बोर्ड व उप–समितियाँ	26
9.	लाइब्रेरी की सुरक्षा	27
10.	रामपुर रज़ा लाइब्रेरी एवार्ड	28
11.	रामपुर रज़ा लाइब्रेरी स्कॉलरशिप	28
12.	टैगोर राष्ट्रीय फैलोशिप/स्कॉलरशिप	29
13.	लाइब्रेरी में न्यू एडिशन	29
14.	तकनीकी सेवाएँ	30
15.	सूचीकरण	31
16.	कम्प्यूटरीकरण एवं डिजिटाइजेशन	33
17.	विद्वानों को सुविधाएँ	33
18.	पाठकों को उपलब्ध सेवाएँ	34
19.	लाइब्रेरी की प्रस्तावित योजनाएँ	34
20.	लाइब्रेरी के प्रकाशन	35
21.	संरक्षण एवं उपचार	35
22.	प्रशिक्षण एवं सम्मेलन	36
23.	संग्रहालय कार्य	36
24.	लाइब्रेरी सोशल मीडिया पर	37
25.	विशिष्ट आगंतुक एवं शोधकर्ता	38
26.	शैक्षिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियाँ	44
27.	परिशिष्ट	61

44वीं वार्षिक रिपोर्ट 2018–2019
सामान्य समीक्षा

मैं प्रसन्नतापूर्वक रामपुर रज़ा लाइब्रेरी के कार्य संचालन की 44वीं वार्षिक रिपोर्ट (1 अप्रैल 2018 से 31 मार्च 2019) में लाइब्रेरी की गतिविधियों, तकनीकी, शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रिपोर्ट प्रस्तुत करता हूँ।

रामपुर रज़ा लाइब्रेरी बोर्ड के अध्यक्ष श्री राम नाईक, माननीय राज्यपाल, उत्तर प्रदेश और बोर्ड के सभी सदस्यों के उचित मार्गदर्शन एवं बहुमूल्य योगदान तथा पुस्तकालय के निष्ठावान कर्मचारियों द्वारा समर्पित सेवाओं के फलस्वरूप लाइब्रेरी उच्चस्तरीय शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियां प्रगतिरत है।

रामपुर रज़ा लाइब्रेरी विश्व की सर्वोत्तम लाइब्रेरियों में से एक है। यहाँ दुर्लभ पाण्डुलिपियां, इस्लामिक कैलीग्राफ़ी के नमूने, ताड़पत्र, प्राचीन मुद्रित पुस्तकें, इण्डो–पर्शियन और इण्डो–सेन्ट्रल एशियन लघु चित्र, ऐतिहासिक सिक्के, शीशे की प्राचीन कलाकृतियां आदि संग्रहीत हैं। पुस्तकालय के संग्रह में अरबी, फ़ारसी, संस्कृत, हिन्दी, उर्दू, तुर्की, पश्तो एवं अंग्रेज़ी आदि भाषाओं की पाण्डुलिपियों, मुद्रित पुस्तकों तथा विभिन्न लिपियों में हस्तलिखित पुस्तकों को संजोकर सुरक्षित रखा गया है जो सामान्य जन एवं बुद्धिजीवी वर्ग को अपनी ओर आकर्षित करती हैं।

भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा दिये गए यथेष्ट वित्तीय अनुदानों के द्वारा कार्य संचालन, रख–रखाव, संरक्षण, प्रकाशन, कम्प्यूटरीकरण और पाण्डुलिपियों का डिजीटाईज़ेशन किया गया है। इसके साथ ही केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (CISF) द्वारा इस बहुमूल्य संग्रह की सुरक्षा की उत्तम व्यवस्था भी है।

पुस्तकालय के संग्रह को क्रय, विनिमय एवं उपहार के माध्यम से समृद्ध बनाया जाता है। 01 अप्रैल 2018 से 31 मार्च 2019 के दौरान पुस्तकालय द्वारा 815 पुस्तकें, 1,061 आवधिक पत्रिकाएं और 8,977 समाचार पत्रों का अधिग्रहण किया गया तथा उनको उचित तरीके से एक्सेशन रजिस्टर में दर्ज किया गया। इस अवधि के दौरान 2,165 मुद्रित पुस्तकों का वर्गीकरण एवं 2,144 सूचीपत्र बनाये गये। 895 पाण्डुलिपियों और 2,579 मुद्रित पुस्तकों का सूचीकरण किया गया। एक्सेशन नं० 61840 से नं० 62654 तक कुल 815 पुस्तकों का एक्सेशन किया गया। पुस्तकों की लेबलिंग तथा सफ़ाई का कार्य निरन्तर किया जाता है। 1586 मुद्रित पुस्तकों पर नये लेबल लगाये गये। सूचीपत्रों की जांच कर उनको अपटूडेट (अद्यतन) किया गया एवं लगभग 17,694 पुस्तकों को शैल्फ़ों पर साफ़ करके पुनः रखा गया। 1265 पुस्तकों/पत्रिकाएँ एवं 35 पाण्डुलिपियों की मरम्मत तथा जिल्दसाज़ी की गयी और इसके अतिरिक्त रजिस्टरों, नोट बुक तथा फोटो एलबम की मरम्मत तथा जिल्दसाज़ी भी की गई। 400 महत्वपूर्ण समाचार पत्रों की कटिंग कर संग्रहीत किया गया। 1,834 कलर फोटो और विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की 07 डी०वी०डी०/सी०डी० तैयार की गई।

296 पाण्डुलिपियों (261 फारसी और 35 संस्कृत) तथा 2,102 मुद्रित पुस्तकों (1290 उर्दू, 326 अरबी, 130 फारसी, 106 अंग्रेजी, 250 हिन्दी) की सूचियों का डेटाबेस कम्प्यूटरीकरण किया गया जिससे सुविधापूर्वक उनके सम्बन्ध में सूचना प्राप्त हो सके।

रामपुर रज़ा लाइब्रेरी के संग्रह की 1067 पाण्डुलिपियों के 2,00,000 पृष्ठों को डिजिटाइज़ किया गया तथा सर्वर पर लोड किया गया।

लाइब्रेरी अपने पाठकों को सेवाएँ प्रदान करती है। इस अवधि के दौरान 63 वरिष्ठ शोधकर्ताओं ने 435 पाण्डुलिपियों का अध्ययन किया और 868 पाठकों ने 4,503 मुद्रित पुस्तकों का अवलोकन किया। इसके साथ–साथ 92,073 सामान्य पाठकों ने पुस्तकालय में समाचार पत्रों और पत्रिकाओं का अध्ययन किया तथा बड़ी संख्या में रामपुर रज़ा लाइब्रेरी के दरबार हॉल में स्थित रज़ा संग्रहालय का भ्रमण किया।

रामपुर रज़ा लाइब्रेरी शोधकर्ताओं को पाण्डुलिपियों और मुद्रित पुस्तकों की छायाप्रति (फोटो कापी) भी भुगतान द्वारा प्रदान कराती है। इस अवधि में शोधकर्ताओं को मुद्रित पुस्तकों की 5,000 फोटो कापियां प्रदान की गयीं। 564 रज़ा लाइब्रेरी प्रकाशनों को शोधकर्ताओं को विक्रय किया गया एवं लाइब्रेरी प्रकाशन की 249 पुस्तकें बोर्ड के सदस्यों, उप–समितियों के सदस्यों, विशिष्ट अतिथियों, शोधकर्ताओं एवं लेखकों को उपहार स्वरूप भेंट की गयीं।

संरक्षण प्रयोगशाला द्वारा वैज्ञानिक विधियों से प्लास्टर ऑफ पेरिस से बनी मिर्ज़ा ग़ालिब की एक मूर्ति, बहुमूल्य पाण्डुलिपियों के क्षतिग्रस्त 1,140 पृष्ठ, दुर्लभ मुद्रित पुस्तकों के क्षतिग्रस्त 1,117 पृष्ठों का सफलतापूर्वक संरक्षण किया गया। मिर्ज़ा ग़ालिब की मूर्ति दरबार हाल में लगाई गई है।

राष्ट्रीय पाण्डुलिपि मिशन (एनएमएम) के अन्तर्गत रामपुर रज़ा लाइब्रेरी में पाण्डुलिपि संरक्षण केन्द्र मार्च 2019 से संचालित है जिसके द्वारा दुर्लभ पाण्डुलिपि के 154 क्षतिग्रस्त पृष्ठों का उपचारात्मक एवं 2090 पृष्ठों का प्राथमिक संरक्षण सफलतापूर्वक किया गया।

रामपुर रज़ा लाइब्रेरी के संग्रहालय में प्रलेखन और कला–कृतियों को संरक्षित करने का कार्य निरन्तर किया जा रहा है, जो इस वर्षावधि में इस प्रकार है।

- 160 दुर्लभ सिक्क़ों का प्रलेखन किया गया।
- 82 कला–कृतियों का प्राथमिक संरक्षण किया गया।
- 83 संग्रहालय वस्तुओं को प्रदर्शित एवं अनुशीर्षकों को तैयार किया गया।
- संग्रहालय वस्तुओं का सत्यापन किया गया।

यह भव्य इमारत इण्डो–यूरोपियन भवन निर्माण कला का उत्कृष्ट उदाहरण है। इस लाइब्रेरी में एक गैलरी है जिसमें ग्रीक स्त्रियों की विभिन्न मुद्राओं वाली आकर्षक इटैलियन मूर्तियाँ लगी हुई हैं। गैलरी में बने हुए कनोपियां, कोरनिस एवं चमकदार छत को शुद्ध सोने से अलंकृत किया गया है जो इसको और शानदार बनाते हैं। इस भव्य इमारत के चारों ओर ख़ाली स्थान को मुगल शैली की 'चार बाग' प्रणाली से शोभायुक्त बगीचे के रूप में विकसित किया गया, जिसमें फव्वारे, पानी की नालियाँ और सुन्दर एवं चुनिन्दा पौधे लगाये गये हैं। इस स्थान को अत्यधिक आकर्षित बनाने के लिए पानी की गहरी नहरों के ऊपर चारों ओर सुन्दर ढंग से कोटा पत्थर लगाये गये हैं।

रज़ा लाइब्रेरी में सम्पूर्ण ऐतिहासिक इमारत का पुरातत्विक नियमों में संरक्षण के तहत छतों तथा उसके भीतरी भागों फर्श, लॉन (घास के मैदान), दीवारों की मरम्मत आदि की गई। इस वर्ष कराये गये नवीन कार्य इस प्रकार हैं :–

- रंगमहल के परिसंचारी क्षेत्र में सी०सी० इंटरलॉकिंग का कार्य।
- रंगमहल की चहारदीवारी का पुनर्निर्माण।
- मीडिया कक्ष की मरम्मत एवं रंगाई–पुताई। इसे समाचार पत्र अनुभाग के रूप में ढाला गया है।
- हामिद मंजिल एवं रंगमहल के लान में फुटपाथ की मरम्मत एवं पुनःरगाई–पुताई।
- हामिद मंजिल में इमामबाड़े के निकट भण्डार कक्ष की मरम्मत एवं इसको पत्रिका अनुभाग (Periodical Section) के रूप में विकसित किया गया।
- रज़ा लाइब्रेरी, हामिद मंजिल की गैलरी की मरम्मत और नवीनीकरण।

प्रकाशन

रज़ा लाइब्रेरी अब तक 222 पुस्तकों का प्रकाशन कर चुकी है। इस वर्षावधि 2018–2019 के दौरान भी अरबी, फारसी, उर्दू, अंग्रेज़ी और हिन्दी की पुस्तकें प्रकाशित की गयीं हैं।

इस अवधि के दौरान निम्नलिखित 11 पुस्तकों को प्रकाशित किया गया–

- *राजभाषा पत्रिका (अक्तूबर–दिसम्बर 2018) (हिन्दी)*
- *अदविया मुफरदा (उर्दू), प्रो० शमीम इरशाद आज़मी*
- *तज़करे और तबसिरे (उर्दू), प्रो० हनीफ नक़वी*
- *तल्मीहात–ए–ग़ालिब (उर्दू), प्रो० शरीफ हुसैन क़ासमी*
- *यादगार नामा मौलाना अब्दुस सलाम खाँ रामपुरी (उर्दू), प्रो० सैयद हसन अब्बास*
- *ख़ाक़ानी–ए–हिन्द, क़ा–आनी–ए–अस्र अल्लामा असिफी निज़ामी रामपुरी (फ़ारसी), मौलाना अरशी*
- *प्रकाशन सूची*
- *रामपुर रज़ा लाइब्रेरी न्यूजलेटर बुक (वर्ष का संकलित अंक)*
- *रामपुर रज़ा लाइब्रेरी न्यूजलेटर (अंक 10–18)*
- *वार्षिक रिपोर्ट 2017–18 (हिन्दी/अंग्रेजी)*
- *कैलीग्राफी पुस्तिका*

शैक्षिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियाँ

रामपुर रज़ा लाइब्रेरी में शैक्षिक गतिविधियाँ जैसे सेमिनार, व्याख्यान होते रहते हैं जिनका उद्देश्य जनमानस में विभिन्न शैक्षिक एवं साहित्यिक विषयों पर जागरूकता फैलाना और शोधकार्य में शोधकर्ताओं को बढ़ावा देना है। इस वर्ष आयोजित गतिविधियाँ निम्न हैं–

रामपुर रज़ा लाइब्रेरी द्वारा 08 अप्रैल 2018 को रंगमहल में **"दाग़ देहलवी : रामपुर और हैदाराबाद"** पर विस्तार व्याख्यान का आयोजन किया गया।

16 से 30 अप्रैल 2018 तक **"स्वच्छता पखवाड़ा"** मनाया गया।

8 मई 2018 को **"अग्नि शमन प्रणाली पर कार्यशाला"** का आयोजन किया।

03 से 21 जून 2018 तक दरबार हॉल में **"पवित्र कुरान और कैलीग्राफी के नमूनों"** की प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

21 जून 2018 को **"चतुर्थ अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस"** पर योगाभ्यास हेतु कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

24 जून 2018 को मौलाना अब्दुस्सलाम खाँ मैमोरियल प्रथम विस्तार व्याख्यान **"मौलाना अब्दुस्सलाम खाँ : जीवन और कृतित्व"** पर विस्तार व्याख्यान का आयोजन किया गया।

रामपुर रज़ा लाइब्रेरी द्वारा 29 जुलाई 2018 को **"वर्तमान काल में प्रेमचंद की प्रासांगिकता"** विषय पर विस्तार व्याख्यान का आयोजन किया गया।

प्रसिद्ध साहित्यकार मुंशी प्रेमचंद की 138वीं जयन्ती के अवसर पर रामपुर रज़ा लाइब्रेरी के दरबार हॉल में 29 जुलाई से 10 अगस्त 2018 तक **"मुंशी प्रेमचंद : प्रसिद्ध लेखक, पत्रकार और स्वतंत्रता सेनानी"** शीर्षक पर पुस्तकों की प्रदर्शनी लगाई गई।

15 अगस्त 2018 को **"72वां स्वतंत्रता दिवस"** मनाया गया। निदेशक, प्रो० सैयद हसन अब्बास ने रज़ा लाइब्रेरी में राष्ट्रीय ध्वज फहराया और राष्ट्रीय गान के साथ समस्त स्टाफ सहित राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी गयी।

20 अगस्त 2018 को रामपुर रज़ा लाइब्रेरी ने **"सद्भावना दिवस"** मनाया।

मॉरीशस के गोस्वामी तुलसीदास नगर में 18 से 20 अगस्त 2018 तक आयोजित **"11वें विश्व हिन्दी सम्मेलन"** में सहभागिता की और अपने उत्कृष्ट प्रकाशनों को प्रदर्शित किया।

02 सितम्बर 2018 को **"भारत में हाफिज शीराजी की लोकप्रियता"** पर विस्तार व्याख्यान का आयोजन किया।

14 से 28 सितम्बर 2018 तक **"हिन्दी पखवाड़ा"** मनाया गया।

16 से 30 सितम्बर 2018 तक **"स्वच्छता पखवाड़े"** का आयोजन किया।

संस्कृति मंत्रालय ने 25 सितम्बर से 24 अक्तूबर 2018 तक राष्ट्रीय संग्रहालय नई दिल्ली, भारत में उज़्बेकिस्तान दूतावास, उज़्बेकिस्तान के इलेक्ट्रॉनिक मास मीडिया के राष्ट्रीय संघ, रामपुर रज़ा लाइब्रेरी और खुदा बख़्श ओरिएंटल पब्लिक लाइब्रेरी, पटना के संयुक्त सहयोग से **"भारत–उज़्बेकिस्तान : संस्कृति का संवाद"** पर राष्ट्रीय संग्रहालय, नई दिल्ली में एक प्रदर्शनी का आयोजन किया।

27 सितम्बर 2018 को **"फारसी पाण्डुलिपियाँ : भारत और ईरान की साझा विरासत"** पर विस्तार व्याख्यान का आयोजन किया।

राष्ट्रपिता की याद में, रामपुर रज़ा लाइब्रेरी ने 02 अक्तूबर, 2018 को **"गांधी जयंती"** मनाई।

04 अक्टूबर 2018 को राजभवन लखनऊ में **"अवार्ड समारोह"** आयोजित किया गया और श्री राम नाईक, माननीय श्री राज्यपाल उत्तर प्रदेश/अध्यक्ष, रामपुर रज़ा लाइब्रेरी बोर्ड ने रामपुर रज़ा लाइबेरी अवार्ड से विद्वानों को विभिन्न शैक्षिक क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्यों के लिये सम्मानित किया।

14 अक्टूबर 2018 को **"महात्मा गांधी और उर्दू अदब"** पर विस्तार व्याख्यान आयोजित किया।

सर सैयद अहमद खाँ के जन्मदिवस के अवसर पर 17 से 25 अक्तूबर 2018 तक लाइब्रेरी में **"पुस्तक प्रदर्शनी"** का आयोजन किया गया।

महर्षि वाल्मीकि के जन्मदिवस के अवसर पर रामपुर रज़ा लाइब्रेरी में 23 से 30 अक्तूबर 2018 तक **"दुर्लभ पाण्डुलिपियों एवं रामायण की पुस्तकों"** की प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

31 अक्तूबर 2018 को **"राष्ट्रीय एकता"** दिवस मनाया गया।

19 से 25 नवम्बर 2018 तक उत्साह के साथ **"सांप्रदायिक सद्भावना अभियान सप्ताह"** मनाया गया।

उज़्बेकिस्तान के इलेक्ट्रॉनिक मास मीडिया के राष्ट्रीय संघ द्वारा ताशकंद में 10 से 11 दिसम्बर 2018 तक आयोजित "विश्व संग्रह में उज़्बेकिस्तान की संस्कृति विरासत" पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में रामपुर रज़ा लाइब्रेरी के निदेशक प्रो० सैयद हसन अब्बास ने उक्त संस्थान के निमंत्रण पर भाग लिया और रामपुर रज़ा लाइब्रेरी संग्रह में **"उज़्बेकिस्तान की संस्कृति विरासत"** पर अपना पेपर प्रस्तुत किया।

30 दिसम्बर 2018 को रामपुर रज़ा लाइब्रेरी ने **"भारत का अमूल्य शैक्षिक संग्रह : रामपुर रज़ा लाइब्रेरी"** पर एक दिवसीय आन्तरिक सेमिनार का आयोजन किया।

26 जनवरी 2019 को रामपुर रज़ा लाइब्रेरी में भारत के **"गणतंत्र दिवस"** की 70वीं वर्षगांठ मनाई गई। लाइब्रेरी के निदेशक प्रो० सैयद हसन अब्बास ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया।

29 से 31 जनवरी, 2019 तक **"कला, संस्कृति एवं साहित्य के विकास में रियासत रामपुर का योगदान"** विषय पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।

30 जनवरी 2019 को **"शहीद दिवस"** के अवसर पर लाइब्रेरी स्टाफ एकत्रित हुआ और पूर्वाह्न 11.00 बजे, 2 मिनट का मौन धारण किया।

रामपुर रज़ा लाइब्रेरी और केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, यूनिट रज़ा लाइब्रेरी ने संयुक्त रूप से 05 फरवरी 2019 को रंगमहल में **"कार्डियो–पल्मोनरी रिससाइटेशन (सीपीआर)"** पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

17 मार्च 2019 को **"मुगल पेंटिग्स : एक ऐतिहासिक कथानक"** विषय पर डॉ० गीतिसेन, कला इतिहासविद् एवं पूर्व निदेशक, सांस्कृतिक केन्द्र नेपाल द्वारा एक व्याख्यान का आयोजन किया गया।

24 मार्च 2019 को राष्ट्रीय पाण्डुलिपि मिशन, नई दिल्ली के समर्थन में रामपुर रज़ा लाइब्रेरी ने एक कार्यशाला/जागरूकता कार्यक्रम **"पांडुलिपियों के निवारक संरक्षण"** का आयोजन सभागार, रंगमहल में किया।

31 मार्च 2019 को रामपुर रज़ा लाइब्रेरी एवं कौमी कॉन्सिल बराए फारोग उर्दू ज़बान के तत्वाधान में **"उर्दू, अरबी तथा फारसी साहित्य में मौलाना अरशी की सेवाओं पर"** एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया।

रामपुर रज़ा लाइब्रेरी ने सात **पुस्तक मेलों** में सहभागिता की जो कि विभिन्न संस्थानों एवं संगठनों द्वारा अलग–अलग स्थानों पर आयोजित किये गये।

मेरे लिए बहुत कठिन है कि मैं शब्दों में माननीय श्री राज्यपाल, उत्तर प्रदेश/अध्यक्ष, रामपुर रज़ा लाइब्रेरी बोर्ड, बोर्ड के सभी सदस्यगणों एवं मुख्य सचिव, माननीय श्री राज्यपाल का समुचित रूप में आभार व्यक्त कर सकूँ इन महानुभावों की सहायता के बिना इस महत्वपूर्ण विश्वविख्यात संस्थान के सफलतापूर्वक कार्य संचालन करने में मैं समर्थ नहीं हो पाता। उन सबका आभार व्यक्त करता हूँ।

अन्त में, मैं माननीय केन्द्रीय संस्कृति मंत्री और माननीय सचिव, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार का आभार व्यक्त करता हूँ, जिन्होंने लाइब्रेरी के सफलतापूर्वक संचालन के लिए प्रत्येक स्थिति में लाइब्रेरी की आर्थिक सहायता एवं मार्ग दर्शन किया।

दिनांक :

प्रो० सैयद हसन अब्बास
निदेशक
रामपुर रज़ा लाइब्रेरी, रामपुर
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार

लाइब्रेरी का संक्षिप्त इतिहास

नवाब फ़ैज़ुल्लाह ख़ाँ

रामपुर के प्रथम शासक नवाब फैजुल्ला खां द्वारा 1774 ई० में स्थापित की गई रामपुर रज़ा लाइब्रेरी भारतीय इस्लामी शिक्षा एवं कला का अनमोल ख़ज़ाना है जो उत्तर प्रदेश के जनपद रामपुर में स्थित है। यह स्वतंत्रता पूर्व "रियासत रामपुर" के नाम से जानी जाती थी। नवाब फैजुल्लाह ख़ाँ 1794 ई० तक रियासत में शासन करते रहे और अपने व्यक्तिगत प्रयासों से लाइब्रेरी में दुर्लभ पाण्डुलिपियों, ऐतिहासिक दस्तावेज़ों, कैलिग्राफ़ी के नमूनों, पेन्टिंग्स, लघुचित्र एंव अनेक पुस्तकों का संग्रह किया था। रामपुर के नवाब विद्वानों, कवियों, चित्रकारों, कैलीग्राफ़रों तथा संगीतकारों के बहुत बड़े संरक्षक रहे हैं। नवाब अहमद अली खां के शासन काल (1794–1840 ई०) में इस संग्रह में उल्लेखनीय वृद्धि की गयी।

नवाब मुहम्मद अली ख़ाँ

रियासत रामपुर के दूसरे नवाब मोहम्मद अली खाँ 17 जुलाई 1794 ई० को 43 वर्ष की आयु में सिंहासन पर आसीन हुए। यह नवाब फ़ैजुल्लाह ख़ाँ के बेटे थे। इनका शासनकाल केवल 24 दिन तक रहा। अपने कठोर स्वभाव की वजह से रूहेलों में तथा नवाबी ख़ानदान में लोकप्रिय न थे। नवाब ग़ुलाम मोहम्मद खाँ ने नवाब मुहम्मद अली खाँ को बेदखल करके गद्दी पर कब्ज़ा कर लिया।

नवाब गुलाम मोहम्मद खाँ 10 अगस्त 1794 ई० को 33 वर्ष की आयु में नवाब बने और उनका शासनकाल केवल तीन महीने और 22 दिन रहा। नवाब साहब को अपनी नवाबी कायम रखने के लिए अंग्रेज हुकुमत और अवध के नवाब आसिफुद्दौला से ग्राम भिटौरा में युद्ध करना पड़ा था, जिसमें उनकी पराजय हुई। अंग्रेजी सरकार के पहरे में उनको पहले ठाकुरद्वारा और बाद में बनारस ले जाया गया, बनारस से नवाब साहब हज के सफर पर चले गये तथा वापसी में कांगड़ा पंजाब में रहने लगे। राजा संसार चंद ने आव–भगत और सम्मान के साथ अपने यहाँ रखा। 61 वर्ष की आयु में 18 फरवरी 1833 ई० को वहीं पर उनका निधन हुआ।

नवाब गुलाम मुहम्मद खाँ

नवाब अहमद अली खाँ 9 वर्ष की आयु में 29 नवम्बर 1794 को सिंहासन पर बैठे। नवाब नसरूलाह खाँ उनके रीजेन्ट नियुक्त हुए। नवाब अहमद अली खाँ कवि थे। "रिन्द" तख़ल्लुस (उपनाम) था। ललित कलाओं में बहुत रूचि लेते थे। नवाब अहमद अली खाँ शिकार, निशानेबाज़ी व गीत संगीत और नृत्य के प्रेमी थे।

नवाब अहमद अली खां

मौलवी ग़यासुद्दीन खाँ ने फ़ारसी शब्दकोष "ग़यासुल्लुग़ात" उन्हीं के काल में संकलित की। "बेनज़ीर" और "बद्रे मुनीर" की इमारतों का उन्हीं के नवाबी काल में निर्माण हुआ।

नवाब मोहम्मद सईद ख़ाँ

नवाब मोहम्मद सईद खाँ (1840–1855 ई०) एक सक्रिय शासक थे। उन्होंने लाइब्रेरी के लिए एक अलग विभाग बनाया तथा संग्रह को नये कमरों में रखवाया। इस कार्य के लिये उन्होंने अल्लामा यूसुफ़ अली मेहवी (एक अफ़गान विद्वान) को नियुक्त किया, जिन्होंने कुतुबखाना में संग्रह को व्यवस्थित किया तथा इन्होंने कश्मीर और भारत के अन्य भागों से सुप्रसिद्ध खत्तातों तथा दस्तकारों को आमंत्रित किया। नवाब ने फ़ारसी लिपि में एक मुहर बनवायी जो इस प्रकार है :–

"हस्त इन मुहर बर कुतुबखाना
वालिये रामपुर फ़रज़ाना"
1268 हिजरी" (1852 ई०)

नवाब यूसुफ़ अली खां ने 1 अप्रैल 1855 ई. में शासन की बागडोर संभाली। साहित्य और कला में उनकी काफ़ी रूचि थी, वे स्वयं भी 'नाज़िम' उपनाम से कविताएं लिखते थे। वे मशहूर शायर मिर्ज़ा ग़ालिब से सलाह लिया करते थे और उन्हें हर माह 200 रूपये का वज़ीफ़ा दिया करते थे। 1857 में हुए ऐतिहासिक ग़दर के समय में काफ़ी बड़ी संख्या में प्रसिद्ध विद्वान, कवि और लेखक दिल्ली से रामपुर आये और यहीं बस गए। "तारीख़े अदबे उर्दू" के लेखक राम बाबू सक्सैना ने लिखा है कि "नवाब साहब ने शोअराय देहली व लखनऊ को अपने दरबार में जमा करके उर्दू शायरी को गंगा–जमनी कर दिया था।" नाज़िम की कविताओं के संग्रह पर आधारित सुन्दर पाण्डुलिपि रज़ा लाइब्रेरी में संरक्षित है जो देखते ही बनती है। इसे उसी रूप में लाइब्रेरी ने प्रकाशित कर कविता प्रेमियों के लिये उपलब्ध भी करा दिया है। नवाब युसुफ अली खाँ नवाब ने 10 वर्षों तक शासन किया और 1865 में स्वर्गवास हुआ।

नवाब यूसुफ़ अली ख़ाँ

नवाब कल्बे अली ख़ाँ

नवाब कल्बे अली खां (1865–87 ई.) उर्दू और फ़ारसी भाषाओं के विद्वान थे। उन्हें पाण्डुलिपियों, पेंटिंग और कलात्मक नमूनों के संग्रह में काफ़ी रूचि थी। उन्होंने कला–पारखियों के सहयोग से अनेक दुर्लभ पाण्डुलिपियों, पेंटिंग तथा कलात्मक नमूनों को उपलब्ध करके लाइब्रेरी के संग्रह को सम्पन्न किया था। उनके समय में रामपुर कला, काव्य, कैलीग्राफ़ी तथा शिक्षा का प्रमुख केन्द्र बन गया। रामबाबू सक्सेना ने इस युग में शिक्षा एवं साहित्य की उन्नति का उल्लेख करते हुये लिखा है कि "अदबी हैसियत से रामपुर रज़ा लाइब्रेरी का (यह) सुनहरा काल कहा जाता है (क्योंकि) उस समय हर प्रकार के "अहले कमाल" विद्वान मौजूद थे।"

नवाब मुश्ताक अली ख़ाँ

इसके बाद 1887–89 ई. तक नवाब मुश्ताक अली खां रामपुर की गद्दी पर बैठे लेकिन उनके बीमार रहने की वजह से 1887 में जनरल आज़मुद्दीन खां रियासत का कार्य देखते थे। उन्होंने एक प्रबन्ध समिति बनाई थी तथा लाइब्रेरी के विकास एवं रख–रखाव के लिये पर्याप्त बजट उपलब्ध कराया था। एक नई इमारत 1892 में बनवायी गयी तथा तोशाख़ाना से लाइब्रेरी का संग्रह उसमें स्थानांतरित किया गया। उन्होंने लाइब्रेरी में उपलब्ध संग्रह को देश–विदेश के सभी शोधकर्ताओं के उपयोग के लिये खोल दिया।

नवाब हामिद अली खां (1889–1930 ई.) ने गद्दी संभालने से पहले कई देशों का भ्रमण किया था। उन्होंने उच्च शिक्षा ग्रहण की थी और रामपुर शहर में अनेक सुन्दर महलों तथा राजकीय इमारतों का निर्माण कराया था। उन्होंने किला परिसर में एक सुन्दर भवन ''हामिद मंज़िल'' बनवाया, इस भवन में 1957 से रज़ा लाइब्रेरी स्थित है। यह इमारत इण्डो–यूरोपियन (Indo-European) शैली का उत्तम नमूना है।

नवाब हामिद अली ख़ाँ

उन्होंने इस लाइब्रेरी के प्रबंधन में भी काफ़ी सुधार किया। इनके शासन काल में हकीम अजमल खां, मौलवी नजमुल ग़नी ख़ां और हाफ़िज़ अहमद अली ख़ां शौक़ को लाइब्रेरी के रख–रखाव तथा प्रबन्धन के वास्ते नियुक्त किया गया। इन लोगों ने लाइब्रेरी की बहुत सेवा की तथा अरबी पाण्डुलिपियों एवं मुद्रित पुस्तकों की सूची उर्दू भाषा में भी बनाई जिसे लाइब्रेरी की ओर से 1902 तथा 1928 में प्रकाशित किया गया। यह सूची अनुपलब्ध है तथा इसकी उपयोगिता को देखते हुए इसे पुनः प्रकाशित किया गया (केवल 2 खण्ड) अप्रकाशित सूचियों के प्रकाशन कार्य प्रगति में हैं।

नवाब रज़ा अली ख़ां (1930–1966 ई.) रामपुर की गद्दी पर 30 जून, 1930 को आसीन हुए। उन्होंने स्वदेश के साथ ही विदेशों में भी शिक्षा ग्रहण की थी। उन्होंने शहर में शिक्षा के

नवाब रज़ा अली ख़ाँ

प्रचार–प्रसार में बड़ी रुचि ली और कालेज और स्कूलों के खोलने में विशेष प्रयत्न किया। उन्हें भारतीय संगीत से काफ़ी लगाव था तथा इस उद्देश्य से उन्होंने अधिक संख्या में भारत तथा विदेशों से पाण्डुलिपियाँ और दुर्लभ पुस्तकें ख़रीदी जो भारतीय संगीत से सम्बन्धित थीं। वह स्वयं प्रसिद्ध हिन्दी कवि थे तथा 'रज़ा' से हिन्दी में कविताएं लिखते थे। इनकी 'संगीत सागर' नामक रचना लाइब्रेरी में सुरक्षित हैं। रामपुर में संगीत, कला और संस्कृति के विकास के लिये उन्होंने अत्यधिक उदारता दिखायी थी।

स्वतन्त्रता प्राप्ति के पश्चात् रामपुर की रियासत भारतीय संघ में सम्मिलित कर दी गयी। इसके बाद 6 अगस्त 1951 से एक ट्रस्ट जून, 1975 तक रज़ा लाइब्रेरी के प्रबन्धन सम्बन्धी समस्त कार्यों की देख–रेख किया करता था।

प्रो. सैय्यद नूरूल हसन जो कि भारत सरकार के तत्कालीन राज्य शिक्षा एवं वैज्ञानिक शोध मंत्री थे, उन्होंने कई बार पुस्तकालय का भ्रमण किया तथा बहुमूल्य संग्रह व पुस्तकालय की धीरे–धीरे ख़राब होती हुई स्थिति को देखकर चिंतित रहते थे। उनके एवं नवाब सैय्यद मुर्तज़ा अली ख़ां के प्रयासों से भारत सरकार ने 1 जुलाई, 1975 ई. को रामपुर रज़ा लाइब्रेरी एक्ट सं० 22 के अधीन पुस्तकालय को अपने अधिकार क्षेत्र में लेकर राष्ट्रीय महत्व की संस्था घोषित किया तथा महत्वपूर्ण क़दम उठाकर प्रबन्ध में सुधार किये एवं आर्थिक सहायता प्रदान की।

अधिनियम की धारा 4 (2) के अन्तर्गत गठित रामपुर रज़ा लाइब्रेरी बोर्ड के द्वारा लाइब्रेरी का प्रबन्ध किया जाने लगा। बोर्ड के अध्यक्ष उत्तर प्रदेश के माननीय श्री राज्यपाल होते हैं। बोर्ड में 12 सदस्यों का प्रावधान है, जिनमें रामपुर रियासत के नवाब ख़ानदान का एक सदस्य नियुक्त किया जाता है। इनके अलावा शिक्षा के विभिन्न क्षेत्रों जैसे इतिहास, अरबी, फ़ारसी आदि के विद्वानों के साथ केन्द्र एवं राज्य सरकारों के प्रतिनिधि भी होते हैं।

रामपुर रज़ा लाइब्रेरी के निदेशक/सदस्य सचिव का पद है, इसलिये बोर्ड तथा उपसमितियों की बैठकें आयोजित करने तथा उनके द्वारा लिये गए निर्णयों के कार्यान्वयन की ज़िम्मेदारी निदेशक को दी गई है। 1975 से रामपुर रज़ा लाइब्रेरी के निदेशकों/विशेषकार्याधिकारी के नाम **परिशिष्ट–1 (पृष्ठ सं० 61)** में दिये गये हैं।

लाइब्रेरी भवन एवं भूमि

रामपुर रज़ा लाइब्रेरी का संचालन 1957 से वर्तमान भवन हामिद मंजिल में किया जा रहा है। जैसा कि कहा गया है किले के अन्दर स्थित यह भव्य इमारत इण्डो–यूरोपियन भवन निर्माण कला का उत्कृष्ट नमूना है। 18 नवम्बर 1982 को उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा हामिद मंज़िल के साथ ही रंगमहल एवं इसके चारों ओर स्थित ख़ाली जगह का स्वामित्व भारत सरकार को हस्तांतरित कर दिया गया था।

भारत सरकार से यह अपेक्षा की गई थी कि वह इन भवनों की समय–समय पर मरम्मत, पुनरूद्धार एवं रख–रखाव हेतु अपने कोष से आवश्यक व्यय करेगी, जो वह करती है। 18 नवम्बर, 1982 को सरकारी दस्तावेज़ो के अनुसार उत्तर प्रदेश सरकार ने भारत सरकार को सौंपे गए भवनों तथा भूमि का विवरण निम्नलिखित है :–

भवन एवं भूमि	क्षेत्रफल
हामिद मंजिल	26,495 वर्गफुट
रंग महल	17,664 वर्गफुट
लॉन एवं भूमि, लॉन की भूमि सहित भूमि का क्षेत्र	2,08,941 वर्गफुट

इस भव्य इमारत के चारों ओर ख़ाली स्थान को मुगल शैली की 'चार बाग' प्रणाली से शोभायुक्त बगीचे के रूप में विकसित किया गया, जिसमें फव्वारे, पानी की नहर और चुनिन्दा फूल तथा सुन्दर पेड़–पौधे लगाये गये हैं। इस स्थान को अत्यधिक आकर्षित बनाने के लिए पानी की गहरी नहरों के ऊपर चारों ओर सुन्दर ढंग से कोटा पत्थर लगाये गये हैं परन्तु समय बीतने के साथ साथ इनका जीर्णोद्वार भी किया जाता रहा है और अब भी इसकी आवश्यकता महसूस की जा रही है। भवन के अन्दर स्थित दरबार हाल में जो दुर्लभ वस्तुओं आदि का संग्रहालय है, प्रवेश द्वार से ठीक पहले मूर्तिकला के सर्वोत्कृष्ट स्तर को प्रदर्शित करने वाली गैलरी है जिसमें ग्रीक स्त्रियों की विभिन्न मुद्राओं वाली आकर्षक मूर्तियां लगी हुई हैं। यह 17वीं–18वीं शताब्दी में निर्मित की गई थी और इनको इटली से तत्कालीन नवाब ने आयात किया था। संग्रहालय के अन्दर भी अनेक आदम कद मूर्तियां लगी हुई हैं। गैलरी में बने हुए कनोपियां, कोरनिस एवं चमकदार छत को शुद्ध अधिक सोने से अलंकृत किया गया है जो इसको और शानदार बनाते हैं। संग्रहालय की छत में पाँच बृहद आकार के झूमर लगे हुए हैं तथा उस समय देखने में अत्यन्त आकर्षक लगते हैं, जब इनमें लगे सौ वर्ष पुराने मूल बल्बों को जलाया जाता है। दरबार हाल में भी यर्थाथ आकार (पूरा कद) की 5 पत्थर की मूर्तियां लगी हुई हैं।

सौ वर्षों से अधिक पुराने रामपुर के ऐतिहासिक किले में स्थित हामिद मन्ज़िल और रंगमहल का संरक्षण एक निरन्तर प्रक्रिया है। हामिद मंज़िल उत्तर भारत के इण्डो–यूरोपियन (मुग़ल) वास्तु कला का अनोखा उदाहरण है। इसमें मूर्ति कला की इटैलियन शैली की गैलरी सुन्दर ताकों और कैनोपी से सुसज्जित है और इसके विशाल कमरें तथा विशाल दरबार हाल की छत सोने से सुसज्जित है।

रज़ा लाइब्रेरी में सम्पूर्ण ऐतिहासिक इमारत का संरक्षण पुरातात्विक नियमों के अन्तर्गत छतों तथा उसके भीतरी भागों, फ़र्श, लॉन (घास के मैदान), दीवारों आदि की मरम्मत की गई तथा रंग रौग़न किया गया। लाइब्रेरी भवन के मुख्य गुम्बद का जीर्णोधार बहुत आवश्यक है।

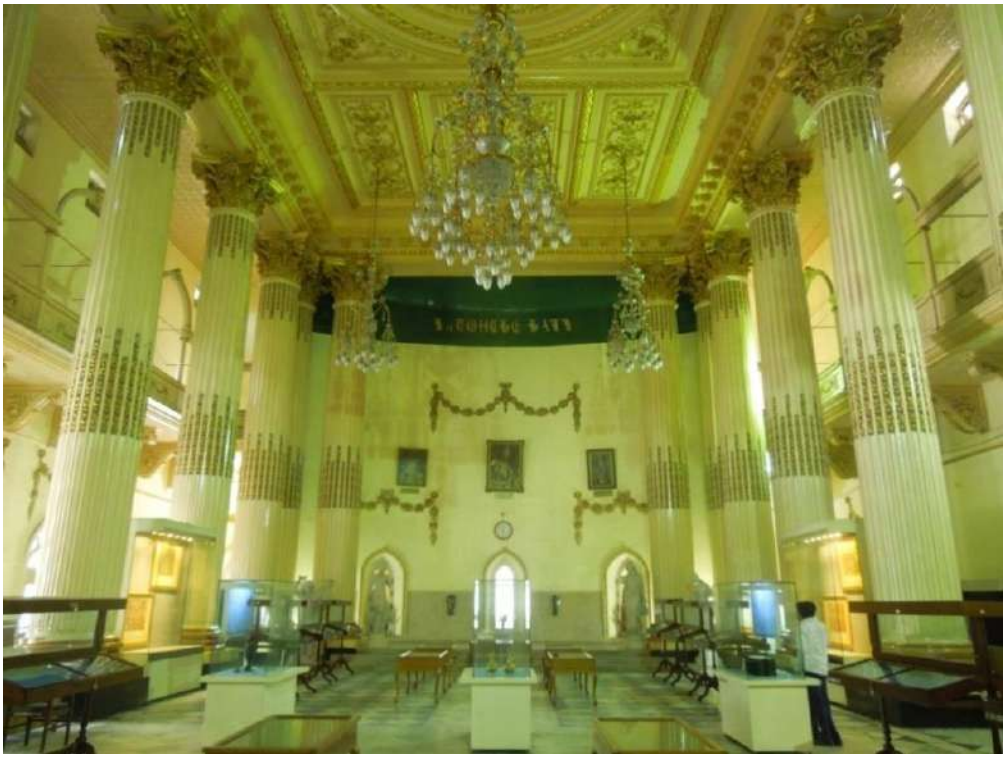

दरबार हॉल का दृश्य

इस वर्ष कराये गये नवीन कार्य इस प्रकार हैं–

- रंगमहल के परिसंचारी क्षेत्र में सी०सी० इंटरलॉकिंग का कार्य।
- रंगमहल की चहारदीवारी का पुनर्निर्माण।
- मीडिया कक्ष की मरम्मत एवं रंगाई–पुताई। इसे समाचार पत्र अनुभाग के रूप में ढाला गया है।
- हामिद मंजिल एवं रंगमहल के लान में फुटपाथ की मरम्मत एवं पुनःरगाई–पुताई।
- हामिद मंजिल में इमामबाड़े के निकट भण्डार कक्ष की मरम्मत एवं इसको पत्रिका अनुभाग (Periodical Section) के रूप में विकसित किया गया।
- रज़ा लाइब्रेरी, हामिद मंजिल की गैलरी की मरम्मत और नवीनीकरण।

रज़ा लाइब्रेरी संग्रहालय

पुस्तकालय के दरबार हाल हामिद मंज़िल में 19 जुलाई, 1997 को एक संग्रहालय की स्थापना की गयी थी तब से आज तक आने वाले दर्शनार्थी एवं शोधकर्त्ताओं के लिये कला, शिक्षा, शोध एवं पुरातत्त्वविज्ञान के क्षेत्र में उच्च स्तर की जानकारी प्रदान करने हेतु अधिक प्रयास किये जा रहे हैं। लाइब्रेरी के प्रबन्धन विभाग द्वारा लाइब्रेरी के सग्रंहालय को देखने हेतु आने वाले दर्शकों के लिये ऐतिहासिक दुर्लभ पाण्डुलिपियों, सिक्कों, लघु–चित्रों, कैलीग्राफ़ी के नमूनों, पुराने हथियारों तथा कलाकृतियों को प्रदर्शित किया गया है। अधिकांश आगन्तुक इन धरोहरों का अवलोकन करते हैं। यह कला एवं संस्कृति के क्षेत्र में अत्यन्त सहायक है। सप्ताह के सभी दिन (राजकीय एवं साप्ताहिक अवकाश के अतिरिक्त)

यह प्रातः 10:00 बजे सायंः 05:00 बजे से तक अवलोकन हेतु खुला रहता है। सिक्कों की कैटलॉगिंग भी कराई गई है जिसे भविष्य में प्रकाशित कराने का विचार है।

लाइब्रेरी संग्रह (Collection)

रामपुर रज़ा लाइब्रेरी के संग्रह में लगभग 17,000 दुर्लभ वस्तुएँ जिनमें पाण्डुलिपियाँ, लघुचित्र, इस्लामिक कैलीग्राफी के नमूने, कला–कृतियाँ, खगोल विद्या के उपकरण, ऐतिहासिक सिक्के सम्मिलित हैं तथा विभिन्न भाषाओं में लगभग 62,000 मुद्रित पुस्तकें उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त पत्रिकाओं का भी बड़ा एवं महत्वपूर्ण संग्रह उपलब्ध है।

पुस्तकालय संग्रह में अरबी, फ़ारसी, संस्कृत, तुर्की, पश्तो, हिन्दी तथा उर्दू भाषा जैसी प्राचीन मध्यकालीन तथा भारतीय भाषाओं को लिया गया है। इन भाषाओं में पाण्डुलिपियाँ, इतिहास, दर्शनशास्त्र, धर्म, विज्ञान, साहित्य कला तथा वास्तुकला जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर पाण्डुलिपियाँ तथा प्राचीन एवं आधुनिक युग की प्रकाशित पुस्तकें भी सम्मिलित हैं। लघु चित्र तुर्क–मंगोल, मुग़ल, पर्शियन, राजपूत, पहाड़ी, अवध तथा एंगलो–यूरोपियन कलाविद्या प्रदर्शित करते हैं जिन्हें शोधकर्ताओं के लिये अत्यधिक महत्वपूर्ण माना गया है।

पाण्डुलिपियों के अतिरिक्त मुद्रित पुस्तकों के अनुभाग का भी अपना एक अलग महत्व है। इस अनुभाग में सैकड़ों दुर्लभ अरबी, फारसी, उर्दू, तथा हिन्दी की पुस्तकें हैं जो अब प्रकाशित नहीं होती हैं केवल रज़ा लाइब्रेरी में ही संरक्षित हैं और शोधकार्य के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण हैं।

इस लाइब्रेरी के संग्रह का रोचक तथ्य यह है कि यहां विश्व के विभिन्न स्थानों जैसे हलब, मक्का, मदीना, इजिप्ट, ईरान, अफ़ग़ानिस्तान और इसके साथ ही मुग़ल काल के शासकों की शाही लाइब्रेरियों की पाण्डुलिपियाँ भी हैं। इसके अतिरिक्त बीजापुर के आदिल शाही और गोलकुण्डा की कुतुबशाही लाइब्रेरी तथा हैदराबाद के नवाबों, शासको की मोहरें भी उन पाण्डुलिपियों पर मौजूद हैं। संग्रह का विभाजन गणना के आधार पर श्रेणी अनुसार किया गया है।

पाण्डुलिपियों का संग्रह इस प्रकार है :

1.	अरबी पाण्डुलिपियां	5488	खण्ड (volumes)
2.	फारसी पाण्डुलिपियां	5403	,,
3.	उर्दू पाण्डुलिपियाँ	1441	,,
4.	उर्दू पाण्डुलिपियाँ (ड्रामा)	445	,,
5.	संस्कृत पाण्डुलिपियाँ	626	,,
6.	हिन्दी पाण्डुलिपियाँ (उर्दू लिपि में)	38	,,
7.	हिन्दी पाण्डुलिपियाँ (देवनागरी लिपि में)	19	,,
8.	तुर्की पाण्डुलिपियाँ	37	,,
9.	पश्तो पाण्डुलिपियाँ	45	,,
10.	लोहारू संग्रह की पाण्डुलिपियाँ	358	,,
11.	लोहारू संग्रह की डायरियाँ	84	,,
12.	ताड़पत्र पाण्डुलिपियाँ	205	,,

13.	नवीन परिग्रहण पाण्डुलिपियाँ एवं दुर्लभ मुद्रित पुस्तकें (लगभग)	400	,,
14.	लघुचित्र (35 एलबमों में)	1000	
15.	इस्लामिक कैलीग्राफी (84 एलबमों में)	2000	
16.	ऐतिहासिक सिक्के	1361	

मुद्रित पुस्तकों का संग्रह (पुराने कैटलॉग रजिस्टर के अनुसार) –

1.	उर्दू की मुद्रित पुस्तकें	31095	खण्ड (volumes)
2.	अरबी की मुद्रित पुस्तकें	5892	,,
3.	फारसी की मुद्रित पुस्तकें	4661	,,
4.	ओल्ड अंग्रेजी की मुद्रित पुस्तकें	5329	,,
5.	ओल्ड हिन्दी की मुद्रित पुस्तकें	304	,,
6.	शोबा–ए–ख़ास (अरबी) की मुद्रित पुस्तकें	433	,,
7.	शोबा–ए–खास (फारसी) की मुद्रित पुस्तकें	491	,,
8.	शोबा–ए–खास (उर्दू) की मुद्रित पुस्तकें	1718	,,
9.	लोहारू अनुभाग उर्दू की मुद्रित पुस्तकें	1207	,,
10.	लोहारू अनुभाग अरबी की मुद्रित पुस्तकें	272	,,
11.	लोहारू अनुभाग फ़ारसी की मुद्रित पुस्तकें	610	,,
12.	लोहारू अनुभाग अंग्रेजी की मुद्रित पुस्तकें	792	,,
13.	लोहारू अनुभाग हिन्दी की मुद्रित पुस्तकें	47	,,
14.	लोहारू अनुभाग संस्कृत की मुद्रित पुस्तकें	37	,,
15.	अन्य भाषाओं की मुद्रित पुस्तकें	194	,,

नये वर्गीकरण के अनुसार पुस्तकों का संग्रह–

16.	नवीन अंग्रेजी की मुद्रित पुस्तकें	4523
17.	नवीन हिन्दी की मुद्रित पुस्तकें	2640
18.	नवीन उर्दू, अरबी, फारसी की मुद्रित पुस्तकें	2409

अरबी पाण्डुलिपियों का संग्रह

अरबी पाण्डुलिपियों में सबसे दुर्लभ चतुर्थ खलीफा हज़रत अली (मृत्यु 661 ई.) द्वारा सातवीं सदी ईसवी. में कूफ़ी लिपि में पार्चमेंट पर हस्तलिखित कुरआन पाक है। आठवीं सदी में इमाम जाफ़र सादिक़ द्वारा पवित्र कुरआन की लिखी हुई दूसरी प्रति, नवीं सदी में इमाम अली रज़ा के हस्तलिखित चमड़े पर लिखा हुआ कुरआन पाक, तथा दसवीं सदी का कुरआन पाक जो कि मशहूर ख़त्तात इब्ने मुक़ला के हाथ का लिखा हुआ है लाइब्रेरी के संग्रह में सम्मिलित हैं। इब्ने मुक़ला ने बग़दाद के तीन ख़लीफ़ाओं की प्रधानमंत्री के रूप में सेवा की थी जो अभी भी अन्य रूप में प्रचलन में है। दसवीं शताब्दी में कुरआन पाक को ख़त्ते नस्ख़ में लिखा। यह रज़ा लाइब्रेरी में मौजूद संग्रह का अनूठा, दुर्लभ एवं अनमोल नमूना है।

हज़रत अली (रजि०) के हाथ से लिखा हुआ 7वीं सदी के कुरान का एक पृष्ठ

रज़ा लाइब्रेरी के संग्रह में पवित्र कुरआन की एक दुर्लभ पाण्डुलिपि जो 13वीं शताब्दी के बग़दाद के निवासी मशहूर ख़त्तात याकूत अल मुस्तास्मी द्वारा लिखी गयी थी, उपलब्ध है। यह सोने एवं क़ीमती नीलम के रंगों से अलंकृत की गई है। इसी प्रतिभावान ख़त्तात की हस्तलिपि में एक अन्य महत्वपूर्ण पाण्डुलिपि दीवान–अल–हादिरा (629 हिजरी/1221 ई०) भी लाइब्रेरी के संग्रह में सुरक्षित है। यह पाण्डुलिपि बीजापुर के सुल्तान इब्राहीम आदिल शाह के शाही पुस्तकालय में उनके शासनकाल में थी। इस पाण्डुलिपि पर बीजापुर के सुल्तान की शाही मोहर भी लगी हुई है। यह लाइब्रेरी द्वारा प्रकाशित हो चुकी है, जिसका सम्पादन अरबी के प्रसिद्ध विद्वान प्रो० मोख़्तार उद्दीन अहमद (1924–2010 ई०) ने किया है।

रज़ी–उद–दीन अस्तराबादी द्वारा 1640 ई० में लिखी गई एक अन्य अमूल्य अरबी पाण्डुलिपि ''शरह–अल–काफिया'' भी है, जिस पर मुग़ल बादशाह शाहजहाँ के प्रधानमंत्री नवाब सादुल्लाह ख़ान द्वारा हाशिये पर लिखा नोट मौजूद है। इस पर शाहजहाँ ने स्वयं भी एक नोट लिखा है, इसके साथ ही इस पर सादुल्लाह ख़ाँ, इनायत ख़ाँ, ऐतमाद ख़ाँ, मोहम्मद सालेह ख़ाँ, औरंगज़ेब आलमगीर और 18वीं सदी के प्रसिद्ध अरबी–फारसी विद्वान मीर गुलाम अली आज़ाद बिलग्रामी (मृ० 1786 ई०) इत्यादि के हस्ताक्षर के साथ मोहरे भी अंकित हैं।

फ़ारसी पाण्डुलिपियों का संग्रह

फ़ारसी भाषा में लिखी गयी पाण्डुलिपियों के संग्रह में ज़ैनउद्दीन इब्राहीम गुरगानी (मृत्यु 531 हि०/1136 ई०) की 565 हि०/1169 ई० में प्रतिलिपिकृत पाण्डुलिपि 'ज़ख़ीरा–ए–ख़्वारिज़म शाही' भी सम्मिलित है। एक अन्य पाण्डुलिपि 'तफ़सीरे तबरी' को 12वीं सदी ई० में मिर्ज़ा मोहम्मद बिन मुजतहिद ने लिखा। इसका अरबी से, फ़ारसी में अनुवाद अब्दुल बाक़ी ने किया। इस पाण्डुलिपि पर ईरान के शाह अब्बास व क़ासिम बेग ख़ां 1031 हि० (1621–22 ई०) के हस्ताक्षर हैं।

फ़ारसी भाषा में लिखी पुरानी पुस्तकों में मंगोल कबीलों के इतिहास पर रशीदुद्दीन फ़ज़लुल्लाह ने 'जामेउत तवारीख़' नामक पुस्तक लिखी है। यह पाण्डुलिपि विभिन्न प्रकार के चित्रों से सुसज्जित है। इनमें चित्रों के द्वारा मंगोलों के धार्मिक, सामाजिक एवं

राजनैतिक जीवन से सम्बन्धित घटनाओं को प्रस्तुत किया गया है। यह चित्र चीन तथा मध्य एशिया की प्रारम्भिक पेन्टिंग्स से प्रभावित है तथा इनमें चीन एवं मध्य एशिया की कला का अद्भुत समन्वय दिखाई पड़ता है यह चित्र हेरात स्कूल का भी प्रतिनिधित्व करते हैं और यह पाण्डुलिपि 14वीं शताब्दी से सम्बन्धित है।

लाइब्रेरी में निजामी गंजवी (मृत्यु 1209 ई०) द्वारा रचित पाण्डुलिपि 'ख़म्सा' भी उपलब्ध है। यह लगभग 15वीं ईस्वी शताब्दी में लिखी गई थी। यह ईरानी शैली में लिखी गई है और विभिन्न प्रकार के सुन्दर बेल–बूटों से सुसज्जित है।

एक अन्य महत्वपूर्ण पाण्डुलिपि अब्दुर्रहमान जामी का ख़म्सा है जिसे 949 हिजरी/1042 ई० में मोहम्मद बिन अलाउद्दीन ने लिखा।

मौलाना जामी की मसनवी 'हफ़्त औरंग' 1038 हिजरी/1628 ई० जो जमालुद्दीन कातिब शीराज़ी द्वारा लिखी मसनवियों के साथ शामिल है।

915 हिजरी/1509 ई० में लिखी गई पाण्डुलिपि ''दीवाने जामी'' पर अली अकबर की पुत्री एवं बादशाह अकबर की माता हमीदा बानो की सुन्दर मोहर अंकित है। साथ ही इस पर शाहजहाँ की सुपुत्री नजर आरा बेगम की मोहर भी है। यह भी एक रोचक तथ्य है कि शाहजहाँ की सुपुत्री नजर आरा बेगम का समकालीन फारसी साहित्य में कहीं भी उल्लेख नहीं किया गया है।

लाइब्रेरी संग्रह में मध्य सोलहवीं शताब्दी की एक चित्रित पाण्डुलिपि ''कलीला व दिमना' है, जो पंचतंत्र का फ़ारसी अनुवाद है। यह अनुवाद अबुल मआली नसरूल्लाह बिन मुहम्मद ग़जनवी ने किया था। इसमें लघु चित्रों में प्राकृतिक पशु–पक्षी आदि सुन्दर व कलात्मक रूप से दर्शाये गये हैं।

मुगल बादशाह अकबर की चित्रकला में गहरी रूचि थी, विशेष रूप से मंगोल, तैमूरी तथा राजपूत रीति–रिवाजों पर आधारित पुस्तकों को चित्रित करने के लिए उन्होंने भारतीय तथा पर्शियन दोनों ही तरह के अनेक कलाकारों एवं विद्वानों को अपने दरबार में नियुक्त किया था तथा एक अनुवादालय की भी स्थापना की थी। जिसमें चित्रण के अतिरिक्त संस्कृत से फ़ारसी में पुस्तकों का अनुवाद किया गया तथा जिससे विभिन्न समुदायों के बीच सद्भावना और आपस में उत्तम संबंध बनाए जा सकें।

ज़ामिउत तवारीख़ का एक चित्रित पृष्ठ

रामपुर रज़ा लाइब्रेरी में सौभाग्य से एक सौ पचास चित्रित कला एवं साहित्य की पाण्डुलिपियाँ हैं। इन कृतियों में उस समय के रहन–सहन का स्तर, कला, वास्तुकला, रीति–रिवाज़ों, आभूषणों के अलावा स्थलाकृति का वर्णन, वनस्पति, जीव–जन्तु तथा परम्परागत संगीत यंत्रों का वर्णन है।

लाइब्रेरी संग्रह में एक दुर्लभ और बहुमूल्य सचित्र शाही पाण्डुलिपि ''दीवाने हाफ़िज़'' उपलब्ध है जो सम्भवतः

1575–80 ई० में अकबर के शासनकाल के दौरान लिखी गई। इसमें अकबर के शासन काल को चित्रों द्वारा प्रदर्शित किया गया है। इस पाण्डुलिपि के चित्रों को अकबर के दरबार में नियुक्त प्रसिद्ध चित्रकारों ने बनाया था। यह पाण्डुलिपि नस्तालीक़ लिपि में लिखी गयी है और इसमें ग्यारह लघु चित्र हैं जो निम्न वस्तुओं एवं घटनाओं को प्रदर्शित करते हैं :–

1. मुगल बादशाह अकबर की ''दीवाने हाफ़िज़'' को ध्यान से सुनते हुए कान्हा द्वारा बनाई गई पेन्टिंग।
2. भक्ति संगीत के हर्षोन्माद में ख़ानक़ाह में होने वाले कार्यक्रम की पेन्टिंग।
3. एक अर्द्धनग्न नौजवान घाटी में विचरण करते हुए।
4. एक राजकुमार अपने दरबारियों के साथ बगीचे में संगीत का आनंद लेते हुए।
5. उच्च कोटि के चित्रकार–मनोहर द्वारा चित्रित की गई एक खूबसूरत घाटी में घुड़सवारी करते हुए राजकुमार की पेन्टिंग।
6. फ़ारूख़ बेग द्वारा एक वृद्ध व्यक्ति भेड़ों के समूह को चराते हुए।
7. तुर्की हमांम में स्नान करते हुए तथा मालिश कराते हुए लोग।
8. एक राजकुमार अपने दरबारियों के साथ बगीचे की छत पर संगीत तथा शराब का आनन्द लेते हुए चित्रकार नरसिंह द्वारा बनायी गयी पेंटिंग्स।
9. तूफ़ान में पानी में डूबते हुए जहाज़ का चित्र।
10. एक राजकुमार अपने बगीचे में विद्वानों और संगीतज्ञों के साथ बैठा कविताओं का सस्वर पाठ सुन रहा है।
11. युद्ध के मैदान में दो सेनाएं एक दूसरे के विरूद्ध दोषारोपण करती हुई, चित्रा द्वारा चित्रित।

अन्य दुर्लभ पाण्डुलिपियों के साथ ही पुस्तकालय के संग्रह में 'रिसाला ख़्वाजा अब्दुल्लाह अन्सारी' एवं 'सद पंद–ए–लुक़मान' की पाण्डुलिपि को एक साथ जिल्द बांधकर संरक्षित किया गया है जो कि 1515 ई०/921 हिजरी में लिखी गयीं। इनको नस्तालीक़ लिपि में हेरात के विख्यात ख़त्तात मीर अली ने लिपिबद्ध किया था, जिनकी मृत्यु 951 हि0 (1544 ई.) में हुई थी। इस पर बहुत से राजाओं व दर्शनशास्त्रियों के हस्ताक्षर एवं मुहर लगी हुई हैं। इसे मुग़ल बादशाह शाहजहाँ ने अपने पुस्तकालय में प्रथम श्रेणी का स्थान प्रदान किया था तथा नवाब कल्बे अली खाँ द्वारा 1000 रू. में क्रय किया गया था। इस पाण्डुलिपि पर जहाँ आरा बेगम की हस्तलिपि में इसके महत्व की अभूतपूर्व प्रशंसा की है और उन्होंने कहा अगर उनकी हजार ज़ुबाने भी होती तो इसका वर्णन सही से नहीं कर पाती। इस पर 998 हि०/1588 ई० की तारीख़ है तथा शाहजहाँ एवं औरंगज़ेब के हस्ताक्षर एवं मुहरें हैं। इसी प्रकार दीवाने–हिलाली चुग़ताई को मीर हुसैन–अल–हुसैनी ने 16वीं सदी ई० में नस्तालीक़ में लिपिबद्ध किया था। इस पर शाहजहाँ के शासन काल के प्रसिद्ध व्यक्तियों जैसे एतिमाद ख़ान, इनायत ख़ान, सादिक़ ख़ान एवं प्रसिद्ध ख़त्तात अब्दुर–रशीद देलमी की मोहर लगी हुई है।

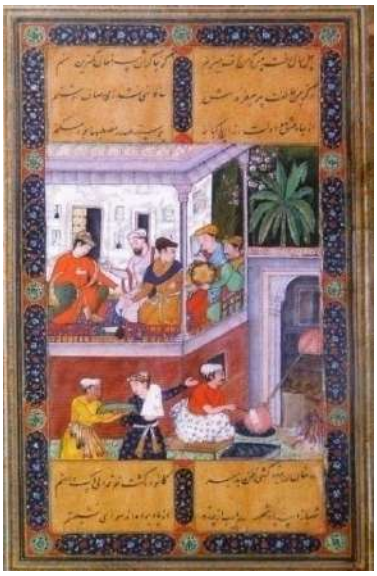

दीवान–ए–हाफ़िज़ का एक चित्रित पृष्ठ

शाहजहाँ और औरगजेब के हस्ताक्षर एवं मुहर सहित रिसाला ख़्वाजा अब्दुल्लाह अन्सारी' एवं 'सद पंद–ए–लुक़मान' का एक पृष्ठ

अद्वितीय चित्रित वाल्मीकि रामायण जिसका अनुवाद 1128 हिजरी/1715 ई० में फर्रूख़ सियर के शासन के दौरान फारसी में सुमेर चन्द द्वारा किया गया। इसमें 258 लघु चित्र हैं जो उस समय की कला, वास्तुकला, वस्त्र और आभूषणों आदि पर प्रकाश डालते हैं तथा इसके अलावा भारत की अन्तिम मध्य युगीन मिश्रित संस्कृति पर प्रकाश डालते हैं। इस अभूतपूर्व कलात्मक पाण्डुलिपि को देवनागरी लिपि में लाइब्रेरी ने प्रकाशित किया है जिसका विद्वानों ने स्वागत किया है। फ़ारसी पाण्डुलिपियों में ऐसी पाण्डुलिपियों की भी अधिकता है जो संस्कृत से फ़ारसी में अनुवादित हैं।

उर्दू पाण्डुलिपियों का संग्रह

पुस्तकालय के संग्रहालय में उर्दू की पाण्डुलिपियों की संख्या अरबी एवं फारसी भाषा में उपलब्ध पाण्डुलिपियों से कम है। परन्तु लाइब्रेरी में शाह हातिम का दीवान, कुल्लियाते मीर, जुरअत, हसन, दीवाने सोज और दीवाने गालिब की महत्वपूर्ण पाण्डुलिपियाँ मौजूद हैं। इनके अतिरिक्त इन्शा अल्लाह ख़ाँ की ''रानी केतकी की कहानी'' की दो दुर्लभ पाण्डुलिपियाँ भी उपलब्ध हैं। रामपुर रियासत के नवाब यूसुफ़ अली ख़ान 'नाज़िम' का सोने से सुसज्जित 'दीवान' भी लाइब्रेरी के संग्रहालय में है, जिसमें नवाब साहब का सुन्दर चित्र भी सम्मिलित है। इस पाण्डुलिपि को रज़ा लाइब्रेरी की ओर से प्रकाशित किया जा चुका है।

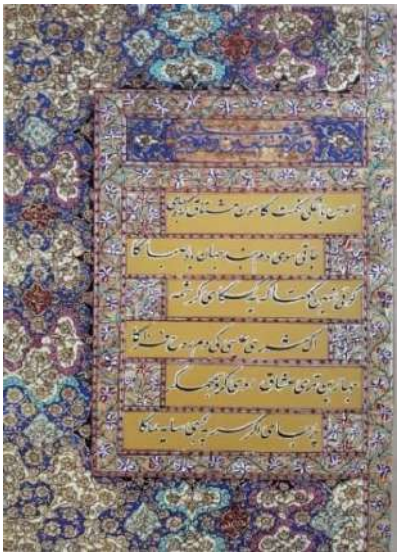

दीवान–ए–नाज़िम का एक पृष्ठ

ताड़पत्रों का संग्रह

रामपुर रज़ा लाइब्रेरी में ताड़पत्र पर लिखी हुई बहुमूल्य पाण्डुलिपियां भी उपलब्ध हैं, जिनमें मुख्यतः तेलगू, संस्कृत, कन्नड़, सिंहली व तमिल भाषा में हैं। ये मुख्यतः धार्मिक विषयों पर आधारित हैं। एक तमिल पाण्डुलिपि में मूर्तियों के निर्माण व पूजन–पद्धति को बताया गया है। अन्य पाण्डुलिपियों में विविध पौधों के औषधीय गुणों को बताया गया है, जिनसे बीमारियों का उपचार किया जाता है। एक पाण्डुलिपि संस्कृत भाषा में है, जो ग्रन्थ लिपि में लिखी गई है। इसमें महत्वपूर्ण महाकाव्य ''रामायण'' को भी सम्मिलित किया है। रामायण की प्रशंसा करते हुए इसे **"ब्रहम्वाचकम्"** कहा गया है। एक पाण्डुलिपि कन्नड़ में संगीत के विषय पर आधारित है। एक अन्य पाण्डुलिपि पेरियाटिन बायेमोलि है, जो वैष्णवों का पवित्र ग्रन्थ है

.

हिन्दी और संस्कृत पाण्डुलिपियों का संग्रह

पुस्तकालय के संग्रह में हिन्दी व संस्कृत भाषा की लगभग 600 पाण्डुलिपियाँ संग्रहीत हैं जिनमें अधिकतर पाण्डुलिपियों का समुचित मूल्यांकन नहीं हुआ है यह पाण्डुलिपियाँ विभिन्न विषयों यथा काव्य, ज्योतिष, कोश, न्याय, पुराण, स्रोत, वेदान्त से सम्बन्धित हैं। महाकवि कालिदास द्वारा रचित ग्रंथों (रघुवंश, मेघदूत, कुमारसम्भव) की पाण्डुलिपियाँ भी यहाँ उपलब्ध हैं। रज़ा लाइब्रेरी में संग्रहीत कुछ पाण्डुलिपियों का संक्षिप्त परिचय इस प्रकार है–

1. **मेघदूत** – मेघदूत की तीन पाण्डुलिपि हैं। मेघदूत की बालबोधिनी टीका में 125 पद्य हैं। इसका समय 1906 सम्वत्/1850 ई० है। शक सम्वत 1771/ 1849 ई० है। यह टीका समय सुन्दर मणि द्वारा की गई है। मेघदूत की प्रकाशित पुस्तकों में प्रसिद्ध संजीवनी टीका में 115 पद्य हैं। अन्य दो पाण्डुलिपियों का समय एवं टीकाकार का विवरण प्राप्त नहीं होता है।

2. **तर्कसंग्रह** – न्याय एवं वैशेषिक दोनों दर्शनों को समाहित करने वाला ग्रंथ है। मूल ग्रंथ अन्नमभट्ट द्वारा रचित है। पुस्तकालय में तर्क संग्रह की चार पाण्डुलिपियाँ हैं। तर्क संग्रह दीपिका – ये टीका स्वयं अन्नमभट्ट ने की है। इसके अतिरिक्त अन्य तीन–तीन टीकाओं के रचियता ज्ञात नहीं है। इसमें से एक पाण्डुलिपि का समय संवत् 1831/1775 ई० है।

3. **याज्ञवल्क्यस्मृति** – यह ऋषि याज्ञवल्क्य द्वारा रचित हिन्दु धर्मशास्त्र का अत्यन्त सुव्यवस्थित ग्रन्थ है। याज्ञवल्क्य स्मृति में तीन काण्ड हैं। इन तीन काण्डों अनेक अध्याय हैं। रज़ा लाइब्रेरी में उपलब्ध पाण्डुलिपि में भी तीन अध्याय हैं परन्तु काण्डों के अध्याय में कुछ अध्यायों का विवरण इस पाण्डुलिपि में प्राप्त नहीं होता है। इसका समय संवत् 1877/1881 ई० है। इसके लेखक तल्फ़ी हैं।

4. **घटकर्पर काव्य** – यह एक दूत काव्य है जिसमें एक विरहिणी नायिका ने अपने ग्रह की व्यंजना व्यक्त की है। इसमें केवल 22 पद्य हैं। पुस्तकालय में उपलब्ध पाण्डुलिपि में भी 22 पद्य प्राप्त होते हैं। यह यमक अलंकार में निबद्ध काव्य है। इसकी टीका तारचन्द द्वारा की गई है। घटकर्पर विक्रमादित्य के नवरत्नों में से एक हैं। घटकर्पर काव्य घटकर्पर द्वारा रचित है, ऐसा माना जाता है।

5. **वेदांतसार** – वेदांतसार के मूल लेखक सदानन्द योगीन्द्र हैं। इसका रचनाकाल 16वीं शताब्दी है। इसमें अद्वैत, वेदांत के विषयों का विस्तृत विवचेन किया गया है। पाण्डुलिपि में सम्पूर्ण ग्रंथ नहीं है। इसका समय संवत् 1904/1448 ई० है। अतः यह कहा जा सकता है कि रामपुर रज़ा लाइब्रेरी में संस्कृत की अत्यन्त दुर्लभ पाण्डुलिपियों का संग्रह है जो शोध का विषय बन सकती है।

इस प्रकार लाइब्रेरी में संस्कृत की कई दुर्लभ पांडुलिपियाँ हैं, जो विद्वानों के शोधकार्य के लिए लाभप्रद हो सकती हैं।

18वीं शताब्दी, श्रीमद्भागवद गीता स एक चित्रित पृष्ठ

लाइब्रेरी के संग्रह में हिन्दी की ऐसी पाण्डुलिपियाँ एवं पुस्तकें उपलब्ध है, जिनको मूलतः फारसी लिपि में लिखा गया था। जैसे – रस प्रबोध, मधुमालती, अंग–दर्पण आदि इन्हें लाइब्रेरी प्रकाशन द्वारा देवनागरी लिपि में प्रकाशित किया गया है जिससे आमजन को उपयोग में सुविधा हो सके, परन्तु अभी कुछ और पाण्डुलिपियाँ हैं जिनकी महत्ता को देखते हुए उन्हें देवनागरी में प्रकाशित किया जाना चाहिये जैसे "पद्मावत" आदि।

पुस्तकालय के संग्रह की अत्यन्त महत्त्वपूर्ण पाण्डुलिपियों में मलिक मंजन द्वारा लिखित मधुमालती के अतिरिक्त मलिक मोहम्मद जायसी की ''पद्मावत'' को फ़ारसी अनुवाद के साथ ही नस्तालीक लिपि में भी संरक्षित है। हिन्दी के मशहूर कवि गुलाम नबी रसलीन बिलग्रामी (1741 ई.) द्वारा लिखी गयी पुस्तक ''अंग दर्पण'' और ''रस प्रबोध'' भी लाइब्रेरी के संग्रहालय में संरक्षित है। लाइब्रेरी में संग्रहीत शाह मोहम्मद क़ाज़िम की हिन्दुस्तानी संगीत से सम्बन्धित ''नग़मातुल असरार'' तथा मुग़ल शासक शाह आलम द्वितीय की हिन्दी कविताओं का संग्रह ''नादिराते शाही'' को प्रकाशित किया है।

तुर्की पाण्डुलिपियों का संग्रह

'दीवान–ए–बाबर' का एक पृष्ठ

दिल्ली के प्रारम्भिक सुल्तानों तथा मुग़लों की भारतीय राजनीति पर, तुर्की भाषा का काफ़ी गहरा प्रभाव रहा है। तुर्की भाषा के अनेक शब्द हिन्दी, उर्दू एवं अन्य भाषाओं में प्रयोग किये जाते रहे हैं। मुगल बादशाह बाबर तुर्की उज़्बैक भाषा का प्रसिद्ध लेखक व कवि था और पद्य व गद्य में एक विशेष शैली का भी अविष्कारक था।

पुस्तकालय में तुर्की भाषा की 50 अमूल्य पाण्डुलिपियों का संग्रह विद्यमान है। इसके साथ ही बाबर की बयाज जो 'दीवाने बाबर' के नाम से प्रसिद्ध है, भी उपस्थित है। इसमें बाबर की हस्तलिपि में एक तुर्की रूबाई (चौपाई) भी लिखी हुई है। इस पुस्तक के प्रारम्भिक पृष्ठ पर अकबर के सेनापति मोहम्मद बैरम खां की मुहर व हस्ताक्षर हैं जिसने ग़लती से दीवान के लेखन को बाबर से संबंधित कर दिया था, इस ग़लती का सुधार बाद में बादशाह शाहजहाँ ने अपनी हस्तलिपि में किया और लिखा कि फ़िरदौस मकानी (बाबर) ने अपनी हस्तलिपि में सिर्फ़ रूबाई (चौपाई) ही लिखी है।

यह अद्वितीय पाण्डुलिपि 935 हिजरी (1528 ई.) की शाही प्रतिलिपि है। लाइब्रेरी ने इसे मूलरुप में प्रकाशित कर दिया है। एक और अमूल्य पाण्डुलिपि दीवाने–बैरम ख़ां (अपूर्ण) तुर्की भाषा में नस्तालीक़ लिपि में लिखी हुई है। इसका हाशिया फूल–पत्ती एवं पक्षियों के चित्रों से सजा हुआ है जिससे इसकी सुन्दरता और भी बढ़ जाती है। तुर्की भाषा में कार्य ''रोज़नामचा'' (दैनिक डायरी) है, जिसे उच्च कोटि के साहित्यकार इंशा उल्लाह ख़ां ''इंशा'' द्वारा लिखा गया है, जिसमें अवध के दरबार की महत्वपूर्ण जानकारी दी गई है। तुर्की पाण्डुलिपियों की सूची भी प्रकाशित की गई है।

पश्तो पाण्डुलिपियों का संग्रह

भारत वर्ष की अन्य ओरियन्टल लाइब्रेरी में उपस्थित संग्रह की तुलना में रज़ा लाइब्रेरी में पश्तो भाषा में उपलब्ध दुर्लभ पाण्डुलिपियों एवं मुद्रित पुस्तकों का संग्रह बहुत अच्छा है। इनमें कुरआन की पश्तो भाषा में लिखी गई टीका के अतिरिक्त 'दीवान खुशहाल ख़ान खटक' के दो दुर्लभ खण्ड भी उपलब्ध हैं जो नस्तालीक लिपि में है तथा सोने से सुसज्जित है। यह कवि शाहजहाँ के काल से सम्बन्ध रखता है। सूफ़ी कवि रहमान बाबा का सचित्र 'दीवान' पश्तो भाषा में ही लिखा गया है तथा लाइब्रेरी के संग्रह में उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त 18वीं सदी में अंग्रेज़ी शासकों से लड़ने एव शहीद होने वाले रूहेला अफ़ग़ानी सरदार हाफ़िज़ रहमत ख़ां की पाण्डुलिपि भी यहाँ सुरक्षित है।

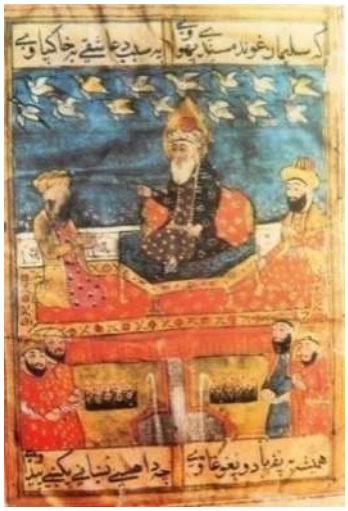

'दीवान–ए–रहमान बाबा' का एक चित्रित पृष्ठ

लघुचित्रों का संग्रह

रामपुर रज़ा लाइब्रेरी मे मंगोल, ईरानी, मुग़ल, दक्खिनी, राजपूत, पहाड़ी, अवध तथा ब्रिटिश चित्रकला स्कूल से सम्बन्धित लघु चित्रों, पोट्रेट एवं विचित्र पाण्डुलिपियों का बहुमूल्य संग्रह उपलब्ध है। पुस्तकालय में 35 लघु चित्रों एवं पोट्रेट के एलबम्स हैं जिनमें चार हज़ार से अधिक बहुमूल्य चित्र निहित हैं। एक अद्भुत एलबम है जिसे तिलिस्म कहते हैं। इसमें अकबर के आरम्भिक काल के 157 लघु चित्र हैं जिनसे भारतीय समाज के समकालीन विभिन्न वर्गों की झलकियां देखने को मिलती हैं। इसके अतिरिक्त ज्योतिषशास्त्र एवं जादू टोना पर आधारित लघुचित्र हैं। इसमें एक राजसी बैनर है जिस पर कुरान की आयतें हैं जो तैमूरी बैनर को दर्शाती हैं, जिस पर सूर्य और एक शेर का चित्र भी बना हुआ है। इस एलबम के अन्य चित्र राशि चिह्नों से सम्बन्धित हैं। इस एलबम पर अवध के शासकों की मुहरें हैं जिससे यह अनुमान लगाया जाता है कि यह एलबम उनके पास संरक्षित थी। यहाँ के संग्रह में संतों व सूफ़ियों के चित्रों के एलबम भी हैं।

एलबम रागमाला से राग हिंडोल का चित्र

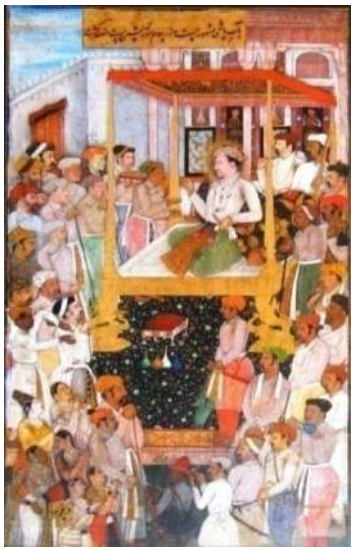

एलबम जहाँगीरनामा का मुगल लघुचित्र

एक महत्वपूर्ण एलबम रागमाला है जिसमें 35 राग व रागनियां सुन्दर चित्रों, प्राकृतिक दृश्य, देवी–देवता, युवा संगीतज्ञ पुरूष व महिला, विभिन्न ऋतुएँ, समय एवं परिस्थितयों के माध्यम से दर्शाये गए हैं। यह 17वीं शताब्दी के अन्त में मुग़ल शैली में बनाई गई है।

रज़ा लाइब्रेरी में संग्रहित एलबमों में मंगोल, तैमूरी और मुग़ल शासकों, राजकुमारों व उच्च स्तर के लोगों के लघुचित्र मौजूद हैं। इनमें मुख्यतः चंगेज़, हलाकू, तैमूर, बाबर, हुमायूँ, अकबर, जहाँगीर, शाहजहाँ, औरंगज़ेब, मोहम्मद, बहादुर शाह ज़फ़र, गुलबदन बेगम, नूरजहाँ, बैरम ख़ान, एतेमादुद्दौला, आसफ़ ख़ान, सफ़दरजंग, बुरहानुलमुल्क, शुजाउद्दौला, आसिफ़–उद्–दौला, बुरहान निज़ाम शाह, सुल्तान कुतब शाह और शाह अबुल हसन तानाशाह आदि चित्र मुख्य हैं इसके अतिरिक्त ईरानी शासकों एवं राजकुमारों के भी चित्र हैं। जैसे सफ़वी शासक शाह अब्बास। इसके अलावा मौलाना रूमी और हाफ़िज़ शिराज़ी का लघुचित्र भी उपस्थित है। लाइब्रेरी संग्रह में संग्रहीत चित्रों को बनाने वाले कुछ दरबारी चित्रकार हैं–

अबुल हसन नादिरूज़्ज़मान	गोविंद	फ़र्रख़ चेला
आसी क़हार	लाल चन्द	फ़तह चन्द
विचित्रा	लेख राज	कान्हा
भवानीदास	मनोहर	गोवर्धन
चित्रामान	मोहम्मद आबिद	गुलाम मुर्तज़ा
डालचन्द	नर सिंह	मोहम्मद हुसैन
श्रामदास	ठाकुर दास	मोहम्मद युसुफ़
साँवला	मोहम्मद अफ़ज़ाल	

ख़त्ताती (कैलीग्राफ) के नमूनों का संग्रह

रामपुर रज़ा लाइब्रेरी में संसार के प्रसिद्ध ख़त्तातों (कैलीग्राफरों) द्वारा लिखे इस्लामी खत्ताती के बेजोड़ नमूनों का संग्रह है। इनमें भारत, ईरान और मध्य एशिया के प्रसिद्ध खत्तात जैसे– मीर अली, मुहम्मद हुसैन कश्मीरी, ज़र्रीन रक़्म, सुल्तान अली मश्हदी, आक़ा अब्दुल रशीद देलमी, दारा शिकोह, मीर इमाद अल हुसैनी, अब्दुल्लाह मुश्कीन कलम, गुलज़ार रकम, मो. अकरम, मो. हबीब, मो. मासूम, मोमिन अल हुसैन, मो. रफ़ी, मो. हाशिम, मो. अमीन समरकन्दी इत्यादि शामिल हैं।

रामपुर रियासत के प्रसिद्ध खत्तातों में जिनके ख़त्ताती के नमूने रज़ा लाइब्रेरी में उपस्थित हैं उनमें मीर एवज अली, अदील मलीहाबादी, मौलवी इलाही बख़्श, मरजान रकम, गुलाम रसूल कश्मीरी, मो. हसन कश्मीरी, मो. सलामुल्लाह रामपुरी, मो. अज़ीम उल्लाह ख़ां पहलवान रक़म, मो. अली, मेहन्दी अली ख़ान आदि।

इस्लामिक कैलीग्राफी के नमूने

खगोल विद्या के उपकरण

वैज्ञानिक उपकरणों में आधुनिक काल से पूर्व विज्ञान एवं तकनीक के इतिहास की संरचना के लिए साहित्यिक प्रलेख एक महत्वपूर्ण स्त्रोत हैं। प्रायः कलात्मक दृष्टि से भी इनमें महत्वपूर्ण एवं बहुमूल्य कला–कृतियाँ हैं। वर्तमान समय में विश्व के संग्रहालयों तथा निजी संग्रहों में संरक्षित अत्याधिक संख्या में भारतीय खगोल विद्या के उपकरण एवं समय मापक उपकरण पूर्व इस्लामिक काल के पश्चात बनाए गए थे पाण्डुलिपियों, चित्रों मूर्तियों, गहनों की तरह यह वैज्ञानिक उपकरण भी हमारे सांस्कृतिक एवं बौद्धिक धरोहर हैं।

कुफ़िक एस्ट्रोलेब

सेलेसियल ग्लोब

रामपुर रज़ा लाइब्रेरी में महत्वपूर्ण एवं दुर्लभ खगोल विद्या के उपकरणों का संग्रह भी उपलब्ध है। संग्रह में तीन नियमित एस्ट्रो लैब हैं, एक समुद्री दिशा यंत्र, चार नक्षत्र, साइन क्वाड्रेंट, परपेक्चुअल कलैण्डर इत्यादि इनमें से सात उपकरण भारत में निर्मित किये गये हैं, दो मध्य–पूर्व में एवं दो यूरोप में बनाये गये हैं। कालक्रम के अनुसार यह 13वीं, 15वीं, 16वीं, 17वीं एवं 19वीं सदी से सम्बन्धित हैं। इन उपकरणों में अरबी, फारसी, संस्कृत एवं अंग्रेज़ी में किंवदंतियाँ हैं।

इस संग्रह में सबसे पुराना उपकरण अस–सिराज दमिश्की के द्वारा निर्मित (Astrolabe) एस्ट्रोलैब 626 हि०/1228 ई० का है। यह उपकरण सूर्य, नक्षत्रों की गति मापने तथा सागर में यात्रा करते समय प्रयोग किया जाता था। दमिश्की द्वारा निर्मित दूसरे एस्ट्रोलैब तारीख़ 623–28 हि०/1226–30 ई० में निर्मित सालार जंग म्यूज़ियम, हैदराबाद में और 628 हि०/1280 ई० का राष्ट्रीय संग्रहालय, नई दिल्ली में है।

संग्रह में एक अन्य उपकरण 834 हि०/1430–31 ई० में मो० इब्ने जाफ़र द्वारा किरमान (ईरान) में बनाया गया खगोलीय ग्लोब (सेलेसियल ग्लोब) है। समान महत्व का ही एक अन्य नाविक एस्ट्रोलैब है जिस पर कोई भी नाम या तिथि नहीं लिखी है। लाहौर के जियाउद्दीन मोहम्मद द्वारा 1074 हि०/1663–64 ई० में बनाया गया है एक अन्य एस्ट्रोलैब

भी है। लाइब्रेरी द्वारा इनका कैटलॉग "ASTRONOMICAL INSTRUMENTS IN THE RAMPUR RAZA LIBRARY" के नाम से प्रकाशित कर दिया गया है।

सिक्के एवं अन्य संग्रहालय कला-कृतियाँ

रामपुर रज़ा लाइब्रेरी के संग्रह में विभिन्न विचित्र वस्तुओं के साथ 1361 दुर्लभ सिक्के भी संरक्षित हैं। संग्रह में चांदी, कॉपर (तांबा) और विलन से बने सिक्के मौजूद हैं। सोने के सिक्के भी यहाँ के संग्रह में उपलब्ध हैं। अत्यधिक सिक्के सल्तनत काल एवं मुगल काल से सम्बन्धित हैं। कुछ सिक्के प्राचीन काल से सम्बन्धित हैं जिन्हें पंचमार्क सिक्के कहते हैं। इन सिक्कों की कैटलॉगिंग की जा चुकी है।

मध्यकालीन सिक्के

संग्रहालय की विभिन्न वस्तुएँ

सांख्यिक संग्रह के आधार पर रामपुर रज़ा लाइब्रेरी में दिल्ली सल्तनत (1206–1526 ई०) मुख्य रूप से ख़िलजी वंश के (1290–1320 ई०) में अलाउद्दीन मुहम्मद शाह प्रथम, कुतुबउद्दीन मुबारकशाह प्रथम एवं तुगलक वंश (1320–1414 ई०) में ग्यासुद्दीन तुगलक शाह, मुहम्मद शाह द्वितीय, मुगल साम्राज्य (1526–1857 ई०) से शाहजहाँ, शाह आलम प्रथम, बहादुर शाह प्रथम, रौशन अख्तर मुहम्मद शाह, अहमद शाह बहादुर, अज़ीज़उद्दीन आलमगीर द्वितीय, शाह आलम द्वितीय एवं दुर्रानी वंश (1747–1826 ई०) से संबंधित सिक्के उपलब्ध हैं।

रामपुर रज़ा संग्रहालय की कला–कृतियों में तलवार, ख़ंजर, मैडिल, शराबदान, मशाले, लैम्प, झूमर इत्यादि सम्मिलित हैं जो समय समय पर प्रदर्शित किए जाते हैं। इन कला–कृतियों को सूचीकृत किया जा रहा है जिसका एक खण्ड तैयार हो चुका है।

अधिनियम और विनियम

(क) अधिनियम :-

रामपुर रज़ा लाइब्रेरी अधिनियम संख्या 22/1975 के अन्तर्गत भारत सरकार ने 1 जुलाई, 1975 को लाइब्रेरी को अपने अधीन कर लिया। अब लाइब्रेरी के समस्त कार्यों का प्रबंधन रामपुर रज़ा लाइब्रेरी बोर्ड के द्वारा किया जाता है जिसका गठन अधिनियम की धारा 4 (2) के अनुसार किया गया है।

(ख) विनियम :-

रामपुर रज़ा लाइब्रेरी अधिनियम 1975 (1975 का 22) की धारा 24 के अन्तर्गत बोर्ड तथा संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार ने पाँच विनियम बनाये जिससे कि अधिनियम के द्वारा स्वीकार किये गये विभिन्न कार्यों को भली प्रकार किया जा सके।

निम्नलिखित पाँच विनियमों को स्वीकृति दी गई है जो इस प्रकार हैं :–

1. रामपुर रज़ा लाइब्रेरी रख–रखाव विनियम
2. रामपुर रज़ा लाइब्रेरी प्रशासन विनियम
3. रामपुर रज़ा लाइब्रेरी बोर्ड की बैठक विनियम
4. रामपुर रज़ा लाइब्रेरी वित्तीय शक्तियों का प्रत्यायोजन विनियम
5. रामपुर रज़ा लाइब्रेरी (सर्विस रूल्स तथा रेगुलेशन्स) विनियम

उद्देश्य

रामपुर रज़ा लाइब्रेरी का मुख्य कार्य शोधकर्ताओं को उनके शोधकार्यों के लिये हर प्रकार की सुविधा उपलब्ध करवाना तथा बहुमूल्य दुर्लभ पुस्तकों एवं पाण्डुलिपियों के संग्रह का संरक्षण एवं सुरक्षा सुनिश्चि करना। इसके अलावा अरबी, फ़ारसी, उर्दू तथा हिन्दी की पाण्डुलिपियों के मूल को प्रकाशित करवाना, कार्यशाला, सेमीनार, प्रदर्शनी, विशेष व्याख्यानों (Lecture) इत्यादि का आयोजन करवाना है जिससे कि ज्ञान अर्जन को बढ़ावा दिया जा सके और शोधकर्ताओं में सृजन के प्रति न केवल जागरूकता बनी रहे, बल्कि उनमें निरन्तर वृद्धि भी होती रहे।

रामपुर रज़ा लाइब्रेरी बोर्ड एवं उप-समितियाँ

भारत की संसद के द्वारा 1 जुलाई, 1975 में रामपुर रज़ा लाइब्रेरी अधिनियम के बनाए जाने के उपरान्त लाइब्रेरी को राष्ट्रीय महत्व की संस्था का दर्जा दिया गया और लाइब्रेरी के

प्रबन्धन के लिए रामपुर रज़ा लाइब्रेरी बोर्ड की व्यवस्था उपर्युक्त अधिनियम की धारा 4(2) के अन्तर्गत की गई। बोर्ड के अध्यक्ष उत्तर प्रदेश के माननीय राज्यपाल होंगे और 12 अन्य सदस्यों का प्रावधान है जिनमें एक सदस्य तत्कालीन शासक नवाब परिवार का होगा। अन्य सदस्य प्रतिष्ठित विद्वान जो इतिहास, अरबी, फ़ारसी तथा इस्लामिक साहित्य के क्षेत्र के होंगे। इसके अलावा लाइब्रेरी के कार्य से संबंधित केन्द्र तथा राज्य सरकार के पदेन सदस्य होंगे। वर्तमान संगठित रामपुर रज़ा लाइब्रेरी बोर्ड तथा उप–समितियों की सूची **परिशिष्ट–2 (पृष्ठ सं० 62)** में हैं।

बोर्ड मीटिंग

रामपुर रज़ा लाइब्रेरी बोर्ड ने लाइब्रेरी का विकास करने तथा योजनाबद्ध कार्यक्रमों (स्कीमों) को प्रस्तावित करने के लिए **रामपुर रज़ा लाइब्रेरी बोर्ड की 48वीं बैठक** आयोजित की। यह बैठक 17 जुलाई, 2018 को माननीय श्री राज्यपाल, उत्तर प्रदेश एवं अध्यक्ष रामपुर रज़ा लाइब्रेरी बोर्ड माननीय श्री राम नाईक की अध्यक्षता में राजभवन, लखनऊ में सम्पन्न हुई।

48वीं बोर्ड मीटिंग

उप-समितियों की बैठक

- 06 जुलाई, 2018 को प्रशासनिक एवं वित्तीय (आर्थिक) उपसमिति की बैठक रामपुर रज़ा लाइब्रेरी के सभाकक्ष में सम्पन्न हुई।
- 30 मार्च 2019 को शैक्षिक और प्रकाशन उपसमिति की बैठक रामपुर रज़ा लाइब्रेरी के सभाकक्ष में सम्पन्न हुई।

लाइब्रेरी की सुरक्षा

लाइब्रेरी की निगरानी इसके प्रबंधन का एक महत्वपूर्ण कार्य है। रामपुर रज़ा लाइब्रेरी की सुरक्षा का भार केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के 26 जवानों को सौंपा गया है। लाइब्रेरी के संग्रह का बराबर विस्तार किया जाता है इसलिये चौबीसों घण्टे इसकी

सुरक्षा के लिये नजर रखी जाती है। हामिद मंज़िल जहाँ दुर्लभ संग्रह और बहुमूल्य कलात्मक वस्तुयें रखी हैं उसके हर दरवाज़े और खिड़कियों में लोहे की ग्रिल लगा दी गई है। यहाँ आने वाले पाठकों, आगन्तुकों और विद्वानों को लाइब्रेरी परिसर में प्रवेश से पूर्व सीआईएसएफ़ कर्मचारियों की देख–रेख में मैटल डिटेक्टर गेट को पास करते हुए क्लॉक रूम में रखे रजिस्टर में अपने नाम और पते का उल्लेख करना होता है। लाइब्रेरी के भीतर थैले, पॉलीथीन और कैमरे ले जाना वर्जित है। पूरी लाइब्रेरी में सी०सी०टी०वी० कैमरे लगे हुए हैं जिसके द्वारा लाइब्रेरी की सुरक्षा पर कड़ी निगाह रखी जाती है। लाइब्रेरी के संग्रह को आग से बचाने के लिए अग्नि सुरक्षा यंत्र भी लगे हुए है।

रामपुर रज़ा लाइब्रेरी अवार्ड

रामपुर रियासत के प्रथम नवाब, नवाब फैज़ुल्लाह खाँ और नवाब रज़ा अली खाँ ने अनमोल शैक्षिक विरासत के संग्रह को संजोने में महत्वपूर्ण योगदान दिया । उनके अतुल्य योगदान और कार्यों के स्मरण में 1995 में रामपुर रज़ा लाइब्रेरी बोर्ड द्वारा दोनों नवाबों के नाम पर अरबी, फारसी, इतिहास, कला एवं संस्कृत के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान करने वाले विद्वानों को अवार्ड देने का निश्चय लिया गया। इसके अतिरिक्त भी कुछ विषयों में अवार्ड की योजना रखी गयी है।

नवाब फैज़ल्लाह खाँ अवार्ड के लिए 1 लाख 11 हज़ार की धनराशि, **नवाब रज़ा अली खाँ अवार्ड** के लिए 1 लाख 11 हज़ार की धनराशि, **मुंशी नवल किशोर अवार्ड** उर्दू प्रकाशन के लिए 1 लाख, **मौलाना मोहम्मद अली जौहर अवार्ड** वरिष्ठ पत्रकारिता के लिए 1 लाख एवं **मौलाना मोहम्मद अली जौहर कनिष्ठ** पत्रकारिता के लिए 50 हजार की धनराशि स्वीकृत है।

रामपुर रज़ा लाइब्रेरी स्कॉलरशिप

लाइब्रेरी अनुसंधान कार्य में प्रगति एवं प्रोत्साहन के लिए अनुंसधान शोधकर्ताओं को आर्थिक सहायता भी देती है। विश्वविद्यालय, अनुदान आयोग (यूजीसी) के अनुरुप स्कॉलरशिप दी जाती है। इसका मुख्य उद्देश्य रज़ा लाइब्रेरी के संग्रह में इतिहास, कला, संस्कृति और साहित्य की महत्वपूर्ण पाण्डुलिपियों का शोधकर्ताओं द्वारा पाठ संपादन कराना है। ऐसे शोधकर्ता जिन्हें विश्वविद्यालय अनुदान आयोग आदि से कोई आर्थिक सहायता नहीं मिलती

है, इस योजना के अंतर्गत लाभ प्राप्त करते हैं। शैक्षिक क्षेत्रों के शोधकर्ताओं ओर विद्वानों को स्कॉलरशिप प्रदान की जाती है। इस वर्ष 2018–19 के लिए चार स्कॉलरशिप दी गयी हैं–

1.	डॉ० अतहर मसूद, रामपुर	उर्दू स्कॉलरशिप के लिए
2.	डॉ० शाईस्ता अख्तर, रामपुर	अरबी स्कॉलरशिप के लिए
3.	डॉ० फरहीना, रामपुर	फ़ारसी स्कॉलरशिप के लिए
4.	डॉ० अनीस अब्बास रिज़वी, अलीगढ़	संस्कृत स्कॉलरशिप के लिए

टैगोर राष्ट्रीय फेलोशिप/स्कॉलरशिप

रामपुर रज़ा लाइब्रेरी के लिए गर्व का विषय है कि भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय की प्रतिष्ठित टैगोर राष्ट्रीय फैलोशिप एवं टैगोर स्कॉलरशिप–2018 के लिए लाइब्रेरी का चयन किया गया है। केन्द्रीय संस्कृति मंत्रालय की राष्ट्रीय चयन समिति ने डॉ० प्रदीप जैन को टैगोर राष्ट्रीय फैलोशिप–2018 "भारतीय संस्कृति पर महात्मा गांधी का प्रभाव" विषय पर शोध हेतु तथा डॉ० सैयद नक़ी अब्बास को टैगोर स्कॉलरशिप–2018"जहाँगीरनामा का अनुवाद : एनोनेशन एण्ड एडीशन" विषय पर शोध हेतु स्वीकृत की है। फैलोशिप एवं स्कॉलरशिप की शोधावधि 02 वर्ष है। दोनों शोधकर्ताओं द्वारा फरवरी 2019 में अपना शोधकार्य आरम्भ कर दिया गया। यहाँ यह उल्लेख करना प्रासंगिक होगा कि केन्द्रीय संस्कृति मंत्रालय की इस योजना के अन्तर्गत 37 संस्थान नोडल इंस्टीट्यूट के रूप में मान्यता प्राप्त हैं और एक संस्थान को अधिकतम एक फैलोशिप और एक स्कॉलरशिप ही दी जा सकती है और इस योजना के अन्तर्गत रामपुर रज़ा लाइब्रेरी का चयन होना लाइब्रेरी के शोध वातावरण में अवश्य ही गुणात्मक परिवर्तन उत्पन्न करने में सहायक सिद्ध होगा।

लाइब्रेरी में न्यू एडिशन

किशन सरोज संग्रह : लाइब्रेरी को देश के प्रसिद्ध लेखक श्री किशन सरोज की 512 पुस्तकें उपहारस्वरुप प्राप्त हैं। लाइब्रेरी ने उनके नाम पर संग्रह का नाम किशन सरोज कलेक्शन रखा और इसमें महत्वपूर्ण जानकारी वाली 265 पुस्तकें और 247 पत्रिकाएँ तथा मैगज़ीन शामिल हैं।

श्री सरोज को 2004 में उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान से साहित्य भूषण से सम्मानित किया गया था। उन्होंने लंदन, नेपाल सहित में विश्व भर में अपने गीतों से मंत्रमुग्ध किया था और उन्होंने मैनचेस्टर में आयोजित प्रथम विश्व हिंदी सम्मेलन में भी भाग लिया था।

पत्रिका अनुभाग : लाइब्रेरी में हजारों पत्र–पत्रिका एक समय अवधि से संग्रहित हैं। पाठकों की आवश्यकता के अनुसार लाइब्रेरी प्रत्येक वर्ष बहुत सी पत्रिकाऐं खरीदती भी है और उपहारस्वरुप प्राप्त भी होती हैं। इन पत्रिकाओं को भूतल पर एक नये अनुभाग में स्थानांतरित किया गया है जिसे पत्रिका अनुभाग का नाम दिया गया है। इन पत्रिकाओं को

परिग्रहण एवं वर्गीकृत किया जा रहा है। संग्रह में 7560 अंग्रेज़ी, 6966 हिन्दी एवं 8000 उर्दू, अरबी तथा फारसी की पत्रिकाएं सम्मिलित हैं।

तकनीकी सेवाएँ

लाइब्रेरी के संग्रह को क्रय (खरीद), विनिमय तथा उपहार के द्वारा किया गया है। इस अवधि के दौरान लाइब्रेरी ने 815 पुस्तकें, 1,016 पत्रिकायें और 8,977 समाचार पत्रों को अर्जित किया और उन्हें उचित रूप में परिग्रहित किया गया। शोधकर्ताओं की आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु लाइब्रेरी पुस्तकों एवं पत्रिकाओं को अर्जित करती है। पुस्तकों पर लेबल लगाने तथा सफाई का काम निरन्तर चलता रहता है। 1,586 किताबों पर नये लेबल लगाये गये। लाइब्रेरी में कार्ड कैटलॉग को अद्यतन (up to date) किया गया तथा कार्डों की जाँच की गयी।

इस वर्षावधि के दौरान, लाइब्रेरी ने निम्न सामग्री अर्जित की :–

1.	किताबें	उपहार द्वारा		क्रय द्वारा	
	हिन्दी	53	361	88	454
	अंग्रेजी	34		29	
	उर्दू	242		304	
	अरबी	25		23	
	फारसी	04		10	
	अन्य	03			
2.	**भाषा**	**समाचार पत्र**		**पत्रिकाएँ**	
	हिन्दी	3,973	8,977	198	1,016
	अंग्रेजी	2,279		208	
	उर्दू	2,725		572	
	अरबी			38	

लाइब्रेरी द्वारा विभिन्न प्रकार की संगोष्ठियों, कार्यशालाओं, विशेष व्याख्यानों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों, समारोहों का आयोजन किया जाता है। ऐसे सभी कार्य–कलापों के ऑडियो कैसेट तथा वीडियो सीडी तैयार किये जाते हैं ताकि उनका उपयोग बाद में विभिन्न सार्थक उद्देश्यों के लिये किया जाना सम्भव हो सके।

क्र०सं०	कार्यक्रम	तिथि	फोटो / डीवीडी
1.	दाग़ देहलवी और हैदराबाद पर विस्तार व्याख्यान	08 अप्रैल, 2018	54
2.	प्रदर्शनी : कुरान मजीद एवं इस्लामिक कैलीग्राफी	03 जून से 10 जून, 2018	33
3.	योग दिवस	21 जून, 2018	50
4.	विस्तार व्याख्यान : मौलाना अब्दुस्सलाम खाँ : जीवन और कृतियाँ	24 जुलाई, 2018	81
5.	पौधारोपण	07 जुलाई 2018	40
6.	वर्तमान युग में प्रेमचंद की प्रासांगिकता पर विस्तार व्याख्यान	29 जुलाई, 2018	183

7.	स्वतंत्रता दिवस	15 अगस्त 2018	40
8.	विस्तार व्याख्यान : भारत में हाफिज़ शिराजी की लोकप्रियता	02 सितम्बर, 2018	150
9.	हिन्दी पखवाड़ा–2018	15 से 29 सितम्बर 2018	68
10.	विस्तार व्याख्यान : फारसी पाण्डुलिपियाँ : भारत और ईरान की साझा विरासत	27 सितम्बर, 2018	95/01
11.	गांधी जयन्ती	02 अक्तूबर 2018	145
12.	रामपुर रज़ा लाइब्रेरी एवार्ड समारोह	04 अक्तूबर, 2018	98
13.	विस्तार व्याख्यान : गांधी और उर्दू अदब	14 अक्तूबर 2018	59
14.	सर सैयद अहमद खाँ पर पुस्तक प्रदर्शनी	17 से 25 अक्तूबर, 2018	27
15.	राष्ट्रीय एकता दिवस	31 अक्तूबर, 2018	49
16.	सम्प्रदायिक सद्भावना अभियान सप्ताह	19 से 25 नवम्बर, 2018	50
17.	आन्तरिक सेमिनार – भारत का अमूल्य शैक्षिक संग्रह : रामपुर रज़ा लाइब्रेरी	30 दिसम्बर, 2018	44/2
18.	गणतंत्र दिवस	26 जनवरी, 2019	70
19.	राष्ट्रीय सेमिनार : कला, संस्कृति एवं साहित्य के विकास में रामपुर रियासत का योगदान	29 से 31 जनवरी, 2019	348/5
20.	सीपीआर पर कार्यशाला	05 फरवरी, 2019	41
21.	उर्दू, अरबी–फारसी साहित्य में मौलाना अरशी का योगदान	31 मार्च, 2019	123/1
	योग		1834/7

सूचीकरण

विद्वानों, शोधकर्ताओं और लाइब्रेरी के कर्मचारियों के लिए पाण्डुलिपियों के साथ–साथ मुद्रित पुस्तकों का विवरणात्मक सूचीकरण करना अनिवार्य है। लाइब्रेरी संग्रह का सूचीकरण तत्कालीन लाइब्रेरी प्रबंधक हकीम अजमल खाँ के द्वारा शुरू किया गया है। उनकी निगरानी में उर्दू भाषा में अरबी पाण्डुलिपियों के कैटलॉग का पहला खण्ड 'फहरिस्ते कुतुब–ए–अरबी' 1902 में प्रकाशित हुआ जिसमें 46 विषयों की पाण्डुलिपियाँ संकलित हैं। हाफ़िज़ अहमद अली शौक़, लाइब्रेरियन की निगरानी में मौलवी मौहम्मद नबी के द्वारा दूसरे खण्ड में 20 विषयों की पाण्डुलिपियों को उर्दू में सूचीकृत किया जो 1928 में हुआ। हकीम अजमल खाँ ने नौ विषयों की पाण्डुलिपियों का कैटलॉग का तीसरा खण्ड उर्दू में तैयार किया जो 1929 में प्रकाशित हुआ। तत्कालीन निदेशक मौलाना इम्तियाज़ अली अर्शी द्वारा अरबी पाण्डुलिपियों को छः खण्डों में सूचीकृत किया गया था। उन्होंने उर्दू में सूचीकरण करने की बजाय अरबी पाण्डुलिपियों का कैटलॉग अंग्रेज़ी में बनाया जिससे अधिक संख्या

में शोधार्थी लाभान्वित हो सकें। मौलाना अर्शी द्वारा तैयार कैटलॉग के प्रथम खण्ड में कुरानियात और वैज्ञानिक परम्पराएँ (1963), दूसरे खण्ड में प्रार्थनाएँ, धर्मशास्त्र एवं धार्मिक विषय (1966), तीसरे खण्ड में न्यायिक सिद्धांत, द्वंद्ववाद, वाद–विवाद, न्याय शास्त्र और उत्तराधिकार कानून (1968), चौथे खण्ड में सूफीवाद, पवित्र ग्रंथ, तर्क एवं दर्शन शास्त्र (1971), पांचवें खण्ड में गणित, चिकित्सा, प्रकृतिक विज्ञान, कृषि, मनोगत विज्ञान, नैतिक एवं राजनीति शास्त्र, शिक्षा और सैन्य विज्ञान पाण्डुलिपियों का हस्तलिखित सूचीकरण अब तक बहुत उपयोगी रहा था। (1975) एवं छठे खण्ड में इतिहास, जीवनवृतांत, यात्रा, भूगोल (1977) प्रकाशित हुऐ। लाइब्रेरी की पाण्डुलिपियों को विभिन्न विषय और भाषानुसार सूचीकृत करके इनके कैटलॉग प्रकाशित किये जा चुके हैं जो **परिशिष्ट–3 (पृष्ठ सं० 66)** में संलग्न है।

इस दौरान 895 पाण्डुलिपियों का सूचीकरण तथा 2,165 मुद्रित पुस्तकों को वर्गीकृत एवं 2,579 पुस्तकों को सूचीकृत किया गया और विभिन्न भाषाओं के 2,144 सूचीपत्रों को तैयार कर उनको कैटलॉग ट्रे में व्यवस्थित किया गया। पुस्तकों को पहले कैटलॉग (सूची) रजिस्टरों में दर्ज किया गया तत्पश्चात् कैटलॉग ट्रे में व्यवस्थित किया गया। इन कार्डों को सुव्यवस्थित ढंग से केबिनेट अल्मारियों में रखा गया।

इस वर्ष के दौरान निम्न कार्य किये गये :–

1.	सूचीकरण	पाण्डुलिपियाँ		पुस्तकें	
	अरबी	220	895	509	2579
	फारसी	261		130	
	संस्कृत	35			
	उर्दू	379		1290	
	हिन्दी			544	
	अंग्रेज़ी			106	
2.	**वर्गीकरण**			**पुस्तकें**	
	अरबी			25	2165
	फारसी			130	
	उर्दू			1000	
	हिन्दी			264	
	अंग्रेज़ी			156	
3.	**कार्ड कैटालॉग**			**पुस्तकें**	
	अरबी			25	2144
	फारसी			130	
	उर्दू			590	
	हिन्दी			1081	
	अंग्रेजी			318	

कंप्यूटरीकरण एवं डिजीटाइज़ेशन

इस अवधि के दौरान 296 पाण्डुलिपियों और 2,102 मुद्रित पुस्तकों (उर्दू, अरबी, फारसी, अंग्रेजी और हिन्दी) की ग्रंथसूची सूचना के साथ एण्ट्री की गयी।

1.	कंप्यूटरीकरण	पाण्डुलिपियाँ		पुस्तकें	
	अरबी	–	296	326	2,102
	फारसी	261		130	
	संस्कृत	35		-	
	उर्दू	–		1290	
	हिन्दी	–		250	
	अंग्रेजी	–		106	

लाइब्रेरी में पाण्डुलिपियों का डिजीटाइजेशन एक नियमित प्रक्रिया है। रेख्ता फाण्डेशन, नई दिल्ली के तत्वावधान से रज़ा लाइब्रेरी की मुद्रित पुस्तकों को डिजीटाइज किया जा रहा है। जो इस प्रकार है–

क्र.सं.	डिजीटाइज़ेशन एवं मेटाडाटा क्रेशन	
1.	पाण्डुलिपियाँ	1067 पाण्डुलिपियाँ से 21 लाख पृष्ठ
2.	मुद्रित पुस्तकें/जरनल	2660 पुस्तकों से 2,36,760 पृष्ठ

विद्वानों को सुविधाएँ

रामपुर रज़ा लाइब्रेरी में लाइब्रेरी के दुलर्भ संग्रह से लाभान्वित होने, अध्ययन करने एवं उपयोजन के लिए बड़ी संख्या में शोधकर्ता देश–विदेश से भ्रमण करते हैं। रामपुर रज़ा लाइब्रेरी शोधकर्ताओं को सुविधा प्रदान करने में पूरी तरह सचेत है। लाइब्रेरी में शोध के लिए एक विशेष कक्ष की व्यवस्था है और विद्वानों के लिए उच्च श्रेणी के शोध कार्य हेतु हर प्रकार की सुविधा उपलब्ध कराने में लाइब्रेरी सक्षम है। इस अवधि के दौरान 63 अनुसंधानकर्ताओं ने 435 पाण्डुलिपियों का अवलोकन किया एवं 5 सी०डी० उपलब्ध करायी गयीं और 868 पाठकों को 4,503 छपी पुस्तकें जारी की गई। इनके अतिरिक्त बड़ी संख्या में लोगों ने दरबार हॉल में संग्रहालय का अवलोकन किया। भारत और विदेशों से आये शोधकर्ताओं की सूची **परिशिष्ट–4 (पृष्ठ सं० 67)** पर संलग्न है।

भारतीय संस्कृति से रूबरू होने एवं अपने इतिहास को समझने के लिए विभिन्न विद्यालयों से विद्यार्थी रज़ा लाइब्रेरी आते रहते हैं और यहाँ के संग्रह को देखकर अंचभित होते हैं। समय–समय आयोजित होने वाली विभिन्न प्रतियोगिताओं और कार्यक्रमों में भी विद्यार्थियों की सहभागिता होती है। इस वर्षावधि के दौरान विद्यालयों के भ्रमण की सूची **परिशिष्ट– 5 (पृष्ठ सं० 69)** में संलग्न है।

रामपुर रज़ा लाइब्रेरी भुगतान के आधार पर पाण्डुलिपियों के फोटोग्राफ़ और छपी पुस्तकों की छाया प्रतियां विद्वानों को प्रदान करती है। इस अवधि के दौरान 5,000 छपी पुस्तकों के

चयनित पृष्ठों की छाया प्रतियां विद्वानों/शोधकर्ताओं को प्रदान की गयीं। इसके अतिरिक्त लाइब्रेरी के 564 प्रकाशनों की बिक्री की गई अथवा 249 प्रकाशित पुस्तकों, जरनलों इत्यादि को विद्वानों को उपहार में दिया गया।

पाठकों को उपलब्ध सेवाएँ

अध्ययन हेतु सेवाओं को सुदृढ़ करने के विचार से लाइब्रेरी में एक वाचनालय कक्ष की व्यवस्था की गई है, जहाँ पाठक अपनी पसन्द के समाचार पत्रों एवं पत्रिकाओं को पढ़ सकते हैं। वाचनालय कक्ष की मेज़ें सदा उन पाठकों से भरी रहती हैं जो दैनिक समाचारों तथा सामान्य ज्ञान से अपने को जागरूक रखना चाहते हैं।

अध्ययन कक्ष के दृश्य

वाचनालय कक्ष स्टील कार्ड केबिनेट से सुसज्जित है, जिसमें मुद्रित पुस्तकों के वर्गीकृत कार्ड पुस्तकालय विज्ञान के नियमानुसार रखे गये हैं। लकड़ी की अलमारियों में पत्रिकाएं उचित ढंग से रखी हुई हैं, समाचार पत्रों के लिए लकड़ी की मेज़े तथा पाठकों के बैठने के लिए आरामदायक कुर्सियाँ हैं। वाचनालय कक्ष को और सुसज्जित तथा कम्प्यूटरीकृत किया जाये जिस पर गहन विचार करने की आवश्यकता है।

समीक्षाधीन वर्ष के अन्तर्गत लाइब्रेरी को 8,977 समाचार पत्रों तथा 1,016 पत्रिकाओं के अंक प्राप्त हुए हैं। 92,073 सामान्य पाठकों ने अध्ययन कक्ष में समाचार पत्र एवं पत्रिकाओं का अवलोकन किया।

लाइब्रेरी की प्रस्तावित योजनाएँ

भारत सरकार द्वारा विभिन्न परियोजनाएँ चलायी जाती है जो कि सांस्कृतिक विरासत के लिए अति महत्वपूर्ण हैं। ये परियोजनाएँ लोगों के बीच हमारी विरासत को संरक्षित करने में बढ़ावा देती हैं। रामपुर रज़ा लाइब्रेरी इन प्रस्तावित योजनाओं की सदस्य भी है। ये योजनाएँ निम्न हैं :

राष्ट्रीय पाण्डुलिपि मिशन

राष्ट्रीय पाण्डुलिपि मिशन की स्थापना संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के द्वारा फरवरी 2003 में की गई। इसका शुभारंभ पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा किया

गया था। मिशन भारत की असंख्य पांडुलिपियों का पता लगाने और संरक्षित करने का प्रयास करता है।

राष्ट्रीय पाण्डुलिपि मिशन, नई दिल्ली ने रामपुर रज़ा लाइब्रेरी को पाण्डुलिपि संरक्षण केन्द्र के लिए नामित किया है। वर्तमान में पाण्डुलिपि संरक्षण केन्द्र रज़ा लाइब्रेरी में कार्य कर रहा है। पाण्डुलिपि संरक्षण केन्द्र में किये गये कार्य की सूची **परिशिष्ट–7 (पृष्ठ सं० 74)** पर संलग्न है।

ऑल इण्डिया रेडिया, आकाशवाणी द्वारा प्रसारण

रामपुर रज़ा लाइब्रेरी और उसके संग्रह के प्रचार–प्रसार के लिए उर्दू कार्यक्रमों को आकाशवाणी, रामपुर पर प्रयोजित किया जाता है। इस उर्दू कार्यक्रम का प्रत्येक शुक्रवार रात 08:30 बजे उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखण्ड के ऑल इण्डिया रेडियो के सभी केन्द्रो द्वारा प्रसारण होता है। ऑल इण्डिया रेडियों पर प्रसारित रामपुर रज़ा लाइब्रेरी के स्टाफ और अन्य विद्वानों द्वारा दिये भाषणों, वचनों और वार्ताओं से लगभग 2 करोड़ श्रोतागण लाभान्वित होते हैं।

लाइब्रेरी के प्रकाशन

रज़ा लाइब्रेरी अब तक 222 पुस्तकों का प्रकाशन कर चुकी है। इस वर्षावधि 2018–2019 के दौरान भी अरबी, फारसी, उर्दू, अंग्रेज़ी और हिन्दी की पुस्तकें प्रकाशित की गयीं हैं।

इस अवधि के दौरान निम्नलिखित 11 पुस्तकों को प्रकाशित किया गया–

- *राजभाषा पत्रिका* (अक्तूबर–दिसम्बर 2018) (हिन्दी)
- *अदविया मुफरदा* (उर्दू), प्रो० शमीम इरशाद आज़मी
- *तज़करे और तबसिरे* (उर्दू), प्रो० हनीफ नक़वी
- *तल्मीहात–ए–ग़ालिब* (उर्दू), प्रो० शरीफ हुसैन क़ासमी
- *यादगार नामा मौलाना अब्दुस सलाम खाँ रामपुरी (*उर्दू), प्रो० सैयद हसन अब्बास
- *ख़ाक़ानी–ए–हिन्द, क़ा–आनी–ए–अस्र अल्लामा असिफी निज़ामी रामपुरी* (फ़ारसी), मौलाना अरशी
- *प्रकाशन सूची*
- *रामपुर रज़ा लाइब्रेरी न्यूज़लेटर बुक (वर्ष का संकलित अंक)*
- *रामपुर रज़ा लाइब्रेरी न्यूज़लेटर (अंक 10–18)*
- *वार्षिक रिपोर्ट 2017–18 (हिन्दी/अंग्रेज़ी)*
- *कैलीग्राफी पुस्तिका*

संरक्षण एवं उपचार

संरक्षण प्रयोगशाला में असंख्यक कलावस्तुओं, पाण्डुलिपियों, मुद्रित पुस्तकों, मुगल लघु चित्रों, फोटोग्राफों, लीथोग्राफी, खत्ताती (कैलीग्राफी) के नमूनों नक्शों तथा ऐतिहासिक

प्रलेखों आदि का सफलतापूर्वक वैज्ञानिक विधियों द्वारा संरक्षण किया जाता है। संरक्षण के उपचार से पूर्व किसी भी वस्तु को स्वीकृत करने से पूर्व प्रमाण को उसी अवस्था में रखने के लिए फोटोग्राफ़ी प्रलेखन किया जाता है। वस्तुओं के जीवन को आगे भविष्य में बढ़ाने के लिए सावधानीपूर्वक आवश्यकतानुसार वैज्ञानिक उपचार देने से पूर्व परीक्षण किया जाता है। बहुमूल्य और क़ीमती संग्रह को जो प्रयोगशाला को प्राप्त कराये जाते हैं उनका लगातार लाइब्रेरी एवं सूचना अधिकारी मार्गदर्शन करते हैं तथा निर्देश देते रहते हैं।

संरक्षण प्रयोगशाला द्वारा वैज्ञानिक विधियों से बहुमूल्य पाण्डुलिपियों के क्षतिग्रस्त 1140 पृष्ठ एवं दुर्लभ मुद्रित पुस्तकों के क्षतिग्रस्त 1117 पृष्ठों का सफलतापूर्वक संरक्षण किया गया। संरक्षण कला–कृतियों का विवरण **परिशिष्ट–6 (पृष्ठ सं० 72)** में संलग्न है।

जिल्दसाज़ी

लाइब्रेरी में एक जिल्दसाज़ी अनुभाग भी है जहाँ पुरानी पुस्तकों और टूटी हुई जिल्दों की मरम्मत की जाती है अथवा उनके स्थान पर नई जिल्द लगा दी जाती है। यहाँ नई पुस्तकों और पत्रिकाओं पर भी जिल्द चढ़ाई जाती है। इस अवधि के दौरान 35 पाण्डुलिपियों और 1,265 पुस्तकों की नई जिल्दसाज़ी और मरम्मत का काम किया गया, इनके अलावा रजिस्टरों, नोट–बुकों और एलबमों पर भी जिल्दें चढ़ाई गईं। जिल्दसाज़ी अनुभाग बहुमूल्य पाण्डुलिपियों और पुरानी मुद्रित पुस्तकों की जिल्दसाजी में अमलता रहित माउन्ट बोर्ड और हस्त निर्मित कागज़ का प्रयोग करता है। जिल्दसाज़ी अनुभाग संरक्षण प्रयोगशाला की देखरेख में कार्य करता है।

प्रशिक्षण/सम्मेलन

- समय–समय पर संरक्षण प्रयोगशाला द्वारा लाइब्रेरी के डस्टर स्टाफ को पाण्डुलिपियों एवं पुस्तकों की साफ–सफाई, रख–रखाव का प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रशिक्षण के दौरान पुस्तकों एवं विभिन्न कला–कृतियों को एक स्थान से दूसरे स्थान तक सुरक्षित रुप से ले जाने का विशेष प्रशिक्षण दिया गया। एवं लाइब्रेरी के विभिन्न अनुभागों में कार्यरत सफाई कर्मचारियों को पाण्डुलिपियों और मुद्रित पुस्तकों की सफाई, पकड़ने की विधियाँ एवं लाने–जाने का प्रशिक्षण दिया जाता है।
- राष्ट्रीय संग्रहालय केन्द्र, नई दिल्ली ने 22–23 अक्तूबर, 2018 को द एन्ड्रिव डब्लू० मैलन फाउन्डेशन एवं संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से "द इण्यिन कॉन्जरवेशन फैलोशिप प्रोग्राम" पर एक वार्षिक सेमीनार का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में रामपुर रज़ा लाइब्रेरी के वरिष्ठ तकनीकी रेस्टोरर सैयद तारिक़ अज़हर ने प्रतिभागिता की।

संग्रहालय के कार्य

रामपुर रज़ा लाइब्रेरी के दरबार हॉल में संग्रहालय (museum) है। इस सग्रंहालय में पाण्डुलिपियाँ, लघु–चित्रों, कैलीग्राफ़ी के नमूने तथा विभिन्न कलाकृतियों को प्रदर्शित किया गया है। इसमें विभिन्न अवसरों पर प्रदर्शिनयाँ लगायी जाती हैं जो कि दर्शकों के लिए

मनमोहक होती हैं। सोने से सुसज्जित छत, आदम कद संगमरमर की मूर्तियाँ, पुराने झाड़ फ़ानूस आदि दर्शकों को आकर्षित करते हैं जो उन्हें सपनों के संसार का अनुभव कराते हैं।

इस अवधि के दौरान रामपुर रज़ा लाइब्रेरी के संग्रहालय में दस्तावेज़ों और कला–कृतियों को संरक्षित करने का कार्य किया गया। जो इस प्रकार हैं :–

- 160 दुर्लभ सिक्कों का प्रलेखन किया गया।
- 82 कला–कृतियों का प्राथमिक संरक्षण किया गया।
- 83 संग्रहालय वस्तुओं को प्रदर्शित एवं अनुशीर्षकों को तैयार किया गया।
- संग्रहालय वस्तुओं का सत्यापन किया गया।

लाइब्रेरी सोशल मीडिया पर

आज पूरे विश्व में तकनीकी माध्यम से विचारों का आदान प्रदान हो रहा है। इस कार्य में फेसबुक, ट्वीटर एवं यू ट्यूब पूरे विश्व में विचारों के आदान प्रदान करने का सर्वश्रेष्ठ साधन है। इस माध्यम द्वारा विश्व के सरकारी और गैर सरकारी संस्थान अपने–अपने संस्थानों का प्रचार एवं प्रसार कर रहे हैं।

भारत सरकार के दिशा निर्देशानुसार रज़ा लाइब्रेरी द्वारा फेसबुक एवं ट्वीटर पर पेज का निर्माण कर लिया गया है। बहुत कम समय में ही इस तकनीकी माध्यम से बहुत से विद्वान, विद्यार्थी एवं दर्शकों द्वारा रज़ा लाइब्रेरी के फेसबुक और ट्वीटर पेज का विजिट किया जा रहा है एवं इसको लाईक किया जा रहा है।

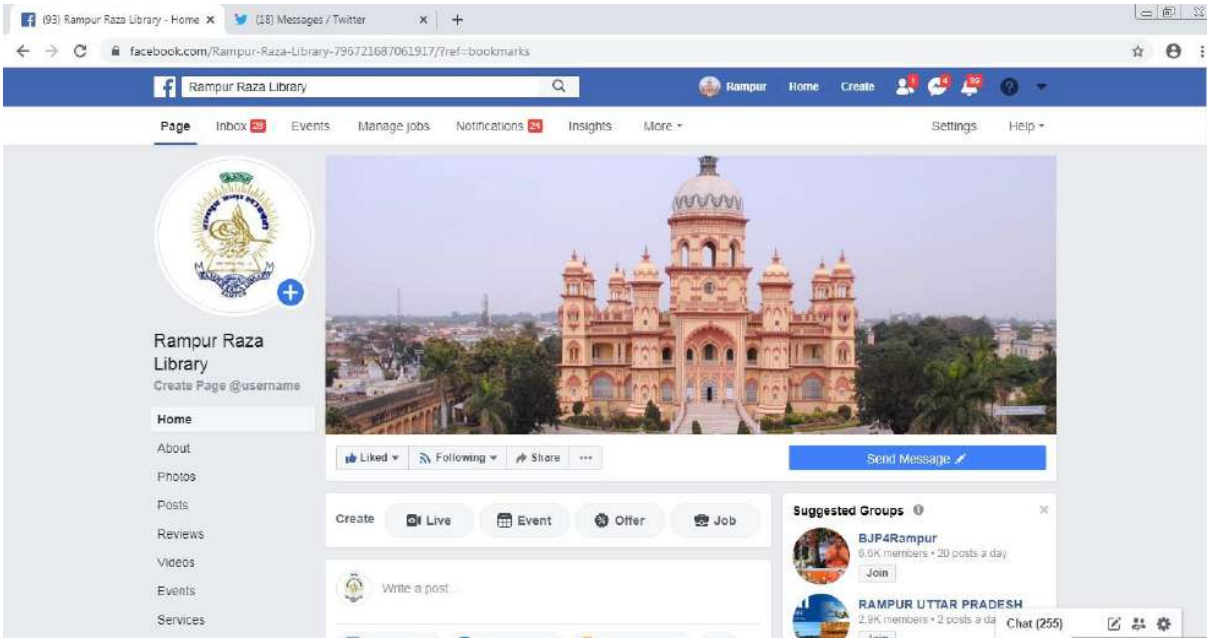

फेसबुक पेज

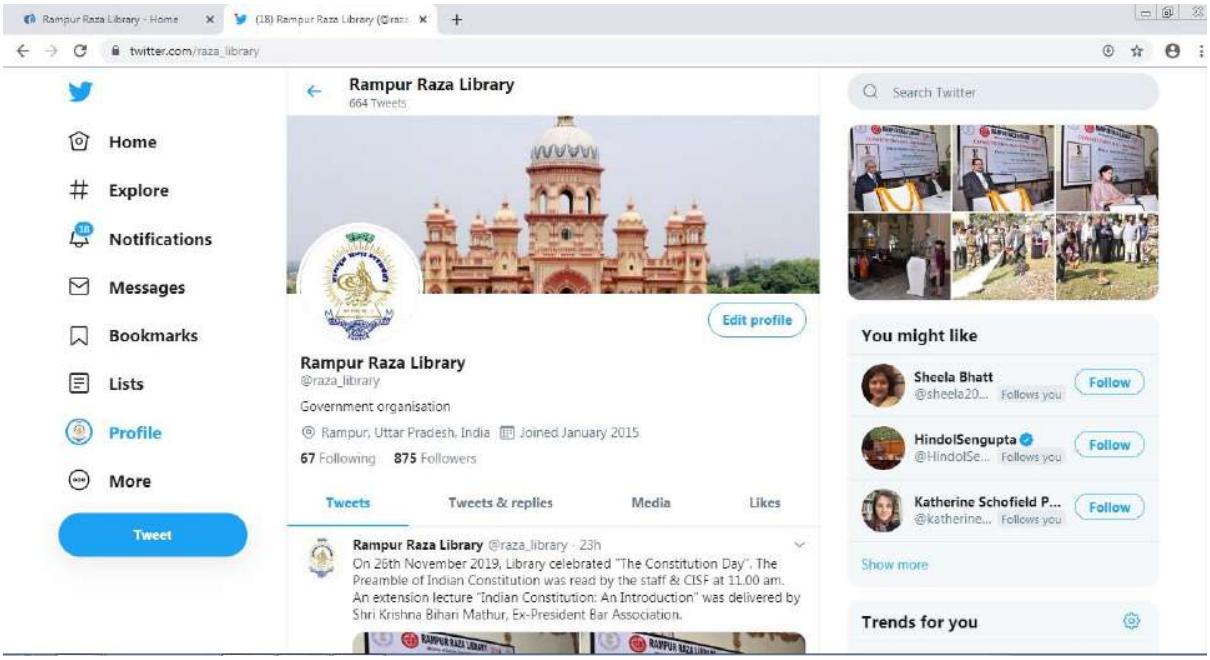

ट्वीटर पेज

रामपुर रज़ा लाइब्रेरी के फेसबुक पेज का लिंक है–
https://www.facebook.com/Rampur-Raza-Library-796721687061917/

रामपुर रज़ा लाइब्रेरी के ट्वीटर पेज का लिंक है–
https://twitter.com/raza_library

रामपुर रज़ा लाइब्रेरी ने यू–ट्यूब पर अपना एक चैनल बनाया है उसका नाम रामपुर रज़ा लाइब्रेरी, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार है। इस पर विभिन्न कार्यक्रमों की वीडियो अपलोड की जा रही है।

विशिष्ठ आगंतुक एवं शोधकर्ता

विश्व से असंख्य दर्शकों के भ्रमण पर रामपुर रज़ा लाइब्रेरी गौरवान्वित होती है। लाइब्रेरी के विषय में विशिष्ठ आगंतुकों और भ्रमणकर्ताओं के महत्वपूर्ण विचार इस प्रकार हैं :–

- मिस श्रुति श्रद्धा, पटना बिहार ने 8 अप्रैल 2018 को रामपुर रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण किया।
  विचार :– "यह बहुत प्रसन्नतापूर्वक तथा ज्ञानवर्धक अनुभव रहा। इस अनुभव को मैं जीवन भर याद रखूँगी।"

- मिस सेहर अग्रवाल, कोलम्बिया विश्वविद्यालय, न्यूयार्क ने 11 जून 2018 को रामपुर रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण किया।
  विचार :– "मैं प्रोफेसर अब्बास को धन्यवाद देती हूँ कि उन्होंने मुझे पाण्डुलिपियों को देखने की अनुमति दी। मुझे वास्तव में विश्वास है कि रज़ा लाइब्रेरी भारत की श्रेष्ठ लाइब्रेरी है, न केवल अपने भव्य संग्रह के लिए बल्कि यहाँ के कार्यकर्ताओं के लिए

भी जो कि देखभाल करते हैं और उनको रज़ा लाइब्रेरी के संग्रह के विषय में काफी जानकारी भी है।

- मिस रासेल कोचरन, यू०एन०ए०, कॉलेज ऑफ आर्ट एण्ड साइंस, उत्तरी कारोलीना, चैपल हिल्स ने 14 जून 2018 को रामपुर रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण किया।
  विचार :– "मैं प्रोफेसर अब्बास और यहाँ के समस्त स्टाफ का धन्यवाद करता हूँ। यहाँ समस्त कार्यकर्ता सहयोगी है तथा उनको यहाँ पर संग्रह के विषय में काफी जानकारी है। यहाँ पर कार्य करने का बहुत अच्छा अनुभव रहा। मुझे आशा है कि मैं यहाँ शीघ्र ही लौटकर अपना शोधकार्य आगे बढ़ाऊँगा। बहुत बहुत धन्यवाद!"

- मिस शालू एवं श्रुति, लखड़ाकिया, दिल्ली ने 21 जून 2018 को रामपुर रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण किया।
  विचार :– "रज़ा लाइब्रेरी में यात्रा समृद्ध तथा ज्ञानपूर्ण रही तथा यहाँ के स्टाफ के इनपुट ने इसे और भी खास बना दिया। व्यक्तिगत तौर पर यह मेरे लिए काफी सार्थक अनुभव रहा। भारत में समृद्ध संग्रह को भविष्य की पीढ़ियों के लिए संरक्षित किया जाना चाहिए। धन्यवाद "

- एस.एफ.आर. कुरैशी, रामपुर ने 24 जुलाई 2018 को रामपुर रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण किया।
  विचार :– "रज़ा लाइब्रेरी जो रामपुर में स्थित है, भारतीय उपमहाद्वीप में महत्त्वपूर्ण और समृद्ध लाइब्रेरियों में से एक है। भारत में फारसी भाषाओं के प्रारम्भिक समय से जो फारसी और अरबी स्रोतों के हमारे पहले के सभी शोधों का जवाब दे सकती है। हमें आशा है कि एक दिन हम अपनी आगे की सुविधा और शोध के लिए सभी पांडुलिपियों का स्कैन कर सकते हैं।"

- प्रो० अली अहमद फातमी, उर्दू विभागाध्यक्ष, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद ने 30 जुलाई 2018 को रामपुर रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण किया।
  विचार :– "मैं पूर्व में भी रज़ा लाइब्रेरी आया हूँ। शोधकार्य से सम्बन्धित लाभान्वित होता रहा हूँ परन्तु आज दिनांक 30 जुलाई 2018 को इस पुस्तकालय में आकर काफी प्रसन्नता हुई। प्रो० हसन अब्बास जो फ़ारसी के प्रसिद्ध विद्वान् हैं और अब लाइब्रेरी के निदेशक। उन्होंने इस पुस्तकालय की न केवल गतिविधियों बल्कि उसके हर कार्य में वृद्धि की है। आज प्रेमचंद से सम्बन्धित शोध, लेख और चित्रों को देखकर अत्यधिक प्रसन्नता हुई। इतने कम समय में इतना बड़ा संग्रह मुझे कहीं देखने को नहीं मिला। ये निदेशक महोदय के अथक प्रयासों का ही परिणाम है। प्रेमचंद से मुझे भी व्यक्तिगत रूप से लगाव है। सबको शुभकामनाएँ देता हूँ।"

- श्री यशपाल सिंह चौधरी, अध्यक्ष, हिन्दी सलाहकार समिति, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली ने 30 जुलाई 2018 को रामपुर रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण किया।
  विचार :– "आज दिनांक 29 जुलाई 2018 में रामपुर स्थित रज़ा लाइब्रेरी देखने का अवसर मिला। यहाँ की लाइब्रेरी असाधारण एवं अद्भुत है। यहाँ पर दुर्लभतम पाण्डुलिपियाँ व रामायण व कुरान जैसी धार्मिक पाण्डुलिपियाँ उपलब्ध है जो सहज ही अन्य कहीं मिलना सम्भव नहीं है। पाण्डुलिपियों व अन्य ऐतिहासिक पुस्तकों व धरोहरों का संग्रहण व उनका रखरखाव प्रंशसनीय है। मैं यहाँ के निदेशक प्रो०

अब्बास व स्टाफ की प्रशंसा करता हूँ। साथ ही संस्थान के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूँ।"

- मिस अलका कौशिक, पत्रकार (यात्रा), दिल्ली ने 7 अगस्त 2018 को रामपुर रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण किया।
  विचार :– "बस एक ही सुझाव देना चाहूँगी लाइब्रेरी में तथा संग्रहालय में सब जगह ए०सी० लगाए जाने चाहिए ताकि यहाँ के बहुमूल्य ख़जाने को आगे आने वाली पीढ़ी के लिए बचाया जा सके।"

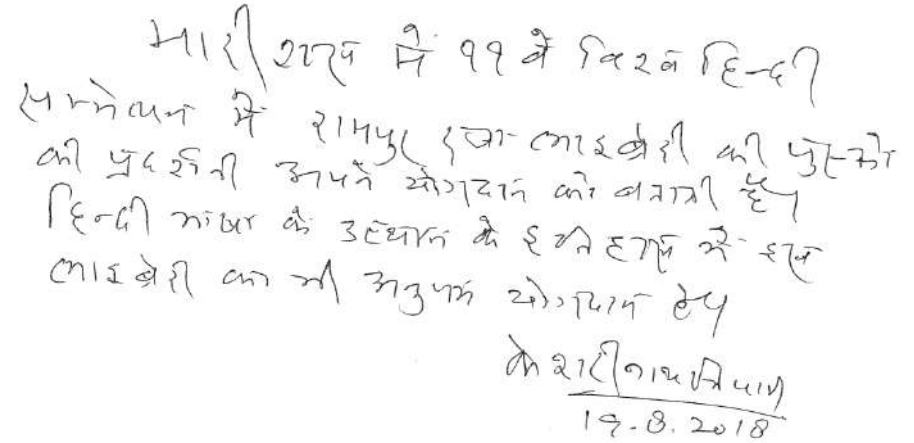
मारीशस में 11वें विश्व हिन्दी
सम्मेलन में रामपुर रज़ा लाइब्रेरी की पुस्तकों
की प्रदर्शनी अपने योगदान को बताती है।
हिन्दी भाषा के उत्थान के इस महान में इस
लाइब्रेरी का भी अनुपम योगदान है।
केशरीनाथ त्रिपाठी
19.8.2018

मॉरिशस में आयोजित 11वें विश्व हिन्दी सम्मेलन के दौरान श्री केशरीनाथ त्रिपाठी, माननीय राज्यपाल पश्चिम बंगाल के विचार

- मिस मोनिका, बैंगलोर ने 21 अगस्त 2018 को रामपुर रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण किया।
  विचार :– "यहाँ की कला, सुन्दरता तथा बौद्धिकी के समावेश को देखकर बहुत प्रसन्नता हुई। धन्यवाद!"

- श्री नेनसे, सेवानिवृत्त माननीय सेट, जमनानगर ने 02 सितम्बर 2018 को रामपुर रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण किया।
  विचार :– "रामपुर रज़ा लाइब्रेरी में आना और उसके संग्रह तथा बहुमूल्य पुस्तकें तथा पाण्डुलिपियों को देखना मेरे लिए बहुत सम्मान तथा गर्व का विषय है। इस बहुमूल्य धरोहर के संरक्षण और लोगों के लिए उपलब्ध कराने के लिए रामपुर राजघराने को धन्यवाद देता हूँ। भारत सरकार ने इस सुन्दर संग्रह को आगे बढ़ाने के लिए उत्तम कार्य किया है। मुझे आशा है कि यह आगे आने वाली पीढ़ियों तक चलता रहेगा।"

- डॉ0 एहसानुल्लाह शोकरूल्लाही, निदेशक फारसी शोध संस्थान ने 2 सितम्बर 2018 को रामपुर रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण किया।
  विचार :– आज रविवार 2 सितम्बर 2018 को अवसर प्राप्त हुआ कि हिन्दुस्तान में हाफ़िज़ की मकबूलियत के विषय पर होने वाले व्याख्यान में जो प्रो0 हसन अब्बास निदेशक रजा लाइब्रेरी की ओर से आयोजित हुआ था उपस्थित होने के साथ व्याख्यान प्रस्तुत करने का अवसर प्राप्त हुआ। लाइब्रेरी के अतुलनीय संग्रह को

देखा। संग्रह को व्यवस्थित रखने के ज़िम्मेंदार संरक्षक प्रशंसनिय हैं। मूल ग्रंथों का प्रकाशन और कैटलॉगिंग कभी समाप्त नहीं होने वाली धरोहर है ।

- मिस प्रतिभा सक्सेना, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, रामपुर ने 08 सितम्बर 2018 को रामपुर रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण किया।

  विचार :– "आज दिनांक 08 सितम्बर 2018 को रामपुर रज़ा लाइब्रेरी देखने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। यहाँ संरक्षित पाण्डुलिपियाँ और पुस्तकें स्वयं में अद्भुत और अकल्पनीय हैं। प्राचीन संरक्षित पाण्डुलिपियों एवं पुस्तकों पर की गयी चित्रकारी अचम्भित करने वाली है। यहाँ न केवल पुस्तकों का अपितु विश्व की अन्य प्रसिद्ध वस्तुओं का भी संग्रह है जो कि वर्तमान समय में अन्य किसी स्थान पर सहज दर्शनीय होना सम्भव नहीं है। रज़ा लाइब्रेरी की पुस्तकों, पाण्डुलिपियों को संरक्षित रखने में यहाँ के निदेशक प्रो० अब्बास हसन एवं स्टाफ का प्रयास और कार्यनिष्ठा भी स्पष्ट होती है। यह लाइब्रेरी विश्व में एशिया की द्वितीय स्थान की लाइब्रेरी है और वर्तमान समय में इसको संरक्षित और संजोये रखने में निदेशक महोदय एवं स्टाफ का पूर्ण प्रयास दिखाई देता है। मैं रामपुर रज़ा लाइब्रेरी के निदेशक महोदय की प्रशंसा करती हूँ और स्टाफ के उज्ज्वल भविष्य की कामना करती हूँ।"

- श्री के पी सिंह, जीपी कमाडेंट, सीआईएसएफ, एमएचए ने 25 सितम्बर 2018 को रामपुर रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण किया।

  विचार :– "इस ऐतिहासिक लाइब्रेरी का भ्रमण करना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। मैं हज़रत अली के हस्तलिखित पवित्र कुरान को देखकर आश्चर्यचकित हूँ। हमें अपनी बहुमूल्य सांस्कृतिक धरोहर को यूरोप और पश्चिमी देशों की तरह संजोकर रखना चाहिए। ये देखने योग्य अच्छा स्थान है और मैं नवाबों को धन्यवाद देता हूँ। इस बहुमूल्य स्थान को बनवाने के लिए।"

- प्रो0/डॉ0 मुहम्मद रजा नसीरी ने 27 सितम्बर 2018 रामपुर रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण किया।

  विचार :– बृहस्पतिवार 27 सितम्बर 2018 को रामपुर में बहुमूल्य रजा लाइब्रेरी को देखने का अवसर प्राप्त हुआ। पाण्डुलिपियों से भरा एक समुद्र देखा और दोस्त प्रो0 हसन अब्बास का प्रेम उनकी और उनके बेटे डॉ0 नक़ी अब्बास की आश्चर्यचकित करने वाली रूचि देखने योग्य है। इनके शैक्षिक (इल्मी) कार्यों में वृद्धि की दुआ करता हूँ। कौन है जो इस लाइब्रेरी में प्रवेश करे और आश्चर्य चकित न हो और यह न जानता हूँ कि यहाँ दुर्लभ पाण्डुलिपियाँ मौजूद है। आशा करता हूँ दोबारा आने का अवसर प्राप्त हो।

- श्री शिवहरि मीना, एसपी, रामपुर ने 14 अक्तूबर 2018 को रामपुर रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण किया।

  विचार :– "आज दिनांक 14 अक्तूबर को मैंने अपने परिवार के साथ रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण किया। इस लाइब्रेरी में प्रवेश करने के साथ ही ऐसा लगता है जैसे हम एक अलग ही कालांशू में प्रवेश कर गये। इसका दरबार हाल, इसके खम्भे, किताबों

का संग्रह एवं पुस्तकायल में पुरानी पाण्डुलिपियाँ अविस्मरणीय है। साथ ही साथ रज़ा लाइब्रेरियन उनका सहयोगी स्टाफ एवं अन्य के द्वारा जो मेहनत इस धरोहर को बनाए रखने में इनका योगदान, सराहनीय है। ईश्वर करे ये हमारी धरोहर अनन्तकाल तक हमारी आने वाली पीढ़ियों को अपने पूर्वजों की गौरवशाली इतिहास का मान करती रहेगी।

तुर्कमेनिस्तान एवं यूक्रेन के राजदूत

- श्री पाराखत एच. दुर्दयेव, तुर्कमेनिस्तान के राजदूत ने 20 अक्तूबर 2018 को रामपुर रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण किया।
  विचार :– "रामपुर रज़ा लाइब्रेरी में भ्रमण करना एक अच्छा अनुभव रहा। जहाँ सौन्दर्य और ज्ञान का भण्डार है। जो कि हमारे भारत और तुर्कमेनिस्तान के इतिहास से सम्बन्धित है। आशा है कि हम भविष्य में तुर्कमैन और भारतीय भातृ सम्बन्धों के विषय में और जानकारी बढ़ाने का प्रयास करेंगे। इस धरोहर को दिखाने के लिए धन्यवाद।"

- डा० आईगोर पोलिखा, राजदूत, यूक्रेन एवं श्रीमती नतालिया पोलिखा ने 20 अक्तूबर, 2018 को रामपुर रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण किया।
  विचार :– "मैं इस कला, संस्कृति, इतिहास एवं वास्तुकला के असली रत्न को देखकर अत्यधिक प्रभावित हुआ हूँ जो कि अविश्वस्नीय रज़ा लाइब्रेरी है। आपके अद्वितीय, वास्तव में प्रभावशाली और सबसे सफल संरक्षण प्रयासों के लिए बहुत बहुत धन्यवाद!"

- श्रीमती रेनू अग्रवाल, हाइडिल ऑफिस ने 22 अक्तूबर 2018 को रामपुर रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण किया।
  विचार :– "मैंने ऐसी आश्चर्यजनक, सुन्दर तथा सुचालित लाइब्रेरी आज तक नहीं देखी। मैं यहाँ का भ्रमण करके बहुत गौरवान्वित अनुभव कर रही हूँ। यहाँ का स्टाफ बहुत मेहनती है तथा यहाँ के विषय में बहुत उत्साह एवं रुचि के साथ जानकारी दी। मैं यहाँ के निदेशक और अरूण कुमार तथा समस्त स्टाफ को शुभकामनाएँ देना चाहती हूँ। मैं यहाँ भविष्य में फिर आना चाहती हूँ। यहाँ की सुन्दरता एवं सुरक्षा को बनाये रखने के लिए मैं सभी को धन्यवाद देना चाहती हूँ।"

- श्री बलवीर सिंह, प्रवक्ता बीएड०, दीक्षित कॉलेज, रामपुर ने 19 नवम्बर, 2018 को रामपुर रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण किया।
  विचार :– "आज रज़ा पुस्तकालय का भ्रमण करने का सुखद अवसर प्राप्त हुआ। पुस्तकालय ऐतिहासिक विरासत सजोए है तथा वास्तुकला एवं चित्रकला का एक बेजोड़ संगम है। धन्यवाद!

- डॉ ईशाय योचि, रिक्यो यूनिवर्सिटी, कॉलेज ऑफ आर्ट, टोक्यो, जापान ने 26 नवम्बर, 2018 को रामपुर रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण किया।
  विचार :– "बहुत अच्छी लाइब्रेरी है। जो फारसी और अरबी पाण्डुलिपियों के संरक्षण का कार्य कर रही है। मैं यहाँ विलुप्त हो चुकी पाण्डुलिपि निज़ाम उल निशापरी कस्फ अल हकाईक़ जिल्द इलनेख को देखने आयी हूँ मेरा इस लाइब्रेरी में रहना काफी लाभदायक रहा। यहाँ का स्टाफ काफी सहयोगी है।"

- श्री क्रिस्टोफ मेयेनवबर्ग, परामर्श मंत्री, ऑस्ट्रिया राजदूत, नई दिल्ली, ने 15 दिसम्बर 2018 को रामपुर रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण किया।
  विचार :– "पहली बार रामपुर आया हूँ। लाइब्रेरी की सुन्दरता, बहुमूल्य वस्तुओं तथा लघुचित्रों को देखकर अभिभूत हो गया हूँ। यह सभी हमारे बहुमूल्य धरोहर का प्रतिनिधित्व करती हैं। इस महत्त्वपूर्ण स्थान को दिखाने के लिए धन्यवाद। यह व्यक्तिगत रूप से मेरे अब तक के भारत में बिताये समय का मुख्य आकर्षण है।"

डॉ० कामिलजन राहिमोव, अल बैरूनी इस्टीट्यूट, ताशकंद अपना शोध कार्य करते हुए

- श्री एस० एल० वास्वानी, अध्यक्ष, स्काईलाइन इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलॉजी, ग्रेटर नोयडा ने 23 दिसम्बर 2018 को रामपुर रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण किया।
  विचार :– "मेरे पास ऐसे सुन्दर, सुरूचिपूर्ण और बहुत ही व्यावसायिक रूप से बनाए गए पुस्तकालय की प्रशंसा करने के लिए शब्द नहीं हैं। पुस्तकों का संग्रह ज्ञान से भरपूर है जो शोधकर्ताओं को शोध कार्य में काफी मदद कर सकता है। मैंने भारत, पाकिस्तान और दुनिया के अन्य देशों में कई पुस्तकालय देखें हैं, पर यह

पुस्तकालय विशेष है। मैं कामना करता हूँ कि सर्वशक्तिमान ईश्वर आगे भी यहाँ के लोगों को और भी शक्ति दे, वह इसी प्रकार से आगे भी कार्य कर सकें।"

- डॉ० हरीश त्रिपाठी, प्रमुख वास्तुकार, सुखदेव विहार, नई दिल्ली ने 30 दिसम्बर 2018 को रामपुर रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण किया।
  विचार :– "रज़ा लाइब्रेरी द्वारा उत्कृष्ट कार्य किया जा रहा है। यह देश के लिए बहुत अच्छी सेवा है कि ऐसे ख़जाने का संरक्षण किया जा रहा है, जो कि हमेशा के लिए खो जाता/संरक्षण विभाग को मेरी ओर से शुभकामनाएँ।"

- मिस मिला नतीफ, प्रवक्ता, कला–इतिहास, जॉर्ज वाशिंगटन विश्वविद्यालय, वाशिंगटन डीसी, यूएसए ने 07 जनवरी, 2019 को रामपुर रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण किया।
  विचार :– "ये एक अद्भुत स्थान है तथा यहाँ के लोग अविश्वसनीय हैं जो कि शोध कार्य में काफी सहयोग तथा सहायता करते हैं मैंने यहाँ जो कुछ भी देखा, मैं उसके लिए बहुत आभारी हूँ। धन्यवाद।"

- मिस आयशा शेठ, पीएचडी शोधार्थी, दक्षिण–एशिया अध्ययन, पेंसिल्वेनिया विश्वविद्यालय ने 13 जनवरी, 2019 को रामपुर रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण किया।
  विचार :– "लाइब्रेरी का संग्रह अच्छी प्रकार से सूचीबद्ध और संरक्षित है। यहाँ का स्टाफ बहुत सहयोगी है। पाण्डुलिपियों तथा मुद्रित पुस्तकों के संग्रह में महत्त्वपूर्ण पढ़ने योग्य सामग्री है। लाइब्रेरी द्वारा दिया गया योगदान मेरे शोधकार्य में सहायता करेगा।"

- प्रो० अन्ना, यूसीएलए, लॉस एन्जिलस, यूएसए ने 03 फरवरी 2019 को रामपुर रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण किया।
  विचार :– "अद्भुत कार्य! देखभाल, समर्पण और कौशल के साथ भारत के इस कीमती ख़जाने को संरक्षित करना अद्भुत है।"

शैक्षिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम

दाग़ देहलवी : रामपुर और हैदराबाद पर विस्तार व्याख्यान

रामपुर रज़ा लाइब्रेरी में 08 अप्रैल 2018 को **"दाग़ देहलवी : रामपुर और हैदाराबाद"** पर विस्तार व्याख्यान का आयोजन रंगमहल में किया गया। प्रोफेसर फ़ातिमा बेगम, पूर्व विभागाध्यक्ष, उर्दू विभाग, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रोफेसर ईराक़ रज़ा ज़ैदी, भूतपूर्व विभागाध्यक्ष, फ़ारसी विभाग, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली ने की।

स्वच्छता पखवाड़ा

रामपुर रज़ा लाइब्रेरी ने 17 अप्रैल 2018 को **शपथ ग्रहण समारोह** के साथ 17 अप्रैल 2018 को स्वच्छता पखवाड़े का आरम्भ किया। स्टाफ सदस्यों द्वारा अपने आस–पास, घर, कार्यस्थल एवं सार्वजनिक स्थानों आदि पर स्वच्छता बनाये रखने की शपथ ली और स्वच्छ भारत मिशन में अपना योगदान का प्रण लिया।

21 अप्रैल 2018 को, रज़ा लाइब्रेरी निदेशक प्रो० सैयद हसन अब्बास, लाइब्रेरियन डॉ० अबुसाद इस्लाही, सीआईएसएफ प्रभारी श्री विशाल कुमार ने **पौधारोपण** किया। उन्होंने सामान्य साफ–सफाई की आवश्यकता एवं महत्व के विषय में लाइब्रेरी स्टाफ को जागरूक किया।

पखवाड़े के दौरान लाइब्रेरी के विभिन्न स्थानों जैसे – अध्ययन कक्ष, दरबार हॉल, मुद्रित पुस्तकों के विभिन्न अनुभागों, गैलरियों और अन्य कक्षों में **स्वच्छता अभियान** चलाया तथा लाइब्रेरी भवन एवं परिसर से अवांछित पौधों को हटाया।

अग्निशमन प्रणाली पर कार्यशाला

रामपुर रज़ा लाइब्रेरी में 8 मई 2018 को आग पर एक कार्यशाला का आयोजन किया। श्री डी० पी० पुजारी, सहायक कमांडेंट, फायर, कासिमपुर, अलीगढ़, यू०पी० ने अग्नि के विषय में ज्ञान दिया। उन्होंने विभिन्न प्रकार की आग, आग लगने के कारण एवं लाइब्रेरी में आग से बचाव की विधियों पर भी प्रकाश डाला। कार्यशाला में लाइब्रेरी स्टाफ को प्रयोगात्मक तरीके से आग लगाकर उस पर विभिन्न माध्यमों से काबू पाने का प्रशिक्षण दिया गया।

पवित्र कुरान एवं दुर्लभ कैलीग्राफियों की प्रदशनी

रामपुर रज़ा लाइब्रेरी ने 03 से 21 जून 2018 तक दरबार हॉल में **"पवित्र कुरान और कैलीग्राफी के नमूनों"** की प्रदर्शनी का आयोजन किया। प्रदर्शनी का उद्घाटन 03 जून 2018 को मुरादाबाद के मौलाना डॉ० मुजफ्फर सुल्तान तोराबी तथा मदरसा फुरकानिया, रामपुर के प्रबंधक डॉ० शआयरूल्ला खाँ ने किया।

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस

रामपुर रज़ा लाइब्रेरी द्वारा 21 जून 2018 को चतुर्थ अन्तराष्ट्रीय योग दिवस पर योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। लाइब्रेरी स्टाफ ने केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, यूनिट रज़ा लाइब्रेरी के साथ सभागार हॉल, रंगमहल में योगाभ्यास किया।
कार्यक्रम का प्रारम्भ आयुष मंत्रालय, भारत द्वारा निर्देर्शित समय पर सामान्य योगा प्रोटोकॉल के अनुसार प्रातः 07.00 बजे हुआ। श्री विशाल कुमार, इंचार्ज सीआईएसएफ के निर्देशानुसार लाइब्रेरी स्टाफ एवं सीआईएसएफ यूनिट ने संयुक्त रूप से योगाभ्यास किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रीय गान से हुआ।

मौलाना अब्दुस्सलाम खाँ : जीवन और कृतित्व पर विस्तार व्याख्यान

रामपुर रज़ा लाइब्रेरी के सभागार में 24 जून 2018 को मौलाना अब्दुस्सलाम खाँ मैमोरियल प्रथम विस्तार व्याख्यान "मौलाना अब्दुस्सलाम खाँ : जीवन और कृतित्व" पर विस्तार

व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मौलाना आज़ाद विश्वविद्यालय, जोधपुर के कुलपति प्रोफेसर अख्तर–उल–वासे ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो० इक्तिदार मोहम्मद खान, विभागाध्यक्ष, इस्लामी अध्ययन विभाग, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली ने की। मौलाना अब्दुस्सलाम खाँ के पुत्र एडवोकेट श्री नासिरउद्दीन खाँ ने अपने पिता के विषय में विचार प्रस्तुत किये।

इस अवसर पर प्रो० सैयद हसन अब्बास द्वारा संकलित "यादगारनामा मौलाना अब्दुस्सलाम खाँ" और दो अन्य पुस्तकों डॉ० सैयद नक़ी अब्बास की फारसी कविता संग्रह "बा–ख़्यालतु" और "रूहेलखण्ड के सूफीयाना अदब का तनक़ीदी मुतालेआ" (लेखिका डॉ० मज़हरी सिद्दीक़ा) नामक पुस्तकों का विमोचन किया गया।

पुस्तक विमोचन

17 जुलाई 2018 को राजभवन लखनऊ में आयोजित रामपुर रज़ा लाइब्रेरी की 48वीं बोर्ड मीटिंग के अवसर पर श्री राम नाईक, माननीय राज्यपाल उत्तर प्रदेश/अध्यक्ष रामपुर रज़ा लाइब्रेरी बोर्ड एवं सभी बोर्ड सदस्यों के कर–कमलों द्वारा रामपुर रज़ा लाइब्रेरी न्यूजलेटर (मार्च 2017–मार्च 2018) का विमोचन किया गया।

विस्तार व्याख्यान

रामपुर रज़ा लाइब्रेरी के सभागार में 29 जुलाई 2018 को प्रसिद्ध साहित्यकार मुंशी प्रेमचंद के 138वें जन्मजयंती के अवसर पर "वर्तमान काल में प्रेमचंद की प्रासांगिकता" विषय पर विस्तार व्याख्यान का आयोजन किया गया। प्रोफेसर अबुल कलाम क़ासमी, पूर्व उर्दू विभागाध्यक्ष, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री चौधरी यशपाल सिंह, सदस्य, हिन्दी सलाहकार समिति, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार ने की। प्रो० अब्दुल अली, पूर्व विभागाध्यक्ष इस्लामिक अध्ययन विभाग, अलीगढ़ विश्वविद्यालय, अलीगढ़ एवं प्रो० इक़्तिदार मोहम्मद खाँ इस्लामिक अध्ययन विभागाध्यक्ष, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली ने भी उक्त विषय पर अपने विचार व्यक्त किये।

इस अवसर पर साहित्यकार डॉ० प्रदीप जैन की प्रेमचंद की कहानी संकलन, प्रेमचंद की शेष रचनाएँ–खण्ड एक, प्रेमचंद के उपन्यास नामक तीन पुस्तकों का विमोचन भी किया गया।

पुस्तक प्रदर्शनी

प्रसिद्ध साहित्यकार मुंशी प्रेमचंद की 138वीं जयन्ती के अवसर पर रामपुर रज़ा लाइब्रेरी के दरबार हॉल में 29 जुलाई से 10 अगस्त 2018 तक "मुंशी प्रेमचंद : प्रसिद्ध लेखक, पत्रकार और स्वतंत्रता सेनानी" शीर्षक पर पुस्तकों की प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी का उद्घाटन 29 जुलाई 2018 को प्रो० अबुल कलाम क़ासमी, पूर्व विभागाध्यक्ष, उर्दू विभाग, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ और प्रो० अब्दुल अली, पूर्व विभागाध्यक्ष, इस्लामिक अध्ययन विभाग, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय अलीगढ़ द्वारा किया गया।

स्वतंत्रता दिवस

रामपुर रज़ा लाइब्रेरी में 15 अगस्त 2018 को 72वां स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। रामपुर रज़ा लाइब्रेरी के निदेशक प्रो० सैयद हसन अब्बास ने राष्ट्रीय तिरंगा फहराया और राष्ट्रीय झण्डे को सलामी दी तथा समारोह में उपस्थित सभी लोगों ने राष्ट्रीय गान गाया। रामपुर रज़ा लाइब्रेरी के सीआईएसएफ के वर्दीधारक जवानों ने राष्ट्रीय तिरंगे को सलामी दी। इस अवसर पर लाइब्रेरी के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने प्रेरणादायक भाषण दिये और देशभक्ति के गीत प्रस्तुत किये।

11वें विश्व हिन्दी सम्मेलन में पुस्तकों की प्रदर्शनी

11वें विश्व हिंदी सम्मेलन का आयोजन 18 से 20 अगस्त 2018 को गोस्वामी तुलसीदास नगर, मॉरीशस में किया गया था। इसका आयोजन भारत सरकार के विदेश मंत्रालय द्वारा किया गया था। तत्कालीन विदेश मंत्री श्रीमती सुषमा स्वराज ने प्रस्तावना वक्तव्य एवं मॉरीशस के माननीय प्रधानमंत्री श्री प्रवीण कुमार जगन्नाथ ने सम्मेलन के उद्घाटन पर स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। भारत के कई संस्थानों ने विश्व हिंदी सम्मेलन के दौरान पुस्तक प्रदर्शनी में अपने प्रकाशन का प्रदर्शन किया।

रामपुर रज़ा लाइब्रेरी को भी अपने उत्कृष्ट प्रकाशनों के लिए हिंदी सम्मेलन में भाग लेने का अवसर प्राप्त हुआ। इस पुस्तक प्रदर्शनी में रामायण, मधुमालती, प्रेमचंद के पत्र, तुलसीनामा, राजभाषा पत्रिका (प्रेमचंद विशेषांक), राजभाषा पत्रिका, हुमायूँनामा, रामपुर दरबार और नवाबी रस्में, उमरा–ए–हिनूद, अंग–दर्पण, रस प्रबोध, रसरंग आदि प्रकाशनों को प्रदर्शित किया गया।

सद्भावना दिवस

प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी की जयंती 20 अगस्त को प्रत्येक वर्ष "सदभावना दिवस" के रूप में मनायी जाती है। यह दिन सभी धर्मों, भाषाओं और क्षेत्र के लोगों के बीच राष्ट्रीय एकता और सांप्रदायिक सदभाव को बढ़ावा देने; हिंसा से बचने और लोगों के बीच सद्भावना को बढ़ावा देने के लिए मनाया जाता है।

सदभावना दिवस 20 अगस्त 2018 को रामपुर रज़ा लाइब्रेरी में मनाया गया। लाइब्रेरी में सदभावना शपथ दिलायी गयी और लाइब्रेरी के सभी कर्मचारियों ने यह शपथ ली–

"मैं शपथ लेता हूँ कि मैं जाति, क्षेत्र, धर्म या भाषा की परवाह किए बिना भारत के सभी लोगों की भावनात्मक एकता और सदभाव के लिए काम करूँगा। मैं आगे प्रतिज्ञा करता हूँ कि मैं हिंसा का सहारा लिए बिना संवाद और संवैधानिक साधनों के माध्यम से हमारे बीच के सभी मतभेदों को हल करूँगा।"

विस्तार व्याख्यान : 'भारत में हाफिज़ शिराजी की लोकप्रियता'

रामपुर रज़ा लाइब्रेरी द्वारा 02 सितम्बर 2018 को "भारत में हाफिज शीराजी की लोकप्रियता" पर विस्तार व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसमें डॉ० एहसान उल्लाह शुकरुल्लाही, निदेशक, फारसी अनुसंधान केन्द्र, ईरान कल्चर हाउस, नई दिल्ली द्वारा व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रोफेसर ज़फ़र अहमद सिद्दीक़ी उर्दू विभाग, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ ने की। इस अवसर पर डॉ० एहसान उल्लाह शुकरुल्लाही द्वारा दिए गये व्याख्यान का अनुवाद डॉ० मेहदी बाकर ने किया।

कार्यक्रम के दौरान प्रो० हनफी नकवी की 'तज़करे और तबसरे' नामक पुस्तक का विमोचन भी किया गया।

हिन्दी पखवाड़ा - 2018

हिन्दी पखवाड़े के अवसर पर रज़ा लाइब्रेरी ने 15 से 28 सितम्बर 2018 तक हिन्दी की दुर्लभ पाण्डुलिपियों और पुरानी मुद्रित पुस्तकों की प्रदर्शनी का आयोजन किया। इसका उद्घाटन प्रो० राजमणि शुक्ला, निदेशक, दीक्षित कॉलेज ऑफ हायर एजूकेशन, रामपुर/पूर्व प्राचार्य पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, तिलहर, शाहजहाँपुर द्वारा किया गया।

इसके साथ ही हिन्दी पखवाड़ा 2017 में आयोजित प्रतियोगिताओं के पुरस्कार भी 29 सितम्बर 2018 को प्रदान किये गये।

स्वच्छता पखवाड़ा (16–30 सितम्बर 2018)

स्वच्छता पखवाड़ा 16 सितम्बर को बैनर, नारों और पोस्टरों के प्रदर्शन के साथ शुरू हुआ तथा स्वच्छता के महत्व और आवश्यकता के बारे में जानकारी दी गयी। सभी कर्मचारियों और सीआईएसएफ के जवानों द्वारा 17 सितम्बर को शपथ समारोह का आयोजन किया गया तथा श्री विशाल कुमार, इंचार्ज सीआईएसएफ द्वारा सभी को शपथ ग्रहण करवायी गयी। स्टाफ के सभी सदस्यों अपने आस–पास, घर, कार्यस्थल, सार्वजनिक स्थानों आदि में स्वच्छता रखने की शपथ ली और स्वच्छ भारत मिशन में अपना योगदान देने का प्रण लिया।

18 सितम्बर 2018 को कर्मचारियों एवं सीआईएसफ यूनिट द्वारा पौधरोपण किया गया। लाइब्रेरी में रीडिंग रूम, दरबार हॉल, मुद्रित अनुभागों, गैलरियों, अन्य कक्षों, दोनों इमारतों

की छतो एवं लान में सफाई अभियान चलाया गया। तथा जगह–जगह उगे अवांछित पौधों को हटाया गया। लाइब्रेरी द्वारा 22 सितम्बर को दरबार हॉल में "समाज और पर्यावरण को स्वच्छ रखने में व्यक्ति की भूमिका" पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। लाइब्रेरी स्टाफ ने संगोष्ठी में सक्रिय रूप से भाग लिया और स्वच्छता पर अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर सेंट मैरी सीनियर सैकेण्ड्री स्कूल रामपुर के विद्यार्थी और स्टाफ भी उपस्थित था और कुछ छात्राओं ने संगोष्ठी में भाग लिया।

प्रदर्शनी : 'भारत-उज़्बेकिस्तान : संस्कृति का संवाद'

संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार ने 25 सितम्बर से 24 अक्तूबर, 2018 तक राष्ट्रीय संग्रहालय नई दिल्ली, भारत में उज़्बेकिस्तान दूतावास, उज़्बेकिस्तान के इलेक्ट्रॉनिक मास मीडिया के राष्ट्रीय संघ, रामपुर रज़ा लाइब्रेरी और खुदा बख़्श ओरिएंटल पब्लिक लाइब्रेरी के संयुक्त सहयोग से एक प्रदर्शनी "भारत–उज़्बेकिस्तान : संस्कृति का संवाद" का आयोजन किया।

प्रदर्शनी का उद्घाटन 25 सितम्बर 2018 को संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के सचिव श्री अरुण गोयल एवं महामहिम श्री सईद सफेव, प्रथम उपाध्यक्ष, ओली मजिलस सीनेट, उज़्बेकिस्तान गणराज्य ने किया। कार्यक्रम में भारत में उज़्बेकिस्तान के राजदूत श्री फरहॉड अर्शीव, श्री बी० आर० मणि, महानिदेशक, राष्ट्रीय संग्रहालय, नई दिल्ली, प्रो० सैयद हसन अब्बास, निदेशक रामपुर रज़ा लाइब्रेरी, निदेशक खुदा बख़्श ओरियन्टल लाइब्रेरी पटना उपस्थित थे।

प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य उज़्बेकिस्तान और भारत के संबंधित इतिहास, सांस्कृतिक कलाकृतियों के प्रबन्धन और सूचीकरण एवं उनके सरंक्षण एवं परिरक्षण के लिए प्रभावी दृष्टिकोण पर शैक्षिक, तकनीकी व्यवसायिक भागीदारों के साथ एक गतिशील विनिमय को बढ़ावा देना; और अकादमिक और शोध कार्य के उद्देश्य के लिए पाण्डुलिपियों के प्रयोग को बढ़ावा और प्रोत्साहित करने के लिए लिंक साझा करना था।

प्रदर्शनी में कुषाण काल के शाही टकसालों के सिक्कों और कलाकृतियों को प्रदर्शित किया गया, जो भारत और उज़्बेकिस्तान की साझा सांस्कृतिक विरासत की पांडुलिपियों और चित्रों को अलग–अलग समय में धार्मिक और वैज्ञानिक विषयों के रूप में प्रस्तुत करते हैं। रामपुर रज़ा लाइब्रेरी द्वारा तोहफ़ातुल अहरार (1492 ई०), मजालिस–उल–उश्हाक़ (1580 ई०), दीवान–ए–हाफ़िज़ (1390 ई०), दीवान–ए–बाबर (16वीं शताब्दी की शुरूआत), बाबर का चित्र (16वीं शताब्दी का प्रारंभ), अब्दुल्ला ख़ाँ का चित्र (1610 ई०) और तैमूर का घर (18वीं शताब्दी) आदि पाण्डुलिपियों के चित्रों को प्रदर्शित किया।

भारत–उज़्बेकिस्तान संयुक्त उत्सव उज़्बेकिस्तान गणराज्य के राष्ट्रपति श्री शावकट मिर्ज़ियोयव की भारत गणराज्य में राजकीय यात्रा को समर्पित था। इसमें मीडिया इवेंट और राष्ट्रीय संग्रहालय में 25 सितम्बर को आयोजित सेमिनार भी शामिल है। डॉ० सैयद नक़ी अब्बास द्वारा उक्त सेमिनार में रामपुर रज़ा लाइब्रेरी के संग्रह पर एक प्रस्तुति दी गयी।

विस्तार व्याख्यान- 'फारसी पाण्डुलिपियाँ : भारत और ईरान की साझा विरासत'

27 सितम्बर 2018 को "फारसी पाण्डुलिपियाँ : भारत और ईरान की साझा विरासत" पर प्रो० मोहम्मद रज़ा नसीरी, प्रमुख सचिव, फारसी भाषा और साहित्य अकादेमी, तेहरान,

ईरान एवं विभागाध्यक्ष इतिहास विभाग, पायाम–ए–नूर विश्वविद्यालय, गिलान, ईरान ने विस्तार व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो० हसन अहमद निज़ामी, पूर्व विभागाध्यक्ष, उर्दू विभाग, राजकीय रज़ा स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रामपुर ने की। इस अवसर पर नजीबुद्दीन समरकन्दी की पुस्तक 'इल्म उल अदविया' का विमोचन किया गया। इस पुस्तक का उर्दू अनुवाद हकीम शमीम इरशाद आज़मी ने किया है।

गांधी जयन्ती

राष्ट्रपिता की याद में, रामपुर रज़ा लाइब्रेरी ने 2 अक्तूबर 2018 को गांधी जयंती मनाई। श्री विशाल कुमार, इंचार्ज, सीआईएसएफ यूनिट रज़ा लाइब्रेरी ने अंहिसा और स्वच्छता की शपथ दिलाई। स्टाफ सदस्यों द्वारा गांधी जयन्ती पर अपने विचार एवं देशभक्ति गीत प्रस्तुत किये गये।

लाइब्रेरी में 2 से 14 अक्तूबर 2018 तक महात्मा गांधी से संबंधित पुस्तकों और फोटो की एक प्रदर्शनी भी प्रदर्शित की गयी। इस प्रदर्शनी में गांधी के जीवन के संस्मरण प्रदर्शित किये गये। इसका उद्घाटन रामपुर के तत्कालीन जिला मजिस्ट्रेट श्री महेंद्र बहादुर सिंह ने किया।

अवार्ड समारोह

रामपुर रज़ा लाइब्रेरी प्रत्येक वर्ष अरबी, फारसी, संस्कृत, इतिहास, कला, पत्रकारिता और प्रकाशन में उत्कृष्ट योगदान के लिए नवाब फैज़ुल्ला खाँ अवार्ड, नवाब रज़ा अली खाँ अवार्ड, मुंशी नवल किशोर एवार्ड और मौलाना मोहम्मद अली जौहर अवार्ड (वरिष्ठ/कनिष्ठ) से सम्मानित करती है। इस वर्ष निम्नलिखित विद्वानों को उपुर्यक्त अवार्ड से सम्मानित किया गया–

अवार्ड का नाम	विषय	सम्मानित विद्वान
नवाब रज़ा अली खान अवार्ड 2015–16	संस्कृत	डॉ० नाहिद आबिदी (उ० प्र०)
नवाब फैज़ुल्लाह खाँ अवार्ड 2016–17	इतिहास	डॉ० मोहम्मद ज़ियाउद्दीन अहमद शाकेब (हैदराबाद)
नवाब रज़ा अली खाँ अवार्ड 2016–17	फारसी	प्रो० शरीफ हुसैन क़ासमी (दिल्ली)
मुंशी नवल किशोर अवार्ड 2016–17	उर्दू प्रकाशन	अलहसनात बुक्स प्रा० लि० (नई दिल्ली)
मौलाना मोहम्मद अली जौहर अवार्ड (वरिष्ठ) 2016–17	पत्रकारिता	श्री अहमद सईद मलीहाबादी (कोलकाता)
मौलाना मोहम्मद अली जौहर अवार्ड (कनिष्ठ) 2016–17	पत्रकारिता	डॉ० अभिनव उपाध्याय (दिल्ली)

अवार्ड समारोह 4 अक्तूबर 2018 को लखनऊ के राजभवन में आयोजित किया गया और उत्तर प्रदेश के माननीय राज्यपाल एवं अध्यक्ष, रामपुर रज़ा लाइब्रेरी श्री राम नाईक ने रामपुर रज़ा लाइब्रेरी अवार्ड से विद्वानों को सम्मानित किया।

विस्तार व्याख्यान : 'महात्मा गांधी और उर्दू अदब'

14 अक्तूबर 2018 को रामपुर रज़ा लाइब्रेरी द्वारा आयोजित विस्तार व्याख्यान "महात्मा गांधी और उर्दू अदब" पर प्रो० अली अहमद फातमी, उर्दू विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री जगदीश पीयूष, सदस्य, रामपुर रज़ा लाइब्रेरी बोर्ड ने की।

सर सैयद दिवस

सर सैयद अहमद खाँ के जन्मदिवस के अवसर पर 17 से 25 अक्तूबर 2018 तक रामपुर रज़ा लाइब्रेरी में सर सैयद अहमद खाँ से सम्बन्धित पुस्तकों की प्रदर्शनी का आयोजन किया। प्रदर्शनी का उद्घाटन डॉ० मुमताज़ अरशी एवं डॉ० अबुसाद इस्लाही, लाइब्रेरी एवं सूचना अधिकारी द्वारा किया गया।

वाल्मीकि जयन्ती पर रामायण की प्रदर्शनी

महर्षि वाल्मीकि के जन्मदिवस के अवसर पर रामपुर रज़ा लाइब्रेरी ने 23 से 30 अक्तूबर 2018 तक दुर्लभ पाण्डुलिपियों एवं रामायण की पुस्तकों की प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी का उद्घाटन श्री वीरेश भीम अनार्य, अध्यक्ष, भारतीय वाल्मीकि धर्म समाज एवं प्रो० सैयद हसन अब्बास, निदेशक रामपुर रज़ा लाइब्रेरी ने किया।

राष्ट्रीय एकता दिवस

भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय एकता दिवस का आरम्भ किया गया था तथा भारत के एकीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले सरदार वल्लभाई पटेल को श्रद्धांजलि देने के लिए माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 2014 में इस दिवस का उद्घाटन किया गया। प्रत्येक वर्ष 31 अक्तूबर का दिन भारत के लौह पुरूष, सरदार वल्लभभाई पटेल, भारत गणराज्य के संस्थापक नेताओं में से एक नेता की जन्मजयंती के रूप में मनाया जाता है।

रामपुर रज़ा लाइब्रेरी में राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया गया और दरबार हॉल में सरदार वल्लभभाई पटेल पर प्रदर्शनी का आयोजन किया। प्रदर्शनी का उद्घाटन 31 अक्तूबर 2018 को डॉ० आर० पी० यादव, प्रधानाचार्य, राजकीय रज़ा पी०जी० कॉलेज रामपुर ने किया।

डॉ० आर०पी० यादव और प्रो० सैयद हसन अब्बास निदेशक रामपुर रज़ा लाइब्रेरी ने सरदार पटेल की चित्र पर पुष्प सुमन अर्पित किये।

रामपुर रज़ा लाइब्रेरी के कर्मचारियों ने राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह के दौरान अपने प्यारे देश की एकता और अखंडता बनाये रखने के लिए संकल्प लिया। श्री विशाल कुमार, इंचार्ज, सीआईएसएफ यूनिट रज़ा लाइब्रेरी ने शपथ दिलाई।

लाइब्रेरी में यूनिटी वॉक कार्यक्रम आयोजित किया गया। डॉ० आर०पी० यादव, प्रो० सैयद हसन अब्बास, डॉ० सहदेव यादव, डॉ० अरशद रिज़वी, लाइब्रेरी के समस्त कर्मचारी, सीआईएसएफ के जवान और आगुंतकों ने इस कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया।

सांप्रदायिक सद्भावना अभियान सप्ताह

प्रत्येक वर्ष 19 से 25 नवम्बर सांप्रदायिक सद्भावना अभियान सप्ताह मनाया जाता है। सप्ताह के अन्तिम कार्यदिवस को स्थापना दिवस के रूप में मनाया जाता है और इस वर्ष 22 नवम्बर को झंडा दिवस के रूप में मनाया गया।

रामपुर रज़ा लाइब्रेरी ने भी 19 से 25 नवम्बर 2018 तक सांप्रदायिक सद्भावना अभियान सप्ताह मनाया। रज़ा लाइब्रेरी में विभिन्न धर्मों से सम्बन्धित पुस्तकों की प्रदर्शनी का आयोजन किया। प्रदर्शनी का उद्घाटन प्रो० हसन अहमद निज़ामी, पूर्व उर्दू विभागाध्यक्ष, राजकीय रज़ा स्नातकोत्तर, रामपुर एवं प्रो० सैयद हसन अब्बास, निदेशक, रामपुर रज़ा लाइब्रेरी ने किया। इसके अतिरिक्त झण्डा स्टीकर का वितरण एवं स्वयं सेवी दान का संग्रह करने के लिए दानपात्र की व्यवस्था की गई।

एनएफसीएच और गृहमंत्रालय बेसहारा, अनाथ, जात–पात, आंतकवादी हिंसा के शिकार हुये बच्चों को आर्थिक सहायता प्रदान करती है। ये संस्था अपने सहयोगी संस्थानों एवं दानकर्ताओं से स्वैच्छिक आधार पर निधि जुटाती है।

स्वच्छता पखवाड़ा

1 से 15 दिसम्बर 2018 तक रामपुर रज़ा लाइब्रेरी की सुरक्षा में कार्यरत केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट रज़ा लाइब्रेरी के जवानों द्वारा पन्द्रह दिवसीय स्वच्छता पखवाड़ा मनाया गया। पखवाड़े के दौरान, श्री विशाल कुमार, इंचार्ज, सीआईएसएफ और उनकी टीम ने व्यक्तिगत रूप से लाइब्रेरी परिसर एवं लाइब्रेरी कैम्पस के बाहरी स्थानों की साफ–सफाई में योगदान दिया।

विश्व संग्रह में उज़्बेकिस्तान की सांस्कृतिक विरासत

प्रो० सैयद हसन अब्बास, निदेशक, रामपुर रज़ा लाइब्रेरी ने 10 से 11 दिसम्बर 2018 तक उज़्बेकिस्तान के इलेक्ट्रॉनिक मास मीडिया के राष्ट्रीय संघ द्वारा ताशकंद में आयोजित "विश्व संग्रह में उज़्बेकिस्तान की संस्कृति विरासत" पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सहभागिता की और रामपुर रज़ा लाइब्रेरी संग्रह में "उज़्बेकिस्तान की संस्कृति विरासत" पर अपना पेपर प्रस्तुत किया। उक्त संस्था द्वारा देश–विदेश से अपने व्यय पर विद्वानों को आमंत्रित करके अपने सांस्कृतिक एवं साहित्यिक संबंधों को दर्शाया गया।

भारत–उज़्बेक सांस्कृतिक और साहित्यिक संबंधों के बारे में बात करते हुए, प्रो० सैयद हसन अब्बास ने रामपुर रज़ा लाइब्रेरी संग्रह में संरक्षित उज़्बेकिस्तान की सांस्कृतिक

विरासत से संबंधित चित्रों और पाण्डुलिपियों को पावर प्वाइंट प्रस्तुति के माध्यम से विस्तृत रूप में प्रस्तुत किया।

उल्लेखनीय बात है कि वर्ल्ड कलेक्शंस सीरीज में उज़्बेकिस्तान की सांस्कृतिक विरासत की एलबम सीरीज के 10 नए संस्करणों के साथ–साथ डॉक्यूमेंट्री भी सम्मेलन के दौरान जारी की गई।

इसके अतिरिक्त एनएईएमएम ने भारत मों उज़्बेकिस्तान की सांस्कृतिक विरासत के समान एलबमों को सूचीबद्ध करने के लिए रामपुर रज़ा लाइब्रेरी के साथ हाथ मिलाया एवं इसकी शुरूआत रामपुर रज़ा लाइब्रेरी से होगी।

इसके अतिरिक्त, परियोजना की स्थायी प्रदर्शनी 'विश्व संग्रह में उज़्बेकिस्तान की सांस्कृतिक विरासत' ताशकंद के राजकीय संग्रहालय में प्रारम्भ हुई। ज़फ़रनामा, रूस और यूरोप की लाइब्रेरियों के संग्रहों से प्राच्य पांडुलिपियों के 100 कृतियों के प्रतिलिपियो का उपहार सेट सम्मेलन के दौरान जारी किया गया जो परियोजना की प्रगति को दर्शाता है। एनएईएमएम (NAEMM) ने आने वाले दिनों में रामपुर रज़ा लाइब्रेरी की उपुर्यक्त सभी कार्यों का एक उपहार सेट का भी वादा किया है।

आन्तरिक सेमिनार

रामपुर रज़ा लाइब्रेरी ने 30 दिसम्बर 2018 को "भारत का अमूल्य शैक्षिक संग्रह : रामपुर रज़ा लाइब्रेरी" विषय पर एक दिवसीय आन्तरिक सेमिनार का आयोजन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ० शायरउल्ला खाँ रामपुर द्वारा की गई। 11 प्रतिभागियों – डॉ० इरशाद नोगांवी, सैयद नवेद कैसर शाह, नाज़मा बी, सनम अली खान, शबाना अफसर, डॉ० तबस्सुम साबिर, डॉ० प्रीति अग्रवाल, साजिदा शेरवानी, शाजिया हसन, सनोबर शाह खान और निदा फरहीन ने अपने शोधपत्र प्रस्तुत किये।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस

राष्ट्रीय मतदाता दिवस (एनवीडी) भारत के चुनाव आयोग के स्थापना दिवस के रूप में 2011 से प्रत्येक वर्ष 25 जनवरी देश में मनाया जाता है, इसकी स्थापना 25 जनवरी वर्ष 1950 में की गई थी। राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाये जाने का प्रमुख उद्देश्य विशेष रूप से नये मतदाताओं को प्रोत्साहन देने, सुविधा देने तथा अधिकतम मतदाता पंजीकरण करना है। देश के मतदाताओं को समर्पित इस दिवस का उपयोग मतदाताओं में निर्वाचन प्रक्रिया में सहभागिता हेतु प्रोत्साहन देना एवं जागरूकता उत्पन्न करना है।

सीआईएसएफ, रामपुर रज़ा लाइब्रेरी यूनिट के जवानों ने भी 25 जनवरी 2019 को राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाया।

गणतंत्र दिवस

भारत के गणतंत्र दिवस की 70वीं वर्षगांठ 26 जनवरी 2019 को रामपुर रज़ा लाइब्रेरी में मनायी गयी। प्रो० सैयद हसन अब्बास, निदेशक, रज़ा लाइब्रेरी ने लाइब्रेरी के मुख्य द्वार पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया और राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी तथा राष्ट्रगान गाया गया तथा जबकि सीआईएसएफ, यूनिट रज़ा लाइब्रेरी के जवान इस बीच सलामी मुद्रा में खड़े रहे।

इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। लाइब्रेरी के कर्मचारियों ने अपने विचार और देशभक्ति गीत प्रस्तुत किए। इस अवसर पर लाइब्रेरी की इमारत को रोशनी से रोशन किया गया।

राष्ट्रीय सेमिनार

रामपुर रज़ा लाइब्रेरी ने 29 से 31 जनवरी 2019 तक 'कला, संस्कृति और साहित्य के विकास में रामपुर रियासत का योगदान' विषय पर राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया। इस सेमिनार का उद्घाटन प्रोफेसर हकीम सैयद जिल्लुर्रहमान, संस्थापक, इब्ने सीना अकादमी एवं प्रो० आज़रमी दुख्त सफवी, पूर्व निदेशक, फारसी रिसर्च इन्स्टीट्यूट अलीगढ़ ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मौलाना आज़ाद कॉलेज, जोधपुर के अध्यक्ष (वीसी) प्रो० अख्तरूल वासे ने की। रामपुर रज़ा लाइब्रेरी के निदेशक प्रो० सैयद हसन अब्बास ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया।

'कला, संस्कृति और साहित्य के विकास में रामपुर रियासत का योगदान' विषय पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का समापन 31 जनवरी 2019 को हुआ। समापन सत्र की अध्यक्षता कुलपति प्रो० महरूख़ मिर्ज़ा, ख़्वाज़ा मुइनुद्दीन चिश्ती उर्दू, अरबी–फारसी विश्वविद्यालय, लखनऊ ने की। इस अवसर पर देश के विभिन्न स्थानों से आये विद्वानों ने 70 शोधपत्र प्रस्तुत किए।

शहीद दिवस

30 जनवरी 2019 को शहीद दिवस के अवसर पर रज़ा लाइब्रेरी के मुख्य द्वार पर सभी कर्मचारीगण और सीआईएसएफ यूनिट रज़ा लाइब्रेरी के जवान ने पूर्वाह्न 11:00 बजे, दो मिनट के लिए मौन रख कर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को उनकी 71वीं पुण्यतिथि पर श्रदांजलि दी।

कार्यशाला : 'कार्डियो पल्मोनरी रिससिटेशन'

05 फरवरी 2019 को रामपुर रज़ा लाइब्रेरी के सभागार में रामपुर रज़ा लाइब्रेरी एवं केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, इकाई रामपुर रज़ा लाइब्रेरी ने सयुक्त रूप में सीपीआर पर एक कार्यशाला का आयोजन किया। डॉ० जूही मोहनती और डॉ० रिद्धिमा गुप्ता ने सीपीआर की तकनीकों का प्रदर्शन किया।

डॉ० जूही ने कहा कि सीपीआर एक जीवन रक्षा की तकनीक है। जिस समय किसी व्यक्ति का हृदय और श्वांस रूक जाती है उस समय इस तकनीक द्वारा शरीर में रक्त एवं ऑक्सीजन का प्रवाह बनाये रखा जाता है। सीपीआर किसी प्रशिक्षित व्यक्ति द्वारा की जा सकती है। इसमें छाती पर बाह्य दबाव डालकर श्वांस को पुनः नियमित करना सम्मिलित

है। हृदयगति रूकने के प्राथमिक 6 मिनटों में किया गया सीपीआर किसी व्यक्ति को चिकित्सीय सहायता उपलब्ध होने तक जीवित रख सकता है।

विस्तार व्याख्यान

रामपुर रज़ा लाइब्रेरी द्वारा 17 मार्च 2019 को "मुगल पेंटिग्स : एक ऐतिहासिक कथानक" पर डॉ० गीति सेन, कला इतिहासविद् एवं पूर्व निदेशक, सांस्कृतिक केन्द्र नेपाल ने विस्तार व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो० सैयद हसन अब्बास, निदेशक रामपुर रज़ा लाइब्रेरी ने की।

डॉ० गीतिसेन ने अपने व्याख्यान में मुगल चित्रकला की विकास यात्रा को विस्तार से रेखांकित किया। उन्होंने कहा भारत में मुगल चित्रकला के विकास में मुगल बादशाहों ने महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाहन किया। इस काल के चित्रों में युद्ध, शिकार, वन, मिथ्यक, शाही जीवन आदि के दृश्य अंकित किये गये हैं और इस काल के चित्र मुगल काल को व्याख्यित करने के प्रमुख स्रोत हैं।

कार्यशाला : 'पाण्डुलिपियों का प्राथमिक सरंक्षण'

रामपुर रज़ा लाइब्रेरी और राष्ट्रीय पाण्डुलिपि मिशन, संस्कृति मंत्रालय, भारत, नई दिल्ली द्वारा 24 मार्च 2019 को एक कार्यशाला/जागरूकता कार्यक्रम सभागार हॉल, रंगमहल में आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन मुख्य अतिथि प्रो० सैयद अजीजुद्दीन हुसैन, पूर्व विभागाध्यक्ष, इतिहास विभाग, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली द्वारा किया गया।

उद्घाटन सत्र का शुभारम्भ श्री जीशान खाँ द्वारा तिलावते कुरान से और सैयद नवेद क़ैसर शाह खाँ द्वारा नाते पाक से हुआ। प्रो० सैयद हसन अब्बास ने मुख्य अतिथि प्रो० एस०एम० अज़ीज़उद्दीन हुसैन स्वागत फूलों के गुलदस्ते से किया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती शबाना अफसर, संरक्षणकर्ता, संरक्षण प्रयोगशाला द्वारा किया गया।

कीटनाशक काग़ज़ तैयार करना सिखाते हुए

कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य रामपुर रज़ा लाइब्रेरी में परिचालित पाण्डुलिपि संरक्षण केन्द्र के सम्बन्ध में जागरूकता पैदा करना था तथा इसके साथ ही प्रतिभागियों विघटन के कारकों, पाण्डुलिपियों पर उनका प्रभाव, पर्यावरणीय परिस्थितियों जैसे के सापेक्ष आद्रता, प्रकाश, तापमान, उचित रखरखाव, भण्डारण मोनीटरिंग और पाण्डुलिपियों को सुरक्षित रखने के प्राथमिक उपचारों के सम्बन्ध में आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराना था।

संरक्षण प्रयोगशाला, रामपुर रज़ा लाइब्रेरी के सदस्यों ने व्याख्यान प्रस्तुत किये और पांडुलिपियों के निवारक संरक्षण की विभिन्न तकनीक का व्यवहारिक प्रदर्शन किया। इस कार्यशाला/जागरूकता कार्यक्रम में विभिन्न मदरसों, राजकीय एवं निजी संस्थानों, शोधकर्ताओं एवं रामपुर रज़ा लाइब्रेरी के सदस्यों के रूप में 30 प्रतिभागियों ने सहभागिता की।

राष्ट्रीय सेमिनार

रामपुर रज़ा लाइब्रेरी एवं कौमी कॉन्सिल बराए फारोग उर्दू ज़बान के तत्वाधान में 31 मार्च 2019 को उर्दू, अरबी तथा फारसी साहित्य में मौलाना अरशी की सेवाओं पर पूर्व निदेशक और प्रसिद्ध विद्वान योगदान में एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का उद्घाटन श्री ख़ान मोहम्मद आतिफ, सेवानिवृत्त प्रोफेसर, फारसी विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ, प्रोफेसर मसूद अनवर अलवी, कला संकाय, अलीगढ मुस्लिम विश्वद्यिालय, अलीगढ़, प्रोफेसर वहाजुददीन अलवी, कला संकाय, जामिया मिल्लिया इस्लामिया नई दिल्ली, डॉ० मुमताज अरशी और डॉ० नजफ अरशी ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो० अख्तरूल वासे, अध्यक्ष (वीसी) मौलाना आज़ाद कॉलेज, जोधपुर ने की। प्रो० सैयद हसन अब्बास, निदेशक, रामपुर रज़ा लाइब्रेरी ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया।

पुस्तक मेलों में सहभागिता

- राष्ट्रीय उर्दू भाषा संवर्धन परिषद (एनसीपीयूएल) द्वारा 07 से 15 अप्रैल 2018 तक रूईधासा मैदान, किशनगंज में आयोजित पुस्तक मेले में रामपुर रज़ा लाइब्रेरी ने सहभागिता की।
- अंजुमन–ए–इस्लाम एम० एच० साबू सिद्दीक़ी पॉलिटेक्निक, महाराष्ट्र सरकार, मुम्बई द्वारा 26 से 28 अप्रैल 2018 तक आयोजित पुस्तक मेले में रामपुर रज़ा लाइब्रेरी ने भाग लिया। रज़ा लाइब्रेरी के बुक स्टॉल का उद्घाटन डॉ० कुरैशी ए० के०, प्राचार्य, अंजुमन–ए–इस्लाम के एम०एच० साबू सिद्दीक़ी पॉलिटेक्निक और मिस जैबुन्निसा मालिक, प्राचार्या एआईडीडी सेक्शन और एचओडी, कम्प्यूटर इंजीनियरिंग विभाग ने किया।
- ख्वाजा मुईनुउद्दीन चिश्ती उर्दू, अरबी–फारसी विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा आयोजित पुस्तक मेले में रामपुर रज़ा लाइब्रेरी ने 30 अप्रैल से 03 मई 2018 तक

अपने प्रकाशन का स्टॉल लगाया। मेले का उद्घाटन प्रो० रीता बहुगुणा जोशी, कैबिनेट मंत्री, महिला कल्याण, परिवार कल्याण, मातृत्व और बाल कल्याण एवं पर्यटन मंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार ने किया।

- 30 अगस्त 2018 को ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती उर्दू, अरबी–फारसी विश्वविद्यालय, लखनऊ के तृतीय दीक्षान्त समारोह–2018 के अवसर पर रामपुर रज़ा लाइब्रेरी द्वारा लाइब्रेरी की प्रकाशित पुस्तकों का स्टॉल लगाया। समारोह के अवसर पर उत्तर प्रदेश के माननीय राज्यपाल एवं अध्यक्ष रामपुर रज़ा लाइब्रेरी बोर्ड श्री राम नाईक जी ने सर्वप्रथम अपने कर–कमलों द्वारा लाइब्रेरी के स्टॉल का फीता काटकर दीक्षान्त समारोह का उद्घाटन किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो० माहरूख़ मिर्ज़ा एवं समस्त स्टाफ, रामपुर रज़ा लाइब्रेरी के निदेशक प्रो० सैयद हसन अब्बास, मो० ज़फ़र खाँ, इंचार्ज, प्रकाशन विभाग एवं गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

  लाइब्रेरी ने जामितउत तावारीख, नादिराते शाही, बारहमासा नेह, तारीख़–ए–अकबरी, कलाम–ए–ज़ामिन, वाल्मीकि रामायण, तुलसीनामा, दस्तारूल फसाहत, प्रेमचंद के पत्र, मौलाना इम्तियाज़ अली अरशी की ग़ालिब शनासी, हमारी तिब में हिन्दुओं का साझा, अल–मुजल्लद अल अलिस (द्वितीय), अदविया मुफर्रिदा इत्यादि प्रकाशनों को स्टॉल पर प्रदर्शित किया। विद्वानो, शोधकर्ताओं एवं सामान्य आगुंतकों ने प्रकाशन की काफी सराहना की।
- जश्न–ए–अमीर ख़ुसरो के अवसर पर रेख़्ता फाउन्डेशन द्वारा 14 से 16 दिसम्बर, 2018 तक मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम, नई दिल्ली में आयोजित पुस्तक मेले में रामपुर रज़ा लाइब्रेरी ने सहभागिता की।
- गोरखपुर महोत्सव के अन्तर्गत 11 से 17 जनवरी 2019 तक आयोजित पुस्तक मेले में रामपुर रज़ा लाइब्रेरी ने भाग लिया। मेले का उद्घाटन माननीय श्री राज्यपाल उत्तर प्रदेश श्री राम नाईक जी के कर–कमलों द्वारा हुआ।
- पश्चिम बंगाल उर्दू एकेडमी ओर से आयोजित 12वां ऑल इण्डिया उर्दू पुस्तक मेले में रामपुर रज़ा लाइब्रेरी ने 20 से 29 जनवरी 2019 तक अपनी सहभागिता की।

विद्यार्थियों का भ्रमण

1. अध्ययन पर्यटन के अन्तर्गत, 26 मई, 2018 को स्पाइस सीनियर सेकेण्ड्री स्कूल नवाबगंज, बरेली, उत्तर प्रदेश ने रामपुर रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण किया। विद्यार्थियों ने एक प्रस्तुति के माध्यम से लाइब्रेरी के संग्रह को देखा। वे पुस्तकालय भवन, उद्यान, और इसके संग्रह से आश्चर्यचकित थे।

2. सेंट मैरी सीनियर सेकेंड्री स्कूल रामपुर के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने 22 सितम्बर 2018 को रामपुर रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण किया। उन्होंने रामपुर रज़ा लाइब्रेरी में

हिन्दी पखवाड़े के दौरान आयोजित प्रदर्शनी का अवलोकन किया और स्वच्छता पखवाड़ा के संबंध में लाइब्रेरी द्वारा आयोजित संगोष्ठी में सहभागिता की।

3. महिला सीआरपीएफ प्रशिक्षुओं के बैच ने 08 दिसम्बर 2018 को रामपुर रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण किया। प्रशिक्षुओं ने लाइब्रेरी के संरक्षण कार्य की सराहना की और लाइब्रेरी परिसर में आकर बहुत प्रसन्न हुए।

शोक सभाएँ

1. गोपालदास सक्सैना 'नीरज' के देहान्त पर रामपुर रज़ा लाइब्रेरी में 19 जुलाई 2018 को एक शोक सभा आयोजित की गई। स्टाफ ने दो मिनट का मौन धारण किया और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।
   उनका जन्म 04 जनवरी 1925 को उत्तर प्रदेश के इटावा जिले के महेवा के पास पुरवाली गाँव में हुआ था। वह हिन्दी कवि सम्मेलन के भारतीय कवि और हिन्दी साहित्य के लेखक थे। वह 'नीरज' नाम से लिखते थे। उन्हें 1991 में पद्म श्री और 2007 में पद्म भूषण से सम्मानित किया गया था। नीरज द्वारा लिखी गई कई कविताओं और गीतों को हिंदी फिल्मों में अपनाया गया। उन्होंने कई हिन्दी फिल्मों के लिए गीत लिखे और हिंदी और उर्दू दोनों में परिपक्व थे। उन्होंने 30 सितम्बर 2012 को रामपुर रज़ा लाइब्रेरी में हिंदी पखवाड़ा के दौरान आयोजित कवि सम्मेलन में भी भाग लिया था।

2. भारत के पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी (25 दिसंबर 1924–16 अगस्त 2018) के निधन पर 23 अगस्त 2018 को लाइब्रेरी में एक शोक सभा आयोजित की गई। समस्त स्टाफ ने दो मिनट का मौन धारण किया और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और स्टाफ ने राष्ट्र के प्रति उनके योगदान को याद करता है।

निदेशक द्वारा कार्यक्रमों/गतिविधियों में प्रतिभागिता

1. प्रो० सैयद हसन अब्बास, निदेशक, रामपुर रज़ा लाइब्रेरी ने पश्चिम बंगाल उर्दू अकादमी के सहयोग से उर्दू किडरपोर कॉलेज द्वारा 27 और 28 अप्रैल 2018 को 'बंगाल का रसई अदब' पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार में भाग लिया।

2. प्रो० सैयद हसन अब्बास, निदेशक, रामपुर रज़ा लाइब्रेरी ने फारसी विभाग, मौलाना आज़ाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्याय, हैदराबाद द्वारा 7 से 8 मई 2018 तक 'फारसी भाषा और साहित्य में मदरसों का योगदान' पर आयोजित दो दिवसीय सेमिनार में भाग लिया। उन्होंने सेमिनार के उद्घाटन पर आधार व्याख्यान प्रस्तुत किया।
3. प्रो० सैयद हसन अब्बास, निदेशक, रामपुर रज़ा लाइब्रेरी ने 10 और 11 मई 2018 को फारसी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'उर्दू और फारसी का शैक्षिक और सांस्कृति सम्बन्ध' पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार में भाग लिया।
4. निदेशक, रामपुर रज़ा लाइब्रेरी ने इंशा पब्लिकेशन्स कोलकाता द्वारा 30 जून 2018 को मौलाना आज़ाद सेमिनार हॉल, तीसरी मंजिल, आईसीसीआर, कोलकाता में आयोजित 'जश्न–ए–खुसरो दर्पण' में व्याख्यान प्रस्तुत किया।
5. निदेशक, रामपुर रज़ा लाइब्रेरी ने 'लेखक एवं आलोचक डॉ० प्रदीप जैन की 'मैं तुम्हे गाता रहूँगा' (किशन सरोज संग्रह) के विमोचन समारोह की अध्यक्षता की। इस कार्यक्रम का आयोजन 29 नवम्बर 2018 को शबसत्ता द्वारा करण भाई कॉन्फ्रेंस हॉल (गांधी कैंपस), लखनऊ में किया गया और मुख्य अतिथि डॉ० सदानंद प्रसाद गुप्त, अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान थे।
6. 11 दिसम्बर 2018 को, लाल बहादुर शास्त्री भारतीय संस्कृति केन्द्र (आईसीसीआर), भारतीय दूतावास, ताशकंद, उज़्बेकिस्तान में फारसी कैलीग्राफी पर प्रो० सैयद हसन अब्बास ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। उनकी प्रस्तुति में, रामपुर रज़ा लाइब्रेरी संग्रह के फ़ारसी सुलेख के 50 से अधिक दुर्लभ नमूने शामिल थे। प्रो० चन्द्रशेखर (निदेशक, लाल बहादुर शास्त्री केन्द्र) ने प्रो० अब्बास की प्रस्तुति पर अपने वक्तव्य में, भविष्य में लाल बहादुर शास्त्री सेंटर फॉर इंडियन कल्चर, ताशकंद में रामपुर रज़ा लाइब्रेरी के साथ संयुक्त रूप से फ़ारसी सुलेख पर प्रदर्शनी आयोजित करने का वचन लिया।
7. निदेशक ने 21 दिसम्बर 2018 को उर्दू, फारसी वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा, बिहार में फ़ारसी भाषा पर एक विस्तार व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रीमती आशा रानी, डीन, फैकल्टी ऑफ माइनोरिटीज, वीर कुमार सिंह विश्वविद्यालय ने की।
8. मिर्ज़ा ग़ालिब के 150 वर्ष और ग़ालिब संस्थान की स्वर्ण जयंती के अवसर पर 16 से 17 फरवरी 2019 को दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार "ग़ालिबियत" का आयोजन किया गया। प्रो० सैयद हसन अब्बास ने उक्त सेमिनार में अपना शोधपत्र प्रस्तुत किया।
9. रामपुर रज़ा लाइब्रेरी के निदेशक प्रो० सैयद हसन अब्बास ने मौलाना आज़ाद नेशनल उर्दू विश्वविद्यालय, हैदराबाद द्वारा 6 से 7 मार्च 2019 तक "भारतीय संस्कृति, कला और साहित्य में मदरसों के योगदान" विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार में आधार व्याख्यान प्रस्तुत किया।

परिशिष्ट–1

1975 से रामपुर रज़ा लाइब्रेरी के निदेशक/विशेष कार्याधिकारी का विवरण :–

क्र०सं०	नाम	पद	अवधि
1.	श्री मौलाना इम्तियाज़ अली अर्शी	निदेशक	1 जुलाई 1975 से 24 फरवरी
2.	श्री अकबर अली खाँ अर्शीज़ादा	एडिशनल निदेशक	25 फरवरी 1981 से 22 अप्रैल
3.	श्री हेमराज सूद	विशेष कार्याधिकारी	23 अप्रैल 1984 से 7 अक्टूबर 1991
4.	श्री अरविन्द कुमार द्विवेदी, पीसीएस	विशेष कार्याधिकारी	8 अक्टूबर 1991 से 2 जून 1992
5.	श्री चन्द्र मोहन सिंह बिष्ट, पीसीएस	विशेष कार्याधिकारी	3 जून 1992 से जून 1993
6.	श्री आर०सी० सिंह, आईएएस	विशेष कार्याधिकारी	जून 1993 से 15 अगस्त 1993
7.	डॉ० डब्लू० एच० सिद्दीक़ी	विशेष कार्याधिकारी	16 अगस्त 1993 से 19 मई 2009
8.	प्रो० शाह अब्दुस्सलाम	विशेष कार्याधिकारी	20 मई 2009 से 19 नवम्बर 2011
9.	डॉ० बलकार सिंह, आईएएस	विशेष कार्याधिकारी	20 नवम्बर 2011 से 20 मार्च 2012
10.	श्री अनिल ढींगरा, आईएएस	विशेष कार्याधिकारी	20 मार्च 2012 से 2 अप्रैल 2012
11.	प्रो० एस० एम० अज़ीज़उद्दीन हुसैन	निदेशक	3 अप्रैल 2012 से 9 अगस्त 2015
12.	श्री संजीव मित्तल	निदेशक	09 अगस्त 2015 से 07 मार्च 2016
13.	मिस दीपिका पोखरना	निदेशक	22 मार्च 2016 से 20 फरवरी 2017
14.	प्रो० सैयद हसन अब्बास	निदेशक	21 फरवरी 2017 से अब तक

परिशिष्ट–2

रामपुर रज़ा लाइब्रेरी बोर्ड

01.	माननीय श्री राम नाईक जी महामहिम राज्यपाल, उत्तर प्रदेश राजभवन, लखनऊ (उ०प्र०)	अध्यक्ष
02.	निदेशक पुस्तकालय संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार, शास्त्री भवन, नई दिल्ली–110001	सदस्य
03.	नवाब मुहम्मद अली खाँ उर्फ मुराद मियाँ 252, कासा डेल सोल, मेरियट रिर्जाट के सामने, मीरा मार्ग पनजिम, गोआ–403001	सदस्य
04.	श्री खालिद अनवर 4/136, ललिता पार्क, लक्ष्मी नगर, नई दिल्ली–110092	सदस्य
05.	श्री जगदीश पीयूष श्रीजनपीठ, गौरी गंज, सुल्तानपुर, उत्तर प्रदेश	सदस्य
06.	प्रो० सै० इराक़ रज़ा ज़ैदी फारसी विभागाध्यक्ष, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली–110025	सदस्य
07.	प्रो० इक़्तिदार मुहम्मद खाँ इस्लामिक अध्ययन विभागाध्यक्ष, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली–110025	सदस्य
08.	श्री नसीर अहमद खाँ पुत्र श्री मुहम्मद शाह खाँ मौहल्ला बेरियान, अक़ब महल, सैयान, रामपुर– 244901	सदस्य

09. प्रो० अब्दुल अली — सदस्य
पूर्व अध्यक्ष
इस्लामिक अध्ययन विभाग,
अलीगढ़ विश्वविद्यालय, अलीगढ़

10. महालेखाकार — पदेन सदस्य
(सिविल आडिट कार्यालय)
इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश

11. ज़िलाधिकारी रामपुर — पदेन सदस्य
रामपुर (उ०प्र०)

12. निदेशक — सदस्य सचिव
रामपुर रज़ा लाइब्रेरी,
रामपुर

प्रशासनिक तथा आर्थिक क्रिया-कलाप उपसमिति

1. **प्रो० चन्द्रशेखर**
पूर्व विभागाध्यक्ष, फ़ारसी विभाग,
दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

2. **प्रो० वजीह उद्दीन**
उर्दू, फारसी एवं अरबी विभागाध्यक्ष
वडोदरा विश्वविद्यालय,
वडोदरा, गुजरात

3. **प्रो० सै० इराक़ रज़ा ज़ैदी**
पूर्व फारसी विभागाध्यक्ष
जामिया मिल्लिया इस्लामिया,
नई दिल्ली

4. **डॉ० गुलफिशाँ ख़ान**
इतिहास विभाग,
अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़

5. **कोषाधिकारी**
कोषाविभाग, रामपुर

6. **निदेशक**
रामपुर रज़ा लाइब्रेरी, रामपुर

शिक्षा सम्बन्धी क्रिया कलाप तथा प्रकाशन उपसमिति

1. **प्रो० एस० एम० अज़ीज़उद्दीन हुसैन**
   पूर्व डीन, इतिहास विभाग,
   जामिया मिल्लिया इस्लामिया,
   नई दिल्ली

2. **प्रो० शहज़ाद अंजुम**
   उर्दू विभाग,
   जामिया मिल्लिया इस्लामिया,
   नई दिल्ली

3. **डॉ० ख्वाज़ा गुलाम सय्यदैन**
   पूर्व निदेशक पुरालेख
   ए० एस० आई० नागपुर

4. **प्रो० शहाब उद्दीन साक़िब**
   उर्दू विभाग,
   अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय,
   नई दिल्ली

5. **प्रो० वज़ीर हसन**
   अरबी विभाग,
   बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, बनारस

6. **निदेशक**
   रामपुर रज़ा लाइब्रेरी, रामपुर

संरक्षण उपसमिति

1. **श्री राम प्रवेश**
   पूर्व निदेशक (संरक्षण)
   राष्ट्रीय अभिलेखागार,
   नई दिल्ली

2. **श्री राम स्वरूप**
   सहायक निदेशक अभिलेख (संरक्षण)
   राष्ट्रीय अभिलेखागार
   जनपथ, नई दिल्ली

3. **निदेशक**
   खुदा बख़्श ओरियन्टल पब्लिक लाइब्रेरी,
   पटना

4. **श्री निज़ामुद्दीन ताहिर**
   पुरातात्विक अधीक्षक,
   ए०एस०आई०, हैदराबाद

5. **डॉ० एम० ए० हक़**
   उप–निदेशक
   राष्ट्रीय अभिलेखागार, दिल्ली

6. **निदेशक**
   रामपुर रज़ा लाइब्रेरी, रामपुर

दुर्लभ पाण्डुलिपियों और अन्य कलाकृतियों की क्रय सम्बन्धी परामर्श उपसमिति

1. **श्री उदयशंकर दुबे**
   पाण्डुलिपि विशेषज्ञ
   साहित्य कुटीर, कठारी बाजार,
   पो० खमारिया, जिला–भदोई, उ०प्र०

2. **प्रो० तल्हा रिज़वी बर्क**
   पूर्व विभागाध्यक्ष, फारसी एवं उर्दू विभाग,
   वीर कुँवर सिंह विश्वविद्यालय,
   आरा, बिहार

3. **प्रो० मसूद अनवर अलवी**
   अरबी विभाग,
   अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय,
   अलीगढ

4. **प्रो० अलीम अशरफ खाँ**
   पूर्व विभागाध्यक्ष, फ़ारसी विभाग
   दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

5. **प्रो० नसीम अहमद**
   पूर्व विभागाध्यक्ष, उर्दू विभाग
   बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय,
   वाराणसी

6. **निदेशक**
   रामपुर रज़ा लाइब्रेरी
   रामपुर

परिशिष्ट–3

सूचीकरण

1. अरबी पाण्डुलिपियों का कैटलॉग (खण्ड – 1, 2, 3, 4, 5, 6) द्वारा मौलाना इम्तियाज़ अली खाँ "अर्शी", पूर्व निदेशक
2. अरबी पाण्डुलिपियों का कैटलॉग (खण्ड – 7, 8, 9, 10, 11) (अंग्रेजी)
3. रामपुर रज़ा लाइब्रेरी की संस्कृत पाण्डुलिपियों का कैटलॉग (संस्कृत)
4. संस्कृत पाण्डुलिपियों का कैटलॉग – खण्ड –1 एवं 2 (अंग्रेजी)
5. उर्दू पाण्डुलिपियों का कैटलॉग – खण्ड – 1 (उर्दू)
6. उर्दू पाण्डुलिपियों का कैटलॉग – खण्ड – 1 (अंग्रेजी)
7. पश्तो पाण्डुलिपियों का कैटलॉग – (अंग्रेजी)
8. तुर्की पाण्डुलिपियों का कैटलॉग (उर्दू)
9. फ़ारसी पाण्डुलिपियों का कैटलॉग – खण्ड – 1, 2, 3 (फ़ारसी)
10. फ़ारसी पाण्डुलिपियों का कैटलॉग – खण्ड – 1, 2, 3 (अंग्रेजी)
11. तिब, अरबी, फ़ारसी एवं उर्दू पाण्डुलिपियों का कैटलॉग (अंग्रेजी)
12. रामपुर रज़ा लाइब्रेरी की कैलीग्राफी का कैटलॉग
13. रामपुर रज़ा लाइब्रेरी के प्रदर्शित चित्रों का कैटलॉग (अंग्रेजी)

परिशिष्ट–4

रज़ा लाइब्रेरी से लाभांवित होने वाले राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय शोधकर्ताओं की सूची

- श्रीमती ग़जाला बी, सिविल लाइन्स, रामपुर
- श्री सैयद मुस्तफा हुसैन नक़वी, नूरे हिदायत फाउन्डेशन, लखनऊ
- प्रो० शरीफ हुसैन क़ासमी, डी 23–एच, निज़ामुद्दीन पूर्व, नई दिल्ली
- श्री शाहिद आलम, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
- श्री सरवर गुलाम, राष्ट्रीय अभिलेखागार, नई दिल्ली
- डॉ० सैयद नक़ी अब्बास, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
- डॉ० तराना ख़ान, सिविल लाइन्स, रामपुर
- मिस सेहर अग्रवाल, कोलम्बिया विश्वविद्यालय, न्यूयार्क
- मिस राहेल कोचरन, यूएनसी कॉलेज ऑफ आर्ट एण्ड साइंस, उत्तरी कैरोलिना, चैपल हिल्स।
- श्रीमती महजवीं उमर, फ़ारसी विभाग, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
- श्री माजिद मोहम्मद अल हकमी, सऊदी अरब
- श्री हबीबुल्लाह उमर, सऊदी अरब
- श्री मोहम्मद मनाज़िर, नेक्मिटन एर्बिकन विश्वविद्यालय, तुर्की
- मिस गुलनाज बानो, डॉ० भीमराव अम्बेडकर विश्वद्यिालय, आगरा
- श्री सैद फैज़ुर्रहमान, उसामिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद
- श्री मोहम्मद रहीम, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ
- श्री मोहम्मद हम्मद, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़
- मिस यागनासेनी दत्ता, येल विश्वविद्यालय, न्यूयार्क
- श्रीमती फिरदौस जहाँ, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी
- श्री मोहम्मद अब्दुल क़ादिर, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
- श्री मोहम्मद आदिल, मुम्बई विश्वविद्यालय, मुम्बई
- श्री साहिब आलम, आज़मगढ़
- श्री आयुष मिश्रा, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, बनारस
- श्री मोहम्मद अशफ़ाक़ जुल्फिकार, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़
- मिस सैमा हलीम, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़
- श्री मोहम्मद शाहबाज़, फ़ारसी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
- श्री अंसारी अब्दुल रहमान, फारसी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
- डॉ० शाआइरूलाह ख़ाँ, रामपुर, उ०प्र०
- श्री विवेक गुप्ता, एसओएएस, लंदन विश्वविद्यालय
- श्री मोहम्मद नासिर, रामपुर, उ०प्र०
- मोहम्मद उसामा नदवी, भटकल, कर्नाटक
- मिस तबस्सुम निगार, इतिहास विभाग, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली

- डॉ० इस्हायी युईची, रिक्कयो विश्वविद्यालय, आर्ट कॉलेज, टोक्यो
- श्री कैम्लिजॉन रहिमोव, इन्स्टीट्यूट ऑफ ऑरियन्टल स्टेडीज, बैरूनी होम, उज़्बेकिस्तान
- डॉ० शाइस्ता अख़्तर, तहसील शाहबाद, रामपुर, उ०प्र०
- श्री हस्सन रेज़ाकख़ानी, बर्कले, कैलिफ़ोर्निया विश्वविद्यालय, यूएस
- मिस मेडेलन वाइज, बर्कले, कैलिफ़ोर्निया विश्वविद्यालय, यूएस
- श्री क्रिस्टेन सियेक, जॉर्ज वॉशिंगटन विश्वविद्यालय, यूएसए
- डॉ० मिका नतीफ, जॉर्ज वॉशिंगटन विश्वविद्यालय, यूएसए
- मिस आयशा शाठी, नई दिल्ली
- श्री अमीर अब्बास, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
- डॉ० सैयद मुहम्मद अरशद रिज़वी, राजकीय रज़ा स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रामपुर
- डॉ० अनवर उल हसन, रामपुर, उ०प्र०
- डॉ० अनीस अब्बास रिज़वी, संस्कृत विभाग, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, रामपुर
- श्री उमर अमीन इलाही, शाह फैसल कॉलोनी, श्रीनगर, कश्मीर
- मिस रूहीना, मौलाना आज़ाद राष्ट्रीय विश्वविद्यालय, हैदराबाद
- मिस नुसरत राहिद, कश्मीर विश्वविद्यालय
- श्री ज़ियाउल हक़, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली
- श्री सैयद शाहिद अशरफ, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
- श्री मोहम्मद मुबीन आसिफ, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
- डॉ० मोहम्मद अली जौहर, उर्दू विभाग, मुस्लिम अलीगढ़ विश्वविद्यालय, अलीगढ़

परिशिष्ट – 5

रामपुर रज़ा लाइब्रेरी में भ्रमण करने वाले विभिन्न विद्यालय–

- रॉयल एकेडमी स्वार, जिला रामपुर के 118 विद्यार्थियों ने मई 2018 को रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण किया।
- एम०के०जी०एन० इस्लामिक एकेडमी, दढ़ियाल, रामपुर के 57 विद्यार्थियों ने 29 जुलाई 2018 को रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण किया।
- डीएसबी बरेली, परसाखेड़ा, बरेली रोड, रामपुर के 28 विद्यार्थियों ने 29 जुलाई 2018 को रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण किया।
- जेपीएस, किच्छा, उत्तराखण्ड के 48 विद्यार्थियों ने 30 जुलाई 2018 को रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण किया।
- फातिमा गर्ल्स इण्टर कॉलेज, नगला के 102 छात्राओं ने 11 अगस्त 2018 को रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण किया।
- गोया वर्ल्ड स्कूल, सम्भल के 48 विद्यार्थियों ने 28 अगस्त 2018 को रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण किया।
- एमटीसी रामपुर शाहबादगेट के 70 विद्यार्थियों ने 08 सितम्बर 2018 को रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण किया।
- द ग्रेट अम्बेडकर जूनियर हाई स्कूल, रसूलपुर स्वार, रामपुर के विद्यार्थियों ने 08 सितम्बर 2018 को रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण किया।
- सेंट मैरी सीनियर सेकेण्डरी स्कूल, रामपुर के 165 छात्राओं ने 22 सितम्बर 2018 को रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण किया।
- हबिबीया जूनियर हाई स्कूल, मुरादाबाद के 50 विद्यार्थियों ने 21 अक्तूबर 2018 को रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण किया।
- के०एल०एच०सी०सी० मडैय्या रामपुर के 60 विद्यार्थियों ने 23 अक्तूबर 2018 को रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण किया।
- गोयल पब्लिक स्कूल, नगीना, बिजनौर के 150 विद्यार्थियों ने 25 अक्तूबर 2018 को रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण किया।
- जे०पी० ध्यानपीठ के 108 विद्यार्थियों ने 30 अक्तूबर 2018 को रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण किया।
- मिलक के 107 विद्यार्थियों ने 14 नवम्बर 2018 को रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण किया।
- एन०एम० हायर सेकेण्डरी स्कूल अहमद नगर के 95 विद्यार्थियों ने 14 नवम्बर 2018 को रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण किया।
- जय बालाजी पब्लिक जूनियर हाईस्कूल के 73 विद्यार्थियों ने 14 नवम्बर 2018 को रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण किया।
- दीक्षित हायर एजूकेशन कॉलेज, रामपुर के 40 विद्यार्थियों ने 14 नवम्बर 2018 को रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण किया।
- टी०एम०यू० मुरादाबाद के 85 विद्यार्थियों ने 22 नवम्बर 2018 को रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण किया।

- एस०एम०एस० पब्लिक स्कूल बिलारी, मुरादाबाद के 52 विद्यार्थियों ने 25 नवम्बर 2018 को रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण किया।
- के०पी० इण्टर कॉलेज कुंदरकी के 54 विद्यार्थियों ने 29 नवम्बर 2018 को रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण किया।
- दुबई पब्लिक स्कूल, एकता विहार, सिविल लाइन्स, रामपुर के 25 विद्यार्थियों ने 01 दिसम्बर 2018 को रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण किया।
- आकांक्षा पब्लिक स्कूल, रामपुर के 115 विद्यार्थियों ने 01 दिसम्बर 2018 को रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण किया।
- जे० जे० हाई स्कूल टाण्डा, जिला रामपुर के 93 विद्यार्थियों ने 04 दिसम्बर 2018 को रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण कियां
- सरस्वती जूनियर हाईस्कूल, मडैयानकली, रामपुर के 80 विद्यार्थियों ने 09 दिसम्बर 2018 को रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण किया।
- सेंटपॉल स्कूल, रामपुर के 38 विद्यार्थियों ने 09 दिसम्बर 2018 को रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण किया।
- सेंटपॉल स्कूल, रामपुर के 37 विद्यार्थियों ने 11 दिसम्बर 2018 को रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण किया।
- सेंटपॉल स्कूल, रामपुर के 42 विद्यार्थियों ने 12 दिसम्बर 2018 को रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण किया।
- द पाम ट्री एकेडमी, शौकत अली रोड, रामपुर के 33 विद्यार्थियों ने 12 दिसम्बर, 2018 को रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण कियां
- सेंटपॉल स्कूल, पनवड़िया, रामपुर के 42 विद्यार्थियों ने 13 दिसम्बर 2018 को रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण किया।
- सेंटपॉल स्कूल, रामपुर के 40 विद्यार्थियों ने 15 दिसम्बर 2018 को रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण किया।
- जे० हाईस्कूल भण्डपुरा, रामपुर के 35 विद्यार्थियों ने 15 दिसम्बर 2018 को रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण किया।
- ए०पी०टी० कोचिंग, ज्वाला नगर, रामपुर के 72 विद्यार्थियों ने 15 दिसम्बर 2018 को रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण कियां
- सेंटपॉल स्कूल, रामपुर के 46 विद्यार्थियों ने 18 दिसम्बर 2018 को रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण किया।
- सेंटपॉल स्कूल, रामपुर के 33 विद्यार्थियों ने 19 दिसम्बर 2018 को रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण किया।
- केशव इण्टर कॉलेज, स्वार, रामपुर के 40 विद्यार्थियों ने 29 दिसम्बर 2018 को रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण किया।
- भवरका, पो० मनकट, तहसील शाहबाद, रामपुर के 55 विद्यार्थियों ने 01 जनवरी 2019 को रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण कियां
- राजू जूनियर हाईस्कूल, पनवड़िया, रामपुर के 57 विद्यार्थियों ने 09 जनवरी 2019 को रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण किया।

- जे० पी० एस० हायर सेकेण्डरी स्कूल, बरेली के 75 विद्यार्थियों ने 23 जनवरी 2019 को रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण किया।
- अलमा माहिर स्कूल, बरेली के 92 विद्यार्थियों ने 27 जनवरी, 2019 को रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण किया।
- राजकीय इण्टर कॉलेज, मानकपुर के 170 विद्यार्थियों ने 27 जनवरी 2019 को रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण किया।
- राजकीय इण्टर कॉलेज, टाण्डा, जिला रामपुर के 73 विद्यार्थियों ने 27 जनवरी 2019 को रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण किया।
- राजकीय उच्चतर माध्यामिक विद्यालय, खण्डिया, रामपुर के 28 विद्यार्थियों ने 27 जनवरी 2019 को रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण किया।
- राजकीय उच्चतर माध्यामिक विद्यालय, गजरौला के 54 विद्यार्थियों ने 02 फरवरी 2019 को रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण किया।
- पेरोस होलीडे, मुरादाबाद के 94 विद्यार्थियों ने 02 फरवरी 2019 को रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण किया।
- यूपीएस, पुरानी आवास विकास, रामपुर के 70 विद्यार्थियों ने 03 फरवरी 2019 को रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण किया।
- राजकीय रज़ा इण्टर कॉलेज रामपुर के 60 विद्यार्थियों ने 05 फरवरी 2019 को रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण किया।
- डॉ० एपीजे अब्दुल कलाम इण्टर कॉलेज, सैफनी, रामपुर के 60 विद्यार्थियों ने 09 फरवरी 2019 को रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण किया।
- जामियातुस सालिहात, रामपुर की 49 छात्राओं ने 13 फरवरी 2019 को रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण कियां
- टीएमयू, मुरादाबाद के 60 विद्यार्थियों ने 02 मार्च 2019 को रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण किया।
- अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय अलीगढ़ के लाइब्रेरी एवं सूचना विभाग के 53 विद्यार्थियों ने 26 मार्च 2019 को रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण कियां
- राजकीय जुल्फिकार इण्टर कॉलेज रामपुर के 100 विद्यार्थियों ने 27 मार्च 2019 को रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण किया।
- टीएमयू, मुरादाबाद के 45 विद्यार्थियों ने 28 मार्च 2019 को रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण किया।
- कन्या शिक्षा प्रसारण हाई स्कूल, मुरादाबाद के 60 विद्यार्थियों ने 28 मार्च 2018 को रज़ा लाइब्रेरी का भ्रमण किया।

परिशिष्ट –6

वर्ष 2018–19 के दौरान संरक्षण प्रयोगशाला द्वारा निम्न संरक्षण कार्य किये गये।

पाण्डुलिपियां : कुल पृष्ठ– 1140

- अरबी पाण्डुलिपि – "पवित्र कुरान"
  माप– 25.0 सेमी. **X** 16.5 सेमी, अवधि–अनुल्लिखित, कुल पृष्ठ–469
- फारसी पाण्डुलिपि – "तूती नामा "
  माप– 22.8 सेमी. **X** 13.3 सेमी, अवधि–अनुल्लिखित, कुल पृष्ठ–318
- फारसी पाण्डुलिपि – "मर्सिया दफतरूल अबुल फजल"
  माप– 26.0 सेमी. **X** 17.0 सेमी, अवधि–अनुल्लिखित, कुल पृष्ठ–176
- फारसी पाण्डुलिपि – शरहा कसीदा फरज़ोख
  माप– 31.5 सेमी. **X** 18.3 सेमी, अवधि–1871 ई०, कुल पृष्ठ–56
- उर्दू पाण्डुलिपि – "सात पाण्डुलिपियाँ"
  माप– 20.0 सेमी. **X** 15.0 सेमी, अवधि–1868 ई०, कुल पृष्ठ–115
- उर्दू पाण्डुलिपि – "कसीदा मोहम्मद सदरूद्दीन सादी"
  माप– 212 सेमी. **X** 18.3 सेमी, अवधि–अनुल्लिखित ई०, कुल पृष्ठ–01
- उर्दू फरमान
  माप– 74.7 सेमी. **X** 19.0 सेमी, अवधि–अनुल्लिखित, कुल पृष्ठ–01
- उर्दू खत
  माप– 52.3 सेमी.**X**13.5, 31.5 सेमी.**X**19.5, 18.5 सेमी.**X**13.2 सेमी,
  21.5 सेमी.**X**17.5सेमी. अवधि–अनुल्लिखित, कुल पृष्ठ–04

मूर्ति :

- संरक्षण प्रयोगशाला ने वैज्ञानिक विधियों द्वारा पेरिस ऑफ प्लास्टर से बनी हुई मिर्ज़ा ग़ालिब की मूर्ति का सफलतापूर्वक संरक्षण किया।

मुद्रित पुस्तकें : कुल पृष्ठ – 1117

- उर्दू मुद्रित पुस्तक – "मिस्बा–उल–मसाहत"
  माप– 20.2 सेमी. **X** 13.5 सेमी, अवधि–1852 ई०, कुल पृष्ठ– 28
- उर्दू समाचार पत्र – "दैनिक सफायर मालवा इन्दौर"
  माप– 50.5 सेमी. **X** 36.0 सेमी, अवधि–09 अगस्त 1966, कुल पृष्ठ– 02
- उर्दू मुद्रित पुस्तक – "अवघ का मानचित्र"
  माप– 37.0 सेमी. **X** 29.5 सेमी, अवधि–अनुल्लिखित, कुल पृष्ठ– 01
- उर्दू मुद्रित मानचित्र – "हिन्दुस्तान का मानचित्र"

माप–50.0 सेमी. **X** 43.0 सेमी, अवधि–1859 ई०, कुल पृष्ठ– 01

- उर्दू मुद्रित पुस्तक – "इमाम–ए–रजा नम्बर"
  माप– 30.1 सेमी. **X** 23.7 सेमी, अवधि–17 जनवरी 1938, कुल पृष्ठ– 12
- उर्दू मुद्रित पुस्तक – "तकमील–उल–हिकमत"
  माप– 23.9 सेमी. **X** 15.3 सेमी, अवधि–1883 ई०, कुल पृष्ठ– 145
- उर्दू मुद्रित पुस्तक – "महाभारत"
  माप– 22.0 सेमी. ग 15.0 सेमी, अवधि– अनुल्लिखित, कुल पृष्ठ– 144
- फारसी मुद्रित पुस्तक – "पैराइया उरूज"
  माप– 31.5 सेमी. **X** 23.8 सेमी, अवधि–अनुल्लिखित, कुल पृष्ठ– 528
- अरबी मुद्रित पुस्तक – "तफसीर अरबी"
  माप– 34.5 सेमी. **X** 21.0 सेमी, अवधि–1306 हिजरी, कुल पृष्ठ– 256

प्राथमिक संरक्षण :

(क) पाण्डुलिपियाँ एवं मुद्रित पुस्तकों का प्राथमिक संरक्षण

संरक्षण प्रयोगशाला द्वारा 758 पाण्डुलिपियों एवं 17,694 मुद्रित पुस्तकों का प्राथमिक संरक्षण किया गया। लाइब्रेरी के निम्न अनुभागों की पुस्तकों का प्राथमिक संरक्षण किया गया। जो इस प्रकार हैं।

ओल्ड अग्रेंजी अनुभाग	3,617 पुस्तकें
उर्दू अनुभाग	1,500 पुस्तकें
अरबी एवं फारसी	3,500 पुस्तकें
लोहारू अनुभाग	6,200 पुस्तकें
हिन्दी अनुभाग	2,877 पुस्तकें
कुल	17,694 पुस्तकें

(ख) धूमीकरण :

समस्त अनुभागों की 5000 पुस्तकों का उचित रसायनों द्वारा धूमीकरण किया।

(ग) पर्यावरणीय भौतिक घटकों का नियंत्रण :

संरक्षण प्रयोगशाला द्वारा लाइब्रेरी के विभिन्न कक्षों का तापमान और सापेक्षित आद्रता को मापा गया तथा सिलिका जैल के प्रयोग द्वारा सापेक्षित आद्रता को नियंत्रित किया गया।

परिशिष्ट –7

रामपुर रज़ा लाइब्रेरी में मार्च 2019 से चल रहे प्रोजेक्ट राष्ट्रीय पाण्डुलिपि मिशन में अनेक पाण्डुलिपियों, पुस्तकों, ऐतिहासिक दस्तावेजों का संरक्षण कार्य किया गया :

वर्ष 2018–19 के दौरान पाण्डुलिपि संरक्षण केन्द्र द्वारा निम्न का संरक्षण कार्य किये गया :

उपचारात्मक संरक्षण

- अरबी पाण्डुलिपि – "पंज सूरह"
  माप– 12.8 सेमी. x 9.0 सेमी, अवधि–अनुल्लिखित, कुल पृष्ठ–154

प्राथमिक संरक्षण

इस दौरान 32 पाण्डुलिपियों के 2,090 पृष्ठों का प्राथमिक संरक्षण किया गया।

अन्य गतिविधियाँ :

- 24 मार्च 2019 को राष्ट्रीय पाण्डुलिपि मिशन द्वारा "पाण्डुलिपियों का प्राथमिक संरक्षण" एक दिवसीय कार्यशाला/जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

44th Annual Report
2018-19

स्वच्छ भारत

एक कदम स्वच्छता की ओर

YEARS OF CELEBRATING THE MAHATMA

RAMPUR RAZA LIBRARY

(Ministry of Culture, Government of India)

44th Annual Report

2018-2019

RAMPUR RAZA LIBRARY
Hamid Manzil, Fort
Rampur – 244901 (U.P.) INDIA

© Rampur Raza Library, Rampur

All rights reserved. No part of this book may be reprinted or reproduced or utilized in any form or by any electronic, mechanical or other means, now known or hereafter invented, including photocopying and recording, or in any information storage of retrieval system, without prior permission of the publisher, except as brief quotation for academic purpose.

Name of the Book : 44th Annual Report 2018-2019
RAMPUR RAZA LIBRARY, RAMPUR

Published by : Prof. Syed Hasan Abbas
Director, Rampur Raza Library, Rampur

Rampur Raza Library
(Ministry of Culture, Govt. of India)
Rampur 244901 (U.P.) INDIA

Website : www.razalibrary.gov.in
E-mail : raza-library@nic.in
Phone : 0091-595-2325045, 2327244
Fax : 0091-595-2340548

CONTENTS

1.	Preface	1
2.	Journey of Library from foundation	6
3.	Library Building & Land	9
4.	Raza Library Museum	11
5.	Treasures of Library	11
6.	Act & Regulations	25
7.	Objectives	25
8.	Rampur Raza Library Board & Sub-Committees	25
9.	Security of Library	26
10.	Rampur Raza Library Awards	27
11.	Rampur Raza Library Scholarships	27
12.	Tagore National Fellowship/Scholarship	28
13.	New Additions to Library	28
11.	Technical Services	29
12.	Cataloguing	31
13.	Computerization & Digitization	32
14.	Reference Services to Scholars	32
15.	Services to Readers	33
16.	Projects undertaken by library	34
17.	Publications of Library	34
18.	Conservation & Preservation	35
19.	Training / Conference	35
20.	Museum Work	36
21.	Social Platforms of Library	36
22.	Distinguished Visitors	38
23.	Academic & Cultural Activities	44
24.	Appendices	62
25.	Accounts & Audit Report	75

44th ANNUAL REPORT 2018 – 2019

PREFACE

I feel great pleasure in presenting the 44th Annual Report on the functioning of the Rampur Raza Library from 1st April 2018 to 31st March 2019.

Under the valuable guidance of Shri Ram Naik, Hon'ble Governor of Uttar Pradesh/Chairman, Rampur Raza Library Board, members of the Rampur Raza Library Board and with the sincere and devoted services of the staff of the Library, the Library has made great strides in the field of promotion of higher intellectual and cultural activities and due to its invaluable, rare treasure of thousands of manuscripts, Indo-Persian and Indo-Central Asian miniature paintings, calligraphic specimens of world renowned Indo-Islamic calligraphers, historical documents, ancient printed books, journals and other art objects. The Library has attained the status of an institution of International importance with this continuous dedication.

The Ministry of Culture, Government of India through substantial financial grants, has greatly facilitated the functioning, maintenance, preservation, publication, computerization, digitization and also the security of the priceless collection through Central Industrial Security Force.

The Library collection is enriched through purchase, exchange and gift. From 1st April 2018 to 31st March 2019, the Library acquired 815 books, 1,016 periodicals and 8,977 newspapers and accessioned them properly. During the period 2165 books were classified and 2144 catalogue cards were prepared. The cataloguing of 895 manuscripts and 2579 books was done. The accession of 815 books from accession no. 61840 to 62654 was done. The work of labeling and dusting of books is done regularly. In this process, 1586 books were provided with new labels. The Library also keeps card catalogue up-to-date. During the year, 17,694 books were cleaned on the shelves and 1265 books & 35 manuscripts received new binding and repairs besides registers, note books, photo albums were also bound. The news clippings to the tune of 400 from Newspapers bearing important information related to culture and the Library were also collected. About 1834 coloured photographs, 07 DVDs of cultural programmes have been prepared.

During the period, 895 manuscripts were catalogued, 2165 books were classified & 2579 were catalogued and 2144 card catalogues of different languages were prepared, arranged and shelved.
During this period, databases have been prepared in bibliographical information through the computer for 296 manuscripts (261 Persian and 35 Sanskrit) and 2102 printed books (1290 Urdu, 326 Arabic, 130 Persian, 106 English and 250 Hindi).

In the digitization programme, 2,00,000 pages from 1067 manuscripts were digitized of the Library collection and these have been loaded on the server under on-line project.

The Library extends various services to its users. During the period, 63 senior research scholars consulted 435 manuscripts, 868 readers were issued 4503 printed books, 92,073 general readers visited the reading room for newspapers and magazines besides thousands of persons visited Library Museum in Darbar Hall.

The Library also provides photographs of manuscripts and photo copies of printed books to the scholars on payment basis. A total of 5,000 photo copies of printed books were provided to the scholars.During the period, moreover, 564 publications of the Library were sold and 249 published books were gifted to the scholars, members of board/sub-committees and authors of the books/articles.

The conservation laboratory successfully conserved one sculpture of Mirza Ghalib made up of Plaster of Paris, 1140 folia of damaged rare manuscripts and 1117 folia of old printed books. After conservation, the sculpture of Ghalib is displayed in Darbar Hall.

Manuscript Conservation Center (M.C.C.), a project under National Mission of Manuscripts (N.M.M.) functioning in Library from March 2019, have done curative conservation of 154 folia from damaged manuscript and preventive conservation of 2090 folia of various manuscripts.

As the museum is continuously working for documentation & conservation of art objects, following work is done during the year:

- Documentation of 160 rare coins.
- Preventive conservation of 82 art objects.
- Preparation of Captions & display of 83 museum objects.
- Verification of Museum objects.

The Library is housed in a century old magnificent palace of Hamid Manzil in the fort of Rampur. It is an excellent specimen of Indo (Mughal) – European architecture of northern India. It has an Italian sculpture gallery with niches and canopied ceilings, and a dozen spacious rooms with a stupendous Darbar Hall highly embellished in gold. The open area around the palatial mansions was developed into a decorative garden of Mughal Chahar Bagh pattern with water channels, fountains, tanks and beautiful selected flora. Wide and deep water channels have been constructed with Kota stone pathway rendering a graceful finish to the surrounding environment.

The entire heritage buildings have been restored with minor repairs of ceiling and roofs, flooring, lawn, boundary wall & whitewash taken up according to the archaeological norms of conservation. The new construction works are as follows-

- C.C interlocking work in Circulating Area road of Rang Mahal.
- The reconstruction of boundary wall of Rang Mahal.
- Repair and painting of media room and converting it into Newspaper Section.
- Repair and repainting of pathways in the lawns of Hamid Manzil and Rang Mahal.
- Repair of Store room near Imam Bada, Hamid Manzil and conversion of this room into Periodical Section.
- Repair and renovation of Gallery at Hamid Manzil, Raza Library.

PUBLICATIONS

The Library has published 222 books till now. In the year 2018 – 2019, following 11 books were published in Persian, Arabic, Urdu, English and Hindi-

- *Rajbhasha Patrika* (October-December 2018)
- *Advia Mufrada* (Arabic) by Shamim Irshad Azmi
- *Tazkere aur Tabsire* (Urdu) by Haneef Naqavi
- *Talmihat-e-Ghalib* (Urdu) by Prof. Shareef Husain Qasemi
- *Yaadgar Nama Maulana Abdus Salam Khan Rampuri* (Urdu) by Prof. Syed Hasan Abbas
- *Khaqani-i-Hind, Qa-'ani-i-asr Allama Asifi Nizami Rampuri* (Persian) by Imtiyaz Ali Arshi
- *Publication List*
- *Rampur Raza Library Newsletters* (Compiled issue of a year)
- *Rampur Raza Library Newsletter* (10th – 18th issues)
- *Annual Report* 2017-18 (Hindi & English)
- Booklet of Calligraphy

ACADEMIC & CULTURAL ACTIVITIES

Rampur Raza Library organized academic & cultural activities like seminar, lectures aiming to create awareness among the masses for various academic & cultural subjects and to promote the research. The following activities were organized during the year:

- An extension lecture **Dagh Dehlvi and Hyderabad** on 8thApril 2018 at Rang Mahal.
- **Swachhta Pakhwada** on 16th to 30th April 2018.

- **Workshop on fire extinguishing** on 8th May 2018.
- Exhibition of "**Holy Quran and Specimens of Calligraphies**" in Darbar Hall from 3rd to 21st June 2018.
- **Fourth International Day of Yoga - 21st June 2018**.
- An extension Lecture on **Maulana Abdus Salam Khan : Life & Works** on 24th June 2018.
- An extension Lecture **Relevance of Premchand in Present Era** on 29th July 2018.
- An exhibition on **Munshi Premchand: Famous Writer, Journalist & Freedom Fighter** commemorating his 138th birth anniversary from 29th July to 10th August 2018.
- **72nd Independence Day** on 15th August 2018.
- **Sadbhavana Divas** on 20th August 2018.
- **11th Vishv Hindi Sammelan** held from 18th – 20th August 2018 at Goswami Tulsidas Nagar, Mauritius and exhibited its excellent publications.
- An extension Lecture "**Prominence of Hafiz Shirazi in India**" on 2nd September 2018.
- **Hindi Pakhwara-2018** from 14th– 28thSeptember 2018.
- **Swachhta Pakhwada** from 16th – 30th September 2018.
- Ministry of Culture organized an exhibition **India-Uzbekistan: Dialogue of Cultures** with the joint collaboration of National Museum, New Delhi, Embassy of Uzbekistan in India, National Association of Electronic Mass Media of Uzbekistan, Rampur Raza Library and Khuda Baksh Oriental Public Library, Patna at National Museum, New Delhi from 25th September to 24th October 2018.
- An extension lecture **Persian Manuscripts: Common Heritage of India & Iran** on 27th September 2018.
- **Gandhi Jayanti** on 2nd October 2018.
- The **Award Ceremony** was held at Raj Bhawan, Lucknow on 4th October 2018.
- An extension lecture **Mahatma Gandhi and Urdu Adab** on 14th October 2018.
- An exhibition of books to commemorate the **birth anniversary of Sir Syed Ahmad Khan** from 17th to 25th October 2018.
- **Communal Harmony Campaign Week** from 19th to 25th November 2018.
- An exhibition of **Rare manuscripts and books of Ramayan** on the occasion of birth anniversary of Maharishi Valmiki from 23rd to 30th October 2018.
- **National Unity Day** on 31st October 2018.
- Participation in the International conference **Cultural Legacy of Uzbekistan in the World Collections** organized by the National Association of Electronic Mass Media of Uzbekistan (NAEMM) in Tashkent on 10-11th of December 2018.

- An Internal Seminar on the topic **India's Invaluable Academic Collection : Rampur Raza Library** on 30th December 2018.
- 70th anniversary of India's **Republic Day** on 26th January, 2019.
- National Seminar on **Contribution of Rampur State in Development of Art, Culture & Literature** from 29th to 31st January 2019.
- **Martyr's Day** on January 30th, 2019.
- A workshop on **Cardio-pulmonary Resuscitation (CPR)** on 5th February 2019 in Conference Hall, Rang Mahal.
- An Extension Lecture **Mughal Paintings : A Historical Narrative** on 17th March 2019.
- The Workshop cum Awareness programme **Preventive Conservation of Manuscripts** on 24th March 2019 at Conference Hall, Rang Mahal.
- One day National Seminar **Contribution of Maulana Arshi to Urdu, Arabic & Persian Literature** on 31st March 2019.
- Rampur Raza Library participated in **Seven Book Fairs** organized by different institutions and organizations at different places.

In my capacity as the Director it is difficult to acknowledge appropiately the valuable guidance I received from Honourable Governor of Uttar Pradesh/Chairman of the Rampur Raza Library Board, the members of the Board and Principal Secretary to the Honourable Governor;without their help, it would not been have possible to achieve success in administering this notable institution. I am really greatful to all of them.

Lastly, I am thankful to the Hon'ble Union Minister of Culture and Secretary, Ministry of Culture, Government of India, who provided the financial support and guided the Library at every stage for its better functioning.

Date –

Prof. Syed Hasan Abbas
Director
Rampur Raza Library
Ministry of Culture
Govt. of India

JOURNEY OF LIBRARY FROM FOUNDATION

The Rampur Raza Library is an institution of Indo-Islamic learning and treasure house of arts which was founded by the first ruler of Rampur, Nawab Faizullah Khan in 1774. Rampur is headquarter of a district of same name in Uttar Pradesh which was known as 'Riyasat Rampur' before independence. He ruled the State up to 1794 and formed the nucleus of the Library through his personal collection of valuable and rare manuscripts, historical documents, books in different languages and precious paintings kept in the Royal Toshakhana. The Nawabs of Rampur State were great patrons of art, scholars, poets, painters, calligraphers and musicians. During the reign of Nawab Ahmad Ali Khan (1794–1840) notable additions were made to the collection.

Nawab Faizullah Khan

Nawab Muhammad Ali Khan

Nawab Muhammad Ali Khan, son of Nawab Faizullah Khan ascended the throne on July 17th, 1794 at the age of 43 years. He ruled the state for only twenty four days. He was not popular among his family and Rohilas because of his harsh behaviour. Nawab Ghulam Muhammad Khan evicted him and ascended the throne.

Nawab Ghulam Muhammad Khan became the Nawab of Rampur at the age of 33 years on August 10th, 1794 and ruled only for three months and twenty two days. To retain his Nawabi state, he fought a battle against British government and Nawab Asifuddaulah of Awadh in Bhitaura and got defeated. He was taken to Thakurdwara, then to Banaras in the custody of British Government. From Banaras, he left for Hajj pilgrimage. After returning from Hajj, he stayed in Kangra, Punjab. Raja Sansar Chand provided him the best hospitality with full respect at his place. He shed his soul on February 18th, 1833.

Nawab Ghulam Muhammad

The fourth Nawab of Rampur State, Nawab Ahmed Ali Khan ascended the throne at the age of nine years on November 29th, 1794. Nawab Nasrullah Khan was appointed his Regent. He was a poet with a pen name

'Rind' and took keen interest in fine arts. He was fond of hunting, shooting, music and dance.
In his period, Maulvi Ghayasuddin Khan compiled *Ghayas-ul-Lughat*, a Persian dictionary. The edifices of 'Benazir' and 'Badr-i-Munir' were constructed during his time.

Nawab Ahmed Ali Khan

Nawab Muhammad Saeed Khan (1840–1855) was a dynamic ruler. He created a separate department of the Library and shifted the collection to new premises. He also appointed Allama Yousuf Ali Mehvi (an Afghan scholar) to organize the collection into a renowned Kutub Khana. He also invited well-known calligraphers, illuminators and binders from Kashmir and other parts of India. The Nawab got prepared a seal with the following Persian inscription.

Nawab Muhammad Saeed Khan

'Hast in muhr bar Kutub Khana
Wali-i-Rampur farzana
A.H. 1268 (1852 A.D)'

Nawab Yusuf Ali Khan ascended the throne on April 1st, 1855 and took keen interest in art and literature, being himself a poet with pen name 'Nazim'. He took guidance from the celebrated poet Mirza Ghalib, who was rewarded with a stipend of Rs. 200 per month. After the historic struggle of 1857, a large number of eminent scholars, poets, writers took refuge in Rampur. Ram Babu Saxena, the author of *Tarikh-i-Adab-i-Urdu*, had written "Nawab made Urdu poetry Ganga-Jamuni by bringing together the poets of Delhi & Lucknow." A beautiful manuscript of Nazim's poetry is preserved in Raza Library whichhas been made available to poetry lovers, by publishing it in original form. The Nawab ruled for 10 years and died in 1865 AD.

Nawab Yusuf Ali Khan

Nawab Kalbe Ali Khan (1865–1887) was himself a scholar of Arabic and Persian languages. He was very much interested in the collection of rare manuscripts, paintings and commissioned connoisseur scholars to obtain rare manuscripts, paintings and other art objects and thus enormously enriched the Library collection. In his time Rampur became an eminent centre of arts, calligraphy, poetry and education. While mentioning the progress of education & literature in this era, Ram Babu Saxena had written 'According to literary status, this was the golden era of Rampur Raza Library because every type of scholars was

present at that time.'

Nawab Kalbe Ali Khan

The next Nawab Mushtaq Ali Khan (1887–1889) being disabled, General Azimuddin Khan became regent of the state in 1887. He appointed a managing committee and allocated budget for the maintenance and development of the Library. A new building was raised and the Library collection was shifted to it from Toshakhana, in 1892. He also opened the Library to scholars and extended facilities to senior academicians and research scholars of India and abroad.

Nawab Hamid Ali Khan (1889–1930) traveled extensively before ascending to the throne. He was highly educated and was remarkably known for his love of constructing impressive palaces and office buildings in Rampur city. He constructed a magnificent palace inside the fort of Indo-European style named 'Hamid Manzil' which now houses the Rampur Raza Library since 1957. He was a connoisseur of art and music and added much to the collection and introduced certain reforms in the management of the Library.During his ruling period, Hakim Ajmal Khan, Maulana Najmul Ghani Khan and Hafiz Ahmad Ali Shauq managed the Library. They served the library and also prepared the catalogues of Arabic manuscripts & printed books in Urdu which were published by Library in 1902 and 1928. This catalogue is unavailable and it is republished (only vol. 2) due to its importance. The unpublished catalogues are under progress.

Nawab Mushtaq Ali Khan

Nawab Raza Ali Khan (1930–1966) became the Ruler on June 30th, 1930. He was decorated with both Indian and foreign education. He took unprecedented interest in promoting the education and built the schools & colleges in the Rampur city. He was also a lover of Indian music for which he purchased several rare manuscripts and books on classical music from India and abroad. He was an eminent Hindi poet with pen-name 'Rajaa' and his musical composition named 'Sangeet Sagar' is preserved in the Library. He lavishly patronised, art, music and culture at Rampur.

Nawab Hamid Ali Khan

Nawab Raza Ali Khan

After the Independence and merger of the State in the Union of India, the Library was brought under the management of a trust, which was created on August 6th, 1951 which continued till June 1975.

Prof. S. Nurul Hasan, the then Minister of State for Education and Scientific Research, Government of India visited the Library and found its valuable academic heritage in neglected condition. At his stance suitable measures were taken for providing better management and sufficient financial grants. Consequently the Government of India took over the Library on July 1st, 1975 from Nawab Murtaza Ali Khan, the President of the trust, under an act of Parliament called Rampur Raza Library Act No. 22. The Government of India assumed full responsibility for the management of the Library and also declared it as an institution of national importance.

The affairs of the Library are managed by the Rampur Raza Library Board, which has been set up under section 4(2) of the Act. It is the governing body with Honourable Governor of the Uttar Pradesh as the Chairman. There is a provision for twelve members including one member of the erstwhile ruling family of the Nawabs. The Board is represented by distinguished historians, scholars of Arabic, Persian and Urdu literature beside officials of the Central and State Governments concerned with the affairs of the Library.

Director of the Library is the Member Secretary of Rampur Raza Library Boardwho is responsible for convening the meetings of Board and Sub-Committee's meetings and implementation of the decisions taken by the Board and Sub-Committees. The names of the Directors/ Officers on Special Duty of Rampur Raza Library since 1975 AD is given in **Appendix I (Page no. 62).**

LIBRARY BUILDING AND LAND

The present building Hamid Manzil houses the Rampur Raza Library since 1957. The palatial high domed and turreted mansion is a magnificent construction of Indo-European style of architecture inside the fort of Rampur. The ownership of Hamid Manzil along with Rang Mahal and the surrounding vacant land was transferred to Government of India by the Government of Uttar Pradesh on November 18th, 1982.

The Government of India was also entrusted to carry out necessary repairs, renovation to the building, maintain and manage the same at its own cost which it does very efficiently.The details of the buildings and land handed over by the Government of Uttar

Pradesh to the Government of India, under the deed of transfer dated November 18th, 1982, are as follows:

Buildings and Land	Plinth Area
Hamid Manzil	26,495 sq.ft
Rang Mahal	17,664 sq.ft
Land including lawns	2,08,941 sq.ft

The open area around the palatial mansions was developed into a decorative garden on Mughal Char Bagh pattern with water channels, fountains tanks and selected beautiful flower plants. Wide and deep water channels have been constructed with Kota stone rendering a graceful finish to the surrounding environment. With the time, they have been renovated and the need for renovation is still being felt.

In the Hamid Manzil, the passage leading to the Darbar Hall, housing the museum, is through a sculpture gallery representing a number of classical feminine Greek icons of the 17th – 18thcentury, which were imported from Italy more than a century ago. The gigantic life-size icons have been carved out of white falcon marble. The niches in the gallery, cornices and ceilings of the canopy embellished in pure gold, add much to its stately grandeur. Darbar Hall has five large sized antique chandeliers hung from its ceilings and become lively when their original electric bulbs that are nearly hundred years old are turned on. There are five life-size marble statues which are also kept in the Darbar Hall.

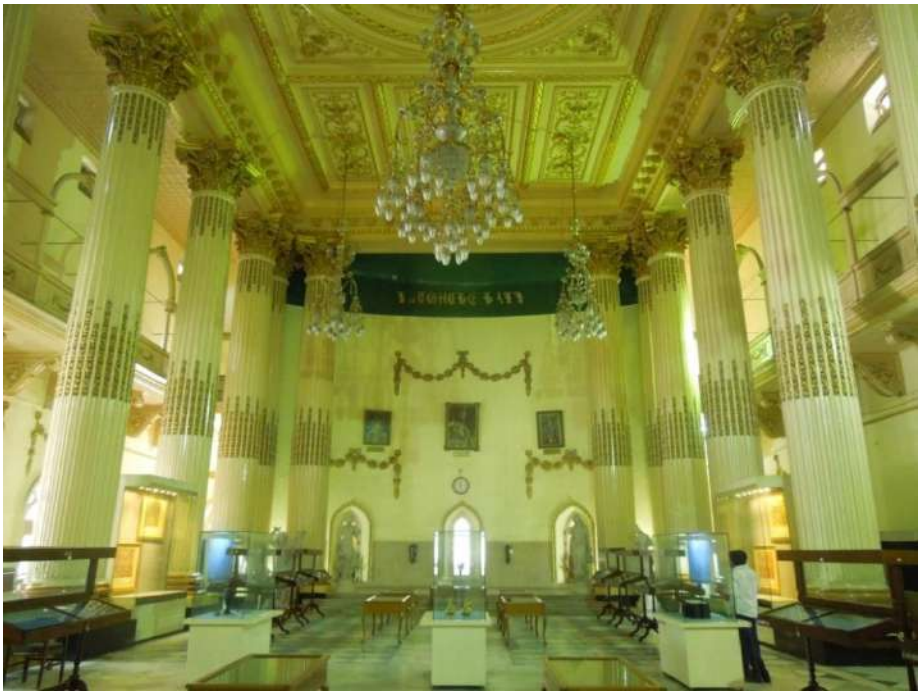

A scene from Darbar Hall

The conservation of more than hundred years old heritage palaces of the Hamid Manzil and the Rang Mahal in the Fort of Rampur is a regularprocess. The Hamid Manzil is an excellent specimen of Indo - European architecture of Northern India. It has an Italian sculpture gallery with niches and canopied ceilings and spacious rooms with a stupendous Darbar Hall highly embellished in gold.

In the entire heritage buildings minor repairs of ceiling and roofs, flooring, lawn, boundary wall, colour wash and also grill fixing at all the doors and windows in the basement of Raza Library have been carried out according to the archaeological norms of conservation and restoration. The restoration of main dome of library is very necessary.

The new renovation works which had been done during the year are as:

- C.C interlocking work in Circulating Area road of Rang Mahal.
- The reconstruction of boundary wall of Rang Mahal.
- Repair and painting of media room and converting it into Newspaper Section.
- Repair and repainting of pathways in the lawns of Hamid Manzil and Rang Mahal.
- Repair of Store room near Imam Bada, Hamid Manzil and conversion of this room into Periodical Section.
- Repair and renovation of Gallery at Hamid Manzil, Raza Library.

RAZA LIBRARY MUSEUM

The Library established a museum in the Darbar Hall of Hamid Manzil Palace on July 19th, 1997 and has striven a lot to develop. It is an impressive place of art, education, research and archaeology for the visitors and research scholars. The Library administers its general museum where original and blow-ups of rare manuscripts, miniature paintings, specimens of Islamic calligraphy, coins, old weapons and other art objects have been showcased for the viewing of the visitors. The majority of the visitors come to see these items. It is open on all the days of the week, 10 am to 5 pm, for the benefit of connoisseurs of art and culture, except weekly and national holidays.

TREASURES OF THE LIBRARY

The Rampur Raza Library has a collection of approximately 17,000 rare items including manuscripts, miniature paintings, specimens of Islamic calligraphy, art objects, astronomical instruments, historical coins and approximately 62,000 printed books in different languages. Besides these, there is a large & important collection of magazines & periodicals in the library.

The holding of the Library covers the ancient and medieval languages such as Arabic, Persian, Sanskrit, Turkey, Pushto, Hindi and Urdu languages. The manuscripts in these languages represent all important subjects including History, Philosophy, Religion, Science, Literature, Arts and Architecture. The miniature paintings represent the Turko-Mongol, Mughal, Persian, Rajput, Deccani, Pahari, Awadh and Anglo European schools of art which are considered immensely valuable for research scholars. In addition to the manuscripts, the printed book section has a unique importance and this section contains hundreds of rare Arabic, Persian, Urdu and Hindi books, which are now out of print and considered important for research work and are carefully preserved.

The interesting feature of the Library collection includes manuscripts belonging to the libraries of various places of the world like Halab, Mecca, Madina, Egypt, Iran, Afghanistan and Royal Libraries of Emperors and Noblemen of the Mughal dynasty. The seals of Adil Shahi Kutub Khana of Bijapur and Qutub Shahi Library of Golconda and Hyderabad are found on the manuscripts.

The collection of Manuscripts & other items is given below:

1. Arabic manuscripts	5488	Volumes
2. Persian manuscripts	5403	,,
3. Urdu manuscripts	1441	,,
4. Urdu manuscripts (Drama)	445	,,
5. Sanskrit manuscripts	626	,,
6. Hindi manuscripts (in urdu script)	38	,,
7. Hindi manuscripts (in devnagri script)	19	,,
8. Turkish manuscripts	37	,,
9. Pushto manuscripts	45	,,
10. Manuscripts in Loharu collection	358	,,
11. Diaries in Loharu collection	84	,,
12. Palm leaves manuscripts	205	,,
13. New accessioned manuscripts & rare printed books (approx)	400	,,
14. Miniature paintings (in 35 albums)	1000	
15. Islamic Calligraphies (in 84 albums)	2000	
16. Historical Coins	1361	

The collection of **Printed Books** is as under (according to old catalogue register):

1. Urdu books	31095	Volumes
2. Arabic books	5892	,,
3. Persian books	4661	,,
4. Old English books	5329	,,
5. Old Hindi books	304	,,

6. Shoba-e-Khas (Arabic)	433	,,
7. Shoba-e-Khas (Persian)	491	,,
8. Shoba-e-Khas (Urdu)	1718	,,
9. Loharu Section's Urdu books	1207	,,
10. Loharu Section's Arabic books	272	,,
11. Loharu Section's Persian books	610	,,
12. Loharu Section's English books	792	,,
13. Loharu Section's Hindi books	47	,,
14. Loharu Section's Sanskrit books	37	,,
15. Other Languages books	194	,,
Collection of books according to new classification:		
16. New English books	4523	
17. New Hindi books	2640	
18. New Urdu, Arabic, Persian books	2409	

COLLECTION OF ARABIC MANUSCRIPTS

Among the few rarest of the rare is the seventh century A.D. Quran written on parchment in early Kufic script ascribed to the fourth Caliph, Hazrat Ali (died 661 A.D). Another copy of *Quran* written on paper in the eight century A.D. is attributed to the penmanship of Imam Jafar Sadiq. The ninth century *Quran* ascribed to Imam Ali Raza written on parchment and tenth century *Quran* in early Naskh ascribed to the celebrated scholar and calligrapher *Ibn Muqla* who served three caliphs of Baghdad as the Prime Minister. He had reshaped the Arabic Kufic letters into Naskh which is still in vogue in one or the other form. It is indeed a unique specimen of writing of Ibn Muqla in the world.

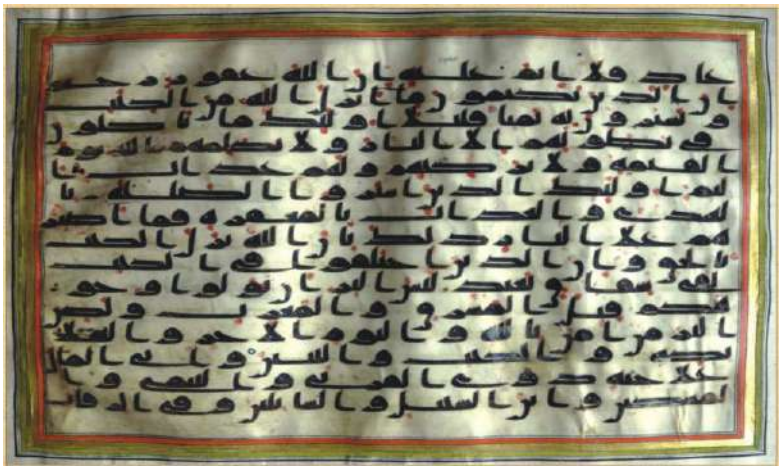

A folio from 7th century AD *Quran* attributed to Hazrat Ali

The collection includes one copy of rare *Quran* by the celebrated calligrapher of Baghdad, Yaqut al Mustasimi which exclusively bears the ornamentation in gold and

precious stone lapis lazuli colours. This is datable to the 13th century A.D. Another highlight of the collection is the Arabic manuscript *Diwan- al- Hadira* dated 629 A.H. (1221 A.D.) by the same calligrapher. It once decorated the royal Library of Sultan Ibrahim Adil Shah of Bijapur. This work edited by famous scholar of Arabic, Prof. Mokhtaruddin Ahmed (1924-2010 AD), has been published by the Library.
There is another unique Arabic manuscript *Sharh-al-Kafia* written by Razi-ud-Din Astarabaadi in 1640 AD which bears marginal notes by Emperor Shah Jahan and Prime Minister Nawab Sa'adullah Khan. This manuscript contains seals of Sadullah Khan, Inayat Khan, Itimad Khan, Muhammad Salih Khan, Aurangzeb and also of famous 18th century Arabic-Persian scholar Mir Ghulam Ali Azad Bilgrami (d. 1786 AD).

COLLECTION OF PERSIAN MANUSCRIPTS

The collection of Persian manuscripts includes 'Zakhira-i- Khawarizm Shahi' on medicine written by Zainuddin Ibrahim Gurgani (d. 531 A.H./1136 A.D) scribed in 565 A.H./1169 A.D. Another one is a *Tafsir-i-Tabri* translated from Arabic by Abdul Baqi and scribed by Mirza Muhammad Bin Mujtahid which is datable to the 12th century A.D. It bears autographs of King Shah Abbas of Iran and Qasim Beg Khan dated 1031 A.H. (1621-22 A.D.).

Among the earliest illustrated Persian work is on history of Mongol tribes namely *Jami-ut-Tawarikh* by Rasheeduddin Fazlullah which includes rare miniatures depicting various aspects of political, social, and religious life of the Mongols. The paintings are inspiration from Chinese and Central Asian early paintings, which seems to have influenced the Herat school of Persia. It is dateable to the 14th century A.D.

Representing the Iranian style of painting, the Library has the *Khamsa* of Nizami Ganjawi (d. 1209 A.D.) written in 949 A.H./1542-43 A.D. It is beautifully painted with floral background. Mention may also be made to the *Khamsa* of Abdur Rahman Jami scribed in A.H. 977/1569-70 A.D. by Muhammad Bin Alauddin. Also *Haft Aurang* of Jami dated A.H. 1038/1628 A.D. was bound with other masnawies scribed by Jamaluddin Katib Shirazi.

An illustration from *Jami-ut-Tawarikh*

The manuscript, *Diwan-i-Jami* scribed in A.H. 915/1509 A.D. bears a beautiful seal of Hamida Bano Begum, daughter of Ali Akbar, mother of Emperor Akbar and Nazar Ara daughter of Shah Jahan on the colophon. It is interesting to note that Nazar Ara Begum, daughter of Shah Jahan whose seal appears on colophon does not

appear to be mentioned in the contemporary Persian literature.

The famous fable of Indian origin *Panchtantra* translated by Abul Maali Nasrullah Bin Muhammad Ghaznawi named *Kalila–wa–Dimna* seems to be illustrated and scribed in the mid- sixteenth century A.D. Its miniatures depict landscapes, flora and fauna in notable colour schemes. Emperor Akbar took great interest in paintings particularly in book illustration following the Mongol, Timurid and Rajput traditions. He commissioned several artists, both Indian and Persian, in his court and also established an office for translation. Besides illustrating, the books were translated from Sanskrit to Persian for developing better understanding among different communities.

The Rampur Raza Library has one hundred and fifty illustrated manuscripts of great literary and artistic value. These illustrations provide deep insight into the contemporary life style, art, architecture, customs, ornaments besides topographical details, flora, fauna and traditional musical instruments, etc.

Among the rare and valuable illustrated manuscripts, there is *Diwan–i– Hafiz* which was scribed during Akbar's reign, most probably 16th century A.D., illustrated by the celebrated court painters. The manuscript written in elegant Nastaliq script and bears eleven miniatures, representing-

- The Mughal Emperor Akbar listening renderings from Diwan-i-Hafiz at his court, painted by Kanha.
- Dervishes dancing in a khanqah over-powered by the ecstasy of devotional music.
- A semi naked young man walking in rocky valley, by Sanwala.
- A Prince sitting in his garden with noblemen and listening to music, by Farrukh Chela.
- Prince riding with his retinue in a rocky valley, by Manohar.
- An old man watching a herd of sheeps amidst, painted by Farukh Beg.
- An interesting scene of Turkish Hammam, people getting massaged and taking bath.
- A Prince with noblemen enjoying music and wine at his terrace of the garden, by Narsingh.
- Depicting sinking of a ship into troubled water.
- A Prince sitting in his garden with scholars and musicians listening to recitation of verses.

- Two waring forces charging at each other in a battle field, by Chitra.

Among the other rare manuscripts, there is a copy of *Risalah-i-Khwaja Abdullah Ansari* and *Sad Pand-i-Luqman* bound together scribed in elegant Nastaliq by the great master calligrapher Mir Ali of Herat who died in 921 A.H./1515 A.D. It contains signatures and seals of several Kings and scholars. It was graded the first position by Emperor Shah Jahan in his library and was assessed for Rupees One Thousand. He presented another copy of the same Risalah to Jahan Ara Begum who lavishly praised its importance in her own handwriting that "these few words of Khwaja Abdullah are matchless and I could not appropriately describe, even if, I had one thousand tongues". It bears the seals of Shah Jahan and Aurangzeb with the date 998 A.H./1588 A.D.

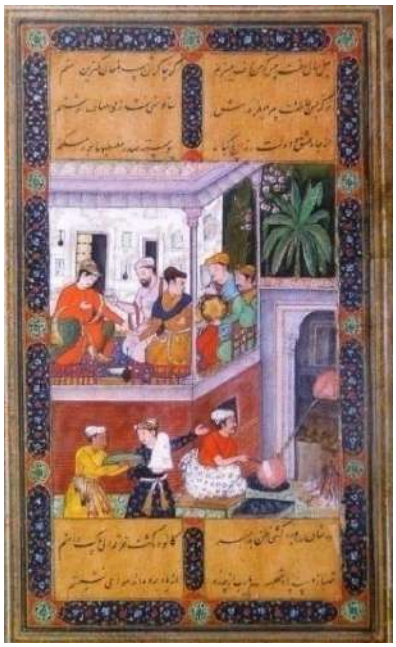

An illustration from *Diwan-i-Hafiz*

A page from *Risalah-i-Khwaja Abdullah Ansari* and *Sad Pand-i-Luqman* bearing notes & signatures of Mughal Emperors Jahangir and Shah Jahan

Similarly *Diwan-i-Hilali Chaghtai* scribed in Nastaliq by Mir Husain al-Husaini in 993 A.H./1584 A.D. bears the seals of famous noblemen of Shah Jahan namely Itimad Khan, Inayat Khan, Sadiq Khan and celebrated calligrapher Abdur Rashid Dailmi.

A unique illustrated Balmiki Ramayana translated into Persian by Sumer Chand during the reign of Farrukh Siyar in 1128 A.H./1715 A.D. bears 258 miniatures throwing a flood of light on the art, architecture, costumes and ornaments of the period besides highlighting the composite culture of India in the late medieval period. This manuscript is published in Devnagri script by the Library. There are many such manuscripts which are translated copies from Sanskrit to Persian.

COLLECTION OF URDU MANUSCRIPTS

A page from *Diwan-i-Nazim*

The collection of Urdu manuscripts is lesser in number as compared to Arabic and Persian.Rampur Raza Library possesses the *Diwan of Shah Hatim*, *Kulliyat-i-Mir*, *Jurat*, *Hasan*, *Diwan-i-Suz*, and very important manuscript of 'Diwan-i-Ghalib', besides there are two rare copies of *Rani Ketki Ki Kahani* by Insha Allah Khan.

The celebrated Diwan of Nawab Yusuf Ali Khan Nazim, the Ruler of Rampur State, is richly embellished in gold. It bears also a portrait of the Nawab. The manuscript is also published by the library.

COLLECTION OF PALM LEAVES

The Raza Library has many valuable palm leaf manuscripts and most of them are in Telugu, Sanskrit, Kannad, Sinhali and Tamil. They, in general are religious in character. A Tamil manuscript mentions the rules of preparing images and icons and the mode of worship, another manuscript informs us about the medicinal properties of several herbs, which cure diseases. One manuscript in Sanskrit language written in Grantha script eulogises *Ramayana* as *Brhahmavachakam*. A Kannad manuscript is a treatise on music yet another manuscript is *Periyatine Vaimoli* sacred hymn of the Vaishnavas.

COLLECTION OF HINDI AND SANSKRIT MANUSCRIPTS

The Rampur Raza Library has about 600 Sanskrit manuscripts, of which most of them are not evaluated properly. These manuscripts are related to different subjects like *Yatha Kavya, Jyotish, Kosh-Nyaya, Purana, Strot, Vedanta*, etc. There are also preserved the manuscripts of Kalidas (*Raghuvansh, Meghdoot, Kumarsambhav*). Some important manuscripts preserved here are:

Meghdoot : This is a lyric poem (*Doot Kavya*) written by Kalidas. The original text is divided into two parts, *Poorvmegha*&*Uttarmegha*, and consists of 115 stanzas.
The Library has three manuscripts of Meghdoot commentary, in which Balbodhini's commentary is in 125 stanzas. It belongs to 1906 Vikram Samvat/1771 Shak

Samvat/1849 AD. This commentary was done by Samay Sundar Gani. No records of date and commentator are found for the other two manuscripts.

Tark Sangrah : This manuscript is a combined work of two philosophies i.e. *Nyaya* and *Vaisheshik*. The original text was written by Annambhatt. Four manuscripts of Tark Sangrah are preserved in Library, in which *Tark Sangrah Deepika* was the original commentary of Annambhatt. The writers of other three manuscripts are unknown and one of the manuscript dates 1831 Samvat/1775 AD.

An illustrated page from *Shrimad Bhagwad Gita*,
18th century

Yajnavalkya Smriti : It is composed by Yajnavalkya Rishi and it is based on the theological treaties of Hinduism. The original text is divided into three parts and each part consists of many chapters. The Library manuscript has also three parts but it does not posses complete chapters. It belongs to 1877 samvat/1821 AD and was written by Talfi.

Ghatkarpar Kavya : Ghatkarpar was among the nine gems of Vikramaditya. It is a belief that Ghatkarpar kavya was written by Ghatkarpar. This is a lyric poem in which the heroine is expressing her separation from her beloved. It has only 22 verses of poetry. The manuscript in Raza Library also posses 22 verses in rhetoric antanaclasis. The commentary was done by Tarachand.

Vedantsar : The original author of Vedantsar was Sadanand Yogindra and it was composed in 16th century. It gives the detail of *Advaita Vedanta* (one-God philosophy). The library manuscript is not complete and it is of 1847 AD/1904 samvat.

Thus, the library possesses many rare manuscripts of Sanskrit which can be beneficial for the scholars to work on them.

There are Hindi manuscripts and books in the collection of the Raza Library which were originally written in Persian script like *Ras Prabodh*, *Madhumalti*, *Ang Darpan* etc. These are published in Devnagri script for the people. But there are more important manuscripts like *Padmavat* left for publishing in devnagri.

Among them the only complete book of *Madhumalti* of Malik Manjhan is preserved, besides *Padmavat* of Malik Muhammad Jaisi with Persian translation is the most valuable work. *Ang Darpan* & *Ras Prabodh* of the celebrated Hindi poet Ghulam Nabi Raslin Bilgrami (1741 A.D), *Naghmatul Asrar* of Shah Muhammad Kazim on Hindustani music and *Nadirat-i-Shahi* the collection of Hindi poems of Shah Alam II of Mughal dynansty are preserved in the Library as well as published by library.

COLLECTION OF TURKISH MANUSCRIPTS

The Turkish language had a notable impact on Indian politics both under the Sultans of Delhi and particularly the early Mughals. There are several Turkish words commonly used in Hindi, Urdu and other regional languages. Emperor Babur was a prolific writer and a poet in Turko-Uzbek language and was considered an inventor of a particular style, both in prose and verse.

The Rampur Raza Library is distinguished to have atleast 50 rare manuscripts and books in Turkish language besides having the unique manuscript of Babar's Bayaz popularly called *Diwan-i-Babar* bearing a Turkish Rubai (Quatrain) in his own hand writing. Its first folio bears the seal and signature of Akbar's General Muhammad Bairam Khan who wrongly attributed the writing of Diwan to Babur. This mistake was rectified by Emperor Shah Jahan in his own hand writing that the only Rubai (Quatrain) in Turkish is in the hands of Firdaus Makani (Babar). Evidently, this unique manuscript is the royal copy of 16th century. The Library has published it in original.

A page from Diwan-i-Babur

Among other rare Turkish manuscripts mention may be made of a unique but incomplete copy of *Diwan-i-Bairam Khan* in Turkish language in Nastaliq script. The floral border with pictures of birds is remarkable for its natural beauty. One of the latest works in Turkish language is the daily diary (*Roznamcha*) of the classical poet Insha Allah Khan. It contains significant information about the court of Awadh. The catalogue of the Turkish manuscripts has also been published by Raza Library.

COLLECTION OF PUSHTO MANUSCRIPTS

The Raza Library is also rich in the collection of rare Pushto manuscripts and printed books when compared with the holding of other oriental Libraries in India. Besides commentary on Quran in Pushto, the Library possesses a very rare two volume collection of *Diwan of Khushal Khan Khatak* which is immensely ornamented in gold written in Nastaliq characters. It is related to the era of poet, Shahjahan. There is another rare illustrated Diwan of celebrated Sufi poet Rahman Baba. Mention may also be made of works in Pushto which were done at Rampur including the Pushto manuscripts of Hafiz Rahmat Khan, the hero of the Rohila Afghans in India who laid down his life fighting against the British in 18th century.

An illustrated page of *Diwan-i-Rahman Baba*

COLLECTION OF PAINTINGS

The Rampur Raza Library is singularly rich in rare miniatures, portraits and illustrated manuscripts representing Mongol, Irani, Mughal Deccani, Rajput, Pahari, Awadh and British Schools of Paintings, largely untapped wealth of the Library holdings.

There are thirty five albums of portraits and miniatures in the Library which contain more than four thousand paintings of immense historical value. There is a unique album designated as 'Tilism' of the early years of Akbar's reign containing 157 miniatures which portray the life of different strata of society, besides astrological and magical concepts, one of royal banners bears the Quranic verses and this symbolic Timurid banner is also painted with the sun and a lion while others bear the zodiac signs. The album also bears the seals of Awadh Rulers which indicate that it was in their possession. The Library holdings have an album bearing the portraits of Saints and Sufis also.

A very valuable album of 'Ragmala' which illustrates the 35 Ragas and Ragnis through beautiful landscape, gods and goddesses, young musicians both male and female, different weathers, times and moods, exclusively, painted in the 17th century in Mughal style, is matchless.

Painting of Rag Hindola from Album *Ragamala*

Mughal miniature from Album *Jahangirnama*

Some of the albums bear the portrait of Mongol, Timurid and Mughal Rulers with their Princes and Noblemen. Among the rulers mention may be made of Chingez, Hulaku, Timur, Babar, Humayun, Akbar, Jahangir, Shah Jahan, Aurangzeb, Muhammad Bahadur Shah Zafar, Gulbadan Begum, Nurjahan Begum, Bairam Khan, Itimad-ud-Daula, Asaf Khan, Burhan-ul-Mulk, Safdar Jung, Shuja-ud-Daula, Asaf-ud-Daula, Burhan Nizam Shah II, Sultan Qutb Shah, Abul Hasan Tana Shah besides the collection includes the picture of Iranian kings and princes such as Safawid ruler Shah Abbas. There are miniatures of Maulana Rumi and Hafiz Shirazi too.

Among some royal painters whose works are preserved in the Library are-

Abul Hasan Nadir-uz-Zaman	Govind	Farrukh Chela
Asi Qahar	Lal Chand	Fath Chand
Bichitr	Lekh Raj	Kanha
Bhavani Das	Manohar	Govardhan
Chitrman	Muhammad Abid	Ghulam Murtaza
Dal Chand	Narsingh	Muhammad Husain
Ram Das	Thakur Das	Muhammad Yusuf
Sawla	Muhammad Afzal	

COLLECTION OF ISLAMIC CALLIGRAPHY

The Rampur Raza Library is singularly unparalleled repository of the specimens of Islamic calligraphy of the celebrated master calligraphers of Central Asia, Persia and India such as Mir Ali, Muhammad Husain Kashmiri Zarrin Raqam, Sultan Ali Mashadi, Aaqa Abdul Rasheed Dailami, Dara Shikoh, Mir Imad Al-Husaini, Abdullah Mushkin Qalam, Gulzar Raqam, Muhammad Akram, Muhammad Habib, Muhammad Masum, Mumin Al-Husaini, Muhammad Rafi, Muhammad Hashim, Muhammad Amin Samarqandi, etc.

Specimens of Islamic calligraphy

The famous calligraphers of Rampur State whose specimens are preserved in the Library are Mir Iwaz Ali, Adil Malihabadi, Maulwi Ilahi Bakhsh, Marjan Raqam, Ghulam Rasul Kashmiri, Muhammad Hasan Kashmiri, Muhammad Salamullah Rampuri, Muhammad Azim Ullah Khan Pahlawan Raqam, Muhammad Mahdi Ali Khan, etc.

ASTRONOMICAL INSTRUMENTS

Scientific instruments of the pre-modern period, like literary documents, constitute an importantsource of the reconstruction of history of science and technology. Often they are also artistically valuable pieces. In museums and private collections all over the world, there exists today a large corpus of Indian astronomical and time-measuring instruments produced after pre-Islamic or Islamic prototypes. Like manuscripts and paintings, like sculpture and jwellery, these instruments are also part of our cultural and intellectual heritage.

The Rampur Raza Library possesses an important collection of unique and rare astronomical instruments. The collection consists of three regular astrolabes, one Mariner's astrolabe, four celestial globes, one sine quadrant, one perpetual calendar-cum-horary quadrant and one horary quadrant-cum-nocturnal. Seven of these instruments were manufactured in India, two emanate from Middle East and two are of European make. Chronologically, they belong to the thirteenth, fifteenth, sixteenth, seventeenth and nineteenth centuries and carry legends in Arabic, Persian, Sanskrit and English.

Kufic Astrolabe

Celestial Globe

The oldest instrument of the collection is an astrolabe made by As-Siraj Damashqi in 615 A.H. (1218 A.D.). Another astrolabe by this instrument maker is one dated 623-628A.H. (1226-30 A.D.) in the Salar Jung Museum, Hyderabad and other of 628 A.H. (1280 A.D.) is with the National Museum, New Delhi.

Another instrument is a Celestial Globe crafted by Muhammad Ibn Jafar in 834 A.H. (1430-31 A.D.) at Kirman, Iran. Equally important is a mariner's astrolabe in this collection, it is unsigned and undated. Another astrolabe is designed by Ziauddin Muhammad of Lahore, dated 1074 A.H. (1663-64 A.D.). The library has published their catalogue entitled 'ASTRONOMICAL INSTRUMENTS IN THE RAMPUR RAZA LIBRARY'.

COINS & OTHER MUSEUM OBJECTS

The collection of different antiquities preserved with Rampur Raza Library is a hoard of around 1361 rare coins. A good number of coins are in silver, copper and billon. The gold coins also mark their presence in the collection. Small quantity of coins is related to

ancient period which are known as punch-marked coins. Most of the coins belong to the Sultanate and Mughal period. These coins have been catalogued.

The numismatic collection is the pride possession of Rampur Raza Library as it has the coins from Delhi Sultanate (1206-1526) mainly belonging to Khalji dynasty (1290–1320) namely, Ala ud-Din Muhammad Shah I, Qutb ud-Din Mubarak Shah I and Tughluq dynasty (1320–1414) namely, Ghiyasuddin Tughluq Shah, Muhammad Shah II; from Mughal Empire (1526-1857) namely, Shah Jahan I, Shah Alam I, Bahadur Shah I, Roshan Akhtar Mohammed Shah, Ahmed Shah Bahadur, Azizuddin Alamgir II, Shah Alam II and from Durrani Dynasty (1747-1826).

Medieval Coins

The other rare museum objects include swords, daggers, medals, wine pots, cressets, lamps, chandeliers, etc.which are displayed time to time. These antiquities are being catalogued.

Various Museum Objects

ACT AND REGULATIONS

(A) Act:

The Government of India took over the Library with effect from the July 1st, 1975 under the Rampur Raza Library Act No. 22 of 1975. The affairs of the Library are managed by the Rampur Raza Library Board, which has been set-up under section 4(2) of the Act.

(B) Regulation:

Under section 24 of the Rampur Raza Library Act 1975 (22 of 1975), the Board and the Ministry of Culture, Government of India formulated five regulations for the discharge of various functions sanctioned by the Act.

The following five regulations have been notified. :

The Rampur Raza Library (Maintenance) Regulations
The Rampur Raza Library (Administration) Regulations
The Rampur Raza Library (Board Meeting) Regulations
The Rampur Raza Library (Delegation of Financial Powers) Regulations
The Rampur Raza Library Service Rules & Regulations

OBJECTIVES

The main purpose of the Library is to extend all facilities to the scholars in their researches and to ensure preservation and protection of the invaluable rich collection of rare manuscripts and books besides publishing texts of Arabic, Persian, Urdu and Hindi manuscripts and organising workshops, seminars, exhibitions and special lectures etc. for promotion of learning and creating awareness among the scholars.

RAMPUR RAZA LIBRARY BOARD AND SUB-COMMITTEES

After the legislation of Rampur Raza Library Act in 1975 by the Parliament of India, the Library was given the status of an Institution of National importance with a provision of the Rampur Raza Library Board as its managing body under section 4(2) of the aforesaid at it occupied position of a governing body with Honourable Governor of Uttar Pradesh as the Chairman. There is a provision for twelve other members including one member of the descendants of the erstwhile Nawab family of Rampur, distinguished scholars from the field of history, Arabic, Persian and Urdu literature besides officials of the Central and State Governments related with affairs of the Library.

The present composition of Library board and the sub committees are listed in **Appendix II (Page no. 63)**.

BOARD MEETING

Rampur Raza Library Board held **48th Meeting of Rampur Raza Library Board** to propose new schemes for the development of Library. The meeting was chaired by Shri Ram Naik, Honorable Governor of Uttar Pradesh and Chairman, Rampur Raza Library on 17th July 2018 in the Committee Room, Raj Bhawan, Lucknow.

48th Board meeting

SUB-COMMITTEE MEETINGS

- The meeting of Administrative and Financial Affairs Committee held on 6th July 2018.
- The meeting of Academic Affairs & Publication Committee held on 30th March 2019.

SECURITY OF LIBRARY

The watch and ward of the Library is one of the important functions of its management. The security of the Rampur Raza Library is under the control of a force comprising of 26 personnels of Central Industrial Security Force (C.I.S.F). With the continuous extension of Library collection, round the clock vigil is to be maintained. Iron grills were provided to all the doors and windows of the Hamid Manzil which houses rare collections and priceless art objects. All the readers, visitors and scholars have to pass through a metal detector gate to make an entry into the Library premises. The readers, visitors and scholars can enter the reading room in the main building after a security check and recording their names and addresses in the register kept in the cloak room in the

custody of C.I.S.F personnel. Bags and Polythene are not allowed inside the Library. Cameras are also not permitted. The entire Library is well connected with CCTV and security personnel check it round the clock. Library campus is well equipped with Fire extinguishing system for the prevention of fire damage to the collection.

RAMPUR RAZA LIBRARY AWARDS

The major contribution in collecting Raza Library's priceless academic heritage is of first Nawab, Nawab Faizullah Khan & Nawab Raza Ali Khan. To memorize the work of both the Nawabs, in 1995, Rampur Raza Library Board has decided to give the awards in the name of Nawab Faizullah Khan & Nawab Raza Ali Khan, in the categories of Arabic, Persian, History, Arts & Sanskrit.Besides these, the other awards are also planned in some other subjects and areas.

The amount for **Nawab Faizullah Khan Award** is Rupees One Lakh Eleven thousand, Rupees One Lakh Eleven thousandis for **Nawab Raza Ali Khan Award**, Rupees One Lakh is for **Munshi Naval Kishore Award** in Urdu publication, Rupees One Lakh is for**Maulana Mohd Ali Jauhar Award Senior Award** in Journalism, Rupees Fifty Thousand is for **Maulana Mohd Ali Jauhar Junior Award** in Journalism.

RAMPUR RAZA LIBRARY SCHOLARSHIPS

In order to promote research work, the Library provides monetary assistance to the scholars. Scholarships have been granted on the pattern of the University Grants Commission (U.G.C). The main purpose of the scholarships is to associate the scholars for translating texts of important manuscripts of the Raza Library collection in the field of history, art, culture and literature. The research scholars, who are engaged in research work without any financial support from the University Grants Commission etc., are benefited from the scheme. Research scholarships are awarded to scholars and experts in academic fields.

For the year 2018-19, four scholarships had been provided to the following scholars in respective fields:

1. Dr. Athar Masood Khan Urdu Scholar, Rampur	Urdu scholarship
2. Dr. Shaista Akhtar Arabic Scholar, Rampur	Arabic scholarship
3. Dr. Farhina Bi Persian Scholar, Rampur	Persian scholarship
4. Dr. Anees Abbas Rizvi Sanskrit Scholar, Aligarh	Sanskrit scholarship

TAGORE NATIONAL FELLOWSHIP/SCHOLARSHIP

It is a matter of pride for Rampur Raza Library that it has been selected as Nodal institution for Ministry of Culture's reputed Tagore National Fellowship/Scholarship. The National Selection Committee of the Ministry of Culture, Govt. of India selected two scholars for the batch of 2017-18 from Rampur Raza Library i.e. Dr. Pradeep Jain to research on the topic "Impact of Mahatma Gandhi on Indian Culture" for Tagore National Fellowship and Dr. Naqi Abbas for Tagore National Scholarship to research on "Translation of Jahangir Nameh- Annonation and Edition". The fellowship/Scholarship duration is two years and both the scholars started their research in February 2019.

It is pertinent to mention that under this scheme of Ministry of Culture, Govt. of India, 37 institutions are recognized as nodal institutions and one institution can be given maximum one fellowship & one scholarship. The selection of Rampur Raza Library under this scheme will definitely help in generating positive changes in the research environment of the library.

NEW ADDITIONS TO LIBRARY

Kishan Saroj Collection : The Library receives 512 books from Shri Kishan Saroj, famous writer of the country. The Library named the collection on his name as Kishan Saroj Collection and it includes 265 books and 247 periodicals & magazines containing important information.

Shri Saroj was honoured with Sahitya Bhushan from Uttar Pradesh Hindi Institute in 2004. He had flourished his songs across the globe in London, Nepal, etc. and he had also participated in 1st Hindi Vishv Samelan held in Manchester.

Periodical Section : The Library has a holding of thousands of periodicals and magazines collected during a course of time. The library received many periodicals & magazines as gifts and it also purchased them every year according to the need of the readers. These are now transformed into a new section at ground floor, named as Periodical Section. These books are being classified and accessioned. The collection includes 7560 English periodicals, 6966 Hindi and 8000 periodicals of Urdu, Arabic and Persian.

TECHNICAL SERVICES

The Library collection is enriched through purchase, exchange and gift. During the period, the Library acquired 815 books, 1,016 periodicals and 8,977 newspapers which were accessioned properly. The Library acquires such books and periodicals which are required to meet the demands of the research scholars& readers. The work of labeling and dusting of books is done regularly. 1586 books were newly labelled. The Library also keeps card catalogue up to date and cards were checked.

During the year, following material was acquired by the library:

1.	Books	By gift		By purchase	
	Hindi	53		88	
	English	34		29	
	Urdu	242		304	454
	Arabic	25	361	23	
	Persian	04		10	
	Others	03			
2.	**Language**	**Newspapers**		**Periodicals**	
	Hindi	3,973		198	
	English	2,279	8,977	208	1,016
	Urdu	2,725		572	
	Arabic			38	

The Library holds a sizeable collection of photographs, audio and video CDs of seminars, workshops, special lectures and cultural programmes organized by library.

S. No.	Programme	Date	Photographs / DVDs
1.	Extension Lecture: Dagh Dehlvi and Hyderabad	8th April 2018	54
2.	Exhibition- Quran Majeed and Islamic Calligraphies	16thMay to 20th June 2018	33
3.	International Day of Yoga	21st June 2018	50
4.	Extension Lecture- Maulana Abdus Salam Khan : Life & Works	24thJune 2018	81
5.	Plantation	7th July 2018	40
6.	Extension Lecture- Relevance of Premchand in Present Era and Exhibition on Munshi Premchand	29thJuly 2018	183
7.	Independence Day	15th August 2018	40
8.	Extension Lecture : Hafiz Shirazi	2nd September 2018	150
9.	Hindi Pakhwara 2018	15th to 29th September 2018	68
10.	Extension Lecture - Persian Manuscripts : Common Heritage of India & Iran	27th September 2018	81 / 01
11.	Gandhi Jayanti	2nd October 2018	145
12.	Rampur Raza Library Awards Ceremony	4th October 2018	98
13.	Extension Lecture : Mahatma Gandhi and Urdu Literature	14th October 2018	59
14.	Exhibition on Sir Syed Ahmad Khan	17th October 2018	27
15.	National Unity Day	31st October 2017	49
16.	National Communal Harmony Day	19th November 2018	50
17.	Internal Seminar- India's valuable academic heritage : Rampur Raza Library	30th December 2018	44 / 02
18.	Republic Day	26th January 2019	70
19.	National Seminar : Contribution of Rampur State to Art, Culture & Literature	29th to 31st January 2019	348 / 05
20.	Workshop on CPR	5th February 2019	41
21.	Contribution of Maulana Arshi to Urdu, Arabic & Persian Literature	31st March 2019	123 / 01
	Total		1834 / 07

CATALOGUING

The descriptive cataloguing of manuscripts as well as printed books is essential for the scholars, researchers and staff of the Library. Compilation of catalogues of Library collection was initiated by Hakim Ajmal Khan, the then Library Incharge. In his guidance, first volume of Catalogue of Arabic manuscripts in Urdu, *Fehrist-i-Kutub-i-Arabi* comprising manuscripts of 46 subjects was published in 1902 AD. The second volume of Catalogue of Arabic manuscripts prepared by Molwi Mohd Nabi in the guidance of Hafiz Ahmad Ali Shauq, the then Librarian, comprising manuscripts of 20 subjects was published in 1928 AD. The third volume of Catalogue of Arabic manuscripts prepared by Hakim Ajmal Khan comprising manuscripts of 9 subjects was published in 1929 AD.

Instead of doing cataloguing in Urdu, Maulana Imtiyaz Ali Arshi, the then Director of Library compiled six volumes of Catalogue of Arabic Manuscripts in English so that larger section of scholars could be benefitted. The first volume contains Quranic Sciences & the Science of Theology (1963), second volume contains Prayers, Theology & Polemics (1966), third volume contains Principles of Jurisprudence, Dialectics, Polemics, Jurisprudence &Law of Inheritance (1968), fourth volume contains Sufism, Holy Scriptures, Logic &Philosophy (1971), fifth volume contains Mathematics, Medicine, Natural Science, Agriculture, Occult Sciences, Ethics &Politics, Education &Military Science (1975) and sixth volume contains History, Biography, Travels &Geography published in 1977 AD.

The Handlists of the manuscripts were very useful till date. Now, the manuscripts are catalogued subject & language wise. The published catalogues of manuscripts of different languages of Library are enlisted in **Appendix III (Page no. 66).**

During the period, 895 manuscripts were catalogued, 2165 books were classified & 2579 were catalogued and 2144 card catalogues of different languages were prepared, arranged and shelved. The cards were also arranged and kept in the cabinets.

Following work has been done during the year:

1.	Cataloging	Manuscripts		Books	
	Arabic	220		509	
	Persian	261		130	
	Sanskrit	35	895		
	Urdu	379		1290	2579
	Hindi			544	
	English			106	

2.	Classification		Books	
	Arabic		25	2165
	Persian		130	
	Urdu		1000	
	Hindi		264	
	English		156	
3.	**Card Catalogues**		**Books**	
	Arabic		25	2144
	Persian		130	
	Urdu		590	
	Hindi		1081	
	English		318	

COMPUTERIZATION & DIGITIZATION

During the period, for 296 manuscripts and 2102 printed books (Urdu, Arabic, Persian, English and Hindi) entries of database have been prepared in bibliographical information through the computer.

Computerization	Manuscripts		Books	
Arabic			326	2102
Persian	261	296	130	
Sanskrit	35			
Urdu			1290	
Hindi			250	
English			106	

The digitization of manuscripts is a regular process in Library. The printed books are being digitized with the co-operation of Rekhta Foundation, New Delhi.

S.No.	Digitization & Metadata Creation	
1.	Manuscripts	2 Lakh pages from 1067 manuscripts
2.	Printed Books	2,36,760 pages from 2660 books

REFERENCE SERVICES TO SCHOLARS

Scholars from India & abroad study and utilize the rich collection of Rampur Raza Library. The Library is fully sensitive to the services of its users.There is one specific room of research and information for scholars of higher researches in the Library. It provides

the material to the scholars of India & abroad. During the period, 63 research scholars consulted 435 manuscripts and 868 readers were issued 4,503 printed books. Besides, a large number of people visited Library's Museum in the Darbar Hall. List of scholars from India & abroad is enclosed at **Appendix IV (Page no. 67).**

The students from various schools and colleges visit library to know about Indian culture & history and are astonished at the collection. They also mark their presence in the competitions & cultural programmes organized by library. List of students from different schools is enclosed at **Appendix V (Page no. 69)**

The Library also provides photographs of manuscripts and photo copies of selected pages of printed books to the scholars on payment basis. 5,000 photo copies of printed books were supplied to the scholars during the period, moreover, 564 publications of the Library were sold and 249 published books, journals, etc were gifted to the scholars.

SERVICES TO THE READERS

Aimed at strengthening the reading room services, the Library has a hall, where the readers can read the newspapers, periodicals and magazines of their choice. The tables are always occupied with the readers, who wish to keep themselves updated with daily news and general knowledge.

View of Reading room

Reading Room is furnished with steel card cabinets to keep card-catalogues of the printed books as per Library Science Rules, wooden racks to keep the periodicals and magazines in proper manner, wooden tables to keep newspapers and comfortable chairs for the readers to sit and read newspapers, magazines and periodicals. The newspapers and periodicals are kept in the record, as a valuable source of information and can be utilized by scholars later on. It is proposed to furnish Reading Room with new equipments and it should be computerized.

During the period under review, the Library received 8,977 issues of newspapers and 1,016 numbers of periodicals and magazines. 92,073 general readers visited the reading room for newspapers and magazines.

PROJECTS UNDERTAKEN BY LIBRARY

Government of India is running various projects which are very important for the cultural heritage. These projects are for conserving and promoting our heritage among people. Raza Library is also a member of these projects and had undertaken some of them. These projects are as:

NATIONAL MISSION FOR MANUSCRIPTS

The National Mission for Manuscripts was established in February 2003, by the Ministry of Culture, Govt. of India. It was launched by former Prime Minister Shri Atal Bihari Vajpayee. Mission seeks to unearth and preserve the vast manuscript wealth of India.
National Mission for Manuscripts New Delhi, has designated Rampur Raza Library as Manuscript Conservation Centre. The Manuscript Conservation Centre is now working in Raza Library and the work done by the MCC is done in **Appendix VII (Page no. 74)**

BROADCASTING THROUGH ALL INDIA RADIO

Rampur Raza Library sponsored Urdu Programme for the promotion, publicity and information of Rampur Raza Library's collections. This Urdu Programme broadcasted on every Friday at 8:30 a.m by all the centers of All India Radio of Uttar Pradesh and Uttrakhand and approximately two crore audience benefited by the speeches given by Rampur Raza Library Staff members and other personnel.

PUBLICATIONS OF THE LIBRARY

The Library has published 222 books till now. In the year 2018 – 2019, following 11 books were published in Persian, Arabic, Urdu, English and Hindi-

- *Rajbhasha Patrika* (October-December 2018)
- *Advia Mufrada* (Arabic) by Shamim Irshad Azmi
- *Tazkere aur Tabsire* (Urdu) by Haneef Naqavi
- *Talmihat-e-Ghalib* (Urdu) by Prof. Shareef Husain Qasemi
- *Yaadgar Nama Maulana Abdus Salam Khan Rampuri* (Urdu) by Prof. Syed Hasan Abbas
- *Khaqani-i-Hind, Qa-'ani-i-asr Allama Asifi Nizami Rampuri* (Persian) by Imtiyaz Ali Arshi

- Publication List
- *Rampur Raza Library Newsletters* (Compiled issue of a year)
- *Rampur Raza Library Newsletters* (10th – 18th issues)
- *Annual Report* 2017-18 (Hindi & English)
- Booklet of Calligraphy

CONSERVATION & PRESERVATION

Conservation Laboratory conserved successfully a number of art objects on paper e.g. manuscripts, books, miniature paintings. Before conservation treatment of any object, photographic documentation is carried out in order to keep the proof of status of the art objects received and also it helps the conservator in the treatment and for future use too. The object is carefully examined and according to need, appropriate treatment is given to enhance the life expectancy of the objects for rare and valuable collections.

The conservation laboratory conserved one sculpture of Mirza Ghalib made up of Plaster of Paris, 1140 folia of damaged rare manuscripts and 1117 folia of old printed books successfully. The details of the conserved objects are enclosed in **Appendix VI (Page no. 71).**

BINDING

The Library has a binding section in which old and damaged bindings of books are repaired or replaced and newly purchased magazine and journals are bound. During the period, 35 manuscripts and 1265 books received new binding and repairs. Besides registers, note books, photo albums were also bound. For the binding of rare manuscripts and old printed books, binding section used acid free mount boards and hand made papers. Binding section is working under the supervision of conservation laboratory.

TRAINING/CONFERENCE

- Time to time, Conservation Laboratory imparts training on 'Method of Handling, Dusting and Transportation of Manuscripts and Printed Books' to the Dusting staff of Library. They are trained for the cleanliness and maintenance of books and art objects. They are also taught the safe transfer of manuscripts, books and various art objects of Rampur Raza Library.

- National Museum Institute, New Delhi organized an Annual Seminar of The Indian Conservation Fellowship Programme supported by Ministry of Culture, Government of India & The Andrew W. Mellon Foundation on 22nd& 23rd October

2018. Syed Tariq Azhar, Sr. Technical Restorer participated in the seminar from Rampur Raza Library.

MUSEUM WORK

Rampur Raza Library is running a museum in Darbar Hall of Hamid Manzil. The museum displays manuscripts, paintings, various art objects and specimens of calligraphy. It also curates exhibitions on different occasions and provides a beautiful view to the visitors with its stately grandeur. The gold embellished ceiling, life-size falcon marble statues, antique chandeliers, etc attract the visitors towards it and leads them to a dream world.

As the museum is continuously working for documentation & conservation of museum objects, following work is done during the year:

- Documentation of 160 rare coins.
- Preventive conservation of 82 art objects.
- Preparation of Captions & display of 83 museum objects.
- Verification of Museum objects.

SOCIAL PLATFORMS OF RAZA LIBRARY

At present, the knowledge is exchanged via technical or social media in the world. The facebook and twitter are such media and are being used on social sites across the world. All the organizations, government or private, are now active on these social sites.

As per the guidelines of Central Government, Rampur Raza Library has created page on facebook and twitter. The scholars, students and many knowledge seekers visit and like the Library's page on these social sites. Anyone can get the latest updates of the Library from these sites.

The Rampur Raza Library facebook page link is
https://www.facebook.com/Rampur-Raza-Library-796721687061917/

The link of Library's twitter account is
https://twitter.com/raza_library

Library has also created a **You Tube channel "Rampur Raza Library Ministry of Culture Government of India"**. On this channel, the videos of different programmes are uploaded.

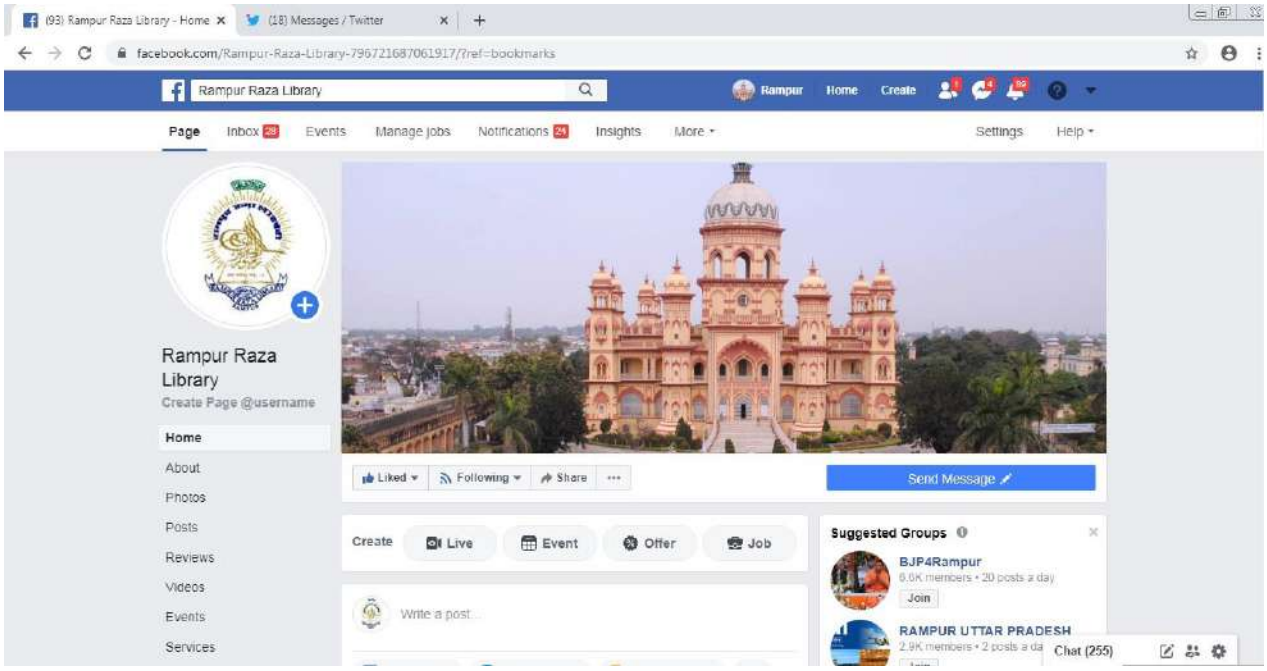

facebook page

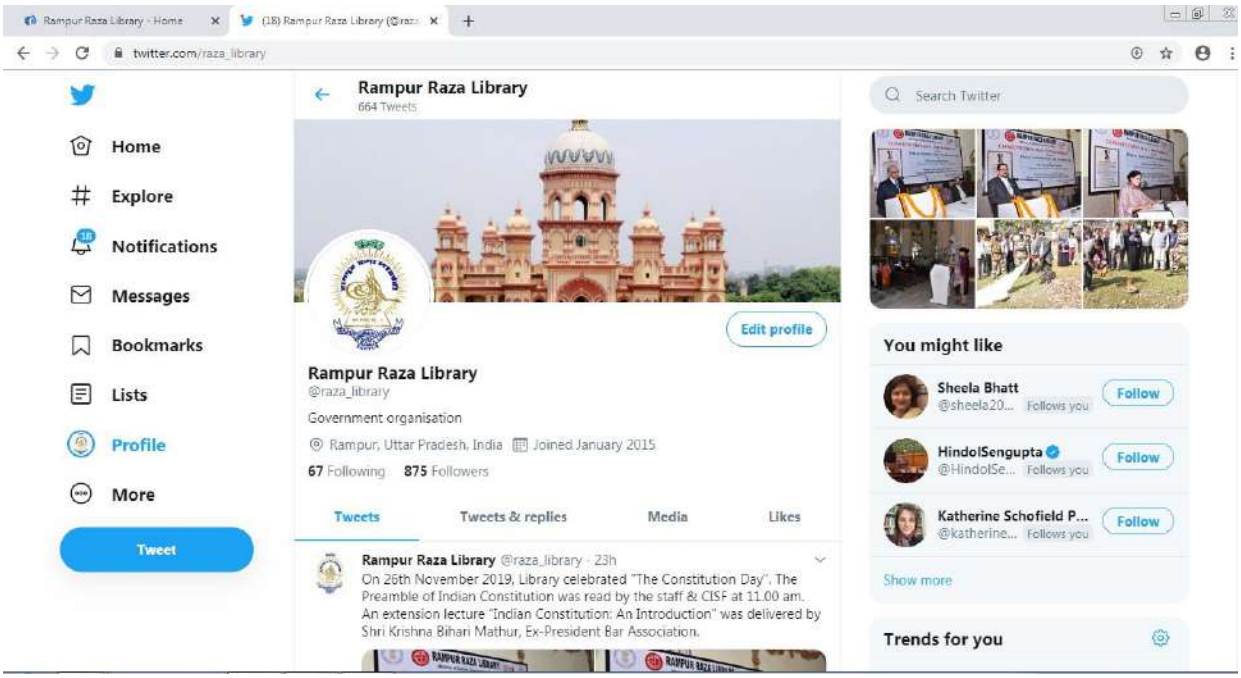

twitter page

DISTINGUISHED VISITORS

The Library is feeling proud to host a large number of visitors from all over the world. The important visitors and their comments about the Rampur Raza Library are as:

- Miss Shruti Shradha, Patna, Bihar visited on 8th April 2018. She wrote, "It was a exciting & knowledge gaining experience. I will carry this experience throughout my life."

- Miss Seher Agarwala, Columbia University, New York visited on 11th June 2018. She wrote, "I want to thank Prof. Abbas for granting me Permission to view Manuscripts. I genuinely feel that Raza Library is India's best Library, not only for the huge scope of its esteemed collection but also because everyone who works here cares and is very knowledgeable about the collection.
  I hope other Museums and Institutions will take note and follow the example Raza Library has set.
  Thank you."

- Miss. Rachel Cochran, UNC, College of Arts and Science, North Carolina at Chapel Hill visited on 14th June 2018. She wrote, "Many thanks to Prof. Abbas ad to all of the staff of Raza Library. Everyone who works here has been most welcoming and helpful and I can see that the staff is very knowledgable about the collection and cares deeply for its contents.It has been a pleasure to work here for the past several days. I hope to be able to return soon to continue research in this esteemed library.
  Many many thanks!"

- Miss Shalu & Shruti, Lakhrakia, Delhi visited on 21st June 2018. They wrote, "It was a very enriching tour, made even more special because of the inputs of everyone at library. Personally, a very meaningful experience. The rich collections we have in India must be preserved for future generations. Thank you so much"

- S.F.R. Quraishi, Afghanistan visited on 24th July 2018. He wrote, "The Raza Library which is located in Rampur, is one of the important and fertile libraries in the subcontinent of India, from the earliest time of Persian languages in India that can response our all earlier researches of Persian and Arabic sources.
  We hope that one day we could have the scan of all the manuscripts for our further convenience and researches."

- Prof. Ali Ahmad Fatmi, Allahabad University visited on 30th July 2018. He wrote, "I have visited Raza Library in the past and had been benefitted for my research from this library. Today also, it is a pleasing experience visited Rampur Raza

Library. Prof. Syed Hasan Abbas, a famous scholar of Persian and the present Director of Raza Library has played an important role in enhancing the activities and other works of library.

Today I am very pleased to see the research work, literature & pictures of Premchand exhibited here. I have never seen such vast collection anywhere else & this is the result of the tireless efforts of the Director. I am personally attached with Munshi Premchand. Best wishes to everyone."

- Shri Yashpal Chaudhary, Member, Rajbhasha Committee, Ministry of Culture, Govt. of India visited on 30th July 2018. He wrote, "Got the opportunity to visit Rampur Raza Library situated in Rampur. This library is extraordinary & amazing. It has a collection of rarest manuscripts, few religious manuscripts like Ramayana & Quran are also available here which are impossible to find anywhere else. Maintenance and preservation of manuscripts, ancient books & other ancient heritage is praiseworthy. I want to appreciate the Director as well as the staff of the library. Also wish the bright future for the library."

- Miss Alka Kaushik, Travel Journalist, Delhi-NCR visited on 7th August 2018. She wrote, "Just one recommendation install ACs all over the Library and museum so that this precious treasure is preserved for the generations to come."

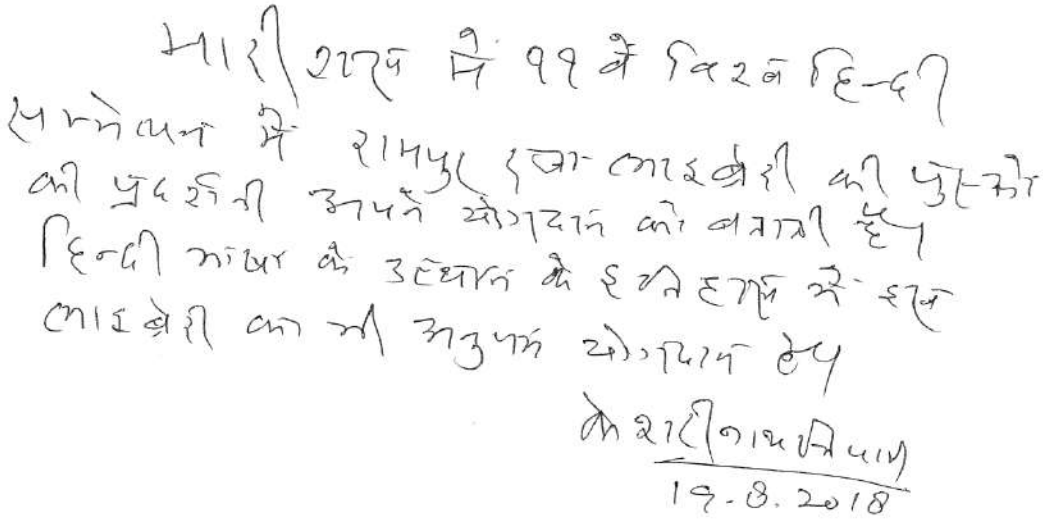
मारीशस में 11 वें विश्व हिन्दी
सम्मेलन में रामपुर रज़ा लाइब्रेरी की पुस्तकों
की प्रदर्शनी अपने योगदान को बताती है।
हिन्दी भाषा के उत्थान के इतिहास में इस
लाइब्रेरी का भी अनुपम योगदान है।
के. श्रीनाथ त्रिपाठी
19.8.2018

Comment of Shri Keshrinath Tripathi, Hon'ble Governor of West Bengal during 11th Vishv Hindi Sammelan (18th -21st August 2018) in Mauritius

- Miss Monika, Bangalore visited on 21st August 2018. She wrote, "Very delighted to see art, beauty and intellect come together in Raza Library. Thank you!"

- The Rt. Hon. Sheth Shri Nansey, Jamnagar visited on 2nd September 2018. She wrote, "It is a unique honour and privilege to be able to visiy the Raza Library and to see its collection and invaluable books and manuscrips

Rampur Rajgharana is to be thanked for Conserving, Preserving and making available to the people of our nation this unique heritage.
Government of India has done brilliant work in taking forward this beautiful collection.
Hope it will go on for the generations to come."

- Dr. Ehsanollah Shokrallahi, Director, Persian Research Center, New Delhi visited on 2nd September 2018. He wrote, "Today on Sunday, 2nd September 2018, I got the opportunity to participate & deliver the lecture on 'Prominence of Hafiz Shirazi in India' organized by Prof. Syed Hasan Abbas, Director, Rampur Raza Library. Viewed the priceless collection of Raza Library. Conservators and the people responsible for maintaining the collection are commendable. The publication & cataloguing of the manuscripts are never ending treasures."

- Miss Pratibha Saxena, Distrct Judge, Rampur visited on 8th September 2018. She wrote, "Today on 8th September 2018 got the opportunity to visit Rampur Raza Library. The manuscripts and books preserved here are amazing and unimaginable. Illustrations on the ancient manuscripts and books are very surprising. Here, there is not only the collection of books but also of the famous rare items which at present are impossible to be found anywhere else. In the preservation of books & manuscripts of Rampur Raza Library the efforts & dedication of the Director and the staff of Rampur Raza Library can be seen. This Library is on the second place in Asia, all because of complete efforts of the director & the staff. I want to praise the director of the Library and also wish for the bright future of the staff."

- Mr. K. P. Singh, GP Commandant, CISF, MHA visited on 25th September 2018. He wrote, "I am privileged to visit this historical library. Iam specially enthralled to see Holy Quran written by Hazrat Ali. Incredible!!
We must maintain our priceless heritage and culture as maintained in Europe and other Western nations.
A great place to see!!
Thankful to our Nawabs who created this priceless place!!
A big salute!!!".

- Prof. (Dr.) Mohd. Raza Nasiri, Sec. General, Academy of Persian Language & Literature, Tehran, Iran and Head, Dept. of History, Payam-e-Noor University, Gilan, Iran visited on 27th September 2018. He wrote, "On 27th September 2018, got the opportunity to visit priceless Rampur Raza Library. Saw the mesmerizing ocean of manuscripts. The knowledge & interest of my friend, Prof. Syed Hasan Abbas and his son, Dr. Naqi Abbas is praiseworthy. I pray for the increment in their literary works. There can be no one who doesn't get mesmerized by visiting

here and seeind the vast collection of rare manuscripts of the library. I hope to visit the library again in future."

- Shri Shiv Hari Meena, Supretindent of Police, Rampur visited on 14th October 2018. He wrote, "Today I visited Raza Library with my family. By entering into this library seems to enter into different world. The Darbar hall, pillars, collection of books and the old manuscripts are all unforgettable. As well as the efforts made by the Librarian & the supporting staff in maintaining this library are commendable. I wish & pray to God that this priceless heritage will keep on reminding the coming generations about the proud history of their ancestors."

- Mr. Parakhat H. Durdyev, Ambassador of Turkmenistan visited on 20th October 2018. He wrote, "It was a really an experience to visit RRL today where discovered enormous beauty of knowledge collection that is related to our common history. I am sure that we can do more in future to even deeper further our knowledge related to Turkmen-Indian Fraternal relations.The enourmity of task before any restorer must be appreciated & RRL artisans are doing just that. All the best in your good deeds & hope for deepining of bilateral cooperation .Thank you for giving us an opportunity to be in Sanctum Sanctorum."

Ambassador of Ukraine & Turkmenistan

- Dr. Igor Polikha, Ambassador of Ukraine & Mrs. Natalia Polikha visited on 20th October 2018. They wrote "Really impressed by this real gem of history, culture, art and architecture which is the incredible Raza Library. Thanks a lot for this profound demonstration of your unique, really impressive and most successful conservation efforts."

- Miss Renu Agarwala, Hydel office, Rampur visited on 22nd October 2018. She wrote, "Wonderful library, I have never seen such a beautiful and managed library. Feeling proud today to visit this. Everybody is so hardworking here and showed us with great passion and interest. I wish all the very best to all the employees, director sir and Mr. Arun Saxena. I would love to visit this place again. Thanks everybody for keeping and maintaining this Raza library so beautiful and safe. Keep it up. All the best. Thank you."

- Shri Balveer Singh, B.Ed. Lecturer, Dixit College, Rampur visited on 19th November 2018. He wrote, "Today I got the pleasant opportunity to visit Raza Library which is housing historical treasure. It is an amazing example of architecture and paintings.

- Dr. Ishaya Yoichi, Rikkyo University, College of Arts, Tokyo, Japan visited on 26 November 2018. He wrote, "Very nice library preserving precious Persian and Arabic manuscripts. In a historian specializing in as the science in the Islamic World. I came here to see the autograph manuscript by Nizam al-bin Nishapari Kashf al-Haqaiq-i-Zij-Ilkhanate The stay at this library is very fruitful due to the kindness of all the staff of this library. Thank you very much."

Dr. Kamiljan Rahimove, Al Beruni Institute, Tashkent visited
Library for his research

- Mr. Christoph Meyenburg, Minister Counsellor, Austrian Embassy, New Delhi visited on 15th December 2018. He wrote, "Coming to Rampur for the first time. I am simply overwhelmed by the beauty of these priceless objects and miniatures which truly represents a treasure of our valuable heritage. My heartfelt thanks for

enabling me to this privileged site which is my definite personal highlight of my time in India so far."

- Mr. S.L. Vaswani, Chairman, Skyline Institute of Engineering & Technology, Greater Noida visited on 23rd December 2018. He wrote, "I do not have words to praise, to comment on such a beautiful elegant and very professionately maintained. Library managed by verypoised persons always helpful. The collection of books is vast full of knowledge which can help the researchers in enhancing their works and calibers. Have seen number of libraries in India, Pakistan and other countries but this particular library stands tall. Almighty God may further bless the all persons to continue giving more knowledge and strength."

- Dr. Harish Trpathi, Principal Architect, Sukhdev Vihar, New Delhi visited on 30th December 2018. He wrote, "Excellent work is being done by the Raza Library. It is great service to the country that such treasures are being conserved which we would have lost forever. Best wishes to the conservation department."

- Miss. Mila Natif, Professor of Art History, The George Washington University, Washington D.C, USA visited on 7th January 2019. She wrote, "This is a magical place, with incredible people who are eager to help and support the scholarly work of the academic community in India and beyond. I am truly grateful for everything that we have seen here."

- Miss. Ayesha Sheth, PhD Student, South Asia Studies, University of Pensylvania visited on 13th January 2019. She wrote, "A well catalogued and preserved collection at the library. The staff is very helpful and knowledgeable about the collection. Both the manuscript section as well as the printed section has important material to study. The resources and support provided at the library will surely help in the scholar's research."

- Prof. Anna, UCLA, Los Angeles, USA, visited on 3rd February 2019. She wrote, "Superb work! Care and dedication and skill, preserving these precious materials for India. Wonderful!"

ACADEMIC AND CULTURAL ACTIVITIES

EXTENSION LECTURE

Rampur Raza Library organized an extension lecture **Dagh Dehlvi and Hyderabad** on 8th April 2018 at Rang Mahal. It was delivered by Prof. Fatima Begum, Former Head, Department of Urdu, Osmania University, Hyderabad. Prof. Iraq Raza Zaidi, Former Head, Department of Persian, Jamia Millia Islamia, New Delhi presided over the lecture.

SWACHHTA PAKHWADA

Rampur Raza Library initiated the Swachhta Pakhwada on 17th April 2018 with the **Pledge swearing ceremony** on 17th April 2018. The staff members swear to keep cleanliness in their surroundings, home, workplace, public places etc. and will contribute in Swachh Bharat Mission.

On 21st April 2018, **Tree Plantation** was done by Prof. Syed Hasan Abbas, Director, Dr. Abusad Islahi, Library & Information Officer and C.S.I.F. Incharge Shri Vishal Kumar. They aware the staff members regarding the importance and necessity of general cleanliness.

Library conducted **Cleanliness Drive** in Reading Room, Darbar Hall, printed books storage sections, galleries and other rooms during the Pakhwada. The unwanted plants were also removed form the premises of library.

WORKSHOP ON FIRE EXTINGUISHING

Rampur Raza Library organized a workshop on fire extinguishing on 8th May 2018. Shri D.P. Pujari, Assistant Commandant, Fire, Kasimpur, Aligarh, U.P. gave the knowledge about fire. He discussed on different types of fire, causes of fire & rescue method of fire in library. He also demonstrated the way of fire causing and use of various types of fire extinguisher.

EXHIBITION ON HOLY QURAN & ISLAMIC CALLIGRAPHIES

Rampur Raza Library organized exhibition of **Holy Quran and Specimens of Calligraphies** in Darbar Hall from 3rd to 21st June 2018. The exhibition was inaugurated

by Maulana Dr. Muzaffar Sultan Torabi, Moradabad and Dr. Shairullah Khan, Manager, Madrasa Furkaniya, Rampur.

INTERNATIONAL DAY OF YOGA

Rampur Raza Library organized a programme to practice Yoga on **Fourth International Day of Yoga - 21st June 2018**. Central Industrial Security Force (CISF), Raza Library Unit practiced Yoga with Library members in Conference Hall, Rang Mahal.

The programme initiated at 7.00 a.m. according to common Yoga Protocol by Ministry of Ayush, Government of India. Library staff and CISF Unit gathered and practiced Yoga by following the instructions of Mr. Vishal Kumar, CISF Incharge. The programme winded up with the recitation of National Anthem.

EXTENSION LECTURE

Rampur Raza Library organized an extension Lecture on **Maulana Abdus Salam Khan : Life & Works** on 24th June 2018 by Prof. Akhtarul Wasey, Chancellor, Maulana Azad University, Jodhpur. Prof. Iqtidar Mohd. Khan, Head, Dept. of Islamic Studies, Jamia Millia Islamia, New Delhi presided over the programme. Advocate Shri Nasiruddin Khan s/o Maulana Abdus Salam Khan presented some unknown facts about his father.

On this occasion, a publication of Library on Maulana Abdus Salam Khan, *Yadgaarnama Maulana Abdus Salam Khan* compiled by Prof. Syed Hasan Abbas and the other two books namely, *Ba-Khayaltu*, the poetic collection of Dr. Syed Naqi Abbas &*Rohilkhand ke Sufiyana Adab ka Tanqeedi Muta'leaa* by Dr. Mazhari Siddiqawere released.

BOOK RELEASE

On the occasion of 48th Board Meeting of Rampur Raza Library Board, Shri Ram Naik, Hon'ble Governor of Uttar Pradesh/Chairman, Rampur Raza Library Board and all the members released **Rampur Raza Library Newsletter** (Compiled issue- March 2017 to March 2018) on 17th July 2018 at Raj Bhawan, Lucknow.

EXTENSION LECTURE

Rampur Raza Library organized an extension Lecture **Relevance of Premchand in Present Era** on 29th July 2018 by Prof. Abul Kalam Qasmi, Former Head, Department of Urdu, Aligarh Muslim University, Aligarh. Shri Chowdhary Yashpal Singh, Member, Hindi Advisory Committee, Ministry of Culture, Govt. of India presided over the programme. Prof. Abdul Ali, Former Head, Department of Islamic Studies, Aligarh Muslim University,

Aligarh and Prof. Iqtidar Mohd. Khan, Head, Dept. of Islamic Studies, Jamia Millia Islamia, New Delhi also presented their views on the topic.

On the occasion, the three books namely, *Premchand ke Kahani Sanklan*, *Premchand ki Shesh Rachnaye – Vol. I* and *Premchand ke Upanyas* written by Dr. Pradeep Jain were released.

BOOK EXHIBITION

An exhibition on **Munshi Premchand: Famous Writer, Journalist & Freedom Fighter** commemorating his 138th birth anniversary from 29th July to 10th August 2018 was organized in Darbar Hall, Rampur Raza Library. It was inaugurated by Prof. Abul Kalam Qasemi, Former Head, Dept. of Urdu, Aligarh Muslim University and Prof. Abdul Ali, Former Head, Dept. of Islamic Studies, Aligarh Muslim University on 29th July 2018.

INDEPENDENCE DAY

Rampur Raza Library celebrated **72nd Independence Day** on 15th August 2018. Prof. Syed Hasan Abbas, Director unfurled the National Flag at Raza Library and saluted the flag with the staff amidst the chanting of National Anthem while the jawans of C.I.S.F of Raza Library Unit stood silent with their saluting arms. The staff members presented the patriotic songs and shared their views on Independence of the country.

11th VISHV HINDI SAMMELAN

11th Vishv Hindi Sammelan was held from 18th – 20th August 2018 at Goswami Tulsidas Nagar, Mauritius. It was organized by Ministry of External Affairs, Government of India. Mrs. Sushmita Swaraj, the then Minister of External Affairs presented the preface statement and Honorable Prime Minister of Mauritius, Shri Praveen Kumar Jagannath presented the welcome address at the inauguration of sammelan. Many organizations from India exhibited their publication in book exhibition during the Vishv Hindi Sammelan.

Rampur Raza Library also got an opportunity to participate in Hindi Sammelan for its excellent publications. In this book exhibition, *Ramayana, Madhumalti, Premchand ke Patr, Tulsinama, Rajbhasha Patrika (Premchand Visheshank), Rajbhasha Patrika, Humayunnama, Rampur Darbar and Nawabi Rasmein, Umra-e-Hinood, Ang-Darpan, Ras-Prabodh, Malushahi* etc. had been displayed.

SADBHAVANA DIVAS

The Birth Anniversary of Prime Minister Late Rajiv Gandhi is observed as Sadbhavana Divas every year on 20th August. This day is celebrated to promote National Integration &Communal Harmony among people of all religions, languages and regions; to avoid violence and to promote goodwill among the people.

Sadbhavana Divas is also celebrated by Rampur Raza Library on 20th August 2018. The Sadbhavana pledge was administered in the Library and all the employees of the Library took the pledge as:

"I take this solemn pledge that I will work for the emotional oneness and harmony of all the people of India regardless of caste, region, religion or language. I further pledge that I shall resolve all differences among us through dialogue and constitutional means without resorting violence."

EXTENSION LECTURE

Rampur Raza Library organized an extension Lecture **Prominence of Hafiz Shirazi in India** on 2nd September 2018 by Dr. Ehsanollah Shokrullahi, Director, Persian Research Centre, Iran Culture House, New Delhi. Prof. Zafar Ahmad Siddiqui, Department of Urdu, presided over the programme. Dr. Mehdi Baqar translated the lecture of Dr. Shokrullahi.

On this occasion, a book entitled *Tabsire aur Tazkire* by Prof. Haneef Naqwi was released.

HINDI PAKHWADA – 2018

The celebration of Hindi Pakhwara-2018 begins in Rampur Raza Library from 14th September 2018. The Library organized an **Exhibition of Rare Manuscripts and Old Printed Books of Hindi** from 15th to 28th September 2018, inaugurated by Prof. Rajmani Shukla, Director, Dixit College of Higher Education, Rampur.

The prizes were distributed on 29th September 2018 for the competitions held during Hindi Pakhwara in 2017.

SWACHHTA PAKHWADA (16th -30th September 2018)

Swachhta Pakhwada begins on 16th September with the display of banners, slogans & posters giving information regarding importance and necessity of cleanliness. Then it was followed by the **pledge taking ceremony** on 17th September by all staff and CISF unit personnel. The pledge was administered by Mr. Vishal Kumar, CISF Incharge. The staff members swear to keep cleanliness in their surroundings, home, workplace, public places etc. and will contribute in Swachh Bharat Mission.

Plantation was done by the staff and CISF personnel on 18th September 2018. Library conducted **Cleanliness Drive** in Reading Room, Darbar Hall, printed books storage sections, galleries, other rooms, terraces &lawns of both the building, etc. The old/ unused/unserviceable furniture & other items were removed and were deposited in store. The uwanted vegetation from Library campus was also removed.

The Library organized a symposium on **Role of an individual in keeping Society and Environment Clean** in Darbar Hall on 22nd September. The staff members actively participated in the symposium and share their views on Swachhta. St. Mary's Sr. Sec. School, Rampur was also present and some of the students participated in the symposium.

INDIA – UZBEKISTAN : DIALOGUE OF CULTURES

Ministry of culture organized an exhibition **India-Uzbekistan: Dialogue of Cultures** with the joint collaboration of National Museum, New Delhi, Embassy of Uzbekistan in India, National Association of Electronic Mass Media of Uzbekistan, Rampur Raza Library and Khuda Baksh Oriental Public Library, Patna at National Museum, New Delhi from 25th September to 24th October 2018.

The exhibition was inaugurated by Shri Arun Goel, Secretary, Ministry of Culture, Govt. of India, HE Sadyk Safaev, First Deputy Chairman of the Senate of Oliy Majlis of the Republic of Uzbekistan on 25th September 2018. Shri Farhod Arzeiv, Ambassador of

Uzbekistan to India, Shri Dr. B. R. Mani, Director General, National Museum New Delhi, Prof. Syed Hasan Abbas, Director, Rampur Raza Library, Director khuda Baksh Oriental Public Library were present at the event.

The main objectives of the exhibition was to explore the shared link in the respective histories of Uzbekistan and India; to foster a dynamic exchange with academic, technical and professional partners on effective approaches to cataloguing and management of cultural artefacts and their conservation and preservation; and to promote and encourage the use of the manuscripts for academic and research purposes.

The exhibition showcases coins and artifacts from the royal mints of Kushan period, manuscripts and paintings of shared cultural heritage of India & Uzbekistan made in different time epoch covering religious and scientific subjects. The exhibits from Rampur Raza Library are paintings from the manuscripts like Tohfatul Ahrar (1492 AD), Majalis-ul-Ushhaq (1580 AD), Diwan-i-Hafiz (1390 AD), Diwan-i-Babur (Early 16th century), portrait of Babur (Early 16th century), portrait of Abdullah Khan (1610 AD) and House of Taimur (18th century).

The Indo-Uzbekistan joint celebrations were dedicated to the State visit of the President of the Republic of Uzbekistan Shri Shavkat Mirziyoyev to the Republic of India. This also includes the Media Event and a seminar organized on 25th September at National Museum. Dr. S. Naqi Abbas gave a presentation on the collection of Rampur Raza Library in the said seminar.

EXTENSION LECTURE

Extension lecture **Persian Manuscripts: Common Heritage of India & Iran** delivered by Prof. Mohd. Reza Nasiri, Secretary General, Academy of Persian Language and Literature, Tehran, Iran & Head, Department of History, Payam-e-Noor University, Gilan, Iran on 27th September 2018. The programme was presided over by Prof. Hasan Ahmad Nizami, Former Head, Department of Urdu, Govt. Raza P. G. College, Rampur.

On this occasion, the Urdu translation of a book entitled *Ilm-ul-Adviya* by Najibuddin Samarqandi was released. The translation of this book was done by Hakim Shamim Irshad Azmi.

GANDHI JAYANTI

In remembrance of Father of the Nation, Rampur Raza Library celebrated Gandhi Jayanti on 2nd October 2018. Mr. Vishal Kumar, CISF Incharge administered the pledge for non-violence and cleanliness. The staff members celebrated Gandhi Jayanti by presenting their views and patriotic songs.

The library also displayed an exhibition of books and photographs related to Mahatma Gandhi from 2nd to 14th October 2018. The exhibition showcases the life memoirs of Gandhi and it was inaugurated by Shri Mahendra Bahadur Singh, the then District Magistrate of Rampur.

RAMPUR RAZA LIBRARY AWARDS CEREMONY

Rampur Raza Library, every year honours individuals for outstanding contribution in Arabic, Persian, Sanskrit, History, Arts, Journalism and publication with awards namely, Nawab Faizullah Khan Award, Nawab Raza Ali Khan Award, Munshi Naval Kishore Award and Maulana Mohd Ali Jauhar Award (Senior & Junior). This year, the following scholars were awarded with the above mentioned awards:

Name of Award	Subjects	Receipient of Award
Nawab Raza Ali Khan Award 2015-16	Sanskrit	Dr. Nahid Abidi (U.P.)
Nawab Faizullah Khan Award 2016-17	History	Dr. Muhammad Ziauddin Ahmad Shakeb (Hyderabad)
Nawab Raza Ali Khan Award 2016-17	Persian	Prof. Sharif Husain Qasemi (Delhi)
Munshi Naval Kishore Award 2016-17	Urdu publication	Alhasnat Books Pvt. Ltd. (New Delhi)
Maulana Mohd Ali Jauhar Award (Senior) 2016-17	Journalism	Shri Ahmad Saeed Malih Abadi (Kolkata)
Maulana Mohd Ali Jauhar Award (Junior) 2016-17	Journalism	Dr. Abhinav Upadhyay (Delhi)

The Award Ceremony was held at Raj Bhawan, Lucknow on 4th October 2018 and Shri Ram Naik, Honorable Governor of Uttar Pradesh and Chairman, Rampur Raza Library Board honoured scholars with Rampur Raza Library Awards.

EXTENSION LECTURE

Rampur Raza Library organized an extension lecture **Mahatma Gandhi and Urdu Adab** delivered by Prof. Ali Ahmad Fatmi, Department of Urdu, Allahabad University, Allahabad on 14th October 2018. The programme was presided over by Shri Jagdish Piyush, the then Member, Rampur Raza Library Board.

BOOK EXHIBITION ON SIR SYED AHMAD KHAN

Rampur Raza Library organized an exhibition of books to commemorate the birth anniversary of Sir Syed Ahmad Khan from 17th to 25th October 2018. The exhibition was inaugurated by Dr. Mumtaz Arshi and Dr. Abusad Islahi, Library & Information Officer.

BOOK EXHIBITION ON RAMAYANA

Rampur Raza Library organized an exhibition of **Rare manuscripts and books of Ramayana** on the occasion of birth anniversary of Maharishi Valmiki from 23rd to 30th October 2018. The exhibition was inaugurated by Shri Viresh Bheem Anarya, Chairman, Indian Valmiki Religion Society and Prof. Syed Hasan Abbas, Director.

NATIONAL UNITY DAY

National Unity Day (Rashtriya Ekta Diwas) was introduced by the Government of India and inaugurated by Prime Minister Shri Narendra Modi in 2014 with intent to pay tribute to Sardar Vallabhbhai Patel, who played significant role in unification of India. It is to be celebrated on 31st October every year as an annual commemoration of the birthday of the Iron Man of India, Sardar Vallabhbhai Patel , one of the founding leaders of Republic of India.

Library observed **National Unity Day** and organized an exhibition on Sardar Vallabhbhai Patel in Darbar Hall. The exhibition was inaugurated by Dr. R. P. Yadav, Principal, Govt. Raza P.G. College, Rampur.

Floral tribute to Sardar Patel was offered by Dr. R. P. Yadav and Prof. Syed Hasan Abbas, Director, Rampur Raza Library.

Rampur Raza Library staff took pledge to stand for Unity and Integrity of our beloved country during Rashtriya Ekta Diwas celebration. Mr. Vishal Kumar, CISF Incharge administered the pledge.

Unity Walk programme was held in the Library. Dr. R. P. Yadav, Prof. Syed Hasan Abbas, Dr. Sahdev Yadav, Dr. Arshad Rizvi, all the employees of Library, CISF personnel and the visitors took part in the programme very actively.

COMMUNAL HARMONY CAMPAIGN WEEK

National Foundation for Communal Harmony (NFCH), Ministry of Home Affairs provides financial assistance to the children who become destitute/orphans in communal, caste, ethnic or terrorist violence. The foundation raises funds from various partners/donors on voluntary basis.

Communal Harmony Campaign Week is observed every year from 19th to 25th November. The last working day of the week is observed as 'The Flag Day' of the foundation and this year, 22nd November was observed as 'Flag Day'.

Library observed **Communal Harmony Campaign Week** from 19th to 25th November 2018 with enthusiasm and fervour. The Library organized an exhibition of books from different religions and arranged a box for collecting donation for destitute children affected by communal, caste, ethnic or terrorist violence and the box is kept in Darbar Hall where the visitors can easily notice it.

The library also distributed stickers of National Flag among children for promotion of national integrity on 22nd November 2018.

SWACHHTA PAKHWADA BY CISF

Swachhta Pakhwada was observed by CISF Unit, Rampur Raza Library from 1st to 15th December 2018. During the pakhwada, Mr. Vishal Kumar, CISF Incharge with the team of CISF personnel conducted cleanliness drives at many sites of library and other places outside Library campus in the city.

CULTURAL LEGACY OF UZBEKISTAN IN THE WORLD COLLECTIONS

Prof. Syed Hasan Abbas, Director Rampur Raza Library, participated in the International conference 'Cultural Legacy of Uzbekistan in the World Collections' organized by the National Association of Electronic Mass Media of Uzbekistan (NAEMM) in Tashkent on 10-11th December 2018 and presented his paper on *Uzbekistan's Cultural Legacy in Rampur Raza Library Collections*. The said institution invited scholars across the globe on own expenses to show its Cultural and Literary relations.

Talking about the Indo-Uzbek Cultural and Literary relations, Prof. S. Hasan Abbas introduced the paintings and manuscripts related to Cultural Legacy of Uzbekistan preserved in Rampur Raza Library Collections elaborately through power-point presentation.

It is worth-mentioning that 10 new volumes of the album-series of the Cultural Legacy of Uzbekistan in the World Collections series, as well as documentaries were released during the conference.

In addition NAEMM came forth to join hands with Rampur Raza Library to catalogue and publish similar albums of Uzbekistan's Cultural Legacy in India – starting with Rampur Raza Library.

Furthermore, a permanent exhibition of the project **Cultural Legacy of Uzbekistan in the World Collections** was opened at the State Museum of Temurids, Tashkent. *Zafar-nameh* and a gift set of facsimiles of 100 Masterpieces of Oriental manuscripts from collections of libraries of Europe and Russia were released during the conference which shows the progress of the project. NAEMM has also promised to gift a set of all the above-mentioned works to Rampur Raza Library in coming days.

INTERNAL SEMINAR

Rampur Raza Library organized an Internal Seminar on the topic **India's Invaluable Academic Collection : Rampur Raza Library** on 30th December, 2018. Dr. Shayarullah Khan, Manager, Madrasa Furqaniya, Rampur presided over the seminar. 11 participants presented their papers namely, Dr. Mohd. Irshad Noganwi, Syed Naved Qaiser Shah, Nazma Bi, Sanam Ali Khan, Shabana Afsar, Dr. Tabassum Sabir, Dr.Preeti Agarwal, Sajida Sherwani, Shazia Hasan, Sanobar Shah Khan and Nida Farheen.

NATIONAL VOTERS DAY

The National Voters Day (NVD) is celebrated all over the country on January 25 every year since 2011 to mark the Foundation day of Election Commission of India, which was established on this day in the year 1950. The main purpose of the NVD celebration is to encourage, facilitate and maximize the enrollment, especially for the new voters. Dedicated to the voters of the country, the Day is utilized to spread awareness among voters for promoting informed participation in the electoral process.

The members of CISF, Rampur Raza Library Unit celebrated the National Voters Day on 25th January 2019.

REPUBLIC DAY

The 70th anniversary of India's **Republic Day** was celebrated in Rampur Raza Library on 26th January, 2019. Prof. Syed Hasan Abbas, Director, unfurled the National Flag at the main gate of Raza Library and saluted the National Flag amidst the chanting of National Anthem while the C.I.S.F. jawans of Raza Library Unit stood silent with their saluting arms. A cultural programme marked this occasion. Staff members of the Library

delivered speeches and rendered patriotic songs. On this occasion, the building of the Library was illuminated with colourful lights.

NATIONAL SEMINAR

Rampur Raza Library organized the National Seminar on "Contribution of Rampur State in Development of Art, Culture & Literature" from 29th to 31st January 2019. The seminar was inaugurated by Prof. Hakim Syed Zillur Rahman, Founder, Ibn-i-Sina Academy, Aligarh and Prof. Azarmi Dukht Safavi, Former Director, Persian Research Institute, Aligarh. The programme was presided by Prof. Akhtarul Wasey, President (VC), Maulana Azad College, Jodhpur. Prof. Syed Hasan Abbas, Director, Rampur Raza Library presented the welcome address.

The Three Day National Seminar on "Contribution of Rampur State in Development of Art, Culture and Literature" winded up on 31st January 2019 with the Valedictory Session. The Valedictory session was presided over by Prof. Mahrukh Mirza, Vice-Chancellor, Khwaja Moinuddin Chishti Urdu Arabi Farsi University, Lucknow. The scholars from different places of country presented 70 research papers.

MARTYR'S DAY

The staff members of the Rampur Raza Library assembled on January 30th, 2019 on the occasion of **Martyr's Day**. At the main gate of the Library, all staff members and the C.I.S.F. unit observed silence for two minutes at 11.a.m. to pay homage to Father of Nation Mahatma Gandhi on his 71th death anniversary.

WORKSHOP ON CPR

Rampur Raza Library and Central Industrial Security Force, Raza Library Unit jointly organized a workshop on Cardio-pulmonary Resuscitation (CPR) on 5th February 2019 in Conference Hall, Rang Mahal, Rampur Raza Library. Dr. Juhi Mohanti and Dr. Ridhima Gupta from CRPF demonstrated the technique of CPR.

Dr. Juhi states that Cardiopulmonary resuscitation (CPR) is a lifesaving technique. It aims to keep blood and oxygen flowing through the body when a person's heart and breathing have stopped. CPR can be performed by any trained person. It involves

external chest compressions and rescue breathing. CPR performed within the first six minutes of the heart stopping can keep someone alive until medical help arrives.

EXTENSION LECTURE

Rampur Raza Library, Rampur organized an Extension Lecture delivered by Dr. Geeti Sen, Art Historian and Former Director, Indian Cultural Centre, Nepal on "Mughal Paintings : A Historical Narrative" on 17th March 2019. The Lecture was presided over by Prof. Syed Hasan Abbas, Director, Rampur Raza Library.

In her lecture, she focused on the development of mughal paintings. She said, Mughal Emperors played a significant role in the development of mughal paintings in India. In these paintings, scenes from battles, hunting, forests, mythology, royal lifestyle, etc. are depicted and these paintings become the important source to describe the mughal era.

WORKSHOP ON PREVENTIVE CONSERVATION OF MANUSCRIPTS

The Workshop-cum-Awareness programme was organized by Rampur Raza Library, Rampur and supported by National Mission for Manuscripts, New Delhi, Ministry of Culture, Govt. of India on 24th March 2019 at Conference Hall, Rang Mahal, Rampur Raza Library. The Chief Guest, Prof. S. M. Azizuddin Husain, Former Head, Dept. of History, Jamia Millia Islamia, New Delhi inaugurated the workshop.
The Inaugural session started with Tilawat-e-Quran by Mr. Zeeshan Khan and recitation of Naat by Syed Naved Qaiser Shah Khan. Prof. Syed Hasan Abbas welcomed the Chief Guest Prof. S.M Azizuddin Husain by presenting him the bouquet. The programme was conducted by Mrs. Shabana Afsar, Conservator, Rampur Raza Library.

The objective of workshop was to create an awareness regarding the Manuscript Conservation Centre which is running in Rampur Raza Library as well as to make participants understand the factors of deterioration, their corresponding effects on Manuscripts, monitoring the environmental conditions such as relative humidity, light and temperature, proper handling, storage and the preventive conservation measures required to be taken to protect the manuscripts.

The members of Conservation Laboratory, Rampur Raza Library delivered the lectures and gave the practical demonstrations of the various technique of Preventive Conservation of Manuscripts.

Practical demonstration of Insecticidal paper preparation

30 participants from different Madarsas, Government and Private Institutions, Research Scholars as well as the staff members of Rampur Raza Library, participated in the workshop/ awareness programme.

NATIONAL SEMINAR

Rampur Raza Library and National Council for Promotion of Urdu Language, New Delhi jointly organized one day National Seminar "Contribution of Maulana Arshi to Urdu, Arabic & Persian Literature" on 31st March 2019.

The seminar was inaugurated by Prof. Khan Mohd. Atif, Rtd. Professor, Dept. of Persian, Lucknow University, Lucknow, Prof. M.A. Alvi, Dean, Faculty of Arts, Aligarh Muslim University, Aligarh, Prof. Shareef Husain Qasemi, Former Head, Dept. of Persian, Delhi University, Delhi, Prof. Wahajuddin Alavi, Dean, Faculty of Arts, Jamia Millia Islamia, New Delhi, Dr. Mumtaz Arshi and Dr. Najaf Arshi. The programme was presided by Prof. Akhtarul Wasey, President (VC), Maulana Azad College, Jodhpur. Prof. Syed Hasan Abbas, Director, Rampur Raza Library presented the welcome address.

BOOK FAIRS

1. Library participated in **Kishanganj Book Fair** organized by National Council for Promotion of Urdu Language (NCPUL) from 7th to 15th April 2018 at Ruidhasa Ground, Kishanganj.

2. Library participated in **Mumbai Book Fair** organized by Anjuman-i-Islam M. H. Saboo Siddiq Polytechnic, Mumbai from 26th to 28th April 2018. Dr. Qureshi A.K., Principal, Anjuman-i-Islam's M.H. Saboo Siddiq Polytechnic and Ms. Zaibunnisa Malik, Principal Aidd section and H.O.D., Computer Engineering Department inaugurated the book stall of Rampur Raza Library.

3. Library participated in **Book Fair organized by Khwaja Moinuddin Chishti Urdu Arabi Farsi University**, Lucknow from 30th April to 3rd May 2018. The book fair was inaugurated by Prof. Rita Bahuguna Joshi, Cabinet Minister, Ministry of Women & Child Development and Tourism Ministry, Government of Uttar Pradesh.

4. On the occasion of 3rd Convocation Ceremony 2018 of Khwaja Moinuddin Chishti Urdu Arbi Farsi University, Lucknow, Rampur Raza Library organized a book stall of its publications on 30th August 2018. Shri Ram Naik, Hon'ble Governor of Uttar Pradesh inaugurated the book stall. Prof. Mahrukh Mirza, Vice-Chancellor, Khwaja Moinuddin Chishti Urdu Arbi Farsi University, Prof. Syed Hasan Abbas, Director, Mohd. Zafar Khan, Publication Incharge, Rampur Raza Library, other eminent persons and scholars were present at the event.

   The Library exhibited publications like *Jamiut Tawarikh, Nadirat-e-Shahi, Baburnama, Tarikh-e-Akbari, Kalam-i-Zaamin, Valmiki Ramayana, Tulsinama, Dastarul Fasahat, Premchand ke Patr, Maulana Imtiyaz Ali Arshi ki Ghalib Shanasi, Hamari Tibb mein Hinduon ka Sajha, Al-Mujallad al Alis (II), Adviya Mufrida*, etc at the stall. The scholars, researchers & general visitors appreciated the publications.

5. During **Jash-e-Rekhta 2018**, Library organized a book fair at Dhayan Chand Stadium, New Delhi from 14th to 16th December 2018.
6. Library participated in Book fair organized during **Gorakhpur Mahotsav** from 11th to 17th January 2019. The book fair was inaugurated by Hon'ble Governor of Uttar Pradesh, Shri Ram Naik.

7. Library participated in **12th All India Urdu Book Fair** organized by West Bengal Urdu Academy from 20th to 29th January 2019.

STUDY TOURS

1. As a part of Study tour, Spice Senior Sec. School, Nawabganj, Bareilly, UP visited Rampur Raza Library on 26th May 2018. Students saw the Library collection through a presentation. They were amazed by the Library building, garden & its collection.

2. The students & teachers from St. Mary's Sr. Sec. School, Rampur visited Rampur Raza Library on 22nd September, 2018. They viewed the exhibition organized during Hindi Pakhwara in Rampur Raza Library and participated in a Symposium conducted by the library in respect of Swachhta Pakhwada.

3. The batch of Female CRPF trainees visited Rampur Raza Library on 8th December 2018. The trainees appreciated the conservation work of Library and were very much delighted to be in Library campus.

CONDOLENCE MEETINGS

1. A condolence meeting was held on 19th July 2018 at Rampur Raza Library on the death of Gopaldas Saxena 'Neeraj'. The staff members remain silent for two minutes and prayed for the departed soul.

   He was born on 4 January 1925 in the village of Puravali, near Mahewa in Etawah district, Uttar Pradesh. He was an Indian poet of Hindi Kavi Sammelan and author

of Hindi Literature. He wrote under the pen name "Neeraj". He was awarded the Padma Shri in 1991 and Padma Bhshan in 2007. Several poems and songs written by Neeraj have been used in Hindi movies. He wrote songs for several Hindi films and was proficient in both Hindi and Urdu. He has also participated in Kavi Sammelan organized during Hindi Pakhwara in Rampur Raza Library on 30th September 2012.

2. On the sad demise of Shri Atal Bihari Vajpayee (25th December 1924 – 16th August 2018), Former Prime Minister of India, a condolence meeting was held in the Library on 23rd August 2018. The staff members observed silence for two minutes and prayed for the departed soul to rest in peace. The staff members memorise his contribution towards the nation.

PROGRAMMES/ACTIVITIES PARTICIPATED IN BY DIRECTOR

1. Prof. Syed Hasan Abbas, Director, Rampur Raza Library participated in Two Day National Seminar on "Bengal ka Rasai Adab" on 27th & 28th April 2018 organized by Department of Urdu, Kidderpore College in collaboration with West Bengal Urdu Academy.

2. Prof. Syed Hasan Abbas, Director, Rampur Raza Library participated in Two Day National Seminar on "Contribution of Madrasas in Persian Language & Literature" on 7th & 8th May 2018 organized by Department of Persian, Maulana Azad National Urdu University, Hyderabad. He presented Keynote address at the inauguration of the seminar.

3. Prof. Syed Hasan Abbas, Director, Rampur Raza Library participated in Two Day National Seminar on "Academic & Cultural Relations of Urdu and Persian" on 10th & 11th May 2018 organized by Department of Persian, Delhi University, Delhi.

4. Director, Rampur Raza Library delivered a lecture on Khusrau during "Jashn-e-Khusrau Darpan" organized by Insha Publications, Kolkata on 30th June 2018 at Maulana Azad Seminar Hall, 3rd floor, ICCR, Kolkata.

5. Director, Rampur Raza Library presided over the book release function of *Main Tumhe Gaata Rahunga (Kishan Saroj Collection)* by Writer & Critic Dr. Pradeep Jain. The programme was host by Shabsatta on 29th November 2018 at Karan Bhai Conference Hall (Gandhi Campus), Lucknow and the Chief Guest was Dr. Sadanand Prasad Gupt, Chairman, Uttar Pradesh Hindi Institute.

6. On 11th December 2018, Prof. Syed Hasan Abbas delivered a lecture at the Lal Bahadur Shastri Center for Indian Culture (ICCR), Embassy of India, Tashkent,

Uzbekistan on Persian Calligraphy. His presentation included over 50 valuable specimen of Persian Calligraphy in Rampur Raza Library collections. Prof. Chandar Shekhar (Director, Lal Bahadur Shastri Center), in his remarks on Prof. Abbas's presentation, promised to organize an exhibition of Persian Calligraphy jointly with Rampur Raza Library in Lal Bahadur Shastri Center for Indian Culture, Tashkent in near future.

7. Director delivered an extension lecture on Persian Language in Department of Urdu- Persian, Veer Kunwar Singh University, Ara, Bihar on 21st December 2018. Smt. Aasha Rani, Dean, Faculty of Minorities, Veer Kumar Singh University presided over the programme.

8. To commemorate 150 Years of Mirza Ghalib and on the occasion of Golden Jubilee of Ghalib Institute, two day National Seminar "150 years of Ghalibiyat" was organized on 16th & 17th February 2019. Prof. Syed Hasan Abbas presented his paper in said seminar.

9. Prof. Syed Hasan Abbas, Director, Rampur Raza Library presented Keynote address in Two Day National Seminar on "Contribution of Madrasas in Indian Culture, Arts & Literature" on 6th & 7th March 2019 organized by Maulana Azad National Urdu University, Hyderabad.

Appendix I

List of Directors/OSDs of Rampur Raza Library

S.No.	Name	Designation	Period
1.	Maulana Imtiyaz Ali Khan Arshi	Director	July 1st, 1975 to February 24th, 1981
2.	Shri Akbar Ali Khan Arshizada	Additional Director	February 25th, 1981 to April 22d, 1984
3.	Shri Hemraj Sood	Officer on Special Duty	April 23rd, 1984 to October 7th, 1991
4.	Shri Arvind Kumar Dwivedi, PCS	Officer on Special Duty	October 8th, 1991 to June 2nd, 1992
5.	Shri Chandra Mohan Singh Bisht, PCS	Officer on Special Duty	June 3rd, 1992 to June 1993
6.	Shri R.C. Singh, IAS	Officer on Special Duty	June 1993 to August 15th, 1993
7.	Dr. W.H. Siddiqi	Officer on Special Duty	August 16th, 1993 to May 19th, 2009
8.	Prof. Shah Abdus Salam	Officer on Special Duty	May 20th, 2009 to November 19th, 2011
9.	Dr. Balkar Singh, IAS	Officer on Special Duty	November 20th, 2011 to March 20th, 2012
10.	Shri Anil Dhingra, IAS	Officer on Special Duty	March 20th, 2012 to April 2nd, 2012
11.	Prof. S.M. Azizuddin Husain	Director	April 3rd, 2012 to August 9th, 2015
12.	Shri Sanjiv Mittal, Joint Secretary, Ministry of Culture	Director	August 9th, 2015 to March 7th, 2016
13.	Ms. Deepika Pokharna, Director Libraries, Ministry of Culture	Director	March 22nd, 2016 to February 20th, 2017
14.	Prof. Syed Hasan Abbas	Director	February 21st, 2017 to till date.

Appendix II
RAMPUR RAZA LIBRARY BOARD

1. **Shri Ram Naik** — Chairman
   Honorable Governor of Uttar Pradesh
   Raj Bhawan, Lucknow (Uttar Pradesh)

2. **Director / DS In-charge of Libraries** — Member
   Ministry of Culture, Government of India
   Shastri Bhawan
   New Delhi – 110001

3. **Nawab Mohammad Ali Khan alias Murad Mian** — Member
   252, Casa Del Sol
   Opp. Goa Marriott Resort Miramar,
   Panaji, Goa – 403001

4. **Dr. Khalid Anwar** — Member
   4/136, Lalita Park
   Laxmi Nagar
   New Delhi – 110092

5. **Shri Jagdish Piyush** — Member
   Sirijan Peeth Gouriganj
   Sultanpur (Uttar Pradesh)

6. **Prof. S. I. R. Zaidi** — Member
   Head, Department of Persian
   Jamia Millia Islamia
   New Delhi – 110025

7. **Prof. Iqtedar Mohd. Khan** — Member
   Head,
   Department of Islamic Studies
   Jamia Millia Islamia New Delhi – 110025

8. **Shri Naseer Ahmad Khan** — Member
   S/o Mohammad Shah Khan
   Mohalla Beriyan Aqab Mahal Saiayan
   Rampur (Uttar Pradesh)

9. **Prof. Abdul Ali** — Member
   Former Chairman
   Department of Islamic Studies
   Aligarh Muslim University
   Aligarh (Uttar Pradesh)

10. **Principal Accountant General** — Ex-Officio Member
    (General & Social Sector Audit)
    Satyanishtha Bhawan,
    15 – A, Dayanand Marg
    Allahabad - 211001 (Uttar Pradesh)

11. **District Magistrate** — Ex-Officio Member
    Rampur (Uttar Pradesh)

12. **Director** — Member-Secretary
    Rampur Raza Library
    Rampur (Uttar Pradesh)

ADMINISTRATIVE AND FINANCIAL AFFAIRS COMMITTEE

Prof. Chandra Shekhar
Former Head, Department of Persian
Delhi University
Delhi

Prof. Wajeehuddin
Former Head, Department of Urdu,
Persian & Arabic
Siyaji Rao Gaekwad University
Vadodara, Gujarat

Prof. Iraq Raza Zaidi
Former Head, Department of Persian
Jamia Millia Islamia, New Delhi

Dr. Gulfishan Khan
Department of History
Aligarh Muslim University
Aligarh

Treasury Officer
Collectrate
Rampur (Uttar Pradesh)

Director
Rampur Raza Library
Rampur (Uttar Pradesh)

ACADEMIC AFFAIRS AND PUBLICATION COMMITTEE

Prof. S. M. Azizuddin Husain
Department of History
Jamia Milia Islamia
New Delhi

Prof. Shahzad Anjum
Department of Urdu
Jamia Milia Islamia, New Delhi

Dr. G. S. Khwaja
Former Director Epigraphy (Arabic & Persian Inscriptions)
ASI, Nagpur

Prof. Vazeer Hasan
Department of Arabic
Banaras Hindu University, Varanasi

Prof. Shahabuddin Saqib
Department of Urdu
Aligarh Muslim University, Aligarh

Director
Rampur Raza Library
Rampur (Uttar Pradesh)

CONSERVATION SUB-COMMITTEE

Shri Ram Pravesh
Former Director (Conservation)
National Museum Institute
New Delhi

Shri Ram Swaroop
Assistant Director of Archives (Preservation)
National Archives of India, Delhi

Shri Nizamuddin Tahir
Supritending Archaelogist
Archaeological Survey of India
Janpath, New Delhi

Dr. M.A. Haque
Deputy Director
National Archives of India
Delhi

Director
Khuda Baksh Oriental Public Library
Patna

Director
Rampur Raza Library
Rampur (Uttar Pradesh)

COMMITTEE TO ADVISE TO PURCHASE RARE MANUSCRIPTS AND OTHER ART OBJECTS ETC.

Shri Uday Shankar Dubey
Manuscript Expert
Sahitya Kutir, Kathari Bazar
P.O. Khamariya, Distt. Bhadohi

Prof. Talha Rizvi Barq
Former Head, Dept. of Persian& Urdu
Vir Kunwar Singh University
Ara, Bihar

Prof. M. A. Alavi
Dean, Facaulty of Arts
A.M.U. Aligarh

Prof. Aleem Ashraf Khan
Former Head, Department of Persian
Delhi University
Delhi

Prof. Nasim Ahmad
Former Head, Dept. of Urdu
B.H.U. Varanasi

Director
Rampur Raza Library
Rampur

Appendix III

CATALOGUES

1. Catalogue of Arabic Manuscripts Vol. I, II, III, IV, V & VI (English) by Maulana Imtiyaz Ali Khan 'Arshi', Former Director
2. Catalogue of Arabic Manuscripts Vol. VII,VIII, IX, X & XI (English)
3. Catalogue of Sanskrit Manuscripts of Rampur Raza Library (Sanskrit)
4. Catalogue of Sanskrit Manuscripts Vol. I & II (English)
5. Catalogue of Urdu Manuscripts Vol. I (Urdu)
6. Catalogue of Urdu Manuscripts Vol. I (English)
7. Catalogue of Pushto Manuscripts (English)
8. Catalogue of Turkish Manuscripts (English)
9. Catalogue of Persian Manuscripts Vol. I, II & III (Persian)
10. Catalogue of Persian Manuscripts Vol. I, II & III (English)
11. Catalogue of Manuscripts of Tibb, Arabic, Persian and Urdu (English)
12. Catalogue of Islamic Calligraphy of Rampur Raza Library
13. Catalogue of Exhibited Paintings of Rampur Raza Library (English)

Appendix IV
List of scholars who utilize the library services

The eminent national & international scholars were:

1. Mrs. Gazala Bi, Civil lines, Rampur
2. Mr. Syed Mustafa Husain Naqvi, Noore Hidayat Foundation, Lucknow
3. Prof. Sharif Husain Qasmi, D 23-H Nizamuddin East New Delhi
4. Mr. Shahid Alam, JNU, New Delhi
5. Mr. Sarwar Gulam, National Archives, New Delhi
6. Dr. S. Naqi Abbas, Delhi University, New Delhi
7. Dr. Tarana Khan, Civil Lines, Rampur
8. Ms. Seher Agarwala, Columbia University, Newyork
9 Ms. Rachel Cochran, UNC College of Arts & Science, North Carolina at Chapel Hill
10. Mrs. Mahjabeen Omer, Dept. of Persian, Jamia Milia Islamia, New Delhi
11. Mr. Majid Mohammad Al Hakamy, Saudi Arabia
12. Mr. Habibullah Omar, Saudi Arabia
13. Mr. Mohd. Manazir, Necmettin Erbakan University, Turkey
14. Miss Gulnaaz Bano, Dr. B.R.Ambedkar University, Agra
15. Mr. Said Faizurrahman, Osmania University, Hyderabad
16. Mr. Mohammad Rahim, Lucknow University, Lucknow
17. Mr. Mohammad Hammad, AMU, Aligarh
18. Miss. Yagnaseni Datta, Yale University, Newyork
19. Mrs. Firdos Jahan, BHU, Varanasi
20. Mr. Mohd. Abdul Qadir, Delhi University, Delhi
21. Mr. Mohammad Adil, Mumbai University, Mumbai
22. Mr. Sahib Alam, Azamgarh
23. Mr. Ayush Mishra, BHU, Varanasi
24. Mr. Mohd. Ashfaque Zulfikar, AMU, Aligarh
25. Miss. Saima Haleem, AMU, Aligarh
26. Mr. Mohd. Shahbaz, Dept. of Persian, Delhi University, New Delhi
27. Mr. Ansari Abdul Rehman, Dept. of Persian, Delhi University, New Delhi
28. Dr. Shairullah Khan, Rampur
29. Mr. Vivek Gupta, SOAS, University of London
30. Mr. Mohd. Nasir, Rampur

31. Mohammad Usama Nadvi, Bhatkal, Karnataka
32. Miss. Tabassum Nigar, Dept. of History, Jamia Milia Islamia, New Delhi
33. Dr. Isahaya Yoichi, Rikkyo University, College of Arts, Tokyo
34. Mr. Kamiljon Rahimov, Institute of Oriental Studies, Beruni Home, Uzbekistan
35. Dr. Shaista Akhtar, Tehseel Shahbad, Rampur
36. Mr. Hassan Rezakkhany, Berkeley, University of California
37. Miss. Madeline Wyse, Berkeley, University of California
38. Mr. Kristen Sieck, The George Washington University, USA
39. Dr.Mika Natif, The George Washington University, USA
40. Miss. Aaisha Shathi, New Delhi
41. Mr. Ameer Abbas, Delhi University, New Delhi
42. Dr. S. Mohammad Arshad Rizvi, Govt. Raza P.G. College, Rampur
43. Dr. S. Anwar-ul Hasan, Rampur
44. Dr. Anees Abbas Rizvi, Dept. of Sanskrit, AMU
45. Mr. Umar Ameen Ilahi, Shah Faisal Colony Srinagar, Kashmir
46. Miss. Roohina, Maulana Azad National University, Hyderabad
47. Miss. Nusrat Rahid, University of Kashmir
48. Mr. Zeyaul Haque, Jamia Milia Islamia, New Delhi
49. Mr. Syed Shahid Ashraf, JNU, New Delhi
50. Mr. Mohammad Mubeem Asif, University of Delhi
51. Dr. Mohd. Ali Johar, Dept. of Urdu, AMU, Aligarh

Appendix V
SCHOOLS VISITED

- 118 students fromRoyal Academy, Swar, Rampur on May 2018.
- 57 students from M.K.G.N. Islamic Academy, Dariyal, Rampur on 29th May 2018.
- 28 students from DSB Bareilly, Parsakhera, Bareilly Road, Rampur on 29th July 2018.
- 48 students from JPS, Kichcha, Uttarakhand on 30th July 2018.
- 102 students from Fatima girls Inter College, Nagla on 11th August 2018.
- 48 students from Goya World School, Sambhal visited on 28th August 2018.
- 70 students from MTC, Shahbadgate, Rampuron 8th September2018.
- Students from The Great Ambedkar Junior High School, Rasoolpur Swar, Rampur on 8th September 2018.
- 165 students from St.Mary's Sr. Sec. School, Rampur on 22nd September 2018.
- 50 students fromHabibiya Junior High School, Moradabad on 21st October 2018.
- 60 students from K.L.H.C.C. Madaiyya, Rampur on 23rd October 2018.
- 150 students from Goyal Public School, Nagina Bijnor on 25th October 2018.
- 108 students from J.P. Vidyapeeth on 30th October 2018.
- 107 students from Milak on 14th November2018.
- 95 students from N.M. Higher Secondary School, Ahmed Nagar on 14th November 2018.
- 73 students from Jai Balaji Public Junior High School, Thakurdwara, Moradabad on 14th November 2018.
- 40 students fromDixit Higher Education College, Rampur on 14th November 2018.
- 85 students from T.M.U., Moradabad on 22nd November 2018.
- 52 students from M.S.S. Public School, Bilari, Moradabad on 25th November 2018.
- 54 students from K.P. Inter College, Kunderki, Rampur on 29th November 2018.
- 25 students from Dubai Public School, Ekta Vihar,Civil lines, Rampur on 1st December 2018.
- 115 students from Akansha Public School, Rampur, on 1st December 2018.
- 93 students from J.J. High School, Tanda, Rampur on 4th December 2018.
- 80 students from Saraswati Junior High School, Madaiyanakli, Rampur on 9th December 2018.
- 38 students fromSt.paul school, Rampur on 9th December 2018.
- 37 students from St.paul's School, Rampur on 11th December 2018.
- 42 students from St.paul's School, Rampur on 12th December 2018.

- 33 students from The Palm Tree Academy,Shaukat Ali Road, Rampur on 12th December 2018
- 42 students from St.Paul's School, Panwadia, Rampur on 13th December 2018
- 40 students from St.Paul's School, Rampur on 15th December 2018
- 35 students from J.High School, Bhandpura, Rampur on 15th December 2018
- 72 students from A.P.T. Coaching, Jwala Nagar, Rampur on 15th December 2018
- 46 students from St.Paul's School, Rampur on 18th December 2018
- 33 students from St.Paul's School, Rampur on 19th December 2018
- 40 students from Keshav Inter College, Swar, Rampur on 29th December 2018
- 55 students from Bhavarka, Post Mankat, Tehseel Shahbad, Rampur on 1st January 2019
- 57 students from Raju Junior High School, Panwadia, Rampur on 9th January 2019
- 75 students from J.P.S. Higher Secondary School, Bareilly on 23rd January 2019
- 92 students from Alma Mahir School, Bareilly on 27th January 2019
- 170 students from Rajkiya Inter college, Manakpur on 27th January 2019
- 73 students from Rajkiya Inter college, Tanda , Rampur on 27th January 2019
- 28 students from Rajkiya Uchtar Madhyamic Vidyalya, Khandiya, Rampur on 27th January 2019
- 54 students from Rajkiya Uchtar Madhyamic Vidyalya, Gajraula on 2nd February 2019
- 94 students from Paros Holiday, Moradabad on 2nd February 2019
- 70 students from UPS, Old Awas Vikas, Rampur on 3rd February 2019
- 60 students from Rajkiya Raza Inter College, Rampur on 5th February 2019
- 60 students from Dr.APJ Abdul Kalam Inter College, Saifni, Rampur on 9th February 2019
- 49 students from Jameatus Swalehat, Rampur on 13 February 2019
- 60 students from TMU, Moradabad on 2nd March 2019
- 53 students from Aligarh Muslim University, Aligarh on 26th March 2019
- 100 students from Zulfikar Inter College, Rampur on 27th March 2019
- 45 students from TMU, Moradabad on 28th March 2019
- 60 stdents from Kanya Shiksha Prasaran High School, Moradabad on 28th March 2019

Appendix VI

Conservation Laboratory conserved following manuscripts, books & miniature paintings during the session 2018-19:

MANUSCRIPTS- Total folios = 1140

Arabic Manuscript # Holy Quran
Size – 25.0 x 16.5 cm, Period – nil, Total folios – 469

Persian Manuscript # Tuti Nama
Size –22.8 x 13.3cm, Period – nil, Total folios – 318

Persian Manuscript # Marsia Daftarul Abul Fazal
Size – 26.0 x 17.0 cm, Period – nil, Total folios – 176

Persian Manuscript # Sharah Qasida Farzokh
Size-31.5 x18.3cm, Period- 1871 AD, Total folios- 56

Urdu Manuscript # A bunch of 7 Manuscripts
Size – 20.0 x 15.0 cm, Period – 1868 AD, Total folios – 115

Urdu Manuscript # Qasida Mohammad Sadruddin Sadi
Size – 212 x 20 cm, Period – nil, Total folios – 1

Urdu Farman
Size – 74.7 x 19.0 cm, Period – nil, Total folios – 1

Urdu Letters
Size -52.3 x13.5cm, 31.5x19.9cm, 18.5x13.2cm, 21.5x17.5cm
Period- nil, Total folios-4

Sculpture
Conservation Laboratory scientifically conserved theSculpture of Mirza Ghalib, made up of Plaster of Paris.

PRINTED BOOKS- Total Folios = 1117

Urdu Printed Book # Misbah-ul-Masahat
Size – 20.2 x 13.5 cm, Period – 1852 AD, Total folios – 28

Urdu Printed Newspaper # Dainik Safire Malva Indore
Size – 50.5X36.0 cm, Period – 9 August 1966AD, Total folios – 2

Urdu Printed Map # Map of Avadh
Size – 37.0 x 29.5 cm, Period – nil, Total folios – 1

Urdu Printed Map # Map of Hindustan
Size – 50.0 x43.0 cm, Period –1859 AD, Total folios – 1

Urdu Printed Book # Imam-i-Raza Number
Size –30.1 x 23.7 cm, Period – 17 Jan1938, Total folios – 12

Urdu Printed Book # Takmil-ul-Hikmat
Size – 23.9 x 15.3 cm, Period – 1883AD, Total folios – 145

Urdu Printed Book # Mahabharat
Size –22.0 x 15.0 cm, Period – nil, Total folios – 144
Persian Printed Book # Peraiya Urooz
Size – 31.5 x 23.8 cm, Period – nil, Total folios – 528

Arabic Printed book # Tafseer Arbi
Size-34.5 x 21 cm, Period-1306 AD, Total folios - 256

PREVENTIVE CONSERVATION

(i) Preventive Conservation of Manuscripts & Printed Books

Preventive Conservation of 758 manuscripts and 17,694 printed books was done under the supervision of Conservation Laboratory.

Preventive Conservation of following Printed Book sections of Library:-

Old English Section	3,617 books
Urdu Section	1,500 books
Arabic-Persian Section	3,500 books
Loharu Section	6,200 books
Hindi Section	2,877 books
Total	17,694 books

(ii) Fumigation:

Fumigation of 5,000 Printed Books of different sections was done by suitable chemicals.

(iii) Control of Environmental Physical Factors:

Monitoring temperature and RH of Conservation Laboratory and various sections of Library and had controlled RH to a great extent by the use of Silica Gel.

Appendix VII

Work Done by Manuscript Conservation Centre during the year:

Curative Conservation

Manuscript Conservation Centre conserved following manuscripts during the session 2018-19:

Arabic Manuscript # Panj Soorah
Size – 12.8 x 9.0 cm, Period – Nil, Total folios – 154

Preventive Conservation

Preventive Conservation of 2,090 folios was done during the session 2018-19.

RAMPUR RAZA LIBRARY, RAMPUR

RECEIPTS AND PAYMENTS ACCOUNT: FOR THE YEAR ENDING 31ST st March 2019

Annexure	Receipts	Current Year Amount Rs.	Previous Year Amount Rs.	Annexure	Payments	Current Year Amount Rs.	Previous Year Amount Rs.
	Opening Balances:-			I	**Expenses:-**		
	a) Cash in Hand	-	-		a) Establishment Exp.	2,77,96,837.00	2,66,47,510.00
	b) Bank Balances in:				b) Administrative Exp.	2,53,47,532.66	2,34,67,518.96
	State bank of India	27,07,659.93	1,59,67,588.18		c) Programme Related Exp.	41,63,585.00	46,79,808.00
					Inter Current Account Transfer		-
					Deposits made		-
				II	**Expenses on Fixed Assets Capital, WIP:**		
	Grants Received from Govt. of India				a) Purchaes of Fixed Assets	1,22,13,521.00	1,13,83,467.00
	General	3,54,00,000.00	2,34,41,000.00		b) Capital work in Progress		-
	Capital Expenditure	66,88,000.00	47,33,000.00		Refund of Surplus Money		-
	Salaries	2,77,97,000.00	2,50,77,000.00		Loan Financial Charges Interest		-
	Swachh Bharat	2,00,000.00	2,00,000.00				
	Exhibition/ International Exhibition	4,35,359.00	7,98,579.00				
	Inter Current Account Transfer		-		**Other Payments-**		
	Interest Received		-		a) Prepaid Expenses		30,000.00
	Other Income	2,37,253.00	-		b) Expenses Earlier Year	35,07,424.00	16,08,967.00
	Amount Borrowed		-				
	Income from Sale of Publication	1,33,247.00	3,07,763.71		**Expenses Against Receipts From Govt Business**		-
	Income from Services:-				**Closing Balances:-**		
	Photostate etc	14,125.00	-		a) Cash in Hand		-
	Other Receipts	1,98,345.00			b) Bank Balances:-		
	Receipts from Govt. Busienss		-		State Bank of India, Br. Rampur		
	Receipts from Others	1,30,347.00	-		C.A.No.10986696330	9,12,436.27	27,07,659.93
					Deposit Accoutns (NPS)		-
					Grant in Transit (Non Plan)		
		7,39,41,335.93	**7,05,24,930.89**			**7,39,41,335.93**	**7,05,24,930.89**

For **A.K. GARG & ASSOCIATES**
Chartered Accountants

M.No. 090539
Firm Regn No. 000922-N
Place: Delhi
Dt 17/7/2019

A.K. GARG & ASSOCIATES * DELHI * Chartered Accountants

Director
Rampur Raza Library

RAMPUR RAZA LIBRARY, RAMPUR

ANNEXURES FORMING PART OF RECEIPTS & PAYMENTS ACCOUNT

ANNEXURE I(a) :- ESTABLISHMENT EXPENSES:-

	CURRENT YEAR AMOUNT (Rs.)	PREVIOUS YEAR AMOUNT (Rs.)
SALARIES & WAGES		
i) Salaries	2,19,95,598.00	2,17,48,837.00
ii) Pensions & Commutation Pension	19,61,396.00	12,82,959.00
iii) Gratuity	-	-
iv) Earn Leave Encashments	-	-
		-
ALLOWANCES:-		-
i) Overtime Allowance	-	-
ii) Washing Allowance	11,520.00	15,480.00
iii) Tuition Fees Allowance	5,04,356.00	4,22,163.00
iv) Livery of IV Class Employees	66,900.00	10,344.00
v) Bonus	4,14,480.00	-
vi) Contribution to NPS	4,04,922.00	-
vii) Contribution to GPF	7,20,198.00	14,30,500.00
viii) Staff Welfare (Medical Claims)	15,82,679.00	13,08,392.00
ix) Employees Retirement Benefits	-	4,03,115.00
x) Other Honorarium	5,900.00	5,000.00
xi) Leave Travel	-	-
xii) LTC	1,28,888.00	20,720.00
Total (Rs.)	**2,77,96,837.00**	**2,66,47,510.00**

A. K. GARG & ASSOCIATES
DELHI
Chartered Accountants

Director
Rampur Raza Library

RAMPUR RAZA LIBRARY, RAMPUR

ANNEXURE I (b) : OTHER ADMINISTRATIVE EXPENSES:-

	CURRENT YEAR AMOUNT (Rs.)	PREVIOUS YEAR AMOUNT (Rs.)
a) Annual Repairs & Maintenance Buildings	10,33,179.00	16,61,822.00
b) Development & Maintenace of Gardens	10,76,170.00	9,68,685.00
c) Travelling (TA/DA) & Conveyance	9,58,528.00	5,69,705.00
d) Postage, Telegram & Telephone	1,49,467.00	1,53,318.00
e) Electrictiy & Water Charges	6,17,378.00	8,39,359.00
f) Running & Maintt. Of Generators	5,82,905.00	4,16,151.00
g) Running & Maintt of Machines & Equpt.	8,43,834.00	6,54,220.00
h) Newspapers & Periodicals	69,841.00	57,370.00
i) Vehicle Running & Maint.	1,31,956.00	12,606.00
j) Printing & Stationary	2,24,973.00	2,48,031.00
k) Office Exp.	10,37,215.90	6,39,211.80
l) Hospitality to Guests & VIP	1,20,863.00	70,402.00
m) Legal & Professional Exp.	2,45,430.00	1,73,392.00
n) Board & Sub-Committee Meetings	2,87,937.70	2,98,002.00
o) CISF (Security Guards)	1,73,29,297.00	1,60,86,884.00
p) Publicity & Advertisemnts	1,95,180.00	14,996.00
q) Contingencies	1,72,617.06	4,13,221.16
r) Auditors Remuneration	-	-
s) National Functions	1,99,441.00	1,90,143.00
t) Fire Protection	71,320.00	
Total (Rs.)	**2,53,47,532.66**	**2,34,67,518.96**

A. K. GARG & ASSOCIATES DELHI Chartered Accountants

Director
Rampur Raza Library

RAMPUR RAZA LIBRARY, RAMPUR

Annexure- I(C)

Programme Related Expenses

	CURRENT YEAR AMOUNT (Rs)	PREVIOUS YEAR AMOUNT (Rs.)
a) Colour Photo Documentation	-	-
b) Computerisation / Digitalisation of Collection /Rare MSS	-	-
c) Preservation of Collections	5,50,743.00	7,27,062.00
d)Seminar, Workshop & Lecture Series	12,77,547.00	21,91,028.00
e) Annual Reports & Journals	-	-
f) Scholarship & Awards	10,76,458.00	-
g) Mission Manuscripts	-	-
h) Swach Bharat (SAP)	1,97,755.00	-
i) Modernisation of RAZA Museum	-	-
j) Exhibition/ International Exhibition/ Saudi Exhibition/ Books Fair	- 10,61,082.00	- 17,61,718.00
K) Translation / Publication of Arabic & Persian MSS	-	- -
Total Rs.	**41,63,585.00**	**46,79,808.00**

A. K. GARG & ASSOCIATES ★ Chartered Accountants ★ DELHI

Director
Rampur Raza Library

RAMPUR RAZA LIBRARY, RAMPUR

Annexure No. II(a)
Purchase of Fixed Assets

	CURRENT YEAR AMOUNT (Rs.)	PREVIOUS YEAR AMOUNT (Rs.)
A) Land	-	-
B) Building Special Repairs	62,82,627.00	35,84,577.00
c) Plant, Machines & Equipments	7,89,042.00	6,98,706.00
d)Vehicles	-	-
e) Furniture & Fixture	3,00,900.00	2,25,337.00
f) Library Publications	18,70,404.00	10,52,542.00
g) Library Books & Manuscripts	1,47,672.00	1,98,897.00
h) Documentary Film RRL	-	-
i) Installations Fire Protection System	-	-
j) Digitalisation of Manuscripts(MSS)	27,22,482.00	55,63,882.00
h) Modernisation of Darbar E Hall	1,00,394.00	59,526.00
Total (Rs.)	**1,22,13,521.00**	**1,13,83,467.00**

A. K. GARG & ASSOCIATES
DELHI
Chartered Accountants

Director
Rampur Raza Library

RAMPUR RAZA LIBRARY, RAMPUR

INCOME & EXPENDITURE ACCOUNT: FOR THE YEAR ENDING 31st March 2019

	Schedule No	CURRENT YEAR AMOUNT (Rs.)	PREVIOUS YEAR AMOUNT (Rs.)
INCOMES:-			
Sales / Subscription Services	12	5,82,970.00	3,07,763.71
Grants / Subsidies	13	5,83,06,838.00	4,21,71,736.00
Fees & Subscriptions	14		
Income from Inventories	15		
Income from Royalty, Publications	16		
Interest Earned	17		
Other Incomes	18		
Increase/ Decrease in Stock	19		
SubTotals Rs.		**5,88,89,808.00**	**4,24,79,499.71**
Expenditures:-			
Establishment Expenses	20	2,77,96,837.00	2,66,47,510.00
Other Administrative Exp.	21	3,12,01,375.66	3,09,60,227.96
Expenditure on Grants/Subsidies	22		
Interests	23		
Depreciation	24	12,55,271.00	15,79,396.00
SubTotal Rs.		**6,02,53,483.66**	**5,91,87,133.96**
Balance being:-			
Excess of Expenditure Over Income		13,63,675.66	(1,67,07,634.25)
Total Rs.		**5,88,89,808.00**	**4,24,79,499.71**

For **A.K. GARG & ASSOCIATES**
Chartered Accountants

A.K. GARG & ASSOCIATES DELHI Chartered Accountants

M.No. 090539
Firm Regn No. 000922-N
Place: Delhi
Dt 17/7/2019

Director
Rampur Raza Library

RAMPUR RAZA LIBRARY, RAMPUR

Schedule Forming Part of Income & Expenditure Account
For the year ending 31st March 2019

	CURRENT YEAR AMOUNT (Rs.)	PREVIOUS YEAR AMOUNT (Rs.)
Schedule No.12		
Income from Sales / Services:	-	-
Income from Sales		
a) Sales of Finished Goods	-	-
b) Sales of Raw materials	-	-
c) Sales of Scraps	1,98,345.00	-
d) Sales of Publications	1,33,247.00	3,07,763.71
Income from Services:-		
a) Labour / Processing Charges	-	-
b) Professional & Consultancy Charges	-	-
c) Agency, Commission & Brokerage	-	-
d) Maintenance Services	-	-
e) Photostate etc.	14,125.00	-
g) Others	2,37,253.00	-
Total Rs.	**5,82,970.00**	**3,07,763.71**

A.K. GARG & ASSOCIATES DELHI Chartered Accountants

Director
Rampur Raza Library

RAMPUR RAZA LIBRARY, RAMPUR

Schedule No.13: GRANTS / SUBSIDIES

IRREVOCABLE GRANTS & SUBSIDIES RECEIVED

Particulars	CURRENT YEAR AMOUNT (Rs.)	PREVIOUS YEAR AMOUNT (Rs.)
1) Central Grants:		
a) General	3,54,00,000.00	2,34,41,000.00
b) Salaries	2,77,97,000.00	2,50,77,000.00
c) Swachh Bharat	2,00,000.00	2,00,000.00
d) Exhibitions for Saudi Arabia (ICCR)		3,68,403.00
e) For International Exhibitions (FOI)	4,35,359.00	4,30,176.00
	6,38,32,359.00	4,95,16,579.00
Add: For Capital Expenditure	66,88,000.00	47,33,000.00
	7,05,20,359.00	5,42,49,579.00
2) State Government		
3) Govt.Agencies		-
4) Institutions & Welfare Bodies		-
5) International Organisation		-
Subtotal Rs.	**7,05,20,359.00**	**5,42,49,579.00**
Less: Transfer for Capital Fund		
Ledger-II	1,19,58,190.00	1,19,74,871.00
Ledger-I	2,55,331.00	1,02,972.00
Total Rs.	**5,83,06,838.00**	**4,21,71,736.00**

A.K. GARG & ASSOCIATES DELHI Chartered Accountants

Director
Rampur Raza Library

RAMPUR RAZA LIBRARY, RAMPUR

Schedule No.14: FEES / SUBCRIPTIONS

Particulars	CURRENT YEAR AMOUNT (Rs.)	PREVIOUS YEAR AMOUNT (Rs.)
1) Entrance Fees	-	-
2) Annual Fees / Subcription	-	-
3) Seminars & Porgrammes Fees	-	-
4) Consultancy Fees	-	-
5) Others	-	-
Total Rs.	-	-

Schedule.15 INCOME FROM INVESTMENT:-

	Investment Earmarked Fund		Investment (Others)	
Particulars	**CURRENT YEAR**	**PREVIOUS YEAR**	**CURRENT YEAR**	**PREVIOUS YEAR**
1) Interest				
a) On Govt. Securities	-	-	-	-
b) On Bonds / Debentures	-	-	-	-
			-	-
2) Dividends:	-	-	-	-
a) On Shares	-	-	-	-
b) On Mutual fund securities		-	-	-
			-	-
Total Rs.	-	-	-	-

A. K. GARG & ASSOCIATES ★ Chartered Accountants ★ DELHI

Director
Rampur Raza Library

RAMPUR RAZA LIBRARY, RAMPUR

Schedule No.16: INCOME FROM ROYALTY, PUBLICATIONS , ETC.

PARTICULARS	CURRENT YEAR AMOUNT (Rs.)	PREVIOUS YEAR AMOUNT (Rs.)
1) Income from Royalty	-	-
2) Income from Publications	-	-
3) Others	-	-
Total Rs.	-	-

Schedule No.17, INTEREST EARNED:-

1) On Term Deposits	-	-
2) On Saving Bank Account	-	-
3) On Loans	-	-
4) On Debtors & Others	-	-
recoveries as Interest	-	
Total Rs.	-	-

A. K. GARG & ASSOCIATES ★ Chartered Accountants ★ DELHI

Director
Rampur Raza Library

RAMPUR RAZA LIBRARY, RAMPUR

Schedule No.18 Other Income

PARTICULARS	CURRENT YEAR AMOUNT (Rs.)	PREVIOUS YEAR AMOUNT (Rs.)
1) Profit on Sale / Disposal of Assets	-	-
2) Exports Incentives Receivables	-	-
3) From Misc. Services	-	-
4) Misc. Income	-	-
Total Rs.	-	-

Schedule No.19 Decrease / Increase In Stocks of Finished Goods / WIP

PARTICULARS	CURRENT YEAR AMOUNT (Rs.)	PREVIOUS YEAR AMOUNT (Rs.)
On Closing Stock:		
Finished Goods	-	-
Work in Progress	-	-
On Opening Stock:		
Finished Goods	-	-
Work in Progress	-	-

A.K. GARG & ASSOCIATES ★ DELHI ★ Chartered Accountants

Director
Rampur Raza Library

RAMPUR RAZA LIBRARY, RAMPUR

Schedule No.20 ESTABLISHMENT EXPENSES

PARTICULARS	CURRENT YEAR AMOUNT (Rs.)	PREVIOUS YEAR AMOUNT (Rs.)
a) Salaries & Wages:-		
i) Salaries	2,19,95,598.00	2,17,48,837.00
ii) Pensions & Commutation Pensions	19,61,396.00	12,82,959.00
iii) Gratuity	-	-
iv) Earn Leave Encashments	-	-
b) ALLOWANCES & BONUS:	-	-
i) Overtime Allowance	-	-
ii) Washing Allowance	11,520.00	15,480.00
iii) Tuition Fees Allowances	5,04,356.00	4,22,163.00
iv) Liveries of IV Class Employee	66,900.00	10,344.00
v) Bonus	4,14,480.00	-
vi) LTC	1,28,888.00	20,720.00
c) CONTRIBUTION TO GPF	7,20,198.00	14,30,500.00
d) CONTRIBUTION TO OTHER FUND	-	-
e)Staff Welfare Expenses (Medical Claims)	15,82,679.00	13,08,392.00
f)Expenses on Employment Retirement/NPS	4,04,922.00	4,03,115.00
g) Other (Honorarium)	5,900.00	5,000.00
Total (Rs.)	**2,77,96,837.00**	**2,66,47,510.00**

GARG & ASSOCIATES
DELHI
Chartered Accountants

Director
Rampur Raza Library

RAMPUR RAZA LIBRARY, RAMPUR

Schedule No.21 OTHER ADMINISTRATIVE EXPENSES:

	CURRENT YEAR AMOUNT (Rs.)	PREVIOUS YEAR AMOUNT (Rs.)
a) Annual Repairs & Maintt.Both Building	10,33,179.00	16,61,822.00
b) Colour Photo Documentation of Rare MSS	-	-
c) Computerisation & Digitalisation of MSS	-	-
d) Electrictiy & Water Expenses	6,17,378.00	9,72,701.00
e) Running & Maintenance of Generators	5,82,905.00	4,16,151.00
f) Preservations of Collections	5,50,743.00	7,27,062.00
g)Repairs & Maintenances of Machines /Equipments	8,43,834.00	6,54,220.00
h) Development & Maintenace of Gardens	10,76,170.00	10,52,691.00
i) Newspapers & Periodicals	69,841.00	57,370.00
j) Vehicle Running & Maintenance	1,31,956.00	12,606.00
k) Postage, Telephone & Communications	1,43,171.00	1,53,171.00
l) Printing & Stationary	2,54,973.00	2,84,125.00
m) Travelling & Conveyance Exp.	9,58,528.00	5,69,705.00
n) Seminars & Workshop & Lectures Series	12,77,547.00	22,87,714.00
o) Scholarships & Award	10,76,458.00	-
p) Office Expenses	10,37,215.90	6,39,211.80
q) Hospitalities to Guests & V.I.P	1,20,863.00	70,402.00
r) Legal & Professional Charges	2,45,430.00	1,73,392.00
s) Board & Sub-Committee Meetings	2,87,937.70	2,98,002.00
t) Annual Reports Calenders & Journal Printing	-	-
u) CISF (Security Guards)	1,89,95,851.00	1,84,89,143.00
v) Advertisements & Publicity	1,95,180.00	75,657.00
w) Contingencies	1,72,617.06	4,13,221.16
x) National Function	1,99,441.00	1,90,143.00
y) Translation & Publication of Rare MSS	-	-
z) Modernisation of Raza Museum	-	-
aa)CAG Audit fees	-	-
ab)Exhibition/ Intt. Exhibition/ Saudi		-
Exhibition/ Books Fairs	10,61,082.00	17,61,718.00
ac)Swach Bharat	1,97,755.00	
ad)Fire Protection	71,320.00	
Total (Rs.)	**3,12,01,375.66**	**3,09,60,227.96**

A. K. GARG & ASSOCIATES DELHI Chartered Accountants

Director
Rampur Raza Library

RAMPUR RAZA LIBRARY, RAMPUR

SCHEDULE No.4 SECURED LOANS / BORROWINGS:-

	CURRENT YEAR AMOUNT (Rs)	PREVIOUS YEAR AMOUNT (Rs.)
1) Central Government	-	-
2) State Government	-	-
3) Financial Institutions	-	-
4) Banks	-	-
5) Other Institutions & Agencies	-	-
6) Debentures & Bonds	-	-
7) Others	-	-
Total Rs.	**-**	**-**

A. K. GARG & ASSOCIATES
DELHI
Chartered Accountants

Director
Rampur Raza Library

RAMPUR RAZA LIBRARY, RAMPUR

BALANCE SHEET AS AT 31.03.2019

PARTICULARS	SCHEDULE No.	CURRENT YEAR AMOUNT (Rs)	PREVIOUS YEAR AMOUNT (Rs.)
CORPUS / CAPITAL FUND			
& LIABILITIES:-			
Corpus /Capital Fund	1	9,75,43,555.80	8,68,52,710.46
Reserves & Surpluses	2	1,44,57,236.00	1,44,57,236.00
Earmarked Endowment Fund	3a		
General Provident Fund	3b	95,72,622.50	90,17,139.50
Secured Loans & Borrowings	4	-	-
Unsecured Loans & Borrowings	5	-	-
Deferred Credit Liabilities	6	-	-
Current Liabilities & Provisions	7	59,84,803.00	68,03,232.00
Totals (Rs.)		**12,75,58,217.30**	**11,71,30,317.96**
ASSETS			
Fixed Assets	8	11,20,87,075.53	10,12,87,825.53
Investments: Provident Fund(GPF)	9	95,72,622.50	90,17,139.50
Investments Others	10		
Current Loans & Advances	11	58,98,519.27	68,25,352.93
Misc Expenditures			
(To the Extent Not Written off)		-	-
Total (Rs.)		**12,75,58,217.30**	**11,71,30,317.96**

For **A.K. GARG & ASSOCIATES**
Chartered Accountants

A.K. GARG & ASSOCIATES DELHI Chartered Accountants

M.No. 090539
Firm Regn No. 000922-N
Place: Delhi
Dt 17/7/2019

Director
Rampur Raza Library

RAMPUR RAZA LIBRARY, RAMPUR

Schedule Forming Part of Balance Sheet As At 31.03.2019

Schedule No.1 CORPUS CAPITAL FUND:

PARTICULARS	CURRENT YEAR AMOUNT (Rs)	PREVIOUS YEAR AMOUNT (Rs.)
Balance at Beginning of the year	8,68,52,710.46	9,18,64,369.42
Add: Contribution towards CORPUS /CAPITAL FUND	1,22,13,521.00	1,20,77,843.00
Add: Gift of Books / Received	70,397.00	89,796.00
BALANCE Rs.	**9,91,36,628.46**	**10,40,32,008.42**
Less: i) Publications Sold	1,33,247.00	3,07,763.71
ii) Gift of Books To Govt. Institutions /Libraries	96,150.00	1,63,900.00
iii) Transfer to Plan General Fund	-	-
iv) Transfer to Plan Capital Expenditure		-
v) Transfer to Non Plan General Fund		-
vi) Balance Capitlal Grants Plan		-
Vii) Balance Short Capital Grants Non Plan		-
Less/Add:- Excess of Expenditures over Income	13,63,675.66	1,67,07,634.25
Total(Rs.)	**9,75,43,555.80**	**8,68,52,710.46**

A.K. GARG & ASSOCIATES ★ Chartered Accountants ★ DELHI

Director
Rampur Raza Library

RAMPUR RAZA LIBRARY, RAMPUR

SCHEDULE NO.2 RESERVE & SURPLUSES:-

PARTICULARS	CURRENT YEAR AMOUNT (Rs.)	PREVIOUS YEAR AMOUNT (Rs.)
1) CAPITAL RESERVES:-		
- As per last Account	-	-
- Addition during the year	-	-
- Deduction during the year	-	-
2) REVALUATION RESERVES:-		
- As per last Account	-	-
- Addition during the year	-	-
- Deduction during the year	-	-
3) SPECIAL RESERVES (UNUTILISED):-		
- As per last Account	1,44,57,236.00	1,44,57,236.00
- Addition during the year	-	-
- Deduction during the year	-	-
4) GENERAL RESERVES:-		
- As per last Account	-	-
- Addition during the year	-	-
- Deduction during the year	-	-
Total (Rs.)	**1,44,57,236.00**	**1,44,57,236.00**

A. K. GARG & ASSOCIATES
DELHI
Chartered Accountants

Director
Rampur Raza Library

RAMPUR RAZA LIBRARY, RAMPUR

SCHEDULE NO.3a EARMARKED / ENDOWMENT FUND:-

FUNDWISE BREAK-UP	CURRENT YEAR AMOUNT (Rs)	PREVIOUS YEAR AMOUNT (Rs.)
a) Opening Balance of the Fund	-	-
b) Additions During the year	-	-
c) Utilisation / Expenditures towards Objects of	-	-
Fund Net Balance at the Year End	-	-
SCHEDULE NO.3b) GENERAL PROVIDENT FUND:-		
a) G.P.F Saving Bank Account:	20,43,495.50	13,10,881.50
Add:) i) Subscription during the year	7,20,198.00	4,76,500.00
ii) Interest earned during the year	57,940.00	53,760.00
iii) Interest earned on Fixed Deposites		1,30,354.00
iv)Recoveries of GPF	6,62,000.00	3,54,000.00
		-
	34,83,633.50	23,25,495.50
Less: i) Refundable Advances to Staff	13,11,000.00	2,82,000.00
ii) Non Refundable Advances to Staff	2,00,000.00	-
iii) Transfer to NPS		
SAVING BANK BALANCE	**19,72,633.50**	**20,43,495.50**
b) SPECIAL DEPOSITS:-		
Opening Balance	69,73,644.00	66,09,070.00
Add: Interest on FDR's	1,30,347.00	3,64,574.00
Add: Interest FDR's Accrued	4,95,998.00	
TOTAL OF FIXED DEPOSITS	**75,99,989.00**	**69,73,644.00**
GRAND TOTAL (G.P.F)	**95,72,622.50**	**90,17,139.50**

A. K. GARG & ASSOCIATES ★ DELHI ★ Chartered Accountants

abbas
Director
Rampur Raza Library

RAMPUR RAZA LIBRARY, RAMPUR

SCHEDULE No.4 SECURED LOANS / BORROWINGS:-

	CURRENT YEAR AMOUNT (Rs)	PREVIOUS YEAR AMOUNT (Rs.)
1) Central Government	-	-
2) State Government	-	-
3) Financial Institutions	-	-
4) Banks	-	-
5) Other Institutions & Agencies	-	-
6) Debentures & Bonds	-	-
7) Others	-	-
Total Rs.	**-**	**-**

A. K. GARG & ASSOCIATES
DELHI
Chartered Accountants

Director
Rampur Raza Library

RAMPUR RAZA LIBRARY, RAMPUR

SCHEDULE NO.5 UNSECURE LOANS & ADVANCES:-

	CURRENT YEAR AMOUNT (Rs)	PREVIOUS YEAR AMOUNT (Rs.
1) Central Government	-	-
2) State Government	-	-
3) Financial Institutions	-	-
4) Banks	-	-
5) Other Institutions	-	-
6) Debentures & Bonds	-	-
7) Fixed Deposits	-	-
8) Others	-	-
Total Rs.	**-**	**-**

SCHEDULE NO.6 DEFERRED CREDIT LIABLITIES:-

	CURRENT YEAR AMOUNT (Rs)	PREVIOUS YEAR AMOUNT (Rs.
a) Acceptances secured by the Hypothecation of Capital Equipments and other Assets	-	-
b) Others	-	-
Total Rs.	-	-

A. K. GARG & ASSOCIATES
DELHI
Chartered Accountants

Director
Rampur Raza Library

RAMPUR RAZA LIBRARY, RAMPUR

SCHEDULE NO.7 CURRENT LIABILITIES & PROVISIONS:-

PARTICULARS	CURRENT YEAR AMOUNT (Rs)	PREVIOUS YEAR AMOUNT (Rs.)
CURRENT LIABILITIES:-		
1) Acceptances	-	-
2) Sundry Creditors:		
For Goods	-	-
For Others	-	-
3) Advances Received	-	-
4) Interest Accrued:		
Secrued Loans & Borrowings	-	-
Unsecured Loans & Borrowings	-	-
5) Statutory Liabilities :		
Overdue	-	-
TDS Payable	82,250.00	
6) Other Curreent Liabilities:-		
GPF Transferrrable	1,30,347.00	
Maintt. Of Gardens		84,006.00
Water & Electricity Payable		1,33,342.00
CISF (Security Guards) Payable	16,66,554.00	24,02,259.00
Seminars & Lecture Series Payable		96,686.00
Publication of Books & Purchase of Books Payable		4,23,976.00
Puchase of Photostate Machines, etc.		2,70,400.00
Publicity All India Radio & CISF Stationery Payable		96,755.00
Subtotal (Rs.)	**18,79,151.00**	**35,07,424.00**
PROVISIONS:		
a) For Taxation	-	-
b) For Gratuity	-	-
c) Superannuation / Pension Scheme-**NPS**	41,05,652.00	32,95,808.00
d) Accumulated Encashments Leave	-	-
e) Trade Warranties / Claims	-	-
Total (Rs.)	**59,84,803.00**	**68,03,232.00**

A. K. GAUR & ASSOCIATES
DELHI
Chartered Accountants

Director
Rampur Raza Library

RAMPUR RAZA LIBRARY, RAMPUR

SCHEDULE NO.8 FIXED ASSETS AS ON 31.03.2019

Name of Assets	GROSS BLOCK				DEPRECIATION				NET BLOCK	
	COST AS ON 01.04.2018	ADDITIONS DURING YEAR	SOLD DEDUCT DURING YEAR	COST VALUE AS ON 31.03.2019	AS ON 01.04.2018	ON ADDITION DURING THE YEAR	ON EDUC	TOTAL TO 31.03.2019	AS AT 31.03.2019	AS AT 31.03.2018
LAND:										
FREEHOLD LAND	17,44,122.00	-	-	17,44,122.00	-	-	-	-	17,44,122.00	17,44,122.00
LEASEHOLD LAND	-	-	-		-	-	-	-		-
BUILDINGS:										
a) On Freehold Land	3,57,78,892.24	62,82,627.00	-	4,20,61,519.24	-	-	-	-	4,20,61,519.24	3,57,78,892.24
b) On Leasehold Land					-	-	-	-		
c) Ownership Flat/ Premises					-	-	-	-		
d)Superstructure on Land					-	-	-	-		
not Belonging to Entity										
MACHINES / LABORATROY:										
EQUIPMENTS	1,27,60,876.78	2,13,093.00	-	1,29,73,969.78	1,01,43,012.78	4,12,713.00	-	1,05,55,725.78	24,18,244.00	26,17,864.00
VEHICLES	4,92,281.32	-	-	4,92,281.32	4,54,496.32	5,667.00	-	4,60,163.32	32,118.00	37,785.00
FURNITURE & FIXTURES	76,57,240.14	3,00,900.00		79,58,140.14	46,80,526.14	3,17,171.00	-	49,97,697.14	29,60,443.00	29,76,714.00
COMPUTERS & PERIPHERALS	82,05,177.00	4,42,840.00		86,48,017.00	78,32,930.00	2,49,767.00	-	80,82,697.00	5,65,320.00	3,72,247.00
DARBAR HALL MUSEUM	59,63,280.00	1,00,394.00		60,63,674.00	-	-	-	-	60,63,674.00	59,63,280.00
LIBRARY BOOKS	3,57,66,473.29	20,88,473.00	2,29,397.00	3,76,25,549.29	-	-	-	-	3,76,25,549.29	3,57,66,473.00
TUBE WELL & WATERS	9,70,182.00	-	-	9,70,182.00	8,80,424.00	13,464.00	-	8,93,888.00	76,294.00	89,758.00
OFFICE EQUIPMENTS	39,80,707.01	1,33,109.00	-	41,13,816.01	23,93,302.01	2,56,489.00	-	26,49,791.01	14,64,025.00	15,87,405.00
OTHER FIXED ASSETS	11,50,240.00	-	-	11,50,240.00	-	-	-	-	11,50,240.00	11,50,240.00
DIGITALISATION MSS	1,32,03,045.00	27,22,482.00		1,59,25,527.00	-	-	-	-	1,59,25,527.00	1,32,03,045.00
TOTAL (Rs.)	**12,76,72,516.78**	**1,22,83,918.00**	**2,29,397.00**	**13,97,27,037.78**	**2,63,84,691.25**	**12,55,271.00**	**-**	**2,76,39,962.25**	**11,20,87,075.53**	**10,12,87,825.24**
PREVIOUS YEAR (Rs.)	**11,59,76,541.49**	**1,21,67,639.00**	**4,71,663.71**	**12,76,72,516.78**	**2,48,05,295.25**	**15,79,396.00**	**-**	**2,63,84,691.25**	**10,12,87,825.53**	**9,11,71,246.24**

A. K. GARG & ASSOCIATES ★ Chartered Accountants ★ DELHI

Director
Rampur Raza Library

RAMPUR RAZA LIBRARY, RAMPUR

SCHEDULE NO.9 INVESTMENT FROM EARMARKED / ENDOWMENT FUND

PARTICULARS	CURRENT YEAR AMOUNT (Rs.)	PREVIOUS YEAR AMOUNT (Rs.)
1) In Govt. Securities		-
2) Other Approved Securities	-	-
3) Shares	-	-
4) Debentures	-	-
5) Subsidiaries & Joint Venture	-	-
6) Others	-	-

GENERAL PROVIDENT FUND:-		
a) Saving Bank Accounts:-	20,43,495.50	13,10,881.50
Add:i) Subscription during the year	7,20,198.00	4,76,500.00
ii) Interest earned during the year	57,940.00	53,760.00
iii) Interest earned on Fixed Deposits		1,30,354.00
iv) Recovries of G.P.F	6,62,000.00	3,54,000.00
		-
Total	34,83,633.50	23,25,495.50
Less: i) Refundable Advance to Staff	13,11,000.00	2,82,000.00
ii) Non Refundable Advances	2,00,000.00	-
Total Saving Bank Account (Rs.)	19,72,633.50	20,43,495.50
b) SPECIAL DEPOSITS:		66,09,070.00
Opening Balance	69,73,644.00	3,64,574.00
Add: Interest on FDRs	1,30,347.00	
Add: FDR's Interest Accrued	4,95,998.00	
Total SPECIAL DEPOSITS Rs.	75,99,989.00	69,73,644.00
GRAND TOTAL G.P.F FUND Rs.	**95,72,622.50**	**90,17,139.50**

A.K. GARG & ASSOCIATES DELHI Chartered Accountants

Director
Rampur Raza Library

RAMPUR RAZA LIBRARY, RAMPUR

SCHEDULE NO.10 INVESTMENTS OTHERS

	CURRENT YEAR AMOUNT (Rs.)	PREVIOUS YEAR AMOUNT (Rs.)
1) In Govt. Securities	-	-
2) Other Approved Securities	-	-
3) Shares	-	-
4) Debutures	-	-
5) Subsidies & Joint Venture	-	-
6) Others	-	-
Total (Rs.)	-	-

A.K. GARG & ASSOCIATES ★ Chartered Accountants ★ DELHI

Director
Rampur Raza Library

RAMPUR RAZA LIBRARY, RAMPUR

SCHEDULE NO.11 CURRENT ASSETS, LOANS & ADVANCES:-

	CURRENT YEAR	PREVIOUS YEAR
A) CURRENT ASSETS:-		
1) INVENTORIES : Stores & Spares	-	-
Loose Tools	-	-
Stock in trade	-	-
2) Sundry Receivable / Recoveries	82,250.00	-
3) Cash in Hand	-	-
Postage Stamp Balance	11,879.00	5,583.00
Prepaid Expenses		30,000.00
4) BANK BALACNES:-		
a) With Schedule Banks:-		
I) On Current Account:		
STATE BANK OF INDIA		
C.A. NO.10986696330	9,12,436.27	27,07,659.93
II) On Deposit Account	-	-
b) With No. Scheduled Banks:-	-	-
III) Savings Bank Account		
i) On Current Account	-	-
ii) On Deposit Account	-	-
iii) On Saving Account	-	-
Non Plan Grants in Transit (Received after 31.03.2019)	-	-
5) POST OFFICE SAVING ACCOUNT	-	-
Total (Rs.)	**10,06,565.27**	**27,43,242.93**

A. K. GARG & ASSOCIATES DELHI Chartered Accountants

Director
Rampur Raza Library

RAMPUR RAZA LIBRARY, RAMPUR

SCHEDULE NO.11 CURRENT ASSETS, LOANS & ADVANCES:-

	CURRENT YEAR AMOUNT(Rs.)	PREVIOUS YEAR AMOUNT (Rs.)
B) LOANS / ADVANCES & OTHER ASSETS:-		
1) LOANS: a)Staff	-	-
b) Other entities of Similar object	-	-
c) Others	-	-
2) Advances & Others Accounts		
Receivable in Cash in kind or	-	-
for value to be received		
a) On Capital Account		
ASI Agra for False Ceiling Darbar Hall	4,60,902.00	4,60,902.00
b) Prepaid Expenses		-
c) Others:-		
i) Security Deposits		-
ii)Security Deposits (CISF)	3,12,000.00	3,12,000.00
III) Other Security Deposits	13,400.00	13,400.00
National Pension Scheme **(NPS)**	41,05,652.00	32,95,808.00
TDS Receivable		-
SUBTOTAL Rs.	**48,91,954.00**	**40,82,110.00**
Grand Totals Rs.	**58,98,519.27**	**68,25,352.93**

A.K. GARG & ASSOCIATES ★ Chartered Accountants ★ DELHI

Director
Rampur Raza Library

RAMPUR RAZA LIBRARY, RAMPUR

SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES FOLLOWED IN THE PREPARATION OF FINANCIAL STATEMENTS FOR THE YEAR 2018-19:-

1. **GENERAL:** The financial statements are drawn up in accordance with the "Historical Cost" convention and on the "Going Concern Concept" except where otherwise indicated. Revenue and Costs are accounted for on Accrual Basis.

2. **ACCRUAL SYSTEM OF ACCOUNTING:** The library has followed the accrual system of accounting in the preparation of financial statements during the financial year 2018-19.

3. **DEPRECIATION:** That the Depreciation charged has been provided on the fixed assets as per Income Tax Act and Rules, 1961.

A.K. GARG & ASSOCIATES
DELHI
Chartered Accountants

Director
Rampur Raza Library

4. **FIXED ASSETS:** They are depicted at cost less depreciation as per Income Tax Act, 1961. Expenditures incurred for Additions, Improvements and Specials of Assets are capitalized and expenditures for repair and maintenance of the same are charged to the Income & Expenditure Account.

5. **ARCHEOLOGICAL BUILDINGS:** They are not provided depreciation as these buildings are rare and priceless.

6. **GRANTS FROM GOVERNMENT OF INDIA:** Rampur Raza Library has been receiving grants from the Central Government for carrying out its activities of library, programmes, seminars, exhibitions, lecture series, etc. Rampur Raza Library has also been receiving grants for Capital Expenditures like special repairs of Hamid Manzil Building, Rang Mahal Building and Darbar Hall and Purchase of office Equipments , Publication of Books, Digitalization of MSS, Etc. The grants received are accounted for on "Accrual System of Accounting".

A. K. GARG & ASSOCIATES ★ DELHI ★ Chartered Accountants

Director
Rampur Raza Library

7. **Outstanding Liabilites:** Rampur Raza Library could not pay Sceurity Guards CISF bill received in the month of April-2019 of the amount of Rs. 16,66,554.00, it was not Paid upto 31st of March, 2019 and paid us the month of april 2019.

8. **National Pension Scheme (NPS) :** Rampur Raza Library has been following the changed rule of the Government of India for the employees as NPS for the new employees. The accumulated amount of NPS of Rs. 41,05,652.00 has been deposited in the NPS Scheme. This NPS Scheme includes 50% contribution of Rampur Raza Library and 50% deductions from the salaries of newly employed persons.

For A.K.GARG & ASSOCIATES
Chartered Accountants

A. K. GARG & ASSOCIATES ★ Chartered Accountants ★ DELHI

M. No.090539

Firm Regn. No.00092-n
Place: Delhi
Dated: 17/7/2019

Director
Rampur Raza Library

Separate Audit Report of the Comptroller and Auditor General of India on the accounts of the Rampur Raza Library, Rampur for the year ended 31 March, 2019

We have audited the attached Balance Sheet of the Rampur Raza Library, Rampur (Library) as at 31 March 2019, the Income and Expenditure Account and Receipts and Payments Account for the year ended on that date under Section 19 (2) of the Comptroller and Auditor General's (Duties, Powers & Conditions of Service) Act 1971 read with Section 21 (2) of the Rampur Raza Library Act, 1975. These Financial statements are the responsibility of the Library's management. Our responsibility is to express an opinion on this financial statement based on our audit.

2. This Separate Audit Report contains the comments of the Comptroller and Auditor General of India (CAG) on the accounting treatment only with regard to classification, conformity with the best accounting practices, accounting standards and disclosure norms, etc. Audit observations on financial transactions with regard to compliance with the Law, Rules & regulations (Propriety and Regularity) and efficiency-cum-performance aspect, etc. if any, are reported through Inspection Reports/CAG's Audit Reports separately.

3. We have conducted our audit in accordance with auditing standards generally accepted in India. These standards require that we plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statements are free from material misstatements. An audit includes examining, on a test basis, evidences supporting the amounts and disclosure in the financial statements. An audit also includes assessing the accounting principles used and significant estimates made by the management, as well as evaluating the overall presentation of financial statements. We believe that our audit provides a reasonable basis for our opinion.

4. Based on our audit, we report that:

(i) We have obtained all the information and explanations, which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purpose of our audit;

(ii) The Balance Sheet, Income and Expenditure Account and Receipts and Payments Account dealt with by this report have been drawn up in the format prescribed by the Ministry of Finance, Government of India.

(iii) In our opinion, proper books of accounts and other relevant records have been maintained by the Library, as required under Section 21 (1) of the Rampur Raza Library Act, 1975 in so far as it appears from our examination of such books.

We further report that:

(A) Receipts and Payments Account

(A.1) The Centre has shown ₹ 2.60 lakh related to travelling and hotel expenses under Programme related expenses. The same needs to be shown under 'Other Administrative Expenses'.

(A.2) Time barred cheques of ₹13.20 lakh were not written back as receipts in receipts and payments account. This resulted in understatement of receipts and closing balance by ₹13.20 lakh each.

(B) General

The Library has not made provision for retirement benefits on actuarial basis as required in AS -15.

(C) Grants-in-aid

The Library received Grants-in-aid ₹ 705.20 lakh during the year 2018-19 and generated internal income of ₹ 7.13 lakh. After taking into account the opening balance ₹ 27.08 lakh the total funds available worked out to ₹ 739.41 lakh. The Library utilised ₹ 730.29 lakh leaving a balance of ₹ 9.12 lakh.

(v) Subject to our observations in the preceding paragraphs, we report that the Balance Sheet, Income and Expenditure Account and Receipts and Payments Account dealt with by this report are in agreement with the books of accounts.

(vi) In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, the said financial statements read together with the Accounting Policies and subject to the significant matters stated above and other matters mentioned in Annexure to this Audit Report give a true and fair view in conformity with accounting principles generally accepted in India.

(a) In so far as it relates to the Balance Sheet, of the state of affairs of the Rampur Raza Library, Rampur as at 31 March, 2019; and

(b) In so far as it relates to the Income and Expenditure Account of the 'deficit' for the year ended on that date.

For and on behalf of the C&AG of India

Place: Lucknow
Date: 4.3.2020

Director General of Audit (Central)

Annexure

1. Adequacy of Internal Audit System

Library has no Internal Audit Wing of its own as such the Internal Audit of the Library was not conducted in the year 2018-19.

2. Adequacy of Internal Control System

Internal Control of the Library is characterized by the following deficiencies:

- Non preparation of contract agreement in deployment of contractual employees.
- Hiring and payment to professionals without constituting proper agreement in terms of scope of work and rate of remuneration.
- Non compliance of comments of previous SAR.

3. System of Physical Verification of Fixed Assets

Physical verification of Fixed Assets was not conducted during the year2018-19.

4. System of Physical Verification of Inventory

Physical verification of inventory was not conducted during the year2018-19.

5. Regularity in Payment of Statutory Dues

The Library is regular in payment of statutory dues.

Dy. Director (CE)

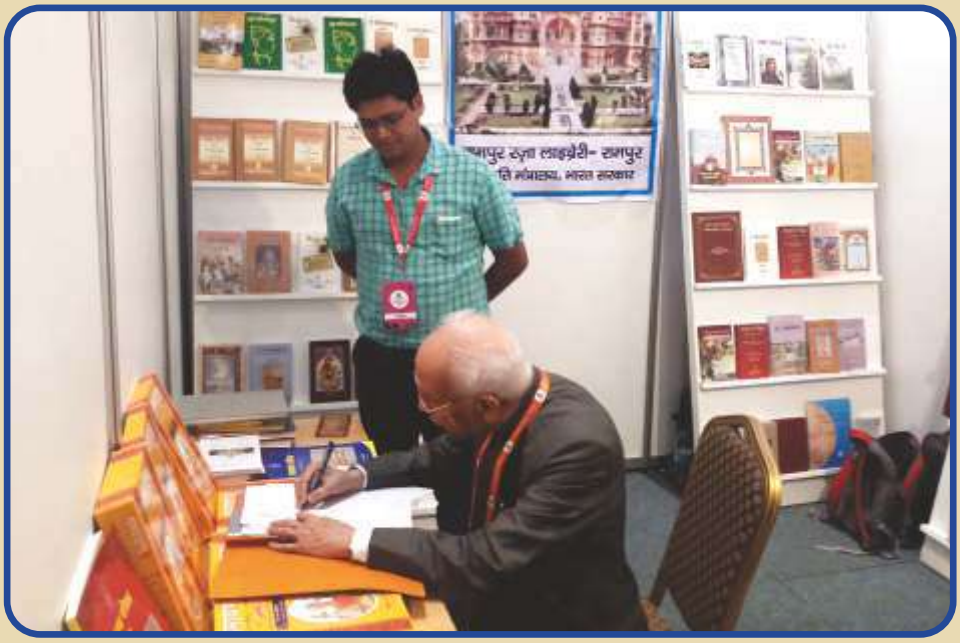

11 वें विश्व हिन्दी सम्मेलन के दौरान रामपुर रज़ा लाइब्रेरी के विषय में अपने विचार लिखते श्री केशरीनाथ त्रिपाठी, माननीय राज्यपाल पश्चिम बंगाल।

दिनांक : 19 अगस्त 2018 स्थान : मॉरिशस।

रामपुर रज़ा लाइब्रेरी में 149वीं गांधी जयन्ती के अवसर पर श्री महेंद्र बहादुर सिंह, जिलाधिकारी, रामपुर महात्मा गांधी को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए।

दिनांक : 2 अक्तूबर 2018 स्थान : दरबार हॉल, रामपुर रज़ा लाइब्रेरी।

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

मुद्रक : क्रियेटिव ऑफसेट प्रेस,
131 पटपडगंज औद्योगिक क्षेत्र, दिल्ली -92
मो.: 9136434848